समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

शिक्षक संदर्शिका

भाषा

कक्षा 4

वर्ष-2024-25

भाषा शिक्षण प्रक्रिया

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

सिद्धांत और पद्धति

सीखना एक चक्रिय प्रक्रिया है!

Experience

Consolidation — Learning — Reflection

Application

प्रक्रिया और उत्तरदायित्व

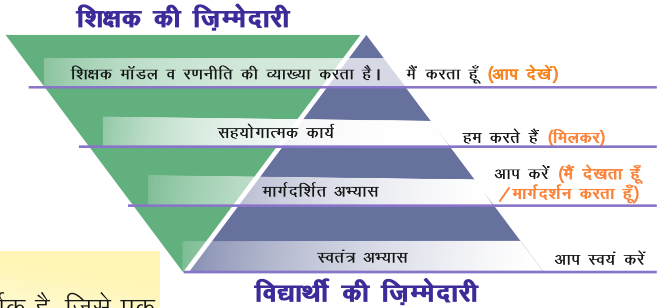

पाँच चरणों वाली सीखने की प्रक्रिया 'पंचादि'
उस क्रम को तैयार करने के लिए एक अच्छा मार्गदर्शक है, जिसे एक शिक्षक शिक्षण के लिए योजना बनाने में अपना सकता है।

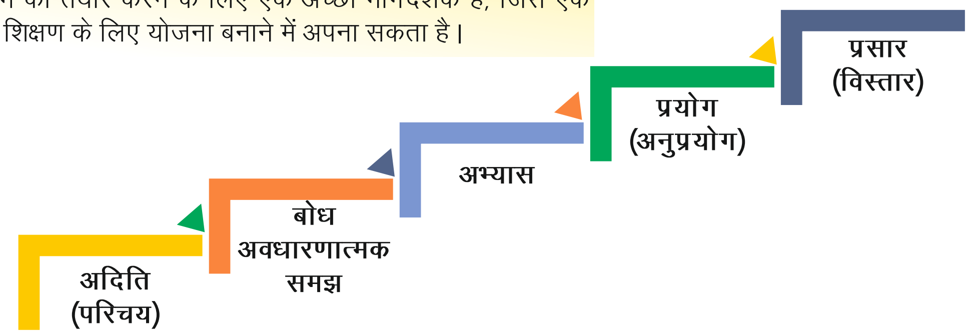

साक्षरता शिक्षण के लिए चार–ब्लॉक पद्धति

मौखिक भाषा विकास
- चित्र पर बातचीत
- अनुभव साझा करना
- नाटक और पात्र–अभिनय करना

शब्द पहचान
- ध्वनि जागरूकता की गतिविधियाँ
- वर्ण पहचान
- ध्वनि–प्रतीक संबंध
- कौशल केन्द्रित लेखन (वर्णों और शब्दों का)
- वर्ण और शब्द पठन

पढ़ना
- पढ़कर सुनाना
- साझा पठन
- निर्देशित/मार्गदर्शित पठन
- स्वतंत्र पठन

लिखना
- Modelled लेखन
- साझा लेखन
- निर्देशित/मार्गदर्शित लेखन
- स्वतंत्र लेखन

स्रोतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, फाउंडेशनल स्टेज 2022

संरक्षण – डॉ0 एम0के0 शन्मुगा सुन्दरम, आई०ए०एस०, प्रमुख सचिव (बेसिक शिक्षा), उत्तर प्रदेश शासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
संकल्पना – श्रीमती कंचन वर्मा, आई०ए०एस०, महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश
निर्देशन – श्री मधूसूदन हुल्गी, आई०ए०एस०, अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश

मार्गदर्शन –

1. श्री गणेश कुमार, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
2. डॉ0 पवन कुमार, संयुक्त निदेशक, (एस०एस०ए०), राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

सहयोग एवं समन्वयन–

1. श्री आनंद कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ विशेषज्ञ एवं प्रभारी गुणवत्ता, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश
2. श्री पी0एम0 अंसारी, राज्य सलाहकार, समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश
3. सुश्री नुज़हत मलिक, राज्य समन्वयक, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश
4. श्रीमती बबिता आशीष शंकर, कार्यक्रम समन्वयक, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश

संपादन–

1. श्री मदन मोहन पाण्डेय, सेवानिवृत्त प्रवक्ता एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून
2. श्री जयप्रकाश ओझा, सहायक अध्यापक / तकनीकी सहायक, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गोरखपुर
3. डॉ0 फैयाज़ अहमद, कंटेंट हेड, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, नई दिल्ली

विषय विशेषज्ञ एवं संदर्भदाता–

1. श्री मदन मोहन पाण्डेय, सेवानिवृत्त प्रवक्ता एस0सी0ई0आर0टी0, उत्तराखण्ड, देहरादून
2. श्री जयप्रकाश ओझा, सहायक अध्यापक / तकनीकी सहायक, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, गोरखपुर

लेखक मण्डल–

श्रीमती ज्योतिर्मयी पाण्डेय, प्र०अ० कम्पोजिट विद्यालय मुर्शदपुर, दनकौर, गौतमबुद्धनगर
श्रीमती आरती कुलश्रेष्ठ, प्र०अ० कम्पोजिट विद्यालय मोमनाथल, दनकौर, गौतमबुद्धनगर
श्रीमती रश्मि त्रिपाठी, SRG गौतमबुद्धनगर
श्रीमती रति गुप्ता, स०अ० प्राथमिक विद्यालय, मेहंदीपुर बांगर, जेवर, गौतमबुद्धनगर
श्रीमती रागिनी गुप्ता, प्र०अ० प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना, करंजाकला, जौनपुर
डॉ0 सदानन्द प्रजापति, स०अ० प्राथमिक विद्यालय सिकरौर, रामपुर, जौनपुर
डॉ0 प्रमिला सिंह, प्र०अ० प्राथमिक विद्यालय मलकिया, सोरांव, प्रयागराज
सुश्री वन्दना गुप्ता, स०अ० पूर्व माध्यमिक विद्यालय मल्हौर, चिनहट, लखनऊ
श्रीमती मधु वाजपेयी, स०अ० कम्पोजिट विद्यालय सदरौना, सरोजनी नगर, लखनऊ
श्रीमती रीना चौरसिया, ARP चिनहट, लखनऊ
श्रीमती अलका श्रीवास्तव, प्र०अ० कम्पोजिट विद्यालय बहलोलपुर, गोण्डा
श्री आशीष शुक्ला, प्र०अ० प्राथमिक विद्यालय पूरा बहादुर, टड़ियावां, हरदोई
श्रीमती सुमन, स०अ० प्राथमिक विद्यालय अजबपुर मँगावली, मुरादनगर, गाजियाबाद
श्रीमती गरिमा त्रिपाठी, स०अ० प्राथमिक विद्यालय, राधयपुर, त्रिवेदीगंज, बाराबंकी
श्री विकास शर्मा, स०अ० कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय, नगला सूरजभान, समसाबाद, आगरा
सुश्री अर्चना सागर, स०अ० प्राथमिक विद्यालय, ख्वाजिगीपुर, कानपुर नगर
श्री अमृतलाल यादव, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, नई दिल्ली
श्री अरविन्द कुमार दूबे, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश
श्री रजनीश यादव, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश
श्री अनुपम सिंह, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश
श्रीमती हाजरा बानो, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश
श्री पवन सिंह रावत, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश
श्री राजेश कुमार दूबे, प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश

लेआउट / ग्राफिक्स – श्री निज़ाम सिद्दीकी, श्री पंकज गुप्ता (प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन, उत्तर प्रदेश)
सहयोग एवं समन्वयन – राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, उत्तर प्रदेश लखनऊ और "प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन" उ0प्र0

विद्यालयीय शिक्षा के संदर्भ में **"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020"** गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सार्वभौमिक बनाने की बात करती है। इसके अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से अनेक सामाजिक उद्देश्य प्राप्त किये जा सकते हैं। इनमें सामाजिक न्याय और समानता, वैज्ञानिक उन्नति, राष्ट्रीय एकीकरण, आर्थिक विकास और देश के विविधतापूर्ण संस्कृति की सुरक्षा प्रमुख है। यही उद्देश्य एक प्रकार से शिक्षा के अंतरराष्ट्रीय उद्देश्य भी हैं। यह नीति शिक्षा को इस प्रकार परिभाषित करती है कि उससे न सिर्फ हमारी प्रतिभाएँ उत्तरोत्तर ज्ञान समृद्ध हो, बल्कि हमारे संसाधनों का सर्वोत्तम विकास और संवर्धन किया जा सके। इन्हीं मार्गदर्शक बिंदुओं के आलोक में उत्तर प्रदेश सरकार अपनी शिक्षा को आकार देने में जुटी हुई है। इस वृहद प्रयास की कड़ी के रूप में **राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा द्वारा "प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन"** के सहयोग से कक्षा 4 एवं 5 की भाषा एवं गणित पर आधारित शिक्षक संदर्शिकाओं का विकास किया गया है। इन संदर्शिकाओं का विकास इस उद्देश्य से किया गया है कि शिक्षक, बच्चों को सीखने में विशेष मदद कर सके। जिन शिक्षकों के पास दिन–प्रतिदिन के कक्षा–शिक्षण हेतु शिक्षण योजनाओं का अभाव होता है उनकी भी सहायता इसके माध्यम से की जा सके।

इन संदर्शिकाओं के निर्माण के पीछे हिंदी और गणित विषयों के कक्षा शिक्षण से संबंधित कुछ जरूरी दृष्टिकोण है, जो विषयों की प्रकृति और विषय पढ़ाने की पद्धति से संबंधित हैं। प्रत्येक विषय का पहला और दूसरा भाग उसकी अवधारणा पत्र है। यह हमें उस विषय के स्वभाव व उसमें निहित तर्क, उद्देश्य, सिद्धांत एवं सीखने–सिखाने के विज्ञान से परिचित होने और समझने में मदद करने वाला है। विषय के तीसरे भाग में निपुण सूची की दक्षताएँ और चौथे भाग में कक्षा 4 के लिए कक्षा 1 से 3 तक एवं कक्षा 1 से 4 तक की विषयवस्तु से समबन्धित अवधारणाओं पर आधारित दिवसवार पुनरावृत्त्यात्मक (उपचारात्मक) संबोध लर्निंग आउटकम सहित दिए गए हैं। इसके साथ ही पाँचवें भाग में 7 सप्ताह की अर्थात 42 दिवसीय पुनरावृत्त्यात्मक (उपचारात्मक) शिक्षण योजनाएँ कक्षवार दी गई हैं।

इसी प्रकार छठवें भाग में पाठ्यपुस्तक के पाठों का दिवसवार एवं विषयवस्तुवार विभाजन, लर्निग आउट के सापेक्ष कंटेंट मैपिंग और तदनुसार शिक्षण योजनाएँ दी गई है। इसे शिक्षक सीधे अपने कक्षा–कक्ष में शिक्षण के दौरान प्रयोग में ला सकते हैं इसके साथ ही उन्हें अपनी स्वयं की शिक्षण योजना बनाने में भी मदद मिलेगी।

पाठों का दिवसवार विषयवस्तु के अनुसार विभाजन शिक्षकों को इस तथ्य से परिचित कराने के लिए है कि एक ही पाठ बच्चों के सीखने के लिए अनेक खिड़कियाँ खोलता है। कोई भी पाठ येन–केन प्रकार पाठ्यक्रम पूरा करने की शीघ्रता में न पढ़ाया जाए, बल्कि उसकी विषयवस्तु का गतिविधियों और अभ्यासों की विविधता के साथ मंथन किया जाए। उसमें निहित अवधारणाओं एवं संबंधों के लिए हम बच्चों को कम से कम इतना समय अवश्य दें कि वे बच्चों के जानने के लिए सूचना भर न रह जाए। बच्चे उन पर स्वयं के तर्क और अवधारणाओं का निर्माण कर सके। पाठों की विषयवस्तु का दिवसवार विभाजन भी पूरे शिक्षा सत्र के कार्य दिवसों को ध्यान में रखकर किया गया है। ऐसा करते हुए पाठों की कठिनाई और आकार को ध्यान में रखा गया है। एक शिक्षक के रूप में हमें किसी भी पाठ से जुड़ी सीखने की संभावनाओं की पर्याप्त जाँच पड़ताल करनी चाहिए। उसमें निहित संबोधों की थाह लेनी चाहिए और क्रमशः इन पर शिक्षण योजनाएँ बनाकर कक्षा में अभ्यास कराना चाहिए ताकि एक विषय का पाठ दूसरे विषय के प्रति जिज्ञासा पैदा करने का माध्यम बन जाए।

यह निर्विवाद सत्य है कि जब हम किसी कार्य को सुनियोजित तरीके से करते हैं तो उस कार्य में सफलता की संभावनाएँ बढ़ जाती हैं। आज समय की माँग है कि शिक्षक गण सुनियोजित शिक्षण योजना बनाकर ही पढ़ाएँ, क्योंकि एक शिक्षक के लिए सीखने की दृष्टि से कक्षा का प्रत्येक विद्यार्थी विशेष और महत्वपूर्ण होता है।

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि यह शिक्षक संदर्शिका शिक्षकों को सुनियोजित योजना निर्माण, कक्षा के वातावरण को जीवंत बनाने, बच्चों से सार्थक वार्तालाप करने, उन्हें स्वयं करके सीखने, तर्क आधारित निष्कर्ष निकालने और उनके सतत आकलन करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

गुणवत्ता प्रकोष्ठ
समग्र शिक्षा
उत्तर प्रदेश

अनुक्रमणिका
कक्षा–4

क्र.सं.	विवरण	पेज नं0
1	निपुण सूची दक्षताएँ	4
2	अवधारणा पत्र	5–8
2	कक्षा 1 से 3 तक की विषयवस्तु की अवधारणा पर आधारित दिवसवार पुनरावृत्त्यात्मक संबोध लर्निंग आउटकम सहित।	9–13
3	7 सप्ताह की (42 दिवसीय) पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना	14–56
4	पाठ्यपुस्तक के पाठों का लर्निंग आउटकम सहित दिवसवार विभाजन	57–65
5	पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित दिवसवार शिक्षण योजना	66–203
6	परिशिष्ट	204

निपुण सूची कक्षा–4

कोड	लर्निंग आउटकम
H401	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और उन पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है।
H402	बच्चा किसी विषय बिन्दु/वीडियो दृश्य के बारे में बता लेता है।
H403	बच्चा किसी पाठ/प्रसंग/बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।
H404	बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है।
H405	बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है।
H406	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी/निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है।
H407	बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (बाल साहित्य, विज्ञापन, पोस्टर आदि) को समझ के साथ पढ़ लेता है और उनमें आये शब्दों का प्रयोग कर लेता है।
H408	बच्चा नये शब्दों, विभिन्न प्रकार के वाक्यों एवं सामान्य मुहावरों को पढ़कर उनका अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।
H409	बच्चा पाठ/पाठ्यांश से सम्बन्धित प्रश्नों के उत्तर 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।
H410	बच्चा कविता/कहानी/पाठ का भाव/सारांश/निष्कर्ष 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।
H411	बच्चा चित्रों को देखकर कहानी लिख लेता है और अधूरी कहानी पूरी कर लेता है।
H412	बच्चा 4–6 वाक्यों वाले संदेश/प्रार्थना पत्र लिख लेता है।
H413	बच्चा किसी वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण को पहचान लेता है और बोलने व लिखने में प्रयोग करता है।
H414	बच्चा विराम चिह्नों (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक आदि) का अपने वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।
H415	बच्चा परिचित शब्दों के समानार्थी व विपरीतार्थक एवं समान ध्वनि वाले शब्दों को लिख लेता है।
H416	बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।

केवल एक घंटे के लिए संसार भर के लोग अपनी भाषा भूल जाएँ तो क्या होगा ? इस सवाल के तमाम जवाब हो सकते है, पर सबका सार यही होगा कि सारी बातें, संवाद और उनके जरिए होने वाले कार्य–व्यवहार ठप पड़ जाएँगे। जीवन का प्रवाह ही मानो रुक जाएगा। क्योंकि हमारे आपसी व्यवहार सर्वाधिक भाषा के माध्यम से ही निभाये जाते है। भाषाओं ने ही समाज द्वारा हासिल ज्ञान/समझ को सुरक्षित रखना और एक पीढ़ी से दूसरी तक पहुंचाना संभव बनाया है। भाषा के पुराने अभिलेख हमारे इतिहास और संस्कृति को जानने का जरिया हैं। अतः स्पष्ट ही है कि भाषा का हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

प्राथमिक स्तर पर हिन्दी भाषा का महत्व–

- यह हमारे स्कूलों की माध्यम भाषा है। इसकी चार केन्द्रीय दक्षताओं– सुनने, बोलने, पढ़ने एवं लिखने का पर्याप्त कौशल पाए बिना छात्रों के लिए बाकी विषयों को समझना भी असंभव होगा।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023. भारतीय भाषाओं को ही शिक्षा का माध्यम बनाने की संस्तुति करती है। इसलिए हमारा छात्रों के भाषा विकास की क्रमिक यात्रा से संक्षिप्त परिचय होना जरूरी है।
- एक नवजात बच्चा भाषा के लिए तैयार मस्तिष्क लेकर पैदा होता है, जन्मजात भाषा लेकर नहीं। उसके पास भाषा के लिए मुख और मस्तिष्क के जरूरी अवयव होते हैं। भाषा वह अपने बाहरी संसार से संबंध बनाने की प्रक्रिया में सीखता है।
- भाषा अपने अनुभवों, परिवारजनों तथा अन्य व्यक्तियों से व्यवहार और कामों के साथ उपयोग की जाती है। बच्चा इन सबको जोड़ता/मिलाता जाता और सुनी ध्वनियों का अर्थ समझता जाता है। करीब साढ़े चार साल तक बच्चा व्याकरण सहित परिवेशीय भाषा पर पूरी पकड़ बना लेता और उसे परिस्थितियों के अनुसार इस्तेमाल करने लगता है। यही भाषा लेकर वह स्कूल आता है।

प्राथमिक स्कूल में भाषा

यदि घर और स्कूल की भाषा एक हुई तो छात्र को पढ़ना–लिखना सीखना कुछ आसान पड़ता है। यदि स्कूल की भाषा अलग हुई तो छात्रों की चुनौती बढ़ जाती है। इसलिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में छात्रों को पढ़ना–लिखना सिखाने के लिए घर, परिवेश की भाषा का प्रयोग करने पर जोर दिया गया है। 'निपुण भारत मिशन' के अन्तर्गत मूलभूत साक्षरता एवं संख्या–ज्ञान के लिए बुनियादी कक्षाओं में ध्वनि जागरूकता से पठन तक छात्र की परिवेशीय भाषा अपनाने पर जोर दिया गया है, जिससे समझ के साथ पढ़ना–लिखना सीखना हो सके और स्थानीय भाषाओं और स्कूल की माध्यम भाषाओं के बीच पुल बन सकें।

उत्तर प्रदेश की प्रमुख लोकभाषाएँ– ब्रज, अवधी, कौरवी भोजपुरी और बुन्देलखंडी है। स्कूल में छात्र अक्सर इन्हीं भाषाओं को लेकर आते हैं। इन लोकभाषाओं का ध्वनि विन्यास और व्याकरण हिन्दी से ज्यादा भिन्न नहीं है अतः शुरू के दो वर्षों में ही छात्र स्कूल में मौखिक हिन्दी का व्यवहार सीख जाते हैं। सभी भाषाओं में एक वैश्विक व्याकरण (यूनिवर्सल ग्रामर) की उपस्थिति और सभी भाषाओं में ध्वनियों की लगभग समानता के कारण अन्य भाषायी पृष्ठभूमि के छात्र (बंगाली, नेपाली आदि) भी हिन्दी का मौखिक उपयोग सीख जाते हैं। उनके पास जन्मजात रूप से मौजूद 'भाषा ग्रहण क्षमता' इस काम में सहायक होती है।

पढ़ना–लिखना सीखने की दो विधियाँ

पहली– इसके तहत छात्रों को वर्णमाला– बारहखड़ी याद कराकर अक्षरों–मात्राओं को अलग–अलग याद कराते हुए सुनना, बोलना, पढ़ना लिखना सिखाया जाता है। इन सबको जोड़ें तो करीब 400 संकेत छात्रों को याद रखने होते हैं जो छात्र इन्हें याद नहीं रख पाते उनके लिए भाषा सीखना कठिन हो जाता है। इस पद्धति में भाषा के क्राफ्ट वाले पक्ष पर ज्यादा जोर दिया जाता है। यानि सुलेख, पंक्ति, वर्तनी आदि की ज्यादा चिन्ता रखी जाती है। इससे संभव है कि छात्र कुछ सीमा तक सुन्दर और शुद्ध लिखना सीख जाते हों पर उनकी कल्पनाशीलता और प्रवाह के साथ बोलना, पढ़ना–लिखना प्रभावित होता है। ऐसा कोई व्यवस्थित शोध उपलब्ध नहीं है जो कह सके कि इस विधि से छात्र बेहतर भाषा सीखते हैं।

दूसरी– पुरानी पारंपरिक भाषा शिक्षण विधि के साथ एक नया तरीका भी चलन में आया है। इसमें छात्रों को समझ और अर्थ के साथ यानि सार्थक शब्दों, वाक्यों और संदर्भों के द्वारा भाषा सिखाने की शुरुआत की जाती है। स्कूल की माध्यम भाषा के साथ छात्रों की मातृभाषा का उपयोग भी सीखने में किया जाता है। छात्रों के पूर्व ज्ञान व स्थानीय संसाधनों को पढ़ना, लिखना सीखने की स्रोत सामग्री के रूप में उपयोग किया जाता है।

इस पद्धति के अनुसार यदि अर्थ और समझ के साथ रोचक तरीके से भाषा समृद्ध वातावरण में सीखना सिखाना हो तो कोई भी भाषा बेहतर सीखी जा सकती है। छात्र ऐसे वातावरण में अपनी अशुद्धियों को खुद ठीक करते पाए जाते हैं। शिक्षक तीसरी कक्षा से आगे की कक्षाओं में इससे संबंधित विशेष अभ्यास बना कर छात्रों की समझ व भाषा कौशलों को मजबूत आधार दे सकते हैं।

भाषा के चार केन्द्रीय कौशल (सुनना, बोलना, पढ़ना एवं लिखना)

इन चारों कौशलों के बीच एक तार्किक संबंध होता है। सुनना बोलने की इच्छा जगाता है। सुनने व बोलने के रोचक व सघन

अनुभव पढ़ने को प्रेरित करते हैं। सुनने–बोलने–पढ़ने के समृद्ध अनुभव लिखने की मानसिक पृष्ठभूमि तैयार करते हैं।

कक्षा में सुनना, बोलना–

- शुरुआती कक्षाओं में सुनने–बोलने की गतिविधियाँ स्कूल के कई उद्देश्य पूरे करती हैं। शिक्षक–छात्रों के बीच आत्मीयता विकसित होती है और छात्रों में आत्मविश्वास उपजता है। परिवेशीय भाषा में सुनने, बोलने की नियमित गतिविधियों से बच्चा स्कूल के प्रति अपनत्व अनुभव करता है।
- बातचीत द्वारा छात्र की सामाजिक पारिवारिक पृष्ठभूमि और उसके पूर्वज्ञान की जानकारी ली जा सकती है।
- प्राथमिक कक्षाओं में सुनना, बोलना कई तरह से हो सकता है। छात्रों के अनुभवों, चित्रों, कविताओं, कहानियों, पाठों, विभिन्न दृश्यों और चित्रों पर बहुत सी बातचीत की जा सकती है। कक्षा में अच्छे अनुभव सुनाना, कहानी, कविता सुनना–सुनाना, दैनिक जीवन में घट रही तमाम प्रक्रियाओं का वर्णन भी इसी बातचीत का हिस्सा हैं।

कक्षा में पढ़ने–लिखने का आरम्भ–

- इसके लिए बेहतर है कि छात्रों के अनुभवों और पूर्व ज्ञान को सबसे पहले भाषा में बदला जाए। उसे स्कूल की दीवारों/चार्टो/बोर्ड पर शब्दों वाक्यों में लिखा जाए। इनसे पढ़ने लिखने का पर्याप्त व विविधतापूर्ण अभ्यास कराया जाए।
- छात्रों की छोटी–छोटी खेल कविताओं/छोटी कहानियों/सरल लिखित अनुभवों/वर्णनों को पढ़ने–लिखने के टी०एल०एम० के रूप में प्रयोग किया जाए।
- कक्षा 4 व 5 में आकार और अर्थ के स्तर पर कुछ जटिल रचनाओं (कविता, कहानी, निबंध–नाटक) का पढ़ना–लिखना सीखने में उपयोग किया जाए।

भाषा की संरचनाएँ

किसी भी भाषा में ये चार प्रमुख संरचनाएँ पायी जाती हैं।

अक्षर ध्वनि/वर्ण– यह एक सांकेतिक, बहुधा निरर्थक और व्याकरण रहित संरचना है। कभी–कभी ही कोई अक्षर/शब्द की भूमिका निभाता है।

शब्द– यह भाषा की सार्थक संरचना है। सभी अवधारणाएँ (Concepts) शब्दों में ही अभिव्यक्त होती हैं। शब्दों में आंशिक रूप से व्याकरण भी होता है। कभी कभार सार्थक संदर्भों के बीच निरर्थक शब्द भी अर्थ दे जाते हैं।

वाक्य– यह भाषा की पूर्ण, सार्थक, व्याकरणसम्मत संरचना है। लगभग सभी भाषाई संदर्भ वाक्यों की मदद से बनाए जाते हैं। वाक्य किसी विचार की अभिव्यक्ति में अक्षरों व शब्दों से ज्यादा सक्षम होते हैं।

अर्थ– यह शब्द और वाक्य के पीछे छिपी एक अमूर्त संरचना है जो भाषा के श्रोता और पाठक के पास एक संदेश/समझ के रूप में जाती है। सभी भाषाओं में ये चारों संरचनाएँ समन्वित रूप से इस्तेमाल होती हैं। इन भाषा वैज्ञानिक संरचनाओं के अलावा भाषा की विधागत साहित्यक संरचनाएँ– कहानी, कविता, निबंध, नाटक आदि हैं।

भाषा में संदर्भ का उपयोग और व्याकरण

संदर्भ–

- संदर्भ वह परिस्थिति, दृश्य या चित्र है जिसमें से भाषा (कोई शब्द या वाक्य) उपजती है। वाक्य में प्रयोग की गई भाषा हमें किसी परिस्थिति, दृश्य या संदर्भ से परिचित कराती है। संदर्भ की कल्पना में ले जाती है। बहुधा संदर्भ ही हमारे शब्दों–वाक्यों को संचालित करते हैं।
- शब्दों और वाक्यों के अर्थ संदर्भ बदलने के साथ बदल जाते हैं। 'शुरू करो!' वाक्य का अर्थ खाने की थाली सामने होने पर होगा– खाना शुरू करो। फुटबाल के मैदान में इसका अर्थ होगा– खेल शुरू करो। घास कटाई चल रही हो तो यहाँ इसका मायने होगा 'घास काटो!'–
- भाषा में दिए सार्थक संदर्भ जो हमारे मन में एक पूरा दृश्य रचते हैं छात्रों के भाषा सीखने के लिए ज्यादा उपयोगी हैं।

व्याकरण–

- यह भाषा के विभिन्न अवयवों (वाक्य, शब्द, अक्षर) में निहित भावों और उनके लक्षणों की पहचान करने वाला विषय है।
- व्याकरण भाषा में बदलाव के नियमों की भी पहचान कराता है।
- व्याकरण के नियम रटाने से बहुत कम व्याकरण सीखा जाता है। लेकिन भाषा की छोटी–छोटी संरचनाओं– कविताओं, कहानियों आदि में नामों, स्थानों, वस्तुओं, प्रशंसासूचक शब्दों/विशेषता (गुण–दोष) बताने वाले शब्दों की ढूँढ़ खोज के जरिए हम प्राथमिक स्तर पर व्याकरण की अच्छी समझ बना सकते हैं। भाषा की विधागत साहित्यक संरचनाओं कविता, कहानी, नाटक, संस्मरण आदि को एक दूसरे में बदलते हुए छात्र भाषा की विभिन्न संरचनाओं और उनके व्याकरण से जूझते हुए दोनों की समझ बनाते चलते हैं। यह गतिविधि चौथी, पाँचवीं कक्षा से आवश्यकतानुसार कराई जानी चाहिए। व्याकरण के मामले में अंग्रेजी के इस जुमले Language through Literature पर अमल किया जाना ठीक होगा। 'ग्रामर थ्रू लिटरेचर'।

भाषा में कल्पना व सृजनशीलता

कल्पना–

- प्राथमिक स्कूलों में यह भाषा सीखने सिखाने का एक प्रमुख लक्ष्य है आखिर कल्पनाशीलता के मायने क्या हैं ? इसका जवाब हमें भाषा और दिमाग के मिलजुलकर काम करने की प्रक्रिया में मिलता है।
- हमारा दिमाग जब बाहर से भाषा ग्रहण करता है तो उसके अर्थों से संबंधित चित्र दिमाग में आते हैं। जब बाहर से चित्र/दृश्य के रूप में कोई सूचना प्राप्त होती है तो दिमाग उससे संबंधित शब्द/वाक्य स्मृति में खोजता है। इसी प्रक्रिया में व्यक्ति/छात्र की भाषा और कल्पना दोनों विकसित होती जाती हैं।
- दिमाग को बाहर से मिली नई भाषा दिमाग में पहले से बने भाषाई ढांचों (संकेतों) को बदलती या बढ़ाती है। ऐसा ही बाहर से दिमाग को मिले चित्रों के साथ भी होता है। नए–नए जीवन अनुभवों के साथ हमारी कल्पनाएँ और भाषा क्षमता विकसित होती जाती है ।
- भाषा के संदर्भ में सृजनात्मकता का अर्थ है– छात्रों द्वारा अधिकाधिक अपने मन और विचारों के आधार पर लिख पाना, अपनी निज भाषा–शैली गढ़ पाना, खुद को अनेक मौखिक लिखित भाषा रूपों में अभिव्यक्त कर पाना, रोचक, पठनीय और संरचना की दृष्टि से सही भाषा रूपों का सृजन कर पाना, अपने लिखे, रचे में गलतियों की पहचान करते हुए उसमें अपेक्षित सुधार, संशोधन कर पाना।

पाठों के विषयवस्तु– विभाजन का दृष्टिकोण

यह हस्तपुस्तिका शिक्षकों के कार्य में सहायता के लिए बनाई गई पिछली पुस्तिकाओं और माड्यूल्स से कुछ अलग है। इसमें शिक्षकों को समूचे पाठ पर एक योजना देने के बजाय पाठ की विषयवस्तु की पड़ताल की गई है, यह देखा गया है कि पाठ में केन्द्रीय और सहायक अवधारणाएँ कौन–कौन सी है। किन–किन चीजों के ब्यौरे हैं, इन ब्यौरों की गहराई और विस्तार कितना है। पुस्तिका, पाठ योजना को एक सैट पैटर्न पर देखने की बजाए यह जाँचने की कोशिश करती है कि एक ही पाठ के साथ कितनी बार और कितने तरीकों से शिक्षण किया जा सकता है। नीचे कविता पर शिक्षण योजनाओं का एक फ्रेम (खाका) दिया गया है, जो पाठों की विषय वस्तु के विभाजन (डे डिवीजन) के उद्देश्य और तरीकों को समझने में हमें मदद करेगा। नीचे एक कविता के उदाहरण से इसे स्पष्ट किया गया है–

इस कविता की मुख्य अवधारणा है– नंदू को लगा तगड़ा जुकाम और उसके दिन भर छींकने से पैदा हुए धड़ाके। जुकाम ऐसी कोई बड़ी बीमारी नहीं हैं। पर कवि ने अतिशयोक्ति अलंकार का प्रयोग कर इसे एक खास चीज बना दिया है। 'जुकाम' के कविता में आने के साथ छींकना, पेड़ के पत्ते और पेड़ मानो जीवंत हो उठते और बोलने लगते हैं। पूरी कविता एक सहज हास परिहास का भाव पैदा करती है। इस कविता पर निम्नलिखित स्तरों/पहलुओं पर शिक्षण योजनाएँ बन सकती हैं–

बहुत जुकाम हुआ नंदू को, एक रोज वह इतना छींका
इतना छींका, इतना छींका, इतना छींका, इतना छींका
सब पत्ते झड़ गये पेड़ के, धोखा हुआ उन्हें आँधी का

पहला स्तर– कविता का लय और हाव–भाव से कक्षा में सामूहिक वाचन करना। कक्षा का हर बच्चा व्यक्तिगत रूप से भी दिल खोलकर उस कविता को सुना सके ऐसा अभ्यास कराना। यह कविता के आस्वाद/उससे आनंद लेने का स्तर है।

दूसरा स्तर– इसमें कविता की विषयवस्तु और चित्रों पर बहुआयामी बातचीत/गपशप की जा सकती है। बातचीत में कविता की विषयवस्तु को छात्रों के पूर्व ज्ञान से जोड़ने वाले अभिसारी (पिन टाइप के, निश्चित उत्तर वाले) और अपसारी (धोती या कपड़े की थान की तरह बहुत से जवाबों में खुलने वाले) सवालों पर चर्चा हो सकती है। यह कविता की विषयवस्तु और उसकी अवधारणाओं को बारीकी से जानने–समझने का स्तर है जिसमें छात्रों का पूर्व ज्ञान भी आकर जुड़ता है।

तीसरा स्तर– कविता में वर्णित दृश्यों में कुछ के चित्र/रेखाचित्र बनाकर उनमें रंग भराए जा सकते हैं। यह कविता के सौन्दर्य को एक नए रूप में देखने का स्तर है।

चौथा स्तर– इसमें कविता की छात्रों को कंठस्थ हो गई पंक्ति/शब्दों को श्यामपट्ट/चार्ट/दीवार पर लिखकर या कटकार्ड की मदद से पढ़ना सिखाने की योजनाएँ बनाई जा सकती हैं। पढ़ने के साथ वाक्यों/शब्दों को कॉपी/कार्ड/स्लेट पर लिखने का अभ्यास कराया जा सकता है।

पाँचवाँ स्तर– इसमें कविता की समान विषयवस्तु वाली चार पाँच अन्य कविताओं की ढूँढ़/खोज की जा सकती है। कक्षा में उनके सामूहिक/व्यक्तिगत रूप से, हाव–भाव से, वाचन का आनंद लिया जा सकता है, उन पर बातचीत की जा सकती है– यह कविता के भाव, अर्थ विस्तार का आयाम है।

छठा स्तर– इसमें कविता के साथ भाषा की संरचना व व्याकरण की समझ पर काम किया जा सकता है। इसके तहत कविता की पंक्तियों का अन्वय कराया जा सकता है। कविता को कहानी में बदलवाया जा सकता है। कविता के खास शब्दों, उसकी एक ही बात को कितने तरीकों से कहा जा सकता है इनका अभ्यास कराया जा सकता है, यानि संक्षेप में और बढ़ा–चढ़ाकर। कविता के

तुकों की अंत्याक्षरी खेली जा सकती है। कविता के शब्दों से लिंग, वचन, पुरुष, काल (टेंस) आदि का अभ्यास कराया जा सकता है– यह कविता से भाषा की संरचना और व्याकरण की समझ का स्तर है।

सातवाँ स्तर– यह अब तक छात्रों के साथ किए गए काम के आधार पर आकलन शीट/योजना बनाकर उनकी सुनने, बोलने, पढ़ने–लिखने और सृजनात्मक क्षमता के आकलन का स्तर है। आकलन मौखिक और लिखित दोनों रूपों में हो सकता है/होना चाहिए।

हिंदीः पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण का औचित्य–

इस संदर्शिका में पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण के लिए कुछ सामग्री है। आमतौर पर देखा गया है कि विभिन्न कारणों से प्राथमिक स्तर की लगभग सभी कक्षाओं में कुछ विद्यार्थी ऐसे रह जाते हैं। जिनकी सीखने–सिखाने में गति कक्षा की मुख्य धारा से कुछ कम होती है। या विभिन्न सामाजिक/पारिवारिक कारणों से उपस्थिति नियमित न रह पाने से उनकी विषय क्षमता कम रह जाती है– यद्यपि ऐसे विद्यार्थी 10 प्रतिशत के आसपास ही होते हैं। शिक्षक प्रयासों के बावजूद यह स्थिति बहुव्यापी है। यह स्वतः ही समझ में आने वाली बात है कि ऐसे विद्यार्थियों के साथ शिक्षक का कुछ अलग तरह से काम करना और उनका बाकी कक्षा के साथ घुल–मिलकर सीखना दोनों काम जरूरी हैं। ऐसे छात्रों को कक्षा की मुख्य धारा से एकदम अलग कर सीखने, सिखाने से वे अलगाव महसूस कर सकते हैं। इसलिए यह कक्षा प्रबंधन के समय ध्यान रखने की जरूरत है कि बाकी कक्षा के साथ उन्हें शामिल रखते हुए ही शिक्षण कार्य कराया जाए। सीखने सिखाने के लिए छोटे समूह बनाते समय ऐसे विद्यार्थियों को कहाँ रखें, यह कक्षा की परिस्थितियों से तय होगा। कभी कभार उनके अलग समूह बनाएँ तो कभी उन्हें विभिन्न समूहों में शामिल कर लें। हर हाल में पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण करते समय निम्नांकित बातों का ध्यान रखना आवश्यक होगा।

1– सीखने–सिखाने के दौरान कम क्षमता वाले छात्रों तक यह संदेश छिपे या प्रकट रूप में कैसे भी न जाए कि वे बाकी कक्षा से अलग हैं।

2– पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण पूरी कक्षा के लिए है। मुख्य धारा वाले छात्रों में भी अनेक छात्र कुछ चीजों में कम क्षमता वाले हो सकते हैं। कुछ छात्र मौखिक अभिव्यक्तियों में ज्यादा दक्ष होते हैं, कुछ लिखित में। इसीलिए चौथी व पाँचवी कक्षा में 42 दिनों का पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण कार्यक्रम रखा गया है। चौथी कक्षा में पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण में पहली से तीसरी कक्षा तक के अनेक संबोधो का दोहराना व पाँचवी कक्षा के पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण में पहले से चौथी तक के अनेक संबोधों का दोहराना होगा।

3– पुनरावृत्ति के कोर्स में हम ढ़ेर सारी वे भाषाई गतिविधियाँ जोड़ सकते हैं जो हिंदी की पाठ्यपुस्तकों में नहीं है। बहुत से खेल गीत/खेल कविताएँ, स्थानीय भाषा/हिंदी की कहावतें, पहेलियाँ, किस्से, लोक कथाएँ, लोकगीत आदि। 42 दिवसीय पुनरावृत्ति के कोर्स में कुछ नमूना शिक्षण योजनाएँ भी दी जा रही हैं। लेकिन शिक्षक चूंकि शिक्षण का खजाना है, अतः वे इनके अलावा, इनसे बेहतर सामग्री जुटा सकते हैं। उसे अपने शिक्षण में जोड़ सकते हैं।

4– छात्रों को छोटे–छोटे समूह में सीखने की जिम्मेदारियाँ देना और आवश्यकता अनुसार अनेक प्रकार के समूह बनाकर शिक्षण करना पुनरावृत्ति शिक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। उन संबोधों की पहचान करना भी इसका प्रमुख काम है जिनके आधार पर सीखने के समूह बनाए जाने हैं।

इस कार्यक्रम से लाभ यह होगा कि सत्र के आरम्भ में ही ऐसे छात्रों की पहचान हो जाएगी जिनके साथ कुछ अलग तरह से काम किया जाना है।

''टाइम एण्ड मोशन'' शासनादेश के अनुसार 240 दिन विद्यालय खुलने की व्यवस्था है। यदि इसे सूक्ष्म दृष्टि से विभाजित करें तो अर्धवार्षिक, वार्षिक परीक्षाओं, यूनिट टेस्ट एवं उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, तथा परीक्षाफल बनाने में लगभग 20 से 25 दिन पूरे शैक्षिक सत्र में लग सकते हैं। वास्तविक कक्षा शिक्षण के लिये लगभग 210 से 215 दिन उपलब्ध होने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए पाठों की विषय वस्तु को दिवसवार हिस्सों में विभाजित कर प्रत्येक पाठ के लिये समय का निर्धारण किया गया है। यह समय अनुमानित है, जिसमें आवश्यकतानुसार आप परिवर्तन भी कर सकते हैं। इन सभी उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए हिन्दी की शिक्षण योजनाओं का निर्माण एवं इनमें विविधताओं का समावेश किया गया है। इस संदर्शिका में कुल 150 से 160 शिक्षण योजनाएँ एवं उनसे सम्बन्धित दिशा निर्देश दिये गये हैं। शिक्षण योजनाएँ दो भागों में विभक्त हैं। पहले भाग में 7 सप्ताह की उपचारात्मक/पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजनाएँ हैं और दूसरे भाग में 20 सप्ताह अर्थात 120 दिन के लिए सम्बन्धित से कक्षा की पाठ आधारित शिक्षण योजनाएँ दी गई हैं। शेष 40 से 45 शिक्षण दिवस बच्चों के अतिरिक्त व स्वतंत्र अभ्यास कार्य कराने के लिए छोड़े गये हैं।

पुनराभ्यास/उपचारात्मक शिक्षण की 7 सप्ताह की कार्य योजना				
सप्ताह	कोड	लर्निंग आउटकम	दिवस	निर्धारित पाठ्य बिंदु (शिक्षण उद्देश्य)
1	H101, H109.1, H302, H303.1	बच्चा अपनी आवश्यकताओं तथा परिवेश के बारे में दोस्तों और कक्षा शिक्षक के साथ अपने घर की भाषा में बातचीत कर लेता है। बच्चा चित्र/घटना/वस्तु आधारित 4–5 शब्द लिख लेता है। बच्चा सवाल पूछने, अनुभव बताने, दूसरों को सुनने और जवाब देने के लिए बातचीत में हिस्सा लेता है। बच्चा घर/स्कूल में उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके अपने अनुभव और विचार स्पष्टता के साथ स्थानीय भाषा में 3–4 वाक्यों में रख लेता है।	1	• छात्रों के घरेलू अनुभवों पर आधारित बातचीत की भाषा से पढ़ने–लिखने का अभ्यास।
	H101, H109.1, H302, H303.1	बच्चा अपनी आवश्यकताओं का परिवेश के बारे में दोस्तों और कक्षा शिक्षक के साथ अपने घर की भाषा में बातचीत कर लेता है। बच्चा चित्र/घटना/वस्तु आधारित 4–5 शब्द लिख लेता है। बच्चा सवाल पूछने, अनुभव बताने, दूसरों को सुनने और जवाब देने के लिए बातचीत में हिस्सा लेता है। बच्चा घर/स्कूल में उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके अपने अनुभव और विचार स्पष्टता के साथ स्थानीय भाषा में 3–4 वाक्यों में रख लेता है।	2	• छात्र के घरेलू अनुभवों पर आधारित बातचीत के द्वारा पढ़ने–लिखने का अभ्यास। • छात्रों द्वारा अपने अनुभव/विचार स्थानीय भाषा में बताना व लिखना।
	H109.2	बच्चा लेखन, ड्राइंग और चीजों को अर्थ देना और अपने कार्यपत्रक, बधाई सन्देश, चित्रों आदि पर अपना नाम लिख लेता है और ऐसे चित्र बना लेता है जो पहचानने योग्य हों या अन्य लोगों से मेल खाते हों।	3	• परिवेशीय पशु–पक्षियों के विषय में चर्चा करना। • कहानी सुनना और सुनाना। • स्मृति और अवलोकन आधारित सरल चित्रकारी कराना। • शिक्षक द्वारा आदर्श पठन
	H102, H109.2, H201	बच्चा कविताओं/गीतों को हाव–भाव के साथ सुना लेता है। बच्चा लेखन, ड्राइंग और चीजों को अर्थ देना और अपने कार्यपत्रक, बधाई सन्देश, चित्रों आदि पर अपना नाम लिख लेता है और ऐसे चित्र बनाता है जो पहचानने योग्य हो या अन्य लोगों से मेल खाते हों। बच्चा कविताओं/गीतों को हाव–भाव के साथ सुना लेता है।	4	• कविताओं का वाचन, पठन और लेखन अभ्यास (श्यामपट्ट पर कविता लिख कर कराएँ)
	H109.2	बच्चा लेखन, ड्राइंग और चीजों को अर्थ देना और अपने कार्यपत्रक, बधाई सन्देश, चित्रों आदि पर अपना नाम लिख लेता है और ऐसे चित्र बनाता है जो पहचानने योग्य हों या अन्य लोगों से मेल खाते हों।	5	• कविता विधा से बच्चों का परिचय कराना। • कविताओं में खास शब्दों को ढूँढ़ना उन पर बातचीत/चर्चा और लेखन।

सप्ताह	कोड	लर्निंग आउटकम	दिवस	निर्धारित पाठ्य बिंदु (शिक्षण उद्देश्य)
1		आकलन अभ्यास प्रपत्र– 1	6	• पठन और लेखन अभ्यास के साथ पुनरावृत्ति, आकलन
2	H104.4, H204.1, H207	बच्चा कठपुतलियों और अन्य सामग्रियों के साथ सुनी हुई कहानी का अभिनय कर लेता है। बच्चा 8–10 वाक्यों की कहानी को सुनकर अपने घर की भाषा में पुनः सुना लेता है। छात्रों के साहित्य/पाठ्यपुस्तकों से सरल कहानियों को पढ़ लेता है और फिर अपने घर की भाषा में उसे सुना लेता है।	7	• सुनकर कहानियाँ सुनाना। • कहानी के पात्रों के नाम लिखना। • कहानियों के चित्र बनाना, पात्रों पर अभिनय।
	H207	छात्रों के साहित्य/पाठ्यपुस्तकों से सरल कहानियों को पढ़ लेता है और फिर अपने घर की भाषा में उसे सुना लेता है।	8	• बिगबुक/अन्य किताबों से कहानी सुनना–सुनाना, पढ़ना। कहानी के पात्रों के नाम लिखना, कहानियों के चित्र बनाना।
	H104.3, H202.2	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 2–3 तथ्यात्मक एवं 1–2 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है । बच्चा कहानियों/कविताओं/चित्र/घटना/वस्तु एवं उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में अपने घर की भाषा में 2–3 वाक्यों में बता लेता है।	9	• कहानी पोस्टर पर आधारित बातचीत करना। • कहानी के खास शब्दों को लिखना। • शब्दों पर मौखिक रूप से वाक्य बनाना।
	H204.2	बच्चा चित्रों के माध्यम से किसी कहानी को अपने घर की भाषा में हाव–भाव के साथ 4–6 वाक्यों में सुना लेता है।	10	• चित्र श्रृंखला में चित्रों के क्रम पर बातचीत और उसे छोटी कहानी के रूप में लिखना।
	H304.2	बच्चा 10–12 वाक्यों की कहानी को सुनकर समझ लेता है और उसे स्थानीय भाषा में घटनाक्रम के अनुसार पुनः सुना लेता है।	11	• छोटी कहानी को सुनकर स्कूल की भाषा/स्थानीय भाषा में सुनाना। • कहानी पर 2 से 3 वाक्य की स्वतन्त्र मौखिक और लिखित टिप्पणी देना।
	H304.2	आकलन अभ्यास प्रपत्र– 2	12	• कहानी के पठन और लेखन का अभ्यास कराना। • पूरे सप्ताह के शिक्षण कार्य की पुनरावृत्ति।
3	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	13	• पहेलियाँ बूझना, पढ़ना, लिखना।

सप्ताह	कोड	लर्निंग आउटकम	दिवस	निर्धारित पाठ्य बिंदु (शिक्षण उद्देश्य)
3	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	14	• गद्य पहेलियाँ बनाना। • छोटे समूहों में गद्य पहेली बनवाना और पूछना।
	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	15	• बच्चों में बातचीत की क्षमता विकसित करना। • वाक्य पूरे करना और, वाक्य प्रयोग करना।
	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	16	• सरल मुहावरों पर बात कर, उनकी समझ बनाना/मुहावरों का मौखिक व लिखित रूप में वाक्य में प्रयोग करना। • तकिया कलाम व सूत्रवाक्य पर समझ बनाना।
	H310	बच्चा अपने लेखन में संज्ञा शब्द,क्रिया शब्द और विराम चिह्नों का प्रयोग कर लेता है।	17	•कविता, कहानी में आए शब्दों में से संज्ञा व क्रिया शब्दों को पहचानना। • संज्ञा व क्रिया शब्दों के प्रयोग पर समझ बनाना।
		आकलन अभ्यास प्रपत्र– 3	18	• सप्ताह भर में कराई गई गतिविधियों में कुछ की पुनरावृत्ति, आकलन
4	H108.1	बच्चा अब तक सिखाए गए वर्ण/अक्षर पहचान लेता है और सुनकर लिख लेता है।	19	• सन्दर्भ/वाक्यों, शब्दों के बीच अक्षरों की पहचान, अक्षरों से शब्द बनाना और उन्हें लिखना।
	H105	किसी शब्द से संबंधित तुकान्त शब्द बना लेता है और पहली/ध्वनि को पहचान लेता है।	20	• कविता पर बातचीत का अभ्यास कराना। • ध्वनि/मात्राओं की समानता (तुकान्त) मौखिक लिखित।
	H107	बच्चा चित्रों या दृश्यों को पहचान लेता है और उसके नाम या संदेश (1–2 शब्दों में) लिख लेता है।	21	• दृश्य/चित्र/वस्तु का अवलोकन और वर्णन (मौखिक और लिखित)
	H305	बच्चा परिचित पुस्तकों/पाठ्यपुस्तकों के पाठों को पढ़कर जानकारी प्राप्त एवं साझा कर लेता है, जैसे– पाठ की मुख्य बातें बताना चयनित हिस्सों का विवरण दे पाना, चरित्र विश्लेषण कर पाना।	22	• छोटी–छोटी कहानियाँ/गद्यांश पढ़ने का अभ्यास कराना। • उनमें शब्दों/पात्रों व वाक्यों को खोजकर, उन्हें लिखना।
	H305	बच्चा परिचित पुस्तकों/पाठ्यपुस्तकों के पाठों को पढ़कर जानकारी प्राप्त एवं साझा कर लेता है, जैसे– पाठ की मुख्य बातें बताना चयनित हिस्सों का विवरण दे पाना, चरित्र विश्लेषण कर पाना।	23	• छोटी कविता पढ़ने का अभ्यास कराना। • कविताओं में शब्दों, वाक्यों, पात्रों की खोज कर उन्हें लिखना।

सप्ताह	कोड	लर्निंग आउटकम	दिवस	निर्धारित पाठ्य बिंदु (शिक्षण उद्देश्य)
4		आकलन अभ्यास प्रपत्र– 4	24	• वर्ण विशेष की पहचान कराना। • तुकान्त शब्दों की समझ जानना। • शब्द निर्माण कौशल की जाँच करना।
5	H104.1, H104.2, H109.1	बच्चा अपने अनुभवों के बारे में स्थानीय भाषा में 1–2 वाक्यों में बता लेता है । बच्चा चित्र/घटना/वस्तु के बारे में अपने घर की भाषा में 2–3 वाक्यों में बता लेता है। बच्चा/घटना/वस्तु आधारित 4–5 शब्द लिख लेता है।	25	• अनुभवों का मौखिक–लिखित वर्णन घर व स्कूल की भाषा में करना। • अनुभवों की भाषा से पढ़ना, लिखना, सीखना।
	H211, H312	बच्चा किसी कहानी, चित्र, घटना आदि पर अपने अनुभव या विचार 1–2 सरल वाक्यों में व्याकरण की दृष्टि से सही लिख लेता है। बच्चा व्याकरण की दृष्टि के सही वाक्यों का प्रयोग करके स्वयं छोटे अनुच्छेद और छोटी कहानियाँ 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	26	• कविता वाचन और पठन। • कविता के विषयवस्तु पर चर्चा करना। • चर्चा के आधार पर अपने शब्दों में नोट्स बनाना।
	H204.1	बच्चा 8–10 वाक्यों की कहानी को सुनकर अपने घर की भाषा में पुनः सुना लेता है।	27	• सुनी हुई कहानी को व्यवस्थित करना। (शब्द कार्ड/वाक्य पट्टी)
	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	28	• विविध अपूर्ण वाक्यों को पूर्ण करना (मौखिक और लिखित)
	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	29	• अधूरी कहानी पूर्ण करना। • कहानियों का प्रस्तुतिकरण करना।
		बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	30	• सप्ताह भर में कराई गई गतिविधियों में कुछ की पुनरावृत्ति, पठन/वाचन की क्षमता का आकलन
6	H210.2	बच्चा परिवेश से जुड़े शब्दों वाले 1–2 सरल वाक्यों को सुनकर लिख लेता है।	31	• लिखने की गति बढ़ाने के लिए श्रुतलेख (रोचक गद्यांश/पद्यांश आधारित) करना।
	H304.1	बच्चा कविता/ कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	32	• कहावतों, लोकोक्तियों का परिचय कराना। • उसके अर्थ पर चर्चा करना। लेखन व संकलन।
	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	33	• कहावतों/लोकोक्तियों से परिचय कराना। • उनके अर्थ से प्रसंग पर जाना, चर्चा करना। • मुहावरों व लोकोक्तियों का लेखन व संकलन।

सप्ताह	कोड	लर्निंग आउटकम	दिवस	निर्धारित पाठ्य बिंदु (शिक्षण उद्देश्य)
6	H209, H310	बच्चा सरल अज्ञात पाठ में आये संज्ञा शब्द, क्रिया शब्द और विराम चिह्नों को पहचानकर उन्हें बता लेता है। बच्चा अपने लेखन में संज्ञा शब्द, क्रिया शब्द और विराम चिह्नों का उपयोग कर लेता है।	34	• विविध वर्णन– अभ्यास (मौखिक, लिखित) उसमें संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया की पहचान।
	H304.1	बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	35	• परिस्थितियों, पात्रों के अनुसार संवाद निर्माण (मौखिक, लिखित) का कौशल।
		आकलन अभ्यास प्रपत्र– 6	36	• सप्ताह भर में कराई गई गतिविधियों में कुछ की पुनरावृत्ति, आकलन
7	H308	बच्चा आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ/8–12 वाक्यों के अनुच्छेद को पढ़कर 4 में से कम से कम 3 प्रश्नों (तथ्यात्मक एवं उच्चस्तरीय चिंतन कौशल) का उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	37	• परिस्थितियों पर प्रश्न बनाना। • प्रश्नों के उत्तर बताना व उत्तर के आधार पर प्रश्न बनाना। • सवालों से जवाब और जवाबों पर सवाल– मौखिक और लिखित तैयार करना।
	H205	बच्चा 3–5 वर्णों/अक्षरों से बने शब्द पढ़ लेता है और किसी शब्द के अक्षरों से नए शब्द बना लेता है।	38	• वाक्यांश का शब्द बनाना। शब्द से वाक्य बनाना। अनेक शब्दों से एक वाक्य बनाना।
	H108.3	बच्चा 2–3 अक्षर वाले शब्द (1 से अधिक मात्रा वाले) को सुनकर लिख लेता है।	39	• अक्षर मैट्रिक्स (तम्बोला), शब्द मैट्रिक्स (तम्बोला)
	H301, H304.1	बच्चा 7–10 पंक्तियों की कविताओं को व्यक्तिगत और समूह में हाव–भाव एवं उतार–चढ़ाव के साथ सुना लेता है। बच्चा कविता/कहानी से जुड़े 4–5 तथ्यात्मक एवं 2–3 उच्चस्तरीय चिंतन कौशल के प्रश्नों के उत्तर स्थानीय भाषा में दे लेता है।	40	• कक्षा 2 की पाठ्यपुस्तक से 'नंदू को जुकाम' कविता–वाचन, पठन। '• नंदू को जुकाम' की खासियत पर चर्चा। छात्रों द्वारा स्वतंत्र नोट्स बनाना।
	H305	बच्चा परिचित पुस्तकों/पाठ्यपुस्तकों के पाठों को पढ़कर जानकारी प्राप्त एवं साझा कर लेता है, जैसे– पाठ की मुख्य बातें बताना चयनित हिस्सों का विवरण दे पाना, चरित्र विश्लेषण कर पाना।	41	• कक्षा 3 की पाठ्यपुस्तक से 'मुर्गा और लोमड़ी' कहानी का वाचन व पठन। • कहानी पर चर्चा करना। • कहानी का सार लिखना।
	H305	आकलन अभ्यास प्रपत्र– 7	42	• सप्ताह भर में कराई गई गतिविधियों में कुछ की पुनरावृत्ति, आकलन।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (1 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H101, H302, H303, H109.1

शिक्षण उद्देश्य—

- छात्रों के घरेलू अनुभवों पर आधारित बातचीत की भाषा से पढ़ने—लिखने का अभ्यास।

आवश्यक सामग्री— चित्रचार्ट, श्यामपट्ट, चॉक / मार्कर, कहानी, पोस्टर, ग्रिड, चित्रकार्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5—10 मिनट)

- बातचीत के माध्यम से छात्रों से निम्नांकित प्रश्न पूछकर चर्चा करें—

(i) आपको क्या—क्या करना अच्छा लगता है और क्यों ?

(ii) आपको सबसे प्यारा कौन लगता है और क्यों ?

(iii) हम कहाँ रहते हैं ? घर में कौन—कौन रहता है ?

- छात्रों को बताएँगे कि हम जिन लोगों के साथ मिलजुल कर रहते हैं उसे ही परिवार कहते हैं। और आज हम सभी परिवार के बारे में विस्तार से जानेंगे।

शिक्षण के दौरान (20—25 मिनट)

''परिवार'' के चित्र पर बातचीत करते हुए आगे चर्चा करें।

(i) छात्रों से परिवार के बारे में जानें और पूछें कि आपको परिवार में रहना कैसा लगता है ?

(ii) परिवार में रहने के क्या—क्या लाभ हैं ? यह भी बताएँ और एक से दो पंक्तियों को श्यामपट्ट पर लिखकर पढ़ें और छात्रों से पढ़वाएँ।

- शिक्षक परिवार पर आधारित कविता की कुछ पंक्तियाँ गाकर छात्रों को सुनाएँगे।

हर मुश्किल में जो सही राह दिखाए वही होता है परिवार,
सुख—दुःख में जहाँ सब साथ मिलकर रहते हैं वही होता है परिवार।
मेरा सुन्दर सा परिवार, इससे करते हैं हम सब प्यार।

- दी गई ग्रिड इकाइयों से परिवार के सदस्यों का नाम ढूँढ़कर लिखें।

नी	ना	दा	दा
ब	ना	पि	दी
ह	मा	ता	दी
न	म	ई	भा

जैसे—दादा, बहन, नाना आदि

शिक्षण के अंत में (5—10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से पूछें कि क्या घर के पालतू जानवर व घर में लगे पेड़ पौधे परिवार के सदस्य होते हैं ?
- छोटे परिवार और बड़े परिवार से आप क्या समझते हैं ? इनमें क्या फर्क है, बताएँ ?

गृहकार्य— (घर में बड़ों की मदद से)— परिवार के सभी सदस्यों के नाम और चित्रा के साथ परिवार वृक्ष बना कर लाएँ। (किसी बच्चों से पूछकर उसके परिवार वृक्ष का एक नमूना गृहकार्य देने से पहले बोर्ड पर बनाकर दिखा दें।)

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (2/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H101, H109.1, H302, H303.1

शिक्षण उद्देश्य—

- छात्र के घरेलू अनुभवों पर आधारित बातचीत के द्वारा पढ़ने—लिखने का अभ्यास।
- छात्रों द्वारा अपने अनुभव/विचार स्थानीय भाषा में बताना व लिखना।

आवश्यक सामग्री— चित्रचार्ट, श्यामपट्ट, चॉक, पोस्टर, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5—10 मिनट)

- शिक्षक मेला आधारित अपने अनुभव छात्रों से साझा करते हुए चर्चा करेंगे अथवा मेला आधारित छोटी सी कविता गाकर कक्षा का वातावरण सीखने—सिखाने के अनुकूल बनाएँगे।

घर के पास लगा था मेला
उसमें आया चाट का ठेला
हमने जाकर खाई चाट
ऐसे थे मेले के ठाठ
झूले, ठेले, सुंदर हाट।

- प्रश्नों के माध्यम से छात्रों से पूछें कि आपको खिलौने, मिठाई, झूले, सरकस, घर का सामान सब एक ही स्थान पर कहाँ मिलता हैं?

शिक्षण के दौरान (20—25 मिनट)

- 'मेला' शब्द पर माइंडमैपिंग कराएँगे। 'मेला' शब्द सुनकर छात्रों को जिन वस्तुओं और कामों के नाम याद आएं, उनको श्यामपट्ट पर लिखेंगे। चर्चा के अंत में कुछ प्रसिद्ध मेलों के नाम भी श्यामपट्ट पर एक ओर लिखेंगे।

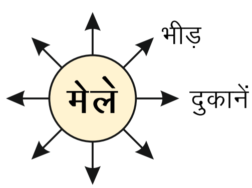

(छात्र स्थानीय भाषा के जो शब्द बोलें उनको भी श्यामपट्ट पर लिखेंगे। श्यामपट्ट पर लिखे गए शब्दों से नए वाक्य बनवाएँगे। छात्रों द्वारा मौखिक रूप से बनाए गए वाक्यों को शिक्षक श्यामपट्ट पर सुंदर लेख में लिखेंगे)।

शिक्षण के अंत में (5—10 मिनट)

- बच्चों से कहें कि अपने देखे मेले में तुम्हें सबसे अच्छा क्या लगा है और क्या अच्छा नहीं लगा 1—2 पंक्तियों में लिखें।
- छात्रों द्वारा बनाएँ गये वाक्यों को बारी—बारी से पढ़वाएँगे।

गृहकार्य— (घर में बड़ों की मदद से) शिक्षक छात्रों से मेले के बारे में अपने अनुभव दो से तीन पंक्तियों में लिखने को कहें या मेले में देखी किसी का चित्र बना लाने को कहें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (3/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H109.1

शिक्षण उद्देश्य—

- परिवेशीय पशु—पक्षियों के विषय में चर्चा करना।
- कहानी सुनना और सुनाना।
- स्मृति और अवलोकन आधारित सरल चित्रकारी कराना।
- शिक्षक द्वारा आदर्श पठन।

आवश्यक सामग्री— बिगबुक, शब्द कार्ड, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5—10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से चर्चा करेंगे कि किन—किन छात्रों को कहानी अच्छी लगती है। उन्हें कैसी कहानियाँ पसन्द है ? उन्होंने कहानियाँ किससे सुनी है ? फिर बिग बुक से कहानी पढ़ेंगे।

शिक्षण के दौरान (20—25 मिनट)

- बिग बुक की 'हाथी और बकरी' कहानी से चित्र दिखाते हुए कहानी पर अनुमान लगवाएँगे। उदारहण

(i) चित्र में क्या—क्या दिख रहा है ?

(ii) कहानी किसके बारे में हो सकती है ?

(iii) कहानी में क्या—क्या हो रहा है ?

- बातचीत के उपरांत कहानी को उचित हाव—भाव के साथ छात्रों को सुनाएँगे फिर छात्रों के साथ साझा पठन करेंगे।
- छात्रों से कहानी में आये पात्रों के नाम पूछें और श्यामपट्ट पर लिखें।
- छात्रों से उन शब्दों को पढ़ने को कहें और उत्तरपुस्तिका पर लिखकर दिखाने को कहें।
- छात्रों को चित्र कार्ड देकर उनके नाम के शब्द कार्ड से मिलाने को कहें।

हाथी

बकरी

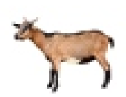

खरगोश

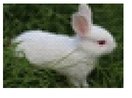

गिलहरी

निर्देश— शिक्षक ये कार्ड स्वयं बनाएँगे। शब्द कार्ड (शब्द लिखना) चित्र कार्ड (चित्र चार्ट काट कर बनाना या पुरानी पुस्तक से चित्र काट लेना)

शिक्षण के अंत में (5—10 मिनट)

- कुछ छात्रों से कहानी उनके शब्दों में सुनेंगे।
- छात्रों से इस कहानी के किसी पात्र का सरल रेखाचित्र बनाने को कहेंगे।

गृहकार्य— (घर में बड़ों की मदद से) छात्र यह जानकारी एकत्र करेंगे कि हाथी और शेर के रहन—सहन व खान—पान में क्या अन्तर होता है।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (4/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H102, H109.1

शिक्षण उद्देश्य–
- कविताओं का वाचन, पठन और लेखन अभ्यास (श्यामपट्ट पर कविता लिखकर कराएँ)

आवश्यक सामग्री– कविता कार्ड, कविता चार्ट/पोस्टर, पाठ्यपुस्तक, तोते का चित्र या तोते का कट आउट।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों से निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों पर बातचीत करते हुए शुरूआत करेंगे–

(i) कुछ पशु–पक्षियों के नाम बताते हुए पूछें कि कौन जमीन पर चलता है ? और कौन उड़ सकता है ?

(ii) कौन सा पक्षी हरे रंग का होता है ? जिसकी चोंच लाल होती है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- तोते का चित्र अथवा मुखौटा छात्रों में बाँटकर संबंधित कविता का सस्वर वाचन करेंगे–

तोता हूँ मैं तोता हूँ, हरे रंग का होता हूँ।
लाल मेरी चोंच है, बागों में मैं रहता हूँ।।
मीठे फल खाता हूँ,
माली के बेटे को देख।
पत्तों में छिप जाता हूँ।।

- छात्रों द्वारा इसे दोहराते हुए अभिनय के साथ वाचन करने को कहें। (दो बार)
- छात्रों से तोते पर बात करें, उसकी चोंच, पूँछ, पंजे, आवाज की बाकी पक्षियों से तुलना पर चर्चा करें, चर्चा में आई बातों को बोर्ड पर लिखें और उनसे पढ़ने का अभ्यास कराएँ। धीमा या अटक कर पढ़ने वाले बच्चों को अवश्य पढ़ने का अवसर दें।
- छात्र अपने मनपसंद अन्य/पक्षी अथवा तोते से ही संबंधित अन्य कविताएँ सुनाएँ और लिखें।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से कुछ खुले छोर के प्रश्न पूछें आपस में बात करते हुए उन्हें लिखें और उनकी सृजनात्मकता, कल्पनाशीलता और अनुमान लगाने की क्षमता को बढ़ाएँ। जैसे– यदि तुम्हारे पंख होते तो तुम क्या–क्या करते ? कहाँ–कहाँ जाना चाहते आदि।

गृहकार्य– (घर में बड़ों की मदद से) कविता में आए तुकान्त शब्दों/मिलती जुलती ध्वनि वाले शब्दों को लिखवाएँ या किसी पक्षी का चित्र बनाकर लाने को कहें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (5/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H102, H201, H109.1

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता विधा से बच्चों का परिचय कराना।
- कविताओं में खास शब्दों को ढूँढ़ना उन पर बातचीत/चर्चा और लेखन।

आवश्यक सामग्री– कलर, चॉक, चार्ट पेपर, पेंसिल, रबड़, स्केल, श्यामपट्ट, मार्कर, कविता कार्ड, गीत कार्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से आत्मीयता के साथ बातचीत करते हुए पूछें कि आप लोगों को कविता/गीत कैसे लगते हैं? हमें गीत, कविताएँ क्यों अच्छे लगते हैं? बच्चों से उन्हें याद गीत, कविताओं के बारे में पूछें। ये लोकगीत फिल्मीगीत शी हो सकते हैं। इनकी एक–एक लाइन बोर्ड पर लिखें, फिर आगे दी गई कविता का हाव–भाव से वाचन कराएँ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

कहीं एक बुढ़िया थी उसका नाम नहीं था कुछ भी,
दिन भर वह बैठी रहती थी काम नहीं था कुछ भी।।
काम न होने से उसको आराम नहीं था कुछ भी,
इसीलिए तो सुबह, दोपहरी, शाम नहीं थी कुछ भी।।

- फिर कविता पर प्रश्न के माध्यम से चर्चा करेंगें, और पूछेंगे कि– कविता किसके बारे में है? इस कविता से तुम क्या समझ रहे हो आदि।
- कविता के भाव/आशय को छात्रों से चर्चा करके स्पष्ट करें। ऐसे कि काम, आराम और समय का संबन्ध स्पष्ट हो।
- कविता में आये मुख्य शब्दों/भावों समय, मेहनत, आलस्य, थकान का वाक्य में प्रयोग कराएँ और छात्रों से पढ़वाएँगे।
- कविता को समझकर इसको कहानी के रूप में छात्रों से सुनेंगे और श्यामपट्ट पर लिखेंगे तथा कुछ छात्रों से पढ़वाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कविता में आए तुकान्त शब्दों को बताने और उनको कॉपी में लिखने को कहेंगे।
- छात्रों को उनके दिन भर के कामों और समय की सूची बनवाएँगे।

गृहकार्य– बच्चों से घर पर किए जाने वाले कामों और उनके समय की एक सूची बना लाने को कहें।

साप्ताहिक आकलन अभ्यास प्रपत्र

शिक्षण उद्देश्य–

- पठन और लेखन अभ्यास के साथ पुनरावृत्ति, आकल

आवश्यक सामग्री– शब्द कार्ड, कविता चार्ट, सहज पुस्तिकाएँ आदि।

- शिक्षक छात्रों से निम्नांकित अभ्यास कार्य कराएँगे।

मैं परिवार के संग मेला गया। मेले में दुकानें सजी थी। मैंने एक झुनझुना खरीदा।

शब्दों के जोड़े बनाइए :

घर	किताब
लेना	जाना
हिसाब	पीना
खाना	परिवार
माना	देना

घर	परिवार

शब्द पढ़कर वाक्य बनाइए :

पिता, माता, भाई, बहिन, रसोई, लट्टू (खेल)

नीचे लिखी कविता को पढ़िए और उससे जुड़ी/संबंधित कोई अन्य कविता बताइए–

डाल–डाल पर उड़ता तोता।
उड़ते–उड़ते मुड़ता तोता।।
आम अमरूद खाता तोता।
मिठ्ठू–मिठ्ठू गाता तोता।।

निम्नांकित बॉक्स में से 4 शब्द बनाइए–

गि	छ	ला	ते
हि	ल	थी	ब
र	प	ह	क

न बा ल री

- बच्चे अपने परिवार के सभी सदस्यों के नाम और उनसे अपने रिश्तों के नाम लिख कर लाएँ।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (7/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H204, H104.4, H207
शिक्षण उद्देश्य–
- सुनकर कहानियाँ सुनाना।
- कहानी के पात्रों के नाम लिखना।
- कहानियों के चित्र बनाना, पात्रों पर अभिनय।

आवश्यक सामग्री– चित्र/पोस्टर, कहानी, प्रिंट सामग्री, कठपुतली, मुखौटे, पुस्तकालय।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से छात्रों से बातचीत करेंगे–

(i) आपके आस–पास कौन–कौन से जानवर दिखाई देते हैं?
(ii) कौन–कौन से जानवर खतरनाक दिखते हैं?
(iii) क्या आपको कहानी सुनना पसंद है? कैसी कहानी अच्छी लगती है?

(शिक्षक अपने अनुसार कोई भी कहानी ले सकते हैं। (सहज/बिगबुक, पुस्तकालय)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

(छात्रों को गोले में बैठाकर)
- शिक्षक हाव–भाव के साथ "पूँछ हिलाने वाला भेड़िया" कहानी सुनाएँगे। (किसलय)
- कुछ छात्रों से सुनी गई कहानी को अपनी भाषा में सुनाने को कहेंगे। (कुछ छात्रों से, साथ–साथ अभिनय/कठपुतली प्रदर्शन भी करवा सकते हैं।)
- कहानी से सम्बन्धित निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे–

(i) भेड़िये ने मेमने से क्या कहा?
(ii) भेड़िये को गुस्सा क्यों आया?
(iii) मेमना भेड़िये को बाहर क्यों नहीं निकालना चाहता था?
(iv) भेड़िये ने बड़े–बड़े दाँत दिखाकर मेमने को क्यों डराया?

- छात्रों को समूह में बैठाकर कुछ जानवरों के चित्र/मुखौटे बाँट देंगे (जैसे– बकरी, कुत्ता शेर, घोड़ा, भेड़िया, भैंस, बिल्ली)
- जिस छात्र के पास जो चित्र/मुखौटा होगा, वह बच्चा उस पशु के बारे में 1–2 वाक्य बताएगा और पशु की विशेषताओं, भोजन, रहन–सहन आदि के विषय में बताएगा।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कुछ प्रश्नों के माध्यम से जानकारी हासिल करेंगे कि बच्चों को क्या समझ आया?

(i) कहानी में आपको क्या अच्छा लगा? क्या–क्या अच्छा नहीं लगा? क्यों?
(ii) यदि मेमने ने भेड़िये को गड्ढे से बाहर निकाल लिया होता तो क्या होता? (अनुमान, कल्पना, अनुभव के आधार पर)
(iii) यदि मेमने की जगह आप होते तो क्या करते?
(iv) भेड़िये ने अपने आप को कुत्ता क्यों कहा?

गृहकार्य– शिक्षक छात्रों से अपनी समझ के आधार पर सुनी भेड़िये की चालाकी पर कम से कम तीन बातें लिख लाने को कहेंगे।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (8/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H207

शिक्षण उद्देश्य–

- बिगबुक/अन्य किताबों से कहानी सुनना/सुनाना, पढ़ना/पढ़ाना/कहानी के पात्रों के नाम लिखना, कहानियों के चित्र बनाना।

आवश्यक सामग्री– कहानी, पोस्टर, चित्र/बिगबुक/पुस्तकालय की पुस्तकें, प्रिंट सामग्री।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कक्षा के बाहर ले जाकर आस–पास अवलोकन करने को कहेंगे (आस–पास, पेड़ों पर, आकाश में क्या–क्या दिख रहा है ?)

(I) आकाश में कौन उड़ता दिखाई दे रहा है ?

(ii) पेड़ों पर किसने घोंसला बनाया है ?

(iii) क्या आपके घर में किसी पक्षी का घोंसला है ?

(iv) आप पक्षियों को दाना–पानी देते हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को घेरे में बैठाकर शिक्षक बिगबुक से 'चिड़िया' कहानी को हाव–भाव के साथ सुनाएँगे।
- कुछ छात्रों से इसी कहानी को सुनाने को कहेंगे।
- शिक्षक छात्रों से उनकी कोई मनपसंद कहानी शी सुनेंगे।
- कुछ प्रश्नों के माध्यम से छात्रों से बातचीत करें–

(I) कहानी में चिड़िया के कहाँ गिरने की बात कही गई हैं ?

(ii) बिल्ली ने चिड़िया से क्या कहा ?

(iii) जिन्हें तैरना नहीं आता वे लोग डूबने से कैसे बच सकते हैं ?

(iv) पानी में कौन–कौन से जीव तैर पाते हैं?

(v) यदि चिड़िया ने समझदारी से काम न लिया होता तो बिल्ली क्या करती ? (कल्पना, अनुमान, अनुभव द्वारा)

- कागज की गेंद बनाकर एक–एक करके कुछ छात्रों के पास फेकेंगे और जिसके पास गेंद गिरेगी उससे किसी पक्षी/पशु की आवाज निकालने को कहेंगे। अन्य छात्र उसे पहचानेंगे। छात्र पशु/पक्षी के भोजन के विषय में जानकारी देंगे।
- कहानी में आने वाले पात्रों के नाम लिखेंगे और पढ़ेंगे।
- आसपास पाई जाने वाली किन्हीं दो वस्तुओं में समानता और अंतर बताएँ। जैसे–

नाम	समानता	अंतर
कुत्ता–बिल्ली		
तितली–चिड़िया		
गाजर–मूली		
पेन–पेंसिल		
सेब–अंगूर		

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से पूछेंगे–

(i) आपको कहानी कैसी लगी ? कहानी में आपको सबसे अच्छा क्या लगा ?

(ii) कहानी में आपको क्या बात बिल्कुल पसन्द नही आई और क्यों ?

प्रोजेक्ट/गृहकार्य– अपने माता–पिता के सहयोग से छात्र अपने घर/परिवेश मे रहने वाले पशु–पक्षियों के नाम लिखकर लाएँगे।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (9/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H202.2, H104.3

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी पोस्टर पर आधारित बातचीत करना।
- कहानी के खास शब्दों को लिखना।
- शब्दों पर मौखिक रूप से वाक्य बनाना।

आवश्यक सामग्री– चित्र/पोस्टर, कहानी, पुस्तक, प्रिंट सामग्री, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक निम्नांकित प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे।

(i) जानवर और पक्षी में क्या अंतर है ?

(ii) परिवेश में रहने वाले कुछ जानवरों के नाम बताइए ?

(iii) गाँव, शहर में पाले जाने वाले पक्षी कौन–कौन से हैं ?

- छात्रों द्वारा मुर्गे तथा कुछ अन्य जानवरों की आवाज निकाली जाएगी। शिक्षक उन्हें बोर्ड पर लिख लेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक चित्र/पोस्टर दिखाते हुए हाव–भाव के साथ "मुर्गा और लोमड़ी" की कहानी पाठ्यपुस्तक कक्षा 3 पंखुड़ी से सुनाएँगे।
- कहानी सुनाने के पश्चात् इसी कहानी को छात्रों से उनकी भाषा में सुनाने को कहेंगे।
- "मुर्गा और लोमड़ी" का चित्र दिखाकर शिक्षक निम्नाकित प्रकार के प्रश्न पूछेंगे।

(i) मुर्गा पेड़ पर क्यों चढ़ गया होगा ?

(ii) मुर्गे ने लोमड़ी से क्या कहा, जिससे लोमड़ी डरकर भाग गई ?

(iii) यदि मुर्गा नीचे उतर आता तो लोमड़ी क्या करती ?

(iv) अगर मुर्गे की जगह आप होते तो क्या करते ?

- शिक्षक छात्रों को 3–4 के समूह में बाँटकर कुछ कार्ड (जंगली जानवर ,पालतू जानवर, पालतू पक्षी) पर चर्चा करेंगे। जिन छात्रों के पास जो कार्ड आया है, वे उसके बारे में बताएँगे।
- शब्द से वाक्य बनाएँ– शिकारी, जंगल, पेड़, लोमड़ी
- शिक्षक कक्षा के कम से कम 20 छात्रों को जंगली पशु, पालतू पशु तथा पक्षियों के नाम लिखे हुए कार्ड्स बाँट दें। शिक्षक श्यामपट्ट पर निम्नांकित तालिका बनाएँगे।

क्रम संख्या	जंगली पशु	पालतू पशु	पक्षी
1			
2			
3			

- छात्र एक–एक कर अपने कार्ड पर लिखे नाम को पढ़ेंगे।
- शिक्षक छात्रों से चर्चा कर पठित नाम को ऊपर लिखित तालिका को सही वर्ग में लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में

(5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से निम्नांकित प्रकार के प्रश्न पूछेंगे–

(i) आपको कहानी में क्या–क्या अच्छा लगा और क्यों ?

- शिक्षक छात्रों से निम्नलिखित वाक्यों का एक–एक बार उच्चारण कराएँ–

(i) मुर्गा पेड़ पर बैठ गया।

(ii) लोमड़ी मुर्गे को खाना चाहती थी।

(iii) लोमड़ी शिकारी कुत्तों से डर गई।

(iv) मुर्गे ने समझदारी से काम लिया।

प्रोजेक्ट / गृहकार्य– बच्चों से 'मुर्गे और लोमड़ी' का सरल चित्र बनाकर रंग भरने को कहें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (10/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H204.2
शिक्षण उद्देश्य–
- चित्र श्रृंखला में चित्र के क्रम पर बातचीत और उसे छोटी कहानी के रूप में लिखना।

आवश्यक सामग्री– चित्र कहानी, पोस्टर/चित्र, प्रिंट सामग्री, कार्ड, फोन, पुस्तक, चॉक, डस्टर

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शूमिका के तौर पर शिक्षक कुछ देर बच्चों से प्यास लगने और उसके लिए पानी की जरूरत पर बात करेंगे। फिर इन प्रश्नों पर बात करेंगे–

(i) तुम्हे और तुम्हारे परिवार को पानी कहाँ से मिलता है ?
(ii) ये प्राणी प्यास कैसे बुझाते होंगे ? बंदर, मोर, तोता, बैल, ऊँट ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को घेरे में बैठाकर एक चित्र चार्ट देखने को कहेंगे चित्र/पोस्टर में दिख रही वस्तुओं, घटनाओं के बारे में प्रश्न पूछेंगे। (अवलोकन, कल्पना, अनुभव के आधार पर)

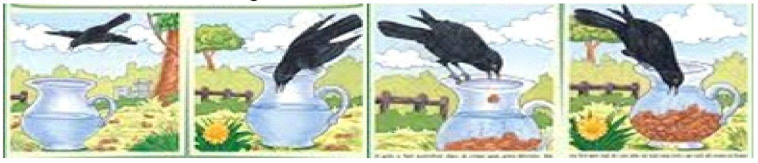

(I) चित्र में कौन सा पक्षी दिखाई दे रहा है ?
(ii)पहले चित्र में क्या क्या होता दिख रहा है ?
(iii) दूसरे चित्र में कौआ क्या कर रहा है ?
(iv) तीसरे चित्र में कौआ क्या लाया ?
(v) चौथे चित्र में क्या दिख रहा है ? (चित्र अवलोकन/चर्चा के पश्चात्)

- कुछ छात्र चित्र के आधार पर अपने शब्दों में एक कहानी सुनाएँगे।
- छात्रों को तीन–चार समूहों में चार–चार खाली कार्ड दिए जाएँगे। उन पर छात्र आपस में चर्चा /बातचीत कर अपने अनुसार छोटी–छोटी कहानी लिखने का प्रयास करेंगे। (कल्पना, अनुमान, अनुभव के आधार पर)
- निम्नांकित शब्दों को चुनकर कहानी पूरी कीजिए। शिक्षक कोई अन्य कहानियाँ शी ले सकते हैं।

कौआ	चोंच	रोटी	टुकड़ा	शोर	अचानक
गई	लेकर	भाग	एक	नीचे	जोर–जोर

पेड़ पर .... बैठा था। उसके .... में .... का .... था। पेड़ के .... एक कुत्ता आ गया। कौआ .... से .... मचाने लगा। .... से .... रोटी गिर .... । कुत्ता लेकर .... गया।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक निम्नांकित प्रकार के कुछ प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे।

(I) कौआ क्यों परेशान था ?
(ii) जब कौआ प्यासा था तो उसने क्या–क्या उपाय सोचा ?
(iii) छोटे–छोटे पत्थरों को मटके में डालने पर क्या हुआ ?
(iv) ऐसा क्या हुआ कि कंकड़ डालने से नीचे का पानी ऊपर आ गया ?

प्रोजेक्ट/गृहकार्य– बच्चों से कौए और घड़े का सरल रेखाचित्र बना लाने को कहेंगे।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (11/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.2

शिक्षण उद्देश्य–
- छोटी कहानी को सुनकर स्कूल की भाषा/स्थानीय भाषा में सुनाना।
- कहानी पर 2 से 3 वाक्य की स्वतन्त्र मौखिक और लिखित टिप्पणी देना।

आवश्यक सामग्री– कहानी, बिगबुक, पोस्टर, पुस्तकालय पुस्तकें, प्रिन्ट सामग्री कार्ड, शब्द वाक्य पट्टियाँ।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को चित्र कार्ड बाटेंगे। जैसे गमले में फूल का/पानी में मछली का/मिठाई की दुकान का/सब्जी वाले ठेले का/प्रत्येक छात्र अपना कार्ड अन्य छात्रों को दिखाएगा। कुछ छात्र उस कार्ड के बारे में अपने विचार अपनी शषा में बताएँगे। शिक्षक छात्रों के वाक्यों को क्रमबद्ध रूप में श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को गोल घेरे में बैठाएँगे बीच में कहानी चार्ट रखकर हाव–भाव से कहानी सुनाएँगे। छात्र उस कहानी को अपनी भाषा में सुनाएँगे। कहानी से संबंधित कुछ प्रश्नों पर चर्चा होगी।
- शिक्षक सुनाई गई कहानी के हर वाक्य की पट्टी बनाएँगे। वाक्य पट्टियों को छात्रों के बीच बाँट देंगे।

वाक्य पट्टी जैसे–

एक मुर्गी थी उसके तीन चूज़े थे।	मुर्गी बोली कुकड़ू कू।
तीनों चूज़े बोले कुकड़ू कू।	तीनों चूजे दीवार पर चढ़े।
मुर्गी दीवार पर चढ़ी।	लेकिन धम्म से फिसल गई।

निर्देश– इसी तरह दो छोटी कहानियों की वाक्य पट्टियाँ काटनी हैं। दो समूहों में अलग–अलग कहानियों की पट्टियों को काटेंगे। दोनों समूहों में कहानी को क्रम से लगाने को कहेंगे जो ग्रुप पहले कहानी बना लेगा वह जीत जाएगा। दोनों कहानियों को दो अलग चार्ट पर चिपकाएँगे। तैयार चार्ट को प्रदर्शित करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से कुछ प्रश्न पूछेंगे–

(i) कहानी में आपको क्या–क्या अच्छा लगा और क्या अच्छा नहीं लगा और क्यों ?
(ii) मुर्गी के बच्चे किसकी नकल कर रहे थे ?
(iii) मुर्गी के बच्चे सड़क पर क्यों चलने लगे ?
(iv) क्या आप सड़क के बीच में चलते हैं ? या किनारे ?
(v) हमें सड़क के किस ओर चलना चाहिए ? सड़क पार करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

प्रोजेक्ट/गृहकार्य– छात्र मुर्गी के चूजों के सरल चित्र बनाएँगे

साप्ताहिक आकलन अभ्यास प्रपत्र

उद्देश्य–
- कहानी के पठन और लेखन का अभ्यास कराना।
- पूरे सप्ताह के शिक्षण कार्य की पुनरावृत्ति।

आवश्यक सामग्री– सहज, कहानी पोस्टर/कविता पोस्टर।

निम्न प्रकार के अभ्यास कार्यों को कराएँ।
- शिक्षक छात्रों से किसी कहानी को पढ़वाएँगे।
- छात्रों कों पढ़ी हुई कहानी को अपनी भाषा में सुनाने को कहेंगे।
- पढ़ी या सुनी कहानी के 3–4 वाक्य लिखने को कहेंगे।

- **पढ़िए:**

मेमना	**चिड़िया**	**बिल्ली**	**मुर्गा**	**लोमड़ी**
कौआ	**चूजा**	**प्यासा**	**शिकारी**	**भेड़िया**

- **लिखिए:**

पढ़ें तथा रिक्त स्थान भरें–

नन्हीं चिड़िया उड़कर आई	चिड़िया मम्मी .... आई
कुछ नन्हें दाने शी लाई	छोटे–छोटे .... लाई
मुँह को खोले बाट जोहते	.... को खोले .... जोहते
बच्चों की दावत करवाई	छात्रों की .... करवाई

- **शब्दों से वाक्य बनाएँ–**

मुर्गी	चिड़िया	पेड़	दीवार

- **कहानी पढ़कर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–**

नीता दुकान से मिठाई लायी।	नीता .... से मिठाई लायी।
उसने दो लड्डू भाई को दिए।	उसने दो .... भाई को दिए।
दो लड्डू पिता को दिए।	दो लड्डू .... को दिए।
एक स्वयं खा लिया।	एक स्वयं .... लिया।
शेष लड्डू माँ को दे दिए।	शेष .... माँ को दे दिए।

नोट– शिक्षक इसी प्रकार की कोई अन्य छोटी कहानी ले सकते है।

नोट– शिक्षक पूरा आकलन पत्रक स्वयं शी बना सकते है।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (13/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.1

शिक्षण उद्देश्य–

- पहेलियाँ बूझना, पढ़ना, लिखना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा 2 व 3 की पाठ्यपुस्तक

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से पूछेंगे कि निम्नलिखित पंक्तियाँ किस के बारे में कही गई हैं ?

मैं आसमान में छाए बादलों में रहता हूँ।
वहाँ से बरसकर धरती पर चला आता हूँ।
तुम कागज की नाव बनाकर मुझमें ही तैराते हो।
बताओ मैं कौन हूँ ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ पहेलियाँ लिखेंगे।
- लिखी गई पहेलियों को छात्रों से बारी–बारी से पढ़ने को कहेंगे।
- छात्रों द्वारा घर से सुनी कोई पहेली सुनाने को कहेंगे।
- छात्रों को 4 समूह में बाँटा जाएगा। पाठ्यपुस्तक के पाठ 11 से 1–1 पहेली हर समूह में पढ़ने के लिए दी जाएगी।
- पढ़ने के बाद एक समूह दूसरे समूह से पहेली पूछेगा। दूसरे समूह को पहेली का अर्थ बताना है। यदि पहला समूह अर्थ नहीं बता पाएगा तो किसी और समूह को मौका दिया जाएगा इसी प्रकार इस गतिविधि को आगे बढ़ाया जाएगा।
- नीचे दी गई पहेली के वाक्यों में शब्दों का क्रम सही करके लिखें।

(i) लगी है जंजीर पैरों में ....

(ii) लगाए दौड़ भी फिर ....

(iii) के पर झूम पगडण्डी चले ....

(iv) पहुँचाए गाँव–गाँव ....

- छात्रों द्वारा जिन पहेलियों के क्रम को सही करके लिखा गया है उसकी समीक्षा छात्र स्वयं एक दूसरे को उत्तरपुस्तिका देकर करेंगे फिर शिक्षक समीक्षा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कोई पहले से याद पहेली अपने शब्दों में सुनाने को कहें।
- सुनी गई पहेली को कॉपी में लिखवाएँगे।

प्रोजेक्ट/गृहकार्य– अपने पास पड़ोस व परिवार के सदस्यों से बात करें। उनसे पहेलियाँ पूछें। उनकी पहेलियों को सुनकर संकलित करें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (14/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.1

शिक्षण उद्देश्य–
- गद्य पहेलियाँ बनाना।
- छोटे समूह में गद्य पहेली बनवाना और पूछना।

आवश्यक सामग्री– सहज पुस्तिका 2/पुस्तकालय की पुस्तकें।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों से निम्नांकित प्रकार के बिन्दुओं पर बातचीत करते हुए शिक्षण की शुरुआत करें।
- शिक्षक छात्रों से उनकी स्थानीय भाषा में बोली जाने वाली पहेली पूछें।

जैसे–

हरी थी, मन भरी थी, लाल मोती जड़ी थी,
राजा जी के बाग में, दुशाला ओढ़े खड़ी थी,
या
हाथ में हरा, मुँह में लाल, क्या हूँ मैं प्यारेलाल

- उपर्युक्त पहेलियों पर छात्र अनुमान लगाकर उत्तर देंगे। इसी प्रकार शिक्षक और भी पहेलियाँ छात्रों से पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों के छोटे–छोटे समूह बनाकर सहज पुस्तिका 2 की पहेली को समूह में पढ़ने को दिया जाएगा। जहाँ पर छात्रों को समस्या होगी शिक्षक सहयोग करेंगे।
- पहेली पठन के बाद छात्र आपस में एक दूसरे को पहेली का उत्तर बताएँगे।
- शिक्षक कुछ पहेलियाँ श्यामपट्ट पर लिखेंगे, छात्र उसका उत्तर अनुमान लगाकर स्वयं बताएँगे और लिखेंगे।
- श्यामपट्ट पर लिखी पहेली को छात्र अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।
- पहेली में आए शब्दों से तुकान्त शब्द नोट किए जाएँगे। जैसे–
- रात, भात, बात, सात या अन्य वे तुकान्त शब्द जो शिक्षक द्वारा पूछी गई पहेलियों में आए हों।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों द्वारा पूर्व में सुनी या पढ़ी गई पहेलियों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- छात्रों के साथ छोटी–छोटी गद्य पहेलियाँ बनवाएँगे।

प्रोजेक्ट/गृहकार्य– छात्र अपने घर से कुछ पहेली या कहावत सुनकर आएँगे अगले दिन कक्षा में प्रस्तुत करेंगे।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (15/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H304.1

शिक्षण उद्देश्य—

- बच्चों में बातचीत की क्षमता विकसित करना।
- वाक्य पूरे करना और वाक्य प्रयोग करना।

आवश्यक सामग्री— सहज पुस्तिका कक्षा 3— पाठ 6 गाजर और गाय।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5—10 मिनट)

- छात्रों से निम्नांकित प्रकार के बिन्दुओं पर बातचीत करें।

(i) छात्रों से पूछें कि आपको कौन सा मौसम सबसे अच्छा लगता है और क्यों ?

(ii) हम जाड़े में किस तरह के कपड़े पहनते हैं ?

(iii) जाड़े में कौन—कौन से फल और सब्जियाँ ज्यादा मिलते हैं ?

(iv) जाड़े में मिलने वाली लाल रंग की सब्जियां कौन—कौन सी होतीं हैं ?

शिक्षण के दौरान (20—25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा कक्षा में गाजर और गाय कहानी को पढ़कर सुनाया जाएगा।

पढ़ी गई कहानी पर छात्रों से बातचीत की जाएगी। निम्नलिखित प्रकार के प्रश्न पूछ कर छात्रों की समझ को जानेंगे और यथास्थान कुछ जानकारी जोड़ेंगे।

(i) बाबा को शहर क्यों जाना था ?

(ii) गाय क्या खाने लगी ?

(iii) बाबा कैसे गिर गए ?

(iv) बाबा ने आशीष के घर जाकर क्या कहा ?

(v) क्या गाजर से गाय का पेट भर जाएगा ?

(vi) गाय गाजर के अलावा और क्या—क्या खाती है ?

(vii) अगर आपके खेत में कोई जानवर आ जाए तो आप उसे कैसे भगाएँगे ?

- पूर्व पठित पाठ के अलग—अलग अनुच्छेदों को छाँटकर या कागज पर लिखकर छात्रों को छोटे—छोटे समूह में पढ़ने को देंगे।
- अलग—अलग अनुच्छेद को मिलाकर कुछ छात्रों से एक पाठ के रूप में कहानी सुनाने को कहें।
- पाठ में आए प्रश्नों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे। छात्र शिक्षक से बातचीत या आपसी बातचीत के बाद उनका उत्तर अपनी कॉपी पर लिखेंगे।
- लिखे गए उत्तर की समीक्षा छात्रों द्वारा स्वयं तथा फिर शिक्षक द्वारा की जाएगी।

शिक्षण के अंत में

(5–10 मिनट)

- रिक्त स्थानों की पूर्ति करो।

(i) बाबा के———————————————— लग गई।

(ii) आशीष बोला——————————————————————— बहुत पसंद है।

(iii) अगर ऐसी बात है————————————————————— रोज दे दिया करूँगा।

(iv) बाबा और मैं—————————————————————————— चल दिए।

- निम्नांकित शब्दों का वाक्य प्रयोग करवाएँ।

(पड़ोसी, गाजर, मुस्कुराएँ, संभालकर, खेत, पसंद)

प्रोजेक्ट / गृहकार्य–

- बच्चों से कहें कि घर में मम्मी, पापा से पूछकर लिख लाएँ कि खेत में और क्या–क्या बोया जाता है ?
- किसी एक सब्जी का चित्र बनाकर लाने को कहें।

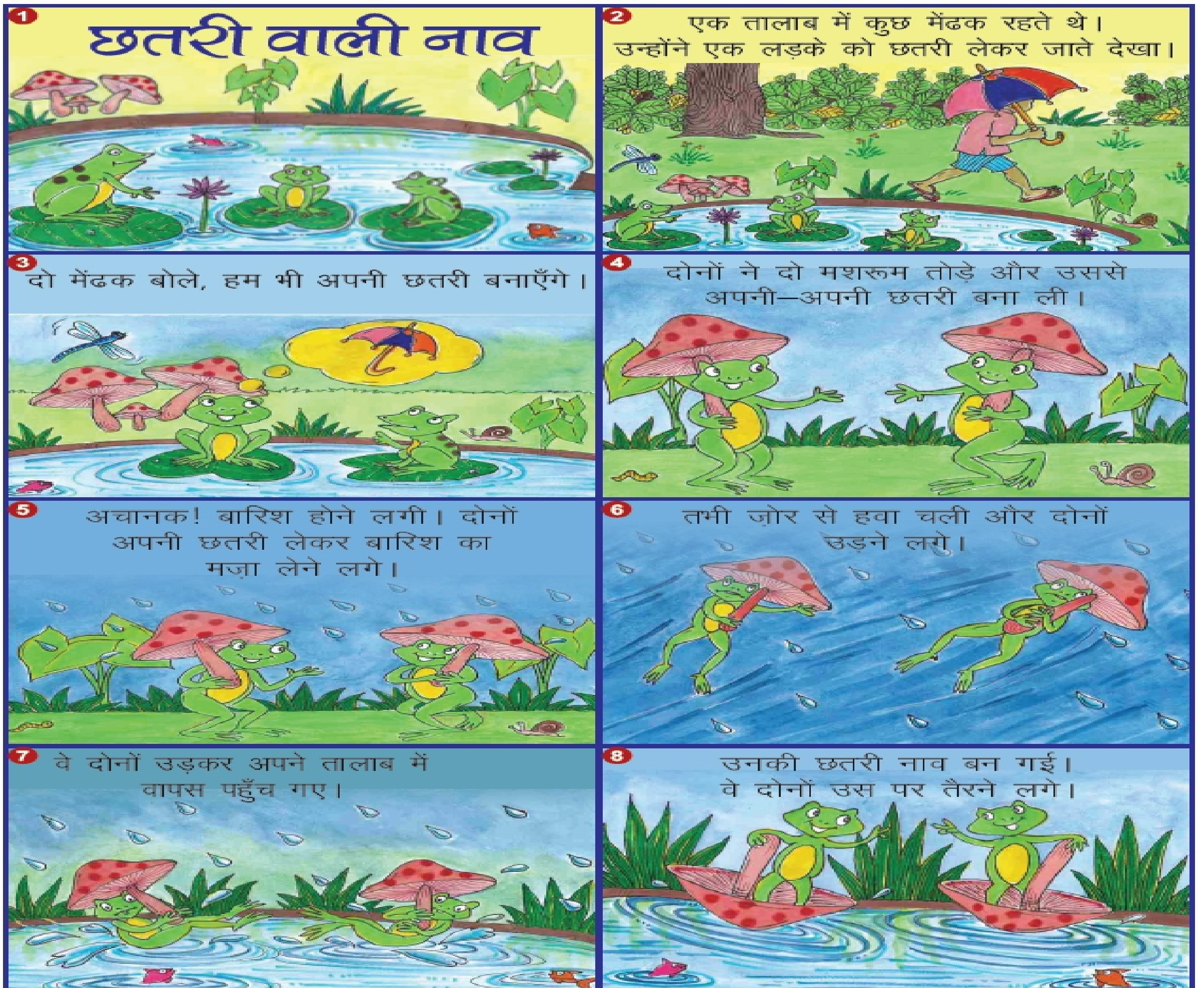

Writer : Dharam Vir, Soumitra Bhattacharya

Illustrator : Soumitra Bhattacharya

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (16/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.3, H310

शिक्षण उद्देश्य–

- सरल मुहावरों पर बात कर, उनकी समझ बनाना/मुहावरों का मौखिक व लिखित रूप में वाक्य में प्रयोग करना।
- तकिया कलाम व सूत्रवाक्य पर समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, मुहावरों की पर्ची।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से बातचीत करते हुए शुरुआत करेंगे।
- शिक्षक कक्षा में कुछ मुहावरे कहेंगे और उनका अर्थ भी बताएँगे।

उदाहरण के लिए–

नौ दो ग्यारह होना।
ऊँट के मुँह में जीरा।
नाच न आवे आँगन टेढ़ा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कुछ मुहावरों को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- तत्पश्चात मुहावरों को पढ़कर सुनाएँगे और उनके विभिन्न संदर्भों पर बात करेंगे।।
- श्यामपट्ट पर लिखे मुहावरों का अर्थ अपनी उत्तरपुस्तिका पर लिखेंगे।
- छात्र छोटे–छोटे समूह में पाठ्यपुस्तक में आए मुहावरों को पढ़ेंगे।
- पढ़े गए मुहावरों की पर्ची बनाकर छात्र उन पर्चियों को उछालेंगे छात्र एक–एक पर्ची उठा लेंगे। उठाई गई पर्ची में जो भी मुहावरा आया है शिक्षक छात्रों से उस मुहावरे का अर्थ पूछेंगे।
- अब दो छात्रों की जोड़ी में मुहावरे पूछें जाएँगे एक बच्चा मुहावरा बोलेगा दूसरा बच्चा उसका अर्थ बताएगा। इसी प्रकार इस क्रम को आगे बढ़ाते जाएँगे।
- जोड़ी में बनाए गए मुहावरों को छात्र आपस में बातचीत करते हुए अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखेंगे।
- छात्र एक दूसरे की कॉपी को जाँचेंगे। उसके पश्चात् शिक्षक शी कार्य को जाँचेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कुछ तकिया कलाम सुनाएँगे। उदाहरण के लिए–

राजू अपनी कक्षा में हर बात पर 'ठीक है– ठीक है', कहता है। इस प्रकार 'ठीक है' कहना उसका तकिया कलाम हो गया है।

- कक्षा 3 की पाठ्यपुस्तक पंखुड़ी के पाठ 7 से भी कुछ उदहारण लिए जा सकते हैं।
- कुछ तकिया कलाम पाठ से लेकर नए वाक्य बनवाए जाएँगे।

प्रोजेक्ट / गृहकार्य–

- बच्चे घर में अपने दादा–दादी, नाना–नानी से पूछकर कुछ मुहावरे लिखकर लाएँगे।

कुछ मुहावरे

ऊँची– ऊँची हाँकना
रामकोला की भागवत
बात का बतंगड़ बनाना
भांडा फूटना
पोल खोलना

कुछ तकिया कलाम

इसमें क्या शक है ?
ऐसा है, बात ये है कि...
हद कर दी आपने
बिल्कुल ठीक कहा
यस सर

Writer : Dharam Vir
Illustrator : Ruchi Shah

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (17/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H310

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता, कहानी में आए शब्दों में से संज्ञा व क्रिया शब्दों को पहचानना।
- संज्ञा व क्रिया शब्दों के प्रयोग पर समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– 'सहज' पाठ 3 से पाठ 13 'नाव की सवारी'।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से नाव के बारे में निम्नलिखित प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।

(i) नाव किसने–किसने देखी है और कहाँ देखी है ?
(ii) नाव कौन चलाता है ?
(iii) क्या आप अपने किसी सम्बन्धी के घर नाव पर बैठकर गए हैं ?
(iv) पानी की सवारी और किस पर की जा सकती है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को सहज पाठ से नाव की सवारी पाठ पढ़कर सुनाएँगें।
- छात्र छोटे–छोटे समूह में पढ़ने का अभ्यास करेंगे।
- शिक्षक छात्रों से कहानी/पाठ पर निम्नांकित प्रकार के प्रश्न पूछेंगे।
  (i) बबलू दादा जी के साथ कहाँ घूमने गया ?
  (ii) नाव वाले ने नाव को कैसे चलाया ?
  (iii) सबने झील में क्या देखा ?
  (iv) चिड़ियों के चहचहाने की आवाज कहाँ से आ रही थी ?
- शिक्षक संज्ञा व क्रिया शब्दों के बारे में चर्चा करेंगे।
- छात्रों को 4 छोटे–छोटे समूह में बाँटा जाएगा। 2 समूह पाठ में आए संज्ञा शब्दों को ढूँढ कर निकालेंगे और 2 समूह क्रिया शब्द ढूँढ निकालेंगे और उनकी सूची बनाएँगे।
- सही संज्ञा शब्द छाँटकर खाली स्थान में भरिए।
  (i) लता मेरी .... है।
  (ii) .... म्यांऊं–म्यांऊं करती है।
  (iii) .... खेत में काम करता है।
- यदि छात्रों ने मात्रिक गलती की है या विराम चिह्नों का ध्यान नहीं दिया है तो शिक्षक छात्रों को सुधार करने का अवसर देंगे। उनकी सहायता करेंगे एवं सभी छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को कुछ क्रिया शब्द देंगे व उनसे वाक्य बनाने को कहेंगे।
  पढ़ना, खेलना, दौड़ना, डरना ....
- कुछ बच्चों से बनाए गए वाक्यों की प्रस्तुति कराएँगे।

निर्देश– दिवस 18 और 42 आकलन प्रपत्र शिक्षक स्वयं बनाएँगे व सप्ताह भर में कराई गई गतिविधियों/पाठ्यक्रम के आधार पर प्रश्न बनाकर छात्रों का आकलन करें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (19/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H108.1

शिक्षण उद्देश्य–

संदर्भ/वाक्यों/शब्दों के बीच अक्षरों की पहचान, अक्षरों से शब्द बनाना और उन्हें लिखना।

आवश्यक सामग्री– अक्षर कार्ड/शब्द कार्ड, पुस्तकालय की पुस्तकें, प्रिन्ट रिच सामग्री।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से सामान्य बातचीत करें। कम से कम चार छात्रों से उनके घर की बातें करेंगे। उनके घरेलू अनुभव पूछें– जैसे– स्कूल आने से पहले सुबह घर पर उनके द्वारा किए गए काम के विषय में पूछेंगे। अनुभव पूछे जाने वालों में से दो छात्र ऐसे जरूर हों जो धीमा पढ़ते–लिखते हों। इस बातचीत के साथ शिक्षक श्यामपट्ट पर छात्रों के नामों के आगे उनकी बातों का सार–संक्षेप वाक्य लिखें।

जैसे–

(i) रश्मि– सुबह, चारा लाना, दूध दुहना/लाना, फूल लाना, नाश्ता बनाना (आदि)

(ii) आलोक– सुबह, लकड़ी बीनना, गोबर लाना, दंत मंजन (आदि)

- उपर्युक्त उदाहरण छात्रों से जुड़ा एक शब्द चित्र (स्कैच) बनाते हैं।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कक्षा में बने ऐसे शब्द स्कैच को दो बार छात्रों से पढ़वाएँ (इसमें एक बच्चा पढ़ने में धीमा हो) अब इसी तरह के शब्द स्कैच में अक्षरों की पहचान कराएँ। क्रमशः पूछें, श्यामपट्ट पर लिखे शब्दों में स, द, ल, न, म आदि कितनी बार आए हैं ? कहाँ आए हैं ?
- अक्षर कार्डों से शब्द बनाना–स्कूल में ऐसे कार्ड होंगे, न हों तो 30, 40 शब्दों के अक्षर कार्ड छात्रों की मदद से बना लें। छात्रों को छोटे समूह में बाँटें, हर समूह को कुछ अक्षरों का सेट दें। हर समूह अक्षर जोड़कर शब्द बनाए, बताए और उन्हें उत्तरपुस्तिका में लिखे। फिर समूह में कार्ड परस्पर बदलकर यही काम करते रहें।
- स्कूल और घर की भाषा में शब्द अंत्याक्षरी– एक सिरे में एक बच्चा घर या स्कूल की भाषा में कोई शब्द बोले। अगला बच्चा उसके अंतिम अक्षर से नया शब्द बनाए। कक्षा कतार में बैठी हो या U शेप में दोनों तरह से इसे कराया जा सकता है।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- अक्षरों से शब्द– शिक्षक अब तक हुई बातचीत के शब्दों से कुछ अक्षर चुने, जैसे– दी, ला, श, ती या कुछ अन्य।

छात्रों से क्रमशः कहें कि अपने घर में बोले जाने वाले वो शब्द बताएँ जो इन अक्षरों से शुरू होते हैं।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (20/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H105

शिक्षण उद्देश्य–
- कविता पर बातचीत का अभ्यास कराना।
- ध्वनि/मात्राओं की समानता (तुकान्त) मौखिक लिखित।

आवश्यक सामग्री– चार्ट, मार्कर, पंखुड़ी पाठ्यपुस्तक (पाठ 6)

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक ''सबसे पहले'' कविता का आदर्श वाचन करंगे। छात्रों से कविता के चित्र पर आधारित बातचीत करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पुनः हावभाव से कविता पढ़ेंगे और छात्रों से भी हाव–भाव से सस्वर वाचन कराएँगे।
- शिक्षक कविता की दो पंक्तियों को पढ़ेंगे–

बादल पीले लाल सुनहले
आज उठा मैं सबसे पहले

- छात्रों से पूछें इन पंक्तियों में ऐसे कौन से शब्द हैं, जिनकी ध्वनि एक जैसी लग रही है।
- शिक्षक छात्रों से कविता पर बातचीत करें–

(i) कवि आज सबसे पहले क्या सुनना चाहता है ?
(ii) कवि आज सबसे पहले क्या देखना चाहता है ?
(iii) कवि आज सबसे पहले लोगों से क्या कहना चाहता है ?

- शिक्षक छात्रों से नीचे लिखे शब्दों के तुकान्त शब्द बताने को कहेंगे–

जाल	दिल	सुन	चहक	नीर	फूल

- बच्चों को इस कविता की खाली जगह में तुकान्त शब्द भरने को कहें। बच्चों की मदद करें।

इब्न बतूता, पहन के जूता
निकल पड़े–––– में
थोड़ी हवा नाक में घुस गई
घुस गई थोड़ी––––में
कभी नाक को कभी कान को
मलते –––– ––––
इतने ही में निकल पड़ा
उनके पैर का––––

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शब्दों से वाक्य बनाओ–

चिड़िया	मछली	शेर	मोर

गृहकार्य– बच्चों से यह कविता याद करने को कहें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (21/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H105

शिक्षण उद्देश्य—

- दृश्य/चित्र/वस्तु का अवलोकन और वर्णन (मौखिक और लिखित)

आवश्यक सामग्री— प्रिन्ट रिच सामग्री के तहत स्कूल को मिला 'कुश्ती चार्ट, कहानी पोस्टर

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक सभी छात्रों को एक छोटी प्रेरणादायी कहानी सुनाएँगे। छात्रों को कहानी में क्या अच्छा लगा, इस पर चर्चा करें।
- शिक्षक प्रश्नों के माध्यम से सामान्य बातचीत करें–

(i) आप कौन–कौन से खेल खेलते हैं ?

(ii) खेलना क्यों जरूरी है ?

(iii) खेल से हमारे अंदर किन गुणों का विकास होता है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को एक चित्र कार्ड (कुश्ती) दिखा कर चर्चा करें। चित्र में क्या–क्या दिखायी दे रहा है ? सभी छात्र चित्र देखकर एक–एक वाक्य बोलें। शिक्षक छात्रों द्वारा कहे वाक्यों को श्यामपट्ट पर लिखते जाएँ। छात्रों द्वारा बनाए वर्णन पर कक्षा में चर्चा करें।

(i) क्या आपने इस खेल को अपने आस–पास होते देखा है ? कहाँ ?

(ii) क्या आपने कभी कुश्ती खेली है ? कब ?

(iii) कुश्ती मे कितने खिलाड़ी दिख रहे हैं ?

(iv) पहलवानों के एक और एक आदमी ढोल बज रहा है, इसकी क्या जरूरत थी ?

(v) पहलवानों के बाईं ओर एक बुजुर्ग कंधे पर गमछा डाले खड़े हैं। ये वहाँ क्या कर रहे होंगे ?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों को अंदर व बाहर खेलो (इनडोर व आउटडोर) के बारे में बताएँ।

इण्डोर गेम— वे खेल जो घर के अंदर कम जगह में खेले जाते हैं उन्हें इण्डोर गेम कहते हैं जैसे— लूडो, शतरंज, कैरम आदि।

आउटडोर गेम— वे खेल जो घर के बाहर बड़े जगह में खेले जाते हैं, उन्हें आउटडोर गेम कहते हैं **जैसे**— हॉकी, क्रिकेट, वॉलीबॉल, फुटबॉल, कबड्डी, खो–खो आदि।

गृहकार्य—

- खेल की सामग्री की सूची बनाइए।

(i) आपको कौन–कौन से इनडोर खेल खेलते हैं ? सूची बनाइए।

(ii) आपको कौन–सा खेल सबसे अधिक पसंद है ? लिखिए।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (22/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H105

शिक्षण उद्देश्य–

- छोटी–छोटी कहानियाँ/गद्यांश पढ़ने का अभ्यास कराना।
- उनमें शब्दों/पात्रों/वाक्यों की खोज कर उन्हें लिखना।

आवश्यक सामग्री– कहानी चार्ट, कहानी की पुस्तकें, सहज पुस्तिका

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक निम्नलिखित प्रकार के प्रश्नों पर छात्रों से बातचीत करें–

(i) आपको घर में कौन–कौन लोग कहानी सुनाते हैं ?

(ii) आपको कैसी कहानी सुनना अच्छा लगता है ?

- दो या अधिक बच्चों से कुछ कहानियाँ सुनें। कहानी सुनाने के दौरान कोई टोका टिप्पणी न करें। हर एक को अपने ढंग से आधी या पूरी कहानी सुनाने को प्रोत्साहित करें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को 'मोटू पतलू' कहानी को हाव–भाव के साथ 2 बार सुनाएँ। फिर कुछ छात्रों से कहानी को हाव–भाव के साथ सुनाने को कहें।

बोर्ड पर यह कहानी लिखकर बच्चों को पढ़ाने का अभ्यास कराएँ। एक था मोटू एक था पतलू दोनों को गुड़ खाने का बड़ा शौक था एक दिन वे गुड़ के पहाड़ पर चढ़ गए। वहाँ गुड़ ही गुड़ था। दोनों ने खूब गुड़ खाया। लेकिन गुड़ के पहाड़ पर चींटे थे चींटों ने उन्हें काटा, खूब काटा। मोटू–पतलू वहाँ से नमक के पहाड़ पर चले गए। अचानक तेज बारिश आई और सारा नमक बह गया। मोटू–पतलू वहाँ से कहीं और चले गए।

- 'मोटू पतलू' कहानी को बोर्ड पर लिखें। दो बार स्वयं पढ़ दें। फिर दो तेज गति से और दो धीमा पढ़ने वाले बच्चों से उसे पढ़वाएँ। धीमा पढ़ने वाले को प्रोत्साहित करें। उनकी मदद करें। फिर पूछ–पूछ कर कम पढ़ पाने वाले बच्चों को मोटू, पतलू, गुड़, नमक, पहाड़, अचानक आदि शब्दों की पहचान कराएँ। इस पर चार/पाँच बातें लिखवाएँ।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से निम्नलिखित शब्दों के प्रयोग से कहानी का निर्माण कराएँ– शेर, चूहा, सो, जाग, दोस्ती जाल, काटा।
- आपको यह कहानी कैसी लगी ? इस कहानी में क्या अच्छा लगा ? लिखिए।

गृहकार्य– छात्र परिवार के सदस्यों की मदद से घर से किसी कहानी का चित्र बना कर लायें।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (23 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H305

शिक्षण उद्देश्य–
- छोटी कविता पढ़ने का अभ्यास कराना।
- कविताओं में शब्दों / वाक्यों / पात्रों की खोज कर उन्हें लिखना।

आवश्यक सामग्री– कहानी, पोस्टर, चित्र चार्ट, भाषा निर्देशिका पुस्तिका।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों के साथ हाव–भाव से कविता सुनाएँ और बच्चों से भी कविता वाचन करवाएँ।
- शिक्षक छात्रों से बातचीत करते हुये पूछें कि आप लोगों में से किस–किस को पूर्व में सुनी हुयी कविता याद है ? वह गाकर सुना सकता है। शिक्षक स्वयं भी एक दो छोटी कविताएँ सुनाएँ और कुछ बच्चों से सुनें। इससे कक्षा में कविता का वातावरण बनेगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों के साथ हाव–भाव से इस कविता का वाचन करें।

> **हाथी दादा पहन लबादा**
> **पहुँच गए बाजार**
> **जूते की दुकान देखकर**
> **माँगे जूते चार**
> **भालू जूते वाला बोला**
> **बड़ा तुम्हारा नाप**
> **इतने बड़े न बनते जूते**
> **दादा कर दो माफ**

- अगले क्रम में कविता को बोर्ड पर लिख पढ़ाने का अभ्यास कराएँ। स्वयं स्पष्टता से पढ़ें, एक प्रवाही पठन करने वाले दो तथा दो धीमा पढ़ने वाले बच्चों से कविता पढ़वाएँ। कक्षा उनको प्रोत्साहित करें।
- कविता पर बातचीत– नीचे लिखे प्रश्नों के साथ करें।

(i) हाथी दादा जो लबादा पहन बाजार गए उसमें कितना कपड़ा लगा होगा ?
(ii) हाथी दादा जंगल से शहर की तरफ क्यों आ गए होंगे ?
(iii) भालू जूते नहीं बना पाया तो हाथी दादा कहाँ गए होंगे ?
(iv) तुम्हें अगर हाथी दादा के लिए मकान बनाना पड़े तो कैसा बनाओगे ?

- शिक्षक बच्चों के जवाबों को व्यवस्थित और संक्षिप्त वर्णन के रूप में बोर्ड पर लिखेंगे और बच्चों से उन्हें उत्तरपुस्तिका पर उतारने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–7 मिनट)

- शिक्षक कविता में आए तुकान्त शब्दों को ढूँढ़कर लिखने को दें।
- इस कविता में मुख्य पात्र कौन है ? लिखें।

गृहकार्य– यदि आप दर्जी होते तो क्या करते ? अपने शब्दों में लिखिए।

40 मिनट

साप्ताहिक आकलन अभ्यास प्रपत्र

शिक्षण उद्देश्य–

- वर्ण विशेष की पहचान कराना।
- तुकान्त शब्दों की समझ जानना।
- शब्द निर्माण कौशल की जाँच करना।

- नीचे दिए शब्दों में 'त अक्षर पर घेरा बनाइये– तबला, पतंग, लता, नीतू, बताओ,
- नीचे लिखे शब्दों के एक–एक तुकान्त शब्द लिखो– राजा, मेला, घोड़ा, दिन, अंग
- नीचे एक बक्सा (तंबोला) है, उसमें खाने की 7 चीजों के नाम छिपे हैं। अक्षर ढूँढ़ कर इन चीजों के नाम लिखो–

आ	सा	गा	ली	ला
रो	मू	के	पू	ज
र	ड़ी	टी	ग	म

---------------------- ----------------------
---------------------- ----------------------
---------------------- ----------------------

- नीचे चार चित्र दिए हैं। हर एक के बारे में एक वाक्य लिखिए–

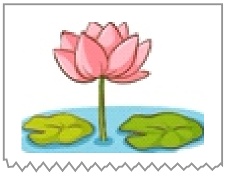
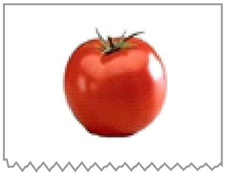
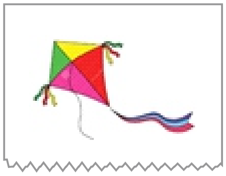
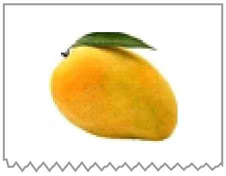

- कविता की इन पंक्ति को सीधे वाक्य में बदल कर लिखो

बरसा पानी छम छम छम
छाता लेकर निकले हम....
छाता नीचे ऊपर हम

- नीचे दिए गई पंक्तियों को पढ़िए परिवार से बाहर का शब्द पहचानिए और लिखिए।
  (i) रेल सीट, यात्री, डिब्बा, भट्टी
  (ii) बर्तन पतीली, पानी, गिलास, थाली
  (iii) भोजन रोटी, तरकारी, मकान, दाल
- अगर यह आपदा आ जाए तो क्या करना चाहिए ?
  (i) यदि भूकंप आ जाए ?
  (ii) कहीं बाढ़ आ जाए ?

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (25 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H104.1, H109.1, H104.2

शिक्षण उद्देश्य–

- अनुभवों का मौखिक–लिखित वर्णन घर व स्कूल की भाषा में करना।
- अनुभवों की भाषा से पढ़ना, लिखना, सीखना।

आवश्यक सामग्री– चित्र पोस्टर, कहानी, चार्ट, प्रिंट रिच सामग्री, खेल एवं खेल सामग्रियों का चित्र।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कक्षा से उस इलाके में खेले जाने वाले किसी खेल के बारे में बातें करें। उसकी प्रक्रिया पर बात करें। बच्चों द्वारा बताई खेल प्रक्रिया को बोर्ड पर लिखें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- षिक्षक लिखे गए विवरण को एक या दो बार पढ़ें। फिर एक प्रवाही ढंग से पढ़ने वाले तथा दो या तीन धीमी गति से पढ़ने वाले बच्चों को पढ़ने का अभ्यास कराएँ। (प्रयास करें कि बच्चे अनुमत बताते हुए स्थानीय भाषा में जो शब्द वाक्य बोलते हैं वे भी बोर्ड पर स्थान पाएँ)।
- **आकलन**– अध्यापक निम्नलिखित प्रश्नों को छात्रों से पूछेंगे–

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चों से पूछे कि खेलने से हमें क्या–क्या लाभ होते हैं ? छात्रों को उत्तर देने में अध्यापक सहायता करें।
- बच्चों से कहें कि कुछ खिलाड़ियों के नाम बताइये जिन्हें खेलते हुए आपने देखा है। (टी0वी0 में, मोबाइल में, गाँव में) उन खिलाड़ियों और उनके खेलों के नाम उत्तरपुस्तिका में लिखें।

गृहकार्य– छात्रों से अपने किसी खेल उपकरण जैसे– बॉल, फुटबॉल, बैट आदि का सरल रेखाचित्र बनाकर लाने को कहें।

एक मिनट तक बोलिए

बच्चों को 10 मिनट के लिए कक्षा से बाहर मैदान में टहलने के लिए कहिए। टहलते समय बच्चे आसपास दिखने वाली चीज़ों को बहुत ग़ौर से देखें, जैसे:– पेड़, घास, आकाश, खेत, लकड़ी, पत्ता, घर और गाड़ी आदि। बच्चों ने जो देखा है उनमें से किसी एक चीज़ के बारे में गहराई से सोचने के लिए कहिए; क्या देखा, कैसा था, अच्छा या बुरा था तो क्यों? अगर वह न हो तो क्या होगा या उस वस्तु पर कोई कहानी बन सकती है तो क्या होगी आदि। अब हर एक बच्चे को 1 मिनट का समय दीजिए और उसकी अपनी मनपसंद देखी चीज़ पर बोलने का मौक़ा दीजिए।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (26 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H211, H312

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता वाचन और पठन।
- कविता के विषयवस्तु पर चर्चा करना।
- चर्चा के आधार पर अपने शब्दों में नोट्स बनाना।

आवश्यक सामग्री– कविता / कहानी चार्ट, प्रिंट रिच सामग्री, पोस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से निम्नलिखित प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे।

(i) आप लोगों ने कौन–कौन सी कविताएँ सुनी हैं ?

(ii) कुछ छात्रों से कुछ कविताएँ सुनें और उनका उत्साह बढ़ाएँ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों से नीचे लिखी कविता का हाव–भाव से वाचन कराएँ।

हरे आम का पनहा बनता
इससे शेक बनाती नानी
जो अचार का नाम सुनो तो
मुँह में भर भर आता पानी

- कविता को बोर्ड पर लिखकर शिक्षक एक बार स्वयं स्पष्ट उच्चारण के साथ पढ़ेंगे। इसके बाद एक प्रवाही ढंग से पढ़ने वाले तथा दो धीमी गति से पढ़ने वाले बच्चों को पढ़ने का अभ्यास करेंगे। कक्षा और शिक्षक उन्हें उत्साहित करेंगे, उनकी मदद करेंगे।
- कविता पर बात– शिक्षक इन बिंदुओं पर बच्चों से चर्चा करें।

(i) आमों के कितने नाम या किस्में होती हैं ?

(ii) आम किन–किन महीनों और मौसम में आता है ?

(iii) मिल जाएँ तो तुम एक बार में कितने आम खा सकते हो ? पके हुए ? कच्चे ?

(iv) पनहा (कच्चे आम की चटनी) में क्या–क्या पड़ता है ?

- इन शब्दों का क्या अर्थ है– रसील, मुँह में पानी भरना। (शिक्षक बच्चों के उत्तरों से एकल संक्षिप्त, व्यवस्थित नोट बोर्ड पर लिखें)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चे इस नोट को उत्तरपुस्तिका पर उतारें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (27 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H204.1

शिक्षण उद्देश्य–

- सुनी हुई कहानी को व्यवस्थित करना। (शब्द कार्ड / वाक्य पट्टी)

आवश्यक सामग्री– कहानी के शब्द कार्ड, पोस्टर, पुस्तकालय की पुस्तकें।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- अध्यापक छात्रों से निम्नलिखित प्रकार के प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे।

(i) आपने कौन–कौन सी कहानियाँ सुनी हैं ? छात्र कुछ कहानियों के नाम बताएँगे।

(ii) कुछ छात्रों से उनकी कहानियाँ सुनेंगे (छोटी कहानी)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- अध्यापक किसी रोचक एवं छोटी कहानी को हाव–भाव से सुनाएँगे। तथा सुनकर कुछ छात्रों से भी उसे सुनाने को कहेंगे।
- अब अध्यापक दूसरी कहानी आधी सुनाकर उसे श्यामपट्ट पर नोट करेंगे।
- छात्रों द्वारा कहानी को आगे बढ़ाएँगे। छात्र कहानी को अध्यापक की सहायता से वाक्य जोड़कर पूरा करेंगे। शिक्षक बोर्ड पर लिखते रहेंगे।
- छोटे समूह में शब्द कार्ड बाँटकर उसे वाक्य के क्रम में व्यवस्थित करने की गतिविधि करवाना।
- इसके लिए शिक्षक के पास कहानी के शब्द कार्ड तैयार होने चाहिए। इस गतिविधि को एक से अधिक तरीकों से कराया जा सकता है। एक कहानी के अलग–अलग वाक्यों के कार्ड अलग–अलग समूहों को दें। बच्चे उन्हें जोड़कर सही वाक्य बनाएँ।
- सारी कहानी के शब्द जमीन पर अव्यवस्थित क्रम में बिछा दिए जाएँ। बच्चे मिलजुल कर उन्हें सही क्रम में लगाएँ।
- तीन या चार वाक्य के शब्द एक दूसरे में रख दिए जाएँ और बच्चों से सही शब्द ढूँढ़ कर उपयुक्त वाक्य में जमाने को कहा जाए।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक अभ्यास की हुई कहानी के संभावित शीर्षकों पर बच्चों से बात करें कि इस कहानी के कितने शीर्षक / नाम हो सकते हैं और क्यों ?

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (28 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H304.1

शिक्षण उद्देश्य—

- विविध अपूर्ण वाक्यों को पूर्ण करना। (मौखिक और लिखित)

आवश्यक सामग्री— शब्द कार्ड, वाक्य कार्ड, कहानी, पोस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5—10 मिनट)

- छात्रों को अधूरा वाक्य देकर उसे पूर्ण करने पर बातचीत करेंगे एवं छात्रों द्वारा मौखिक रूप से सरल वाक्यों को पूर्ण करवाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20—25 मिनट)

- अध्यापक कुछ अधूरे वाक्य श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- छात्रों की सहायता से उसे श्यामपट्ट पर पूर्ण करेंगे।
- अध्यापक छात्रों का छोटा समूह बनाकर, उसमें अपूर्ण वाक्यों की पट्टी देकर वाक्यों को पूर्ण करके, लिखने की गतिविधि कराएँगे।

अपूर्ण वाक्य के उदाहरण—

(i) जब मैं घर पहुचा तो मैनें देखा ....।

(ii) मैं विद्यालय पहुँचने ही वाला था कि ....।

(iii) या तो तुम मेरे साथ चलो या तो ....।

- अध्यापक समूहवार पूर्ण किये गए वाक्यों को छात्रों द्वारा पढ़वाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5—10 मिनट)

- अध्यापक छात्रों के साथ निम्नलिखित क्रियाकलाप करेंगे।
- अधूरे शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर छात्रों द्वारा अक्षर जोड़कर शब्द बनवाए जाएँगे।

  जैसे— [ ] टहल = कटहल, [ ] रबत = शरबत

गृहकार्य—

- छात्र घर से दो वाक्य कार्ड तथा दो शब्द कार्ड बनाकर लाएँगे।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (29/42)

40 मिनट

शिक्षण उद्देश्य–
- अधूरी कहानी पूर्ण करना।
- कहानियों का प्रस्तुतिकरण करना।

आवश्यक सामग्री– चित्र कार्ड, कहानी चार्ट, कहानी पोस्टर, अधूरी कहानियों के पोस्टर इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से उनकी कुछ कहानियाँ सुनेंगे और उन पर बातचीत करेंगे।
- कहानी में आये शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- श्यामपट्ट पर लिखे गए शब्दों द्वारा कहानी का निर्माण छात्रों के साथ मिलकर करवाएँगे एवं श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- छोटे समूह में अधूरी कहानी की पर्ची देकर उसे पूर्ण करवाएँगे। प्रत्येक समूह को अलग–2 कहानी की पर्ची दी जाएगी। (जिससे कई कहानियाँ बनें) छात्रों द्वारा बनाई गई कहानियों का प्रस्तुतीकरण करवाएँगे। इस गतिविधि के लिए अध्यापक पहले से अधूरी कहानी के कई पोस्टर/कहानी कार्ड अपने पास रखेंगे।)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- अध्यापक छात्रों से उनके द्वारा बनायी कहानी को उनके शब्दों में सुनेंगे। समूहों से सुनी हुई विभिन्न कहानियों पर राय माँगेंगे और उसे संक्षेप में बोर्ड पर लिखेंगे। कहानी पूरी करने के अनुभवों पर भी बच्चों से थोड़ी बात हो।

गृहकार्य–
- इस कहानी में दिए गए चित्रों की जगह शब्द लिखकर कहानी पूरी कर लाने को कहें।
- एक तालाब था। उसके किनारे एक 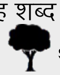 था। पर एक रहती थी। रोज सुबह अपने घोसले से निकल कर भोजन की तलाश में जाती थी। शाम को घोसले में आ जाती और अपने चोच में खाना लाती थी तालाब में रहने वाली को खिलाती थी। और की आपस में बड़ी दोस्ती थी। एक दिन एक शिकारी ने जाल बिछाया था। को देखकर शोर मचाने लगी यह देख समझ गई। जिससे वह जाल के पास नहीं गई। शिकारी अपना हाथ मलता रह गया।

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.1

शिक्षण उद्देश्य–

- सप्ताह भर में कराई गई गतिविधियों में कुछ की पुनरावृत्ति, पठन / वाचन की क्षमता का आकलन)

- निम्नांकित शब्दों को पढ़ो और उचित खाने में लिखो–

	रिश्तेदारों के नाम	दोस्तों के नाम
दादी, कुआँ, कृष्णा, राजू, नाना, फूफा, पलक, संजू, दीदी, मामा, मामी, भाभी, चाचा, जीवन, सोनू, पवन	1 2 3 4 5	1 2 3 4 5

- निम्नांकित शब्दों से वाक्य बनाएँ–

(i) गाँव
(ii) जन्मदिन
(iii) खेल
(iv) कहानी
(v) बचपन

- निम्नांकित शब्दों से वाक्य बनाएँ–

विक्रम अपनी माँ और पिता के साथ में संगम नहाने प्रयागराज गया था। वहाँ पर बहुत अच्छे अमरूद बिक रहे थे। वहाँ उस समय एक मेला भी लगा हुआ था। उसने मेले से गुब्बारा, गेंद, गुड़िया और सीटी खरीदी। प्रयागराज एक सुंदर नगर है।

(i) विक्रम प्रयागराज किसके साथ गया था ?
(ii) विक्रम ने क्या–क्या ख़रीदा ?
(iii) मेले में और क्या–क्या बिक रहा होगा ?
(iv) प्रयागराज कैसा नगर है ?

- निम्नांकित शब्दों को पढ़ो और बताओ किसकी आवाज हो सकती है ? उसका नाम लिखो।

कुकड़ू कूं – ☐
म्यांऊं म्यांऊं – ☐
में में में में – ☐
भौं भौं भौं – ☐

- निम्नांकित शब्दों को समझकर इसके विपरीत शब्द लिखो–

रात – दिन
बड़ा – ☐
मोटा – ☐
सुन्दर – ☐
खुश – ☐
आगे – ☐

- छात्रों अगर आपको गाँव का 'प्रधान' बना दिया जाय तो आप कौन–कौन सा काम करेंगे ?

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (31/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H210.2, H311

शिक्षण उद्देश्य–

- लिखने की गति बढ़ाने के लिए श्रुतलेख (रोचक गद्यांश/पद्यांश आधारित) करना।

आवश्यक सामग्री– सहज– 3, श्यामपट्ट, चॉक, 'पौधों से लगाव पाठ'

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- अध्यापक पुस्तक सहज–3' से छात्रों को 'पौधों से लगाव' या कोई अन्य कहानी सुनाएँगे।

(i) कहानी में कौन–कौन सी चीज हैं ? कौन–कौन लोग हैं ?

(ii) कहानी में क्या–क्या हुआ ?

(iii) कहानी का क्या कोई दूसरा नाम (शीर्षक) भी रखा जा सकता है ? कौन सा ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को U आकार या अर्ध गोलाकार में बैठाकर निम्नांकित प्रश्नों के माध्यम से कहानी पर चर्चा करेंगे। शिक्षक "पौधों से लगाव" पाठ के पहले दो पैरा श्रुतलेख के रूप में बोलेंगे। बच्चे लिखेंगे। छात्र सुनकर उसे अपनी उत्तरपुस्तिका पर लिखेंगे।
- जो छात्र लिखने में पीछे हो रहे हैं उनको शिक्षक चिह्नित कर लेंगे।
- श्रुतलेख लिखने के बाद बोले गए गद्यांश को शिक्षक बोर्ड या चार्ट पर लिख लेंगे। जिन बच्चों ने अधूरा या गलत लिखा है, उसे देखकर सही कर लेंगे। शिक्षक बच्चों की और बच्चे अपने साथियों की मदद करेंगे।
- सभी छात्र आपस में उत्तरपुस्तिका बदल कर अपने साथी का लिखा चेक करेंगे और जो त्रुटियाँ हैं उसको चिह्नित करेंगे। उन्हें बता भी देंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बोर्ड पर लिखी सामग्री को एक प्रवाही और स्पष्ट पढ़ने वाले बच्चे से तथा एक धीमा बच्चा पढ़ने वाले बच्चे से पढ़वाएँगे। दोनों की सराहना करेंगे।

गृहकार्य–

- छात्र अपने घर की रसोई में प्रयोग होने वाली वस्तुओं के नाम लिखकर लाएँ।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (32 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H304.1

शिक्षण उद्देश्य—

- कहावतों, लोकोक्तियों का परिचय कराना।
- उसके अर्थ पर चर्चा करना।
- लेखन व संकलन।

आवश्यक सामग्री— सहज 2, श्यामपट्ट, चॉक, कहावतों / लोकोक्तियों की सूची।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- कुछ कहावतों को शिक्षक बोलेंगे और छात्रों से भी कहावतें बताने को कहेंगे।
- (कुछ कहावतें दी गई हैं। अन्य कहावतें भी ली जाएँगी। जैसे– अंधे के आगे रोवे, आपन दीदा खोवे। बाप बड़ा न भईया, सब से बड़ा रुपईया। बाप न मारे मेढकी, बेटा तीरंदाज। बाप से बैर, पूत से नाता। बारह बरस पीछे घूरे के भी दिन फिरते हैं। बासी बचे न कुत्ता खाय। बिच्छू का मंतर न जाने, साँप के बिल में हाथ डाले आदि)।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं द्वारा बताई गई और छात्रों द्वारा बोली गई कहावतों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- यह तरीका भी अपनाया जा सकता है कि उस दिन बातचीत के लिए चार या पाँच कहावतें चुन लें। फिर शिक्षक एक–एक कहावत को क्रमशः बोर्ड पर लिखें। उसके संदर्भों या प्रसंगों पर बच्चों से बात करें। तब बच्चा कहावत को अर्थ सहित उत्तरपुस्तिका पर उतार ले। हर एक कहावत के साथ इसी तरह काम हो।
- छात्रों के छोटे–छोटे समूह बनाएँगे पहला समूह कहावतें / लोकोक्तियाँ बोलेगा, दूसरा समूह उसका अर्थ बताएगा। 2–2 के समूह आपस में इसे खेल के रूप में खेलेंगे। इसे मौखिक और लिखित दोनों रूपों में किया जा सकता है।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों को लाइब्रेरी की पुस्तक देकर कहावतें ढूँढ़ने का अभ्यास कराएँगे।

आकलन— दो कहावतें लिखने को दें और उनका अर्थ भी लिखने को कहें।

गृहकार्य—

- गाँव में बड़े / बुजुर्गों से चार–चार कहावतें और उनका अर्थ पूछकर उत्तरपुस्तिका पर लिखेंगे।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (33/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H304.1
शिक्षण उद्देश्य–
- कहावतों/लोकोक्तियों से परिचय कराना।
- उनके अर्थ से प्रसंग पर जाना– चर्चा करना।
- मुहावरों व लोकोक्तियों का लेखन व संकलन।

आवश्यक सामग्री– सहज–2, श्यामपट्ट, चॉक, कहावतों/लोकोक्तियों की सूची।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- कहावतों/लोकोक्तियों को पिछले दिन घर से लिखकर लाये हैं।
- उनमें से कुछ की अभिनय सहित कक्षा में प्रस्तुति कराएँगे। इन्हें कुछ देर के लिए बोर्ड पर लिख लेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- अब आज के लिए चुनी गई और श्यामपट्ट पर लिखी गई कहावतों/लोकोक्तियों को शिक्षक द्वारा पढ़कर सुनाया जाएगा।
- पिछले दिन की तरह आज के लिए चुनी गई चार या पाँच कहावतें (नई) को एक–एक कर बोर्ड पर लिखेंगे। उनके संदर्भ/प्रसंग पर चर्चा करेंगे और हर कहावत को क्रमशः अर्थ सहित उत्तरपुस्तिका पर उतारने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पुस्तकालय की किताबों से कहावतें ढूँढ़ने और लिखने का अभ्यास करें। ढूँढ़ने के आधार पर बच्चों का आकलन करें।

गृहकार्य–
- कहावतों/लोकोक्तियों के संकलन को अपने घर में दादा/दादी/नाना/नानी आदि को सुनाएँ और उसके प्रयोग के बारे में पता करके आएँगे।

दोनों के गुब्बारे

रामपुर में मेला लगा था। लोग खरीदारी कर रहे थे। कायरा अपने सहपाठी देवान के साथ मेला घूम रही थी। दोनों सजी हुई दुकानों को देख रहे थे। तभी एक गुब्बारे वाला आया। उसके पास रंग–बिरंगे गुब्बारे थे।

कायरा ने दो पीले और देवान ने दो हरे रंग के गुब्बारे लिए। दोनों उनसे खेलते रहे। फिर दोनों ने एक–एक गुब्बारा आपस में बदल लिया। अब दोनों के पास दो रंग के गुब्बारे हो गए। अचानक कायरा के हाथ से पीले रंग का गुब्बारा छूट गया। वह आसमान में उड़ने लगा।

देवान ने भी एक गुब्बारा हवा में छोड़ दिया।

दोनों उड़ते हुए गुब्बारों को देख रहे थे।

उन्हें बहुत खुशी हो रही थी कि अभी उनके हाथों में एक–दूसरे का दिया हुआ गुब्बारा बचा हुआ था।

Writer : Saira Bano | Illustrator : Partho Sen Gupta

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (34/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H209, H310

शिक्षण उद्देश्य—

- विविध वर्णन—अभ्यास (मौखिक, लिखित), उसमें संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया की पहचान।

आवश्यक सामग्री— कक्षा 2 की पाठ्यपुस्तक का पाठ 'कद्दू जी की बारात' पुस्तकालय, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से सब्जियों के बारे में बात करें। छात्रों से सब्जियों की पसंद के बारे में जानेंगे।
- बारात के बारे में छात्रों के अनुभव सुनेंगे। (लोगों का वर वधू का सजना, बैंड, दावत आदि पर)।
- सब्जियों की बारात हो तो कैसी होगी और उसमें कौन क्या कर सकता है आदि बिन्दुओं पर।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को U आकार/अर्ध गोलाकार में बैठाकर छात्रों को कक्षा 2 की पाठ्यपुस्तक से "कद्दू जी की बारात" कविता को हावभाव से खेल गतिविधि के रूप में सुनाएँगे। छात्र भी साथ—साथ गतिविधि करते हुए दोहराएँगे।
- इन प्रश्नों के माध्यम से कविता पर चर्चा करेंगे।

(i) कविता में कौन—कौन था ? किसकी शादी थी ?

(ii) किसने क्या—क्या किया, बताइए ?

- छात्रों को साझा पठन के लिए छाटे समूह में कविता पढ़ने को देंगे।
- शिक्षक बच्चों को एक बार संज्ञा, सर्वनाम और क्रिया की पहचान बता देंगे।
- छात्र कविता से संज्ञा, सर्वनाम व शब्द पाठ से छाँटेंगे और कॉपी पर लिखेंगे। जैसे—

  संज्ञा— कद्दू, बैगन, आदि।

  सर्वनाम— यह

  क्रिया— बजाया, नाचना, खाए आदि।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- इस कविता को एक छोटी सी कहानी के रूप में लिखवाएँ।

गृहकार्य—

- अपने घर/गाँव में लोगों की बात सुनिये/कार्य देखिये उसमें आपके अनुसार क्या क्रिया है उसे लिखकर लाएँगे।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (35 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H304.1

शिक्षण उद्देश्य—

- परिस्थितियों, पात्रों के अनुसार संवाद निर्माण (मौखिक, लिखित) का कौशल।

आवश्यक सामग्री— कक्षा 2 की पाठ्यपुस्तक का पाठ 'परी' श्यामपट्ट, चॉक, उपलब्ध संसाधन।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5—10 मिनट)

- 'परी' के बारे में चर्चा करेंगे। छात्र परी के बारे में जो बातें जानते हैं ? उन्हें सुनेंगे।
- 'परी' कहानी छात्रों ने पहले पढ़ी है। यदि किसी बच्चों को वह याद रह गई हो तो उसे सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20—25 मिनट)

- छात्रों का U आकार या अर्ध गोलाकार में बैठाकर छात्रों को कक्षा 2 की पुस्तक से "परी" कहानी बड़े समूह में पढ़कर सुनाएँगे।
- कहानी पर प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे। जैसे—

(i) परी ने उड़ते—उड़ते क्या देखा ?

(ii) मधुमक्खी ने परी के साथ खेलने से क्यों मना किया ?

(iii) परी ने क्या किया ?

(iv) सर्दी से बचने के लिए मधुमक्खी छत्ता बना रही थी, सर्दी से बचने के लिए तुम क्या—क्या करते हो ?

- साझा पठन के लिए छोटे समूह में कहानी पढ़ने को देंगे।
- कहानी के आधार पर परी और मधुमक्खी का संवाद छात्रों को छोटे—छोटे समूह में लिखने को देंगे।

शिक्षण के अंत में (5—10 मिनट)

- सभी समूह अपने लिखे संवादों को पढ़कर सुनाएँगे।

निर्देश— दिवस 36 / 42 आकलन पत्रक (शिक्षक स्वयं बनाएँ) सप्ताह भर में कराई गई गतिविधियों / पाठ्यक्रम के आधार पर प्रपत्र बनाकर बच्चों का आकलन करें।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (37 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H308

शिक्षण उद्‌देश्य–

- परिस्थितियों पर प्रश्न बनाना।
- प्रश्नों के उत्तर बताना व उत्तर के आधार पर प्रश्न बनाना।
- सवालों से जवाब और जवाबों पर सवाल– मौखिक और लिखित तैयार करना।

आवश्यक सामग्री– सहज 2 से पाठ "कौए की भूख"।

शिक्षण के प्रारम्भ में
(5–10 मिनट)

- छात्रों से पूछें, "भूख शब्द सुनकर आपको कौन–कौन से शब्द याद आते हैं ?"
- छात्र बोलें और शिक्षक उन्हें श्यामपट्ट पर लिखें।

जैसे:

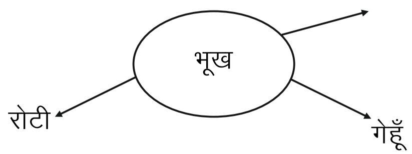

- छात्र शब्द बोलते रहेंगे और शिक्षक उन शब्दों को उक्त अनुसार श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- श्यामपट्ट पर लिखे शब्दों पर छात्रों से एक–एक वाक्य बनाने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के दौरान
(20–25 मिनट)

- शिक्षक कौए की भूख कहानी को हाव–भाव से पढ़कर सुनाएँगे।
- इस दौरान बच्चे पढ़ी जा रही पंक्तियों पर ध्यान रखते अंगुलियाँ फिराएँगे।
- एक प्रवाही ढंग से पढ़ने वाले बच्चों से पूरी कहानी पढ़वाएँगे।
- इसके बाद कहानी में चार अनुच्छेद हैं। बच्चों को हर अनुच्छेद से उदाहरण लेकर प्रश्न का एक पैटर्न देंगे / समझाएँगे।
- बच्चों को समझाएँगे कि वे कौए की भूख, आम के पेड़, गुब्बारे, कौए की चोच, गुब्बारे आदि पर ढेर सारे प्रश्न बना सकते हैं। बस कोशिश करें।
- शिक्षक कहानी आधारित प्रश्न छात्रों से पूछें। **जैसे**– (i) आम के पेड़ पर कौए को आम जैसा क्या दिखाई दिया ? (ii) कौए ने अपनी भूख कैसे मिटाई होगी ? (iii) आप कौए की जगह होते तो क्या करते ?
- कक्षा को दो समूहों में बाटेंगे, हर समूह से उसके लिए निर्धारित एक अनुच्छेद पर तीन–तीन लिखित प्रश्न बनाने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में
(5–10 मिनट)

- दोनों समूहों से उनके बनाए प्रश्न प्रस्तुत कराएँगे। बच्चों की सराहना करते हुए उन्हें फीडबैक देंगे।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (38 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H205

शिक्षण उद्देश्य–

- वाक्यांश का शब्द बनाना। शब्द से वाक्य बनाना। अनेक शब्दों से एक वाक्य बनाना।

आवश्यक सामग्री– चित्र चार्ट, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- बच्चों को बताएँ कि भाषा में एक ही बात को छोटा करके और बड़ा कर कहा जा सकता है। इस तरह बात को घटाया, बढ़ाया जा सकता है।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों से कहें कि आप एक वाक्य बोलेंगे और वे उस वाक्य के लिए एक शब्द बोलेंगे: जैसे: शिक्षक बोलें जिस स्थान पर भोजन/खाना बनता है। छात्र बोलेंगे रसोई घर। ऐसे ही 5–6 वाक्य आप स्वयं बोलें और छात्रों से उनके लिए प्रयुक्त होने वाला ''एक शब्द'' पूछें। जैसे: जहाँ दवाई मिलती है, जिस अनाज से रोटी बनती है। आदि।
- शिक्षक श्यामपट्ट पर कुछ शब्द लिखें और छात्रों से शब्द से एक वाक्य बनाने के लिए कहें। जैसे–

(i) मटर, छात्र लिखेंगे: मटर हरे रंग की होती है।

(ii) आलू– छात्र लिखेंगे: आलू से सब्जी बनती है। आलू मेरे खेत में है, आदि।

- इसी तरह और भी शब्द लिखें और उस से बने शब्द उन्हें अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखने के लिए कहें।
- श्यामपट्ट पर 3 से 4 शब्द लिखें और छात्रों से उन सभी शब्दों पर वाक्य बनाने के लिए कहें। जैसे–

(i) मिठाई, पसंद, मोहन–मोहन को मिठाई पसंद है। (शिक्षक छात्रों को स्वतंत्र रूप से वाक्य निर्माण करने देंगे।)

(ii) मेला, रानी, खिलौना– रानी मेले से खिलौना लाई।

- इसी तरह समय का ध्यान रखते हुए और भी शब्द लिखें व छात्रों से उन पर वाक्य बनाकर उन्हे अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखने के लिए कहें।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों ने जो भी शब्द या वाक्य लिखे हैं उन्हें कक्षा में साझा कराएँ।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (39 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H108.3

शिक्षण उद्देश्य—

- अक्षर मैट्रिक्स (तम्बोला), शब्द मैट्रिक्स (तम्बोला)।

आवश्यक सामग्री— चार्ट पेपर, स्केच आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों से अक्षर व शब्द मैट्रिक्स तम्बोला का निर्माण समूह में कराएँगे। तम्बोला निर्माण के दौरान शिक्षक छात्रों की मदद करेंगे। (अक्षर पहचान और शब्द पहचान की गतिविधि)
- तम्बोला का निर्माण कैसे करेंगे ?

म	ल	ब
	ज	
क		ग
व		ह
ट		ग
	न	ग

टॉम		मेला
	घड़ी	
जूही		
		खेल
केला	रेल	
रवि		ठेला

- एक अक्षर व शब्द तंबोला बनाए। उनमें कुछ खाली खाने / डिब्बे भी छोड़ दें, इनमें बच्चों से शब्द भरने को कहें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों के साथ अक्षर / शब्द तम्बोला खेल खेलें।
- कक्षा को दो समूहों में बाटें। एक समूह से ''अक्षर तंबोला'' से शब्द बनाने को कहें। बच्चे आपस में बातचीत कर देंखे कि इन अक्षरों से कितने शब्द बनाए जा सकते हैं।
- ऊपर के ही पैटर्न पर ''शब्द तंबोला'' के साथ भी काम कराएँ।
- इस तरह के अक्षर व शब्द मैट्रिक्स की एक शृंखला बनाई जा सकती है। उनसे नए–नए शब्दों, वाक्यों का निर्माण किया जा सकता है।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

छात्रों को एक अक्षर और एक शब्द मैट्रिक्स तैयार करने के लिए कहेंगे। जिसके लिए उनके छोटे समूह बना दें। एक मात्रा वाले अक्षरों का तंबोला भी बनाया जा सकते हैं, जिससे तुकान्त शब्द बनाए जाएँ।

पुनरावृत्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (40 / 42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H301, H304.1

शिक्षण उद्देश्य–

- कक्षा 2 की पाठ्यपुस्तक से 'नंदू को जुकाम' कविता–वाचन, पठन।
- 'नंदू को जुकाम' की खासियत पर चर्चा। छात्रों द्वारा स्वतंत्र नोट्स बनाना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा 2 की पाठ्यपुस्तक, चित्र, चार्ट।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों से प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे जैसे–

(i) आपने पेड़ के पत्तों को कब–कब गिरते देखा है ?

(ii) आंधी आने पर क्या–क्या होता है ?

(iii) जब आपको जुकाम होता है तब आप कैसा महसूस करते है ? आपके साथ क्या–क्या होता है ?

शीर्षक पर चर्चा: 'नंदू को जुकाम' शीर्षक सुनकर आपको क्या लगता है ? कविता में क्या–क्या और किसके बारे में बात की गई होगी ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को 'नंदू को जुकाम' कविता को हाव–भाव एवं उतार–चढाव के साथ व अभिनय करते हुए सुनाएँगे।
- एक बार पूरी कक्षा से कविता का हाव–भाव से वाचन कराएँगे।
- शिक्षक स्पष्ट शब्दों में कविता को बोर्ड पर लिखेंगे और एक प्रवाही पठन करने वाले तथा एक धीमा पढ़ने वाले बच्चे से पढ़ने का अभ्यास कराएँगे। दोनों को सराहेंगे, उत्साहित करेंगे।
- कविता पर इन प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे।

(i) अंदाजा लगाकर बताओ नंदू को जुकाम किस कारण हुआ होगा ?

(ii) नंदू का जुकाम कितने दिन चला होगा ? उसे कुल कितनी छींके आई होंगी ?

(iii) नंदू के जुकाम के धड़ाके से पेड़ के पत्ते झड़ गए, जंगल में चार या पाँच हाथी एक साथ छींकने लगें तो क्या–क्या हो सकता है ?

- बच्चों के जवाबों के आधार पर शिक्षक एक रोचक और व्यवस्थित नोट (नैरेटिव) बना कर बोर्ड पर लिखें। यह एक रोचक हल्की–फुलकी गद्य सरीखा होना चाहिए।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

गृहकार्य–

- बच्चों को बताएँ कि इस कविता में ''इतना छींका, इतना छींका'' का प्रयोग बार–बार हुआ है। 'इतना' शब्द का प्रयोग चीजों की मात्रा का अनुमान लगाने के लिए किया जाता है। बच्चों से इतना शब्द का प्रयोग और भी चार–पाँच शब्दों के साथ कराएँ, जैसे – इतना दौड़ा, इतना खेला, इतना ऊँचा आदि।

पुनरावृत्त्यात्मक शिक्षण योजना
(उपचारात्मक शिक्षण) (41/42)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H305

शिक्षण उद्देश्य–

- कक्षा 3 की पाठ्यपुस्तक से 'मुर्गा और लोमड़ी' कहानी का वाचन व पठन।
- कहानी पर चर्चा करना।
- कहानी का सार लिखना।

आवश्यक सामग्री– मुखौटा, चार्ट पेपर, रंग बिरंगी स्केच पेन।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों से इन प्रश्नों के माध्यम से बातचीत करेंगे: जैसे–

(i) हमें समाचार किन–किन माध्यमों से प्राप्त होते हैं ?

(ii) जंगल में जानवर संदेशों का आदान–प्रदान कैसे करते होंगे आदि।

- बच्चों को कहानी के शीर्षक और चित्र के आधार पर यह बताने को कहें कि कहानी में क्या–क्या हुआ होगा ? शायद बच्चों ने यह कहानी पढ़ी हो और उन्हें यह याद भी हो।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को 'मुर्गा और लोमड़ी' कहानी को हाव–भाव से पढ़कर सुनाएँगे।
- कहानी पढ़कर सुनाने के बाद छात्रों से कहानी को अपने शब्दों में सुनाने के लिए कहेंगे। कुछ छात्रों से भी यह कहानी सुनेंगे। दो छात्र मिलकर भी आधी–आधी कहानी सुना सकते हैं।
- छात्रों से कहानी आधारित प्रश्न पूछेंगे ? जैसे:

(i) कहानी में कौन–कौन है ?

(ii) कहानी में क्या–क्या हुआ ?

(iii) पेड़ की डाल पर बैठे मुर्गे ने लोमड़ी से क्या कहा ?

(iv) लोमड़ी की आवाज सुनकर मुर्गे ने क्या कहा ?

(v) लोमड़ी की बात सुनकर मुर्गे ने क्या किया ?

(vi) "सभी पशु पक्षियों में समझौता हो गया है" लोमड़ी ने मुर्गे से ऐसा क्यों कहा आदि।

- बच्चों से मिले उत्तरों को बोर्ड पर सार रूप में लिख लें। एक बच्चे से उसे पढ़ने को कहें। फिर मिटा दें।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चों से कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखने को कहें। इस दौरान उन्हें आपस में बातचीत करने दें। शायद बच्चों ने यह कहानी पढ़ी हो और उन्हें यह याद भी हों।

गृहकार्य–

- मुर्गे का चित्र बनाने और उसके बारें में चार बातें लिखकर लाने को कहेंगे।

साप्ताहिक आकलन अभ्यास प्रपत्र

शिक्षण उद्देश्य–

- सप्ताह भर में कराई गई गतिविधियों में कुछ की पुनरावृत्ति, आकलन।

- **बॉक्स में लिखे शब्दों में से फलों और सब्जियों को अलग करें।**

आम, पालक, केला, अंगूर, खीरा, गोभी, मेथी, संतरा, चीकू, सेब, गाजर, मूली

फल	सब्ज़ी

- प्रत्येक शब्द से वाक्य बना कर लिखवाएँगे–
  - मेला
  - स्कूल
  - घर
  - माँ
  - बरसात

- निम्न अनुच्छेद/कहानी को पढ़ें और प्रश्नों का जवाब दें।
- बरसात का मौसम था। गली के छात्र सोनू के घर खेल रहे थे। तभी बरसात शुरु हो गई। बच्चों ने खेलना बंद कर दिया। वे बाहर आकर बरसात के पानी में खेलने लगे। उन्हें मजा आ रहा था। सोनू का कुत्ता भी उनके साथ खेल रहा था। तभी सबको टर्र–टर्र की आवाज सुनाई दी।

(i) कहानी में आगे क्या हुआ होगा ?

....

(ii) छात्रों ने खेलना क्यों बंद कर दिया ?

....

(iii) आपके घर कौन–कौन सा पालतू जानवर है ? आप उसके लिए क्या–क्या करते है ?

....

(iv) बरसात में आप क्या–क्या करते हैं ?

....

(v) भीगना मजेदार है या नही गर्मी में, क्यों ? जाड़े में, क्यों ?

....

(vi) क्या होगा यदि धरती पर कभी बारिश ही न हो ?

....

- निम्नलिखित शब्दों की आखिरी आवाज (वर्ण) से शब्द बनाएँगे।

(i) मेला
(ii) गीता
(iii) बकरी
(iv) गाना
(v) चूहा

- अपनी मनपसंद कविता सुनाएँगे और उसकी चार लाइन लिखेंगे।
- निम्नलिखित शब्दों की मदद से 8–10 लाइन की एक कहानी बनाएँगे।

  जंगल, शेर, शिकारी, जाल, चूहा

....

नोटः शिक्षक द्वारा स्वयं भी इसी प्रकार के अन्य आंकलन प्रपत्र बनाए जा सकते हैं।

हिंदी, कक्षा– 4
पाठ्यपुस्तक आधारित कार्ययोजना– (लर्निंग आउटकम और विषयवस्तु के सापेक्ष)

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु / शिक्षण उद्देश्य
पाठ 1 हे जग के स्वामी (कविता) 5 दिन	H401 H409	बच्चा परिवेशीय कविताओं को सुना लेता है और उन पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है। बच्चा कविता का भाव / सारांश / निष्कर्ष 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	1– कविता विधा से परिचित कराते हुए विविध मौखिक एवं लिखित भाषाई कौशलों में सक्षम बनाना। 2– कविता का भाव स्पष्ट करना। 3– चित्र पर बातचीत की क्षमता विकसित करना। • छात्रों को पहाड़ों, नदियों (स्थल जल) के महत्व से परिचित कराना व सौन्दर्य सूचक शब्दों की समझ बनाना। 4– प्रार्थना के रूप में लिखी कविताएँ पढ़ना, समझना, शब्दों के विविध अर्थों से छात्रों को परिचित कराना। • तुकान्त शब्दों के साथ अभ्यास कराना। 5– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य, पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।
पाठ 2 प्यासी मैना (कहानी) 7 दिन	H401 H403 H413	बच्चा परिवेशीय कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है। बच्चा किसी पाठ / प्रसंग / बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है। बच्चा किसी वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम क्रिया और विशेषण को पहचान लेता है और बोलने व लिखने में प्रयोग करता है।	1– कहानी को रोचक ढंग से सुनाना तथा कहानी के घटना पर चर्चा करना। 2– कहानी को पढ़ना, अपने शब्दों में सुनाना व पाठ में आए चित्रों, घटनाओं पर चर्चा करना। 3– कहानी में आए अपरिचित शब्दों के अर्थो की समझ विकसित करते हुए पर्यायवाची शब्दों से परिचित कराना। 4– खुले एवं बंद छोर वाले प्रश्नों का निर्माण करना। 5– पर्यावरण एवं पशु–पक्षियों से संबंधित अनुभव बताना। कहानी के शब्दों / चित्रों व पात्रों की मदद से अपने विचार व्यक्त करना। 6– वर्तनी की शुद्धता एवं पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना। 7– पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
पाठ 3 जब मैं पढ़ता था (आत्मकथा) 7 दिन	H406 H414	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है। बच्चा विराम चिह्नों (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्न वाचक आदि) का अपने वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।	1– राष्ट्रीय पर्व और महापुरुषों पर चर्चा करना। 2– पाठ में आयी घटनाओं, जानकारियों व पात्रों पर अपने विचार व्यक्त करना। 3– शिक्षक द्वारा पाठ को हाव भाव के साथ रोचक तरीके से सुनाना व छात्रों द्वारा अनुकरण वाचन करना। 4– पाठ पर आधारित रोल प्ले (अभिनय) करना। 5– पुस्तकालय से अन्य महापुरूषों के बारे में पढ़ना एवं रोल प्ले 6– पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य तथा विराम चिह्नों का प्रयोग व नए वाक्य का निर्माण करना। 7– पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 4 बोलने वाली गुफा 7 दिन	H406 H409	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी, निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है। बच्चा कविता कहानी/पाठ का भाव सारांश 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	1– पाठ के चित्र पर बातचीत एवं कहानी पढ़कर सुनाना।
			2– छात्रों द्वारा कहानी वाचन एवं अपरिचित शब्दों के अर्थ लिखना और उनसे वाक्य बनाना।
			3– समानार्थी एवं विशेषण शब्दों की समझ बनाना।
			4– छात्रों द्वारा पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देना एवं नए प्रश्नों के निर्माण करना।
			5– कहानी पर चर्चा एवं छात्रों द्वारा अपनी भाषा में कहानी को सुनाना और जंगली जीव–जंतुओं के बारे में लिखित अभिव्यक्ति करना।
			6– पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य करना।
			7– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
पाठ 5 कहाँ रहेगी चिड़िया ? (कविता) 5 दिन	H406 H410	बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है। बच्चा कविता का भाव/सारांश/निष्कर्ष 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	1– कविता वाचन और पठन का आनंद लेना तथा प्रश्नोंत्तर/बातचीत से मौखिक–लिखित अभ्यास कराना।
			2– कविता की विषयवस्तु पर खुले/बंद छोर वाले/बहु उत्तरीय प्रश्नों की मदद से बातचीत एवं लेखन अभ्यास कराना।
			3– कवि महादेवी वर्मा का संक्षिप्त जीवन परिचय, • पशु/पक्षियों से प्रेम, उनके घर बनाने में लगने वाले परिश्रम पर बातचीत और उसे लिखने का अभ्यास कराना।
			4– पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
			5– पाठ में दिए अभ्यास प्रश्नों के माध्यम से सम्प्राप्ति का आकलन एवं अभ्यास कराना।
कितना सीखा/डेजी की डायरी 3 दिन	H412		प्रश्नोत्तर हेतु चिंतन एवं व्याकरण संबंधी रचनात्मक कौशल का विकास करना।
पाठ 6 हाँ में हाँ (लोक कथा) 7 दिन	H404	बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है।	1– छात्रों को लोककथा विधा से परिचित कराना। • पूर्व में सुनी गई कहानी "मुर्गा और लोमड़ी" बच्चों से सुनना और पाठ आधारित कहानी सुनाना।
			2– आई0सी0टी0 के प्रयोग से कहानी सुनाना एवं छात्रों से सारांश लिखवाना। • अपरचित शब्दों के अर्थ व पर्यायवाची की जानकारी देना।
			3– भाव भंगिमा के साथ अभिनय और स्थानीय भाषा में छोटे–छोटे संवाद निर्माण कराना।
			4– पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों से पठन की आदतों का विकास करना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 6 हाँ में हाँ (लोक कथा) 7 दिन	H405	बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है।	5– पुस्तकालय से पढ़ी गई 'लोक कथा' पर आधारित रचनात्मकता का विकास करना। • विलोम शब्द की समझ का विकास करना।
			6– मुहावरों की समझ के साथ पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना।
			7– कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
पाठ 7 मलेथा की गूल (कहानी) 7 दिन	H406	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है।	1– कहानी को हाव–भाव से सुनाना और बच्चों से सुनना तथा उस पर चर्चा करना।
			2– कहानी में आये अपरिचित शब्दों के अर्थों को समझना और कहानी को लिखना।
	H415	बच्चा परिचित शब्दों के समानार्थी व विपरीतार्थक एवं समान ध्वनि वाले शब्दों को लिख लेता है।	3– छात्रों द्वारा कहानी को अपने समूह में पढ़ना और कहानी के सारांश को अपने शब्दों में व्यक्त करना।
			4– अपने गाँव की किसी एक मुख्य समस्या पर चर्चा करना और निष्कर्ष को लिखना।
			5– पुस्तकालय से प्रकृति आधारित कहानी ढूँढ़ कर पढ़वाना, और उसके मुख्य पात्रों पर चर्चा करना।
	H416	बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।	6– पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर चर्चा और उसे हल करना।
			7– पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
पाठ 8 टोकरी में क्या है ? (संवाद) 5 दिन	H402	बच्चा किसी विषय बिन्दु/वीडियो दृश्य के बारे में बता लेता है।	1– बच्चों को कहानी के एक खास प्रारुप (संवाद प्रधान) से परिचित कराना। • छात्रों के साथ नानी–दादी द्वारा सुनाई गई कहानियों पर चर्चा।
			2– शिक्षक द्वारा हाव–भाव से कहानी सुनाना व कहानी आधारित विभिन्न प्रकार के प्रश्न करना।
	H403	बच्चा किसी पाठ/प्रसंग/बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है।	3– रोल–प्ले, पपेट द्वारा पाठ का अभिनय तथा छात्रों के अनुभव पर आधारित अनुच्छेद लिखवाना।
			4– पाठ आधारित अभ्यास कार्य कराना।
			5– पाठ में आए अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
पाठ 9 ग्राम श्री (कविता) 5 दिन	H409	बच्चा पाठ पाठ्यांश से संबंधित प्रश्नों के उत्तर 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	1– सामाजिक जीवन व पर्यावरण के विषयों पर बातचीत करना। शब्द भण्डार एवं शब्दों का वाक्य प्रयोग करना।
			2– कविता की ध्वनियों व शब्दों को समझ के साथ पढ़ना और कविता को सुनकर आनंदानुभूति करना।
	H411	बच्चा चित्रों को देखकर कहानी लिख लेता है और अधूरी कहानी पूरी कर लेता है।	3– छात्रों को अपने परिवेश व पर्यावरण से आत्मीय सम्बन्ध स्थापित करना। देखकर और सुनकर पाठ के निहित भावों को समझना। तुकान्त व देशज शब्दों की पहचान करवाना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु / शिक्षण उद्देश्य
			4— ऋतु के अनुसार मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एवं स्थानीय त्यौहार तथा फसल से परिचित कराना। • सुनकर, बोलकर, समझ के साथ लेखन का विकास करना।
			5— पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
पाठ 10 नन्ही राजकुमारी (कहानी) 7 दिन	H407 H408	बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (बाल साहित्य, विज्ञापन, पोस्टर आदि) को समझ के साथ पढ़ लेता है और उनमें आये शब्दों का प्रयोग कर लेता है। बच्चा नये शब्दों विभिन्न प्रकार के वाक्यों एवं सामान्य मुहावरों को पढ़कर उनका अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।	1— छात्रों से उनकी सुनी हुई कहानी सुनना। • चित्र कहानी, पोस्टर (प्रिंटरिच सामग्री) द्वारा कहानी निर्माण।
			2— कहानी पर आधारित बातचीत करना और पठन कौशल का विकास करना।
			3— कहानी को सुनाना तथा बच्चों से सुनना। • प्राथमिक चिकित्सा के महत्व पर अभिनय व चर्चा।
			4— कहानी का नाट्य प्रस्तुतीकरण और कहानी में आए पात्रों की विशेषताओं पर समझ बनाना।
			5— मुहावरों पर आधारित चित्र निर्माण और उस पर चर्चा करना।
			6— पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना।
			7— पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
पाठ 11 बाल गंगाधर तिलक (जीवनी) 7 दिन	H406 H413	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है। बच्चा किसी वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण को पहचान लेता है और बोलने व लिखने में प्रयोग करता है।	1— हिन्दी भाषा में जीवनी विधा से परिचित कराना। • आई0सी0टी0 के माध्यम से 'बाल गंगाधर तिलक' के जीवन के विषय में जानकारी देना।
			2— पाठ में आए अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और उनके अर्थ बताते हुए वाक्य प्रयोग करना।
			3— महापुरुषों के नाम व उपनाम के विषय में समझ बनाना। • पाठ में आये संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण के अर्थ के साथ—साथ वाक्य प्रयोग करने के कौशल का विकास करना।
			4— बाल गंगाधर तिलक पाठ के मुख्य बिंदुओं पर जानकारी देना। • तिलक जी के कार्यों से समाज पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी देना।
			5— छात्रों को पाठ से संबंधित प्रश्नोत्तरी में लिखित और मौखिक अभ्यास कराना।
			6— पुस्तकालय के माध्यम से तिलक जी के जीवन से जुड़े और अधिक प्रसंगों की जानकारी देना।
			7— पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु / शिक्षण उद्देश्य
कितना सीखा अपने–आप 2 / श्रवण कुमार 3 दिन	H410	बच्चा कविता कहानी / पाठ का भाव सारांश निष्कर्ष 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	अलग–अलग पाठों पर आधारित प्रश्नों को अभ्यास पुस्तिका में हल कराना।
पाठ 12 भक्ति–नीति–माधुरी (कविता) 7 दिन	H410 H407	बच्चा कविता कहानी / पाठ का भाव सारांश,निष्कर्ष के रूप में 3–4 वाक्यों में लिख लेता है। बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (बालसाहित्य, विज्ञापन, पोस्टर आदि) को समझ के साथ पढ़ लेता है और उनमें आये शब्दों का प्रयोग कर लेता है।	1– हिन्दी में पद्य के रुप–दोहा से परिचित कराना। • चार्ट और फ्लैश कार्ड के माध्यम से कबीर का जीवन परिचय देना। • उचित आरोह–अवरोह गति के साथ दोहों का पठन अभ्यास, उन पर चर्चा। 2– कबीर के दोहों का छात्रों द्वारा वाचन व शिक्षक द्वारा भावार्थ बताना। • विलोम शब्दों व तद्भव / तत्सम शब्दों से परिचय कराना। 3– दीक्षा ऐप द्वारा रहीम का जीवन परिचय प्रस्तुत करना। • कविता के एक प्रकार के रूप में छात्रों को दोहों से परिचित कराना। 4– रहीम के दोहों का छात्रों द्वारा वाचन। • रहीम के शेष दो दोहों पर कक्षा में चर्चा और छात्रों द्वारा उनका भाव स्पष्ट करना। 5– सूरदास के जीवन का परिचय कराना। उचित आरोह–अवरोह के साथ पद्य का पठन। 6– पाठ का भावार्थ बताना व पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना। 7– पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
पाठ 13 हौसला (कहानी) 7 दिन	H408 H403 H416	बच्चा नए शब्दों, विभिन्न प्रकार के वाक्यों एवं सामान्य मुहावरों को पढ़कर उनका अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेता है। बच्चा किसी पाठ / प्रसंग / बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है। बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।	1– विभिन्न खिलाड़ियों के वीडियो दिखा कर चर्चा करना और पाठ का आदर्श वाचन करना। 2– यातायात के नियमों पर चित्र–चार्ट के माध्यम से चर्चा, यातायात के चिह्नों की जानकारी देना। 3– कहानी का आदर्शवाचन एवं छात्रों द्वारा स्वतंत्र पठन करना। 4– चित्रात्मक मुहावरों पर चर्चा करना उन पर चित्र निर्माण द्वारा भाषा की समझ विकसित करना। 5– कहानी में आए नए शब्दों पर कार्य, वाक्य निर्माण अनुच्छेद निर्माण के कौशल का विकास करना। 6– पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना। 7– पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 14 ओणम (निबंध) 7 दिन	H406 H414	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है। बच्चा विरामचिन्हों (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक आदि) का अपने वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।	1— छात्रों को निबन्ध विधा से परिचित कराना। • आई0सी0टी0 के माध्यम से होली के चित्र चार्ट द्वारा आंचलिक त्यौहारों पर चर्चा करना। 2— आदर्श वाचन करते हुए पाठ के चित्र द्वारा समझ बनाना और परिवेशीय त्यौहारों से परिचित कराना। 3— नवीन शब्दावली के प्रयोग से शब्द भण्डार में वृद्धि तथा कल्पनाशीलता एवं चिंतनशीलता का विकास करना। 4— पाठ पढ़कर ओणम के विषय में सूचना संकलन, प्राप्त सूचनाओं को सूचीबद्ध कर लेखन कराना। 5— ओणम व अन्य त्यौहारों को मुखौटे तैयार कराते हुए स्थानीय कला एवं क्राफ्ट से समन्वय स्थापित करना। 6— भारत के मानचित्र में विभिन्न प्रदेशों के स्थानीय त्यौहारों का प्रदर्शित कराना और पाठ के अभ्यास प्रश्नों को हल कराना। 7— पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
पाठ 15 वीर अभिमन्यु (कथा) 7 दिन	H406 H408	बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है। बच्चा नये शब्दों विभिन्न प्रकार के वाक्यों एवं सामान्य मुहावरों को पढ़कर उनका अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।	1— छात्रों द्वारा अपने घर, परिवार द्वारा सुनाई गई या कंठस्थ कहानी को सुनाना। • पाठ के सारांश से अवगत कराना। 2— कहानी का आदर्श वाचन और छात्रों के छोटे—छोटे समूह में स्वतंत्र पठन कराना। 3— कहानी के मुख्य घटनाक्रम को बताना और पाठ की मुख्य घटनाओं को क्रमिक रूप में समझ के साथ कॉपी में लिखवाना। 4— पाठ में आए मुहावरों और समानार्थी शब्दों को खोजकर लिखवाना तथा समझ के साथ वाक्य प्रयोग करना। • पाठ में आए विराम चिह्नों पर चर्चा के साथ समझ बनाना। 5— पाठ से संबंधित चर्चा के आधार पर प्रश्न बनाना और उनके उत्तर खोजना। 6— कहानी के संवादों को हाव—भाव एवं अभिनय के साथ बोलने में सक्षम बनाना। • संवादों को अपनी क्षेत्रीय भाषा में बोलने के लिए प्रेरित करना। 7— पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु / शिक्षण उद्देश्य
पाठ 16 छात्रों का पूछताछ केंद्र (हास्य कथा) 7 दिन	H404 H406	बच्चा किसी कहानी / घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है। बच्चा विभिन्न शैली के पाठों को पढ़कर मुख्य जानकारी निष्कर्ष निकाल लेता है और बता लेता है।	1– गद्य विधा के हास्य कथा से परिचय कराते हुए दिये गये चित्र पर चर्चा करना। • शिक्षक द्वारा आदर्श वाचन और छात्रों से कहानी का स्वतंत्र पठन कराना।
			2– अपरिचित शब्दों के अर्थों को समझाना तथा कहानी के पैराग्राफ में दी गई जानकारी खोजना और उन्हें चार्ट पर लिखना।
			3– समूह में प्रश्न बनाना और एक दूसरे से पूछना।
			4– पाठ से सम्बन्धित अन्य शब्दों को लिखना, उनका वर्गीकरण करना तथा मनपसंद शब्दों से कहानी बनाना।
			5– अपने समूह के साथ लोगों का साक्षात्कार (रसोइया, किसान, राजमिस्त्री और फेरीवाला) लेना।
			6– पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य करना।
			7– पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
कितना सीखा अपने आप 3 / सत्यवादी हरिश्चंद्र 3 दिन	H401 H410	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है। बच्चा कविता कहानी / पाठ का भाव सारांश निष्कर्ष 3–4 वाक्यों में लिख लेता है।	• पाठ 12 से 16 तक की विषयवस्तु एवं अभ्यास प्रश्नों पर कार्य। • दी गई कहानियों को सुनना–सुनाना, उस पर चर्चा, सारांश लिखना तथा अपनी भाषा में सुनाना।
पाठ 17 टेसू राजा (कविता) 5 दिन	H401 H407	बच्चा परिवेशीय घटनाओं, कविताओं, कहानियों को सुनकर अपने शब्दों में सुना लेता है और अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त कर लेता है। बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (बालसाहित्य, विज्ञापन, पोस्टर आदि) को समझ के साथ पढ़ लेता है और उनमें आये शब्दों का प्रयोग कर लेता है।	1– पद्य विधा से परिचित कराते हुए त्यौहारों के विषय में जानकारी देना। • फसल उगाने की प्रकिया से परिचित कराना।
			2– आदर्श वाचन के माध्यम से पाठ की समझ बनाना और कवि का जीवन परिचय देना।
			3– चित्रों के माध्यम से कविता की समझ बनाना और पद्य के भावार्थ को समझाना तथा पद्य का साझा पठन करना।
			4– छात्रों से हाव–भाव के साथ–साथ स्वतंत्र पठन कराना और अभ्यास प्रश्नों को हल कराना।
			5– पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 18 मोहम्मद साहब (जीवनी) 7 दिन	H402 H408 H414	बच्चा किसी विषय बिन्दु/वीडियो दृश्य के बारे में बता लेता है। बच्चा नये शब्दों विभिन्न प्रकार के वाक्यों एवं सामान्य मुहावरों को पढ़कर उनका अर्थ समझकर वाक्यों में प्रयोग कर लेता है। बच्चा विरामचिह्नों, (पूर्णविराम, अल्पविराम, प्रश्नवाचक आदि) का अपने वाक्यों में प्रयोग कर लेता है।	1– गद्य की जीवनी विधा से परिचय कराते हुए विभिन्न धर्मों की विशेषताओं से परिचय कराना। • विभिन्न धर्मों की संस्कृति, पूजा पद्धति एवं प्रार्थना का महत्त्व स्पष्ट करना। 2– पाठ का आदर्श वाचन व काठिन्य निवारण तथा इस्लाम धर्म से परिचय। • मोहम्मद साहब के जीवन के प्रेरक बातों से परिचय और पाठ का सारांश बताना। 3– पठित सामग्री से नए शब्दों का निर्माण, सरल वाक्यों का निर्माण व लेखन कौशल का विकास करना। 4– छात्रों में पठन एवं लेखन कौशल के विकास के साथ सृजनात्मक, कलात्मक, एवं मानवीय मूल्यों का विकास करना। • शब्दावली/वाक्य का दैनिक जीवन में प्रयोग करना। 5– विभिन्न साहित्य को पढ़ने में रूचि जागृत कराना। • जीवनी की प्रेरक बातों को परिवेश से जोड़ना। 6– पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य करना। • पढ़ी गई सामग्री में निहित भावों, विचारों, तथ्यों को सुनकर समझना और सरल वाक्यों का निर्माण व लेखन कौशल का विकास करना। 7– पाठ में आये अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
पाठ 19 श्रुति की समझदारी (कहानी) 7 दिन	H402 H408 H414	बच्चा किसी पाठ/प्रसंग/बात को सुनकर अपनी राय बता लेता है और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दे लेता है। बच्चा कविता कहानी/पाठ का भाव सारांश निष्कर्ष 3–4 वाक्यों में लिख लेता है। बच्चा प्रिंटरिच सामग्री (बाल साहित्य, विज्ञापन, पोस्टर आदि) को समझ के साथ पढ़ लेता है और उनमें आये शब्दों का प्रयोग कर लेता है।	1– हमारे सहयोगी डॉक्टर, नर्स, पुलिस, चौकीदार आदि के कार्यों पर चर्चा एवं छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास करना। 2– छात्रों के साथ रचनात्मक कार्य (पपेट बनाना) और पपेट के माध्यम से परिवार के सदस्यों मानवीय, संवेदनाओं पर बातचीत करना। 3– आई0सी0टी0 के माध्यम से शिक्षा का अधिकार वीडियो दिखाकर चर्चा व मुख्य बिंदुओं का लेखन कराना। • बाल अधिकार, बाल मजदूरी के प्रति समझ को विकसित करना। 4– शिक्षक द्वारा कहानी सुनाना, पाठ के अपरिचित व कठिन शब्दों पर चर्चा करना, नए शब्दों से एक छोटी कहानी लिखवाना। • छात्रों में पठन एवं कौशल का विकास करना। 5– 'बाल अधिकार' के हेल्पलाइन नंबर्स पर चर्चा व चार्ट निर्माण तथा बाल सुरक्षा के प्रति समझ विकसित करना। 6– व्याकरण के प्रति समझ विकसित करते हुए प्रत्यय और सर्वनाम से परिचित कराना। • पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य। 7– पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

पाठ संख्या, नाम एवं निर्धारित दिवस	निपुण कोड	लर्निंग आउटकम	पाठ्य बिन्दु/शिक्षण उद्देश्य
पाठ 20 चाचा का पत्र (पत्र) 7 दिन	H412 H418	बच्चा 4–6 वाक्यों वाले संदेश/प्रार्थना पत्र लिख लेता है। बच्चा किसी वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण को पहचान लेता है और बोलने व लिखने में प्रयोग करता है।	1– पत्र विधा से परिचित कराते हुए एक दूसरे को संदेश पहुंचाने वाले साधनों और उनके प्रयोग की विशेषताओं से परिचित कराना। • पत्र शब्द से संबंधित अन्य शब्द लिखना।
			2– पाठ के निहित भावों एवं विचारों को समझना।
			3– पाठ के अनुच्छेद में जानकारी खोजना, चर्चा करना एवं समूह में प्रश्न बनाना और एक दूसरे से प्रश्न पूछने की दक्षता का विकास करना।
			4– मेले में जाने के संबंध में अपने दोस्त को पत्र लिखना और विराम चिह्नों व विषय वस्तु को ध्यान में रखकर समीक्षा करना।
			5– पाठ व पत्रों में आए संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया व विशेषण शब्दों की पहचान और उस पर चर्चा करना।
			6– छोटे समूह में अपने शिक्षक व दोस्त को देने के लिए एक ग्रीटिंग कार्ड बनाना व पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य।
			7– पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना एवं कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
पाठ 21 सबसे उजला (एकांकी) 7 दिन	H404 H405	बच्चा किसी कहानी/घटना के आधार पर अभिनय कर लेता है और छोटे–छोटे संवाद हाव–भाव के साथ बोल लेता है। बच्चा अपने स्तर के पाठों को उतार चढ़ाव, शुद्धता एवं गति के साथ पढ़ लेता है।	1– एकांकी विधा से परिचय, पाठ का पठन/वाचन तथा कहानी के रूप में सुनना एवं सुनाना।
			2– पाठ का पात्र आधारित पठन, स्वतन्त्र पठन, विलोम शब्दों की समझ विकसित करना।
			3– पात्रों एवं पर्यायवाची शब्दों की समझ विकसित करना।
			4– कहानी निर्माण एवं पात्रों के कथन लिखना।
			5– चित्र देखकर मुहावरे पहचानना, मुहावरों के आधार पर चित्रों का निर्माण करना।
			6– पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य तथा प्रश्न निर्माण का कौशल विकसित करना।
			7– पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।
कितना सीखा –4 3 दिन	H411 H416	बच्चा चित्रों को देखकर कहानी लिख लेता है और अधूरी कहानी पूरी कर लेता है। बच्चा दिये गये शब्दों की सहायता से वाक्यों की रचना कर लेता है और शब्द से वाक्य बना लेता है।	पाठ 17 से 21 तक की विषयवस्तु एवं अभ्यास प्रश्नों पर चर्चा

पाठ– 1, हे जग के स्वामी (1/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता विधा से परिचित कराते हुए विविध मौखिक एवं लिखित भाषाई कौशलों में सक्षम बनाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक थोड़ी देर छात्रों से उनके घरों में होने वाली पूजा, प्रार्थना या गाए जाने वाले भजनों पर भाषा की दृष्टि से बातचीत करें।
- उनमें से कुछ की एक–एक पंक्ति श्यामपट्ट पर लिख लें। फिर इस प्रश्न पर बात करेंगे कि हमारे घरों में पूजा, प्रार्थना क्यों की जाती है ? (बातचीत में यह भावना उभरना चाहिए कि प्रार्थना बहुधा अपनी और दूसरों के लिए की गई शुभकामना की इच्छा से की जाती है)।
- छात्रों के विचारों को श्यामपट्ट पर लिख लें। बताएँ कि आज हम कविता के रूप में एक प्रार्थना पढ़ेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पहले कवि के रूप में सोहनलाल द्विवेदी का संक्षिप्त परिचय दें। फिर एक बार कविता का आरोह, अवरोह से वाचन करें। एक प्रवाही पठन करने वाले छात्र से भी कविता पढ़वाएँ।
- इसके बाद छात्रों से इस बिंदु पर बात करें कि कविता में ईश्वर के लिए तुम्हारा, तुम्हारी, तेरा शब्द अनेक बार आए हैं। जैसे– तेज तुम्हारा, कीर्ति तुम्हारी, किरण तुम्हारी, तेरा श्रृंगार। उनसे इसी शब्द पैटर्न पर कुछ नए पद (शब्द समूह/शब्द जोड़े) बनाएँ। जैसे– 'नदी तुम्हारी', 'खेत तुम्हारे', 'तेरा रूप', 'तेरी खुशबू', आदि। (प्रयास करेंगे कि छात्र प्रकृति और उसकी सुंदरता बताने वाले शब्दों के साथ यह पैटर्न बनाएँ। छात्रों को आपस में बातचीत कर मौखिक–लिखित दोनों रूप में ये पैटर्न बनाने दें)।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों से प्रकृति की उन सुंदर वस्तुओं की एक छोटी अलग सूची बनाने को कहें जिनका नाम पहले बनाएँ पैटर्न में न आया हो।

गृहकार्य– छात्रों से सुबह के दृश्य का एक सरल चित्र बनाकर लाने को कहें।

पाठ– 1, हे जग के स्वामी (2/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता का भाव स्पष्ट करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, मार्कर, पाठ से संबंधित प्रिंट रिच सामग्री, दीक्षा ऐप।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों से पाठ्यपुस्तक की कविता का अवलोकन कराएँगे।
- पाठ्यपुस्तक पर बने चित्रों पर कुछ खुले और बंद छोर के प्रश्नों के साथ चर्चा करेंगे। जैसे–

(i) अगर सूर्य न निकले तो क्या होगा ?

(ii) चिड़ियाँ आपस में क्या बातें कर रही होंगी ?

(iii) पानी में रहने वाले जीव जंतु क्या खाते हैं ?

नोट– इसी तरह के प्रश्न शिक्षक स्वयं बनाएँ और उन पर बात करें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक 'हे जग के स्वामी' कविता का लय–ताल, हाव–भाव, उतार–चढ़ाव के साथ आदर्श वाचन करेंगे।
- कठिन शब्दों पर चर्चा करते हुए भावार्थ बताएँगे।
- बोध प्रश्न पर चर्चा कर हल करने के लिए कहेंगे

नोट– शिक्षक स्वयं भी प्रश्न बनाएँ।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक फुलवारी पृष्ठ–11 प्रश्न भाषा के रंग क एवं ख का अभ्यास कार्य कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका फुलवारी पृष्ठ संख्या–8 पर कविता की पंक्तियों को सही क्रम में लिखवाएँगे। भाषा के रंग क एवं ख का अभ्यास कार्य कराएँगे।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–10 प्रश्न संख्या–2 कविता की पंक्तियों को सही क्रम में लिखिए, को घर से सही करके हल करके लाने के लिए कहेंगे।

पाठ– 1, हे जग के स्वामी (3/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- चित्र पर बातचीत की क्षमता विकसित करना।
- छात्रों को पहाड़ों, नदियों (स्थल जल) के महत्व से परिचित कराना व सौन्दर्य सूचक शब्दों की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, अन्य प्रिंट रिच सामग्री, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पहले दिन दिए गृहकार्य का अवलोकन कर छात्रों को यथोचित सुझाव देंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों से पाठ में दिए चित्र को ध्यान से देखने को कहें और इन प्रश्नों पर बातचीत करें।

(i) प्रार्थना/कविता में किन चीजों की सुंदरता बताई गई है ? सुंदरता बताने वाले शब्द कौन से हैं ?

(ii) चित्र में दिख रहे जल (पानी) और पर्वत में क्या अंतर है ?

- क्या होगा यदि–

(i) हमारी धरती पर पर्वत न हों

(ii) मारी धरती पर नदियाँ न हों

(शिक्षक छात्रों के उत्तरों के आधार पर एक सुव्यवस्थित पैरा बनाकर श्यामपट्ट पर लिखें और छात्रों से उसे उतारने को कहें)।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कार्यपुस्तिका 'फुलवारी' के पृष्ठ संख्या–8 एवं 9 के सभी अभ्यास कराएँ। इसी के आधार पर छात्रों की सीखने की गति का आकलन करें। धीमा कार्य करने वाले छात्रों को पहचानें।

गृहकार्य– कार्यपुस्तिका का जो अभ्यास होने से रह जाए उसे गृहकार्य के रूप में दें।

पाठ– 1, हे जग के स्वामी (4/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- प्रार्थना के रूप में लिखी कविताएँ पढ़ना, समझना, शब्दों के विविध अर्थों से छात्रों को परिचित कराना।
- तुकान्त शब्दों के साथ अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, मार्कर/चॉक

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- उन छात्रों से गृहकार्य की प्रस्तुति कराएँ जो पिछले दिन 'कार्यपुस्तिका' के अभ्यास पूरे नहीं कर पाए थे।
- शिक्षक किसी एक प्रवाही ढंग से पढ़ने वाले छात्र से एक बार कविता का वाचन/पठन करवाएँ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक श्यामपट्ट पर मंडल, धवल, अमल, दमकना, चमकना शब्द लिखें। छात्रों से रोचक, सरल ढंग से उनके सौंदर्य अर्थों पर चर्चा करें। चर्चा प्रश्न ये हो सकते हैं–

(i) मंडल शब्द गोल आकार के लिए प्रयोग होता है। अपने आस–पास की वे दो चीजें बताइए जो 'मंडल' आकार में है।

(ii) धवल शब्द उन चीजों के बारे में प्रयोग होता है जो साफ और थोड़ी चमकदार भी हो। अपने आस–पास देखी गई उन चीजों के नाम बताओ जो 'धवल' है।

(iii) अमल का अर्थ है जो मैली न हो। अपने आस–पास की उन दो चीजों के नाम बताओ जो 'अमल' है।

(iv) चमकने और दमकने में क्या फर्क है ? दो चमकने और दो दमकने वाली चीजों के नाम बताओ।

(चर्चा यथासंभव ऐसे करें कि छात्रों के बीच आपस में बहस छिड़ जाए– यह चर्चा की सफलता होगी। छात्रों द्वारा दिए गए उत्तरों को तभी ठीक करें जब वे अवधारणात्मक रूप से बिल्कुल गलत हो। अन्यथा स्वीकार करें। उन्हें व्यवस्थित ढंग से श्यामपट्ट पर लिखें।)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्र श्यामपट्ट पर लिखे गए नोट्स को उत्तरपुस्तिका पर उतारें।

गृहकार्य– छात्रों को थोड़ी देर– तारे, तुम्हारा आदि शब्दों के साथ कुछ तुकान्त अभ्यास कराएँ। फिर, इन शब्दों के दो–दो तुकान्त शब्द लिखकर लाने को कहें– तेरा, लाल, हे।

पाठ– 1, हे जग के स्वामी (5/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य, पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, मार्कर

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। शिक्षक पूर्व में पढ़ाई गई विषय वस्तु पर चर्चा करें। इस प्रक्रिया में खुले एवं बंद छोर के प्रश्न पूछें।
- एक दो धीमा पढ़ पाने वाले छात्रों से, कविता का पठन करवायें।
- कविता में किन–किन स्रोतों से प्रकाश मिलने की बात की गई है ?
- छात्रों से कुछ शब्द जोड़ो (युग्म) के अर्थ पूछें, जैसे– धवल चाँदनी, अमल श्रृंगार, सूर्यमंडल, दमकता लोहा, प्रकाश का स्वामी आदि।
- शिक्षक छात्रों से पाठ्यपुस्तक फुलवारी–4 के पृष्ठ संख्या–11 प्रश्न संख्या–4 के 'सोच–विचारः बताइए' के 'क' एवं 'ख' प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–7 के प्रश्न संख्या–3 'समानार्थी शब्दों का मिलान करें' का कार्य पूर्ण कराएँगे।
- शिक्षक कोई गतिविधि जैसे– शब्द अन्त्याक्षरी, जोड़ी का खेल, पर्ची उठाओ या 'शब्द बताओ' भी करा सकते हैं।

पाठ– 2 प्यासी मैना (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401

शिक्षण उद्‌देश्य–

- कहानी को रोचक ढंग से सुनाना तथा कहानी के घटना पर चर्चा करना।
- छात्रों को कहानी शिक्षक द्वारा कहानी को रोचक ढंग से सुनाना कहानी के घटना पर चर्चा।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, दीक्षा ऐप

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- कालांश की शुरुआत में शिक्षक पाठ्यपुस्तक के बाहर से किसी पशु या पक्षी पर एक छोटी कहानी सुनाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कहानी का आदर्श वाचन करेंगे। छात्रों को कहानी विधा की जानकारी देंगे।
- बच्चों से स्थानीय भाषा या हिन्दी में कुछ कहानियाँ सुनेंगे। बच्चों को कहानी सुनाने को प्रेरित–प्रोत्साहित करेंगे। उनके कहानी सुनाने के दौरान टोका टाकी नहीं करेंगे।
- किसी को कोई आधी अधूरी कहानी याद हो तो उसे भी बे ऐतराज सुनेंगे।
- शिक्षक एक या दो सुनी हुई कहानियों पर छात्रों से चर्चा करेंगे कि उन्हें ये कहाँ से मिली या कैसे याद हुईं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ आधारित छात्रों के समूह में प्रश्न पूछेंगे जैसे–
- बच्चे कक्षा में सुनी और याद रही कोई एक कहानी अपने शब्दों में लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- बच्चों द्वारा लिखी कुछ कहानियाँ प्रस्तुत कराएँगे। सभी को शाबाशी देंगे।

गृहकार्य– बच्चों से उनके द्वारा देखे हुए एक या दो पक्षियों के नाम, उनके रूप रंग आकार आदि के बारे में लिख लाने को कहेंगे।

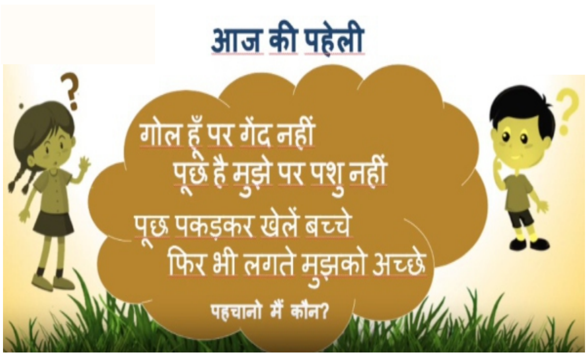

पाठ– 2 प्यासी मैना (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401

शिक्षण उद्‌देश्य–

- कहानी को पढ़ना, अपने शब्दों में सुनाना व पाठ में आए चित्रों, घटनाओं पर चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का प्रस्तुतीकरण/अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक 'प्यासी मैना' की कहानी अपने शब्दों में सुनाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक 'प्यासी मैना' की कहानी कुछ छात्रों से अपनी भाषा में सुनाएँगे।
- पाठ में आए चित्रों पर कक्षा में चर्चा करें। प्रश्न निम्नलिखित हो सकते हैं–
  (i) मैना पेड़ के खोखल (कोटर) में क्यो रहती होगी ?
  (ii) मैना के पास वाली डाल पर तुम्हें बिठा दें तो तुम वहाँ से क्या देख पाओगे ?
  (iii) पेड़ों के बीच एक हैंडपंप (चापाकल) तो है ही, क्या मैना उससे पानी नहीं खींच सकती थी ? क्यों ?

(बच्चों के उत्तरों को जोड़कर एक व्यवस्थित पैरा बोर्ड पर लिखें और दो बच्चों से उसे पढ़वाएँ)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों से पाठ्यपुस्तक अभ्यास में "सोच विचार" में दिए गए प्रश्नों को मौखिक व लिखित रूप में कॉपी में लिखने को कहेंगे। बच्चों की मदद करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या 10 पर कार्य कराएँ।
- आज पढ़ी विषयवस्तु पर शिक्षक छोटे–छोटे प्रश्नों से आकलन करेंगे कि बच्चे खुलकर प्रश्नों के जवाब भी दे पा रहे हैं या नहीं। प्रश्न इस तरह के हो सकते है–

प्यास लगने पर कितना पानी पी सकते हैं ?

(i) एक मक्खी ?
(ii) मैना ?
(iii) एक भैंस ?
(iv) एक हाथी ?
(v) तुम खुद ?

गृहकार्य– आज जरूरी नहीं है।

पाठ– 2 प्यासी मैना (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी में आए अपरिचित शब्दों के अर्थो की समझ विकसित करते हुए पर्यायवाची शब्दों से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा 4 की पाठ्यपुस्तक 'फुलवारी', श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- पक्षियों के स्वभाव, उनके व्यवहार, उनके घोसलों भोजन के बारे में संक्षिप्त बातचीत करेंगे।
- बच्चों से कुछ पक्षियों की आवाजें निकालने को कहेंगे और उन्हें शब्दों के रूप में बोर्ड पर लिखेंगे। जैसे– कोयल, कौआ, टिटहरी व अन्य।
- एक ही पक्षी अनेक तरह की आवाजें निकालते हैं। उन पर भी चर्चा करें। इन शब्दों को धीमा पढ़ने वाले बच्चों को कुछ देर पठन अभ्यास कराएँ।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ के किसी एक पैरा का आदर्श वाचन करेंगे। बच्चे पढ़ी जा रही पंक्तियों पर उंगली फिराते चलेंगे।
- एक पैराग्राफ किसी प्रवाही ढंग से पढ़ने वाले बच्चों से पढ़वाएँगे।
- एक पैराग्राफ किसी धीमा और अटक कर पढ़ने वाले बच्चे से पढ़वाएँगे। शिक्षक व कक्षा दोनों उसकी मदद करेंगे।
- हर पैरा पढ़ने के बाद कक्षा से पूछेंगे कि पढ़े गए पैरा में क्या बात कही गई है ? बच्चे अपनी समझ से उत्तर देंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कुछ शब्द चुन लें। जैसे– खोखल, दरार, अचरज, उत्साह। बात करें कि खोखल और दरारें कैसी होती हैं ? ये कहाँ–कहाँ दिखती हैं और इनके लिए क्या कुछ दूसरे नाम भी प्रयुक्त होते हैं ? बच्चों के उत्तरों को बोर्ड पर लिखें।
- 'अचरज' और 'उत्साह' के भावों पर बात करें कि यह कब पैदा होते हैं और इनके लिए दूसरे (पर्यायवाची) शब्द क्या है ? बोर्ड पर लिखें। प्रयास करें कि इन शब्दों के पर्यायवाची पर भी बात हो।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- बच्चों से सूखा, बगीचा, मकान, परेशान शब्दों के अर्थों और प्रकारों पर बातचीत करें। देखें कि कौन से बच्चे उत्साह से भाग ले रहे हैं और कौन नहीं।

गृहकार्य– पाठ के अभ्यास प्रश्न संख्या 5 (क और ख) का उत्तर लिख लाने को कहें। पाठ के किन्हीं चार शब्दों के एक–एक पर्यायवाची लाने को कहेंगे।

पाठ– 2 प्यासी मैना (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401

शिक्षण उद्देश्य–

- खुले एवं बंद छोर वाले प्रश्नों का निर्माण करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों को बताएँ कि आज सब मिलकर प्रश्न बनाने का अभ्यास करेंगे। भूमिका के तौर पर बच्चों से कुछ स्वतंत्र प्रश्न कक्षा में दिख रही चीजों पर बनवाएँ। इससे पहले बच्चों के सामने प्रश्नवाचक वाक्यों के पैटर्न रखें **जैसे**–

क्या आज कक्षा में झाड़ू नहीं लगी ? **या** क्या आज कक्षा में कल से कम बच्चे आए हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बच्चों से इस तरह बात करें कि उन्हें प्रश्नवाचक वाक्यों में प्रयुक्त होने वाले क्या, क्यों, कैसे, कितने, कौन आदि शब्दों के उपयोग की समझ बने। बताएँ कि लिखते हुए प्रश्नवाचक वाक्यों के अंत में प्रश्नवाचक चिन्ह (?) लगाया जाता है।
- कक्षा को दो भागों में बाँटे। एक समूह को आरंभ के चार पैरा दूसरे को बाद के चार पैरा प्रश्न बनााने को दें।
- हर समूह अपनी सामग्री पर पाँच–पाँच प्रश्न बनाएँ।
- प्रश्न बनाते हुए बच्चों को आपस में बातचीत की छूट रहे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- बच्चों से अभ्यास प्रश्न 5 ग पर चर्चा करें। उस पर समझ बनाएँ।
- शिक्षक छात्रों से श्यामपट्ट पर लिखे एक अनुच्छेद पर जिनमें कोई विराम चिन्ह नहीं लगा हो उस पर कहाँ–कहाँ विराम चिन्ह लगेगा, पर चर्चा करेंगे। सक्रिय प्रतिभाग न करने वाले छात्रों पर शिक्षक विशेष ध्यान रखेंगे। शिक्षक उनकी यथोचित मदद करेंगे एवं पाठ का दोहराव करेंगे।

गृहकार्य– अपने द्वारा बनाए प्रश्नों के उत्तर घर से याद करके आएँगे।

पाठ– 2 प्यासी मैना (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H403

शिक्षण उद्देश्य–

- पर्यावरण एवं पशु–पक्षियों से संबंधित अनुभव बताना। कहानी के शब्दों/चित्रों व पात्रों की मदद से अपने विचार व्यक्त करना।

आवश्यक सामग्री– पशु पक्षी के चार्ट, पुस्तकालय की पुस्तकें, आई0सी0टी0 संसाधन

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पशु–पक्षी, पेड़, जल संरक्षण कानून के बारे में सरल ढंग से जानकारी देते हुए 'भारतीय वन जीवन संरक्षण अधिनियम' पर चर्चा। पक्षीविद सलीम अली (सलीम अली) के बारे में संक्षिप्त जानकारी देंगे।
- "जल बचाओ कल बचाओ" प्रोजेक्ट के माध्यम से वर्षा जल के संग्रहण और संरक्षित जल द्वारा पौधों की सिचाई गाड़ी की धुलाई, मवेशी को नहलाना, फर्श की सफाई इत्यादि कामों को दर्शाते हुए जल के महत्व पर रोचक सार्थक चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पानी से जुड़े त्यौहारों पर बातचीत करेंगे। पानी किन–किन कामों के लिए जरूरी होता है उन कामों की सूची बनाने को कहेंगे। शिक्षक कम लिख पाने वाले छात्रों का सहयोग करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

गृहकार्य– इन शब्दों का एक–एक पर्यायवाची लिख लाने को कहें–

पशु	पक्षी	पेड़	पानी	हवा

पाठ– 2 प्यासी मैना (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H403

शिक्षण उद्देश्य–

- वर्तनी की शुद्धता एवं पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक कार्यपुस्तिका, अलग–अलग शब्दों वाक्यों में संज्ञा, सर्वनाम क्रिया, क्रिया विशेषण के स्वयं द्वारा तैयार कार्ड।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- एक–एक करके बच्चों को संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया व विशेषण शब्दों की पहचान बताएँगे।

संज्ञा– सभी प्रकार के नाम
सर्वनाम– वे शब्द जो संज्ञा के बदले लिखे जाते हैं
क्रिया– कामों की सूचना देने वाले शब्द
विशेषण– खूबी बताने, निंदा करने वाले शब्द

- इसके बाद पाठ के पैराग्राफ संख्या 4 में संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया व विशेषण शब्दों की खोज कर कॉपी पर लिखवाएँ।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बच्चों को पहले ऐसे एक/दो वाक्यों का पैटर्न दें जिनमें एक–एक संज्ञा व सर्वनाम शब्द आए हों। फिर बच्चों से ऐसे एक–दो वाक्य बनवाएँ। यही काम क्रिया और विशेषण के साथ कराएँ।

आकलन एवं अभ्यास कार्य– शिक्षक कक्षा में कराये गए कार्य का आकलन करेंगे और पुस्तिका में अभ्यास का दोहराव करेंगे।

गृहकार्य– बच्चों से चार क्रिया और विशेषण शब्द लिख लाने को कहें।

पाठ– 2 प्यासी मैना (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H403

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– कार्यपुस्तिका , पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- बच्चों से पाठ पर प्रश्न पूछने को कहेंगे और स्वयं उनका उत्तर देंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- ''यह भी जानिए'' के अन्तर्गत प्रयोग एवं उदाहरण सहित चर्चा एवं कॉपी पर लिखित कार्य कराएँ।
- "प्यासी मैना" कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–13, 14 पर कार्य कराएँ।

सूझबूझ

एक दिन किसी तालाब पर एक मछुआरा शिकार करने आया। तालाब में मछलियाँ उछल–कूद कर रही थीं। मछुआरे ने मन–ही–मन सोचा, "अरे वाह! यहाँ तो ढेर–सारी मछलियाँ हैं। कल मैं बड़ा जाल लेकर आऊँगा।"

उस तालाब में एक सुनहरी मछली भी थी। उसने मछुआरे की बात सुन ली। यह बात उसने दूसरी मछलियों को बताई। वे सब परेशान हो गईं।

"अब हम क्या करें ? कहाँ जाएँ ?" सभी सोचने लगीं।

सुनहरी मछली ने कहा, "पास में एक नदी है। उसकी बहुत सारी मछलियाँ मेरी दोस्त हैं। हम सब वहाँ जाकर रह सकते हैं। वहाँ हमें कोई परेशान नहीं करेगा।"

और भी मछलियाँ तालाब से निकलीं एक पतले रास्ते से नदी में चली गईं।

अगले दिन मछुआरा आया। उसने बार–बार जाल फेंका, लेकिन एक भी मछली नहीं फँसी।

मछुआरा हैरान रह गया। वह अपना–सा मुँह लेकर घर लौट गया।

Writer : Balmiki Chauhan (Pryagraj) Illustrator : Habib Ali

पाठ– 3 जब मैं पढ़ता था (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406

शिक्षण उद्देश्य–

- राष्ट्रीय पर्व और महापुरुषों पर चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– महापुरुषों के चित्र श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर पुस्तकालय की किताबें (कहानियों की)

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कक्षा की शुरुआत किसी महापुरुष (गाँधी, नेहरू, लालबहादुर या अन्य) के जीवन के किसी प्रेरक प्रसंग की घटना शिक्षक सुनाने से करेंगे। कुछ प्रश्नों के द्वारा छात्रों से थोड़ी चर्चा करें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कुछ खुले बन्द छोर के प्रश्नों के माध्यम से पाठ की समझ बनाएँगे। इन प्रश्नों के द्वारा छात्रों से चर्चा करेंगे।
- विभिन्न महापुरुषों का चित्र दिखाते हुए छात्रों से प्रश्न पूछेंगे ?
  - (i) इन महापुरुषों के नाम बताओ ?
  - (ii) गाँधी जी का पूरा नाम क्या है ?
  - (iii) बापू के कौन से गीत की धुन बहुत प्रसिद्ध है ?
  - (iv) गाँधी जी बचपन में किससे प्रभावित हुए थे ?

नोट– इसी प्रकार के प्रश्न शिक्षक स्वयं बनाकर पूछेंगे।

(i) छात्रों को संख्या–अनुसार समूह मे बाँटकर समूह कार्य करवाएँगे।

(ii) हम कौन–कौन सा राष्ट्रीय पर्व मनाते है ? और कैसे ?

(iii) आप अपने देश के लिए क्या–क्या करना चाहते हैं ? कैसे करेंगे ?

नोट– शिक्षक छोटे समूह में जाकर अवलोकन करेंगे, तथा छात्रों का सहयोग भी करेंगें। बड़े समूह में चर्चा करेंगे छात्रों द्वारा आये उत्तर को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– आकलन एव रीमीडियल कार्य कुछ प्रश्नों के द्वारा करेंगे।

(i) गांधी जी के बारे में दस वाक्य अपने शब्दों में लिखिए ?

(ii) गांधी जी ने सत्य हरिश्चन्द्र, नाटक, देखकर क्या निश्चय किया ?

गृहकार्य– सभी छात्र अपनी कार्यपुस्तिका पर घर से लिखकर लाएँगे।

(i) आप अपने पंसद के महापुरुष के बारे में कुछ बातें लिखिये कि वह तुम्हें क्यों पसंद है ?

(ii) आप बड़े होकर किसके जैसा बनना चाहोगे ? और क्यों ?

पाठ– 3 जब मैं पढ़ता था (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आयी घटनाओं, जानकारियों व पात्रों पर अपने विचार व्यक्त करना।

आवश्यक सामग्री– आई0सी0टी0 का प्रयोग, दीक्षा एवं कक्षा मे उपलब्ध प्रिंट रिच सामग्री, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर, शब्दों की पर्ची।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पूर्व में पढ़ाये गये पाठ पर कुछ प्रश्नों के द्वारा छात्रों से चर्चा करें।
- एक दो छात्रों से उनके जीवन मे कोई प्रसंग जिसमे उनको बहुत मजा आया हो, या बहुत खराब लगा हो ? छात्रों से सुनेंगे।
- गाँधी जी अपने जीवन में हरिश्चन्द्र नाटक देखकर प्रभावित हुए थे ? क्या आपने भी कुछ ऐसा देखा या सुना है, जिससे आपको कोई सीख मिली हो, छात्रों से उनकी अपनी भाषा में सुनिए।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बच्चों से किताब खुलवाये और निर्देश दीजिए।

(i) छात्रों आप कहानी को पढ़िए और बताइए कि पाठ में कौन–कौन से पात्र आये हैं उनका नाम बताओ ?

(ii) इस पाठ में गाँधी जी के किन–किन व्यक्तित्व का पता चलता है।

नोट– इसी प्रकार के बोध प्रश्न बनाकर छात्रों से चर्चा करें।

शिक्षक छात्रों को गोला या अर्ध चन्द्रकार में वैठाकर, उनके बीच कुछ शब्दों की पर्ची रख देंगे, एक–एक बच्चा आये पर्ची उठाकर उस पर कुछ शब्द बोंले (26 जनवरी, दो अक्टूबर, बाल दिवस, शिक्षक दिवस)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– छात्रों को समूह में बाँटकर निम्न विषयों पर समूह कार्य करवाएँ–

(i) सुन्दर लिखावट

(ii) प्रातः काल भ्रमण

(iii) खेलना और व्यायाम

(iv) सत्य बोलना

- बड़े समूह में शिक्षक द्वारा चर्चा की जाएगी।

गृहकार्य–

पाठ– 3 जब मैं पढ़ता था (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H505, H502

शिक्षण उद्देश्य–

- शिक्षक द्वारा पाठ को हाव भाव के साथ रोचक तरीके से सुनाना व छात्रों द्वारा अनुकरण वाचन करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, पुस्तकालय में महापुरूषों की जीवनी कहानियों की किताबें, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों से उनके जीवन में घटने वाली घटना (सुखद/दुःखद) 2–3 छात्रों से सुनाने को कहे। शिक्षक द्वारा उस पर चर्चा की जाए।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों आज हम लोग गाँधी जी के बचपन में घटनाओं के बारे में पढ़ेंगे।
- शिक्षक द्वारा कहानी का पठन, विराम चिह्न, हाव– भाव, उतार चढ़ाव के साथ करेंगे साथ–साथ छात्र भी अपनी उँगलियों को फिराते हुए पाठ का मौन पठन करेंगे।
- कुछ खुले और बन्द छोर के प्रश्न बनाकर छात्रों से चर्चा करें।
- सभी छात्र कहानी को पढ़ेंगे, जिस शब्द का अर्थ न जानते हो, उसकी सूची बनाएँगे।
- छात्रों द्वारा बताये गये शब्दों को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखे– (अप्रसन्न, शान्तिप्रिय, बहगी, साहसी)

जैसे– शिक्षा ही जीवन का आधार है। इसी प्रकार से शिक्षक वाक्य बनाएँगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्रों को दो समूह में बाँट कर वाक्यांश शब्द, शुद्ध रूप का अभ्यास कार्य कराएँ।

नोट– एक समूह शब्द/वाक्य बोलेगा दूसरा समूह उसको शुद्धरूप या एक शब्द बताएगा। दोनों समूहों को बारी–बारी से अवसर दें, और ध्यान दे, सभी छात्र प्रतिभाग करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

गृहकार्य– इस पाठ से आपने क्या सीखा, और आप अपने देश के लिए क्या करना चाहते हैं लिखिये।

पाठ– 3 जब मैं पढ़ता था (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406
शिक्षण उद्देश्य–
- पाठ पर आधारित रोल प्ले (अभिनय) करना।

आवश्यक सामग्री– मुखौटा विभिन्न महापुरूषों का, पुस्तकालय से कविता/कहानी की किताबें, पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। कुछ प्रश्नों के द्वारा कक्षा की शुरूआत करेंगे।

(i) कुछ महापुरुषों के नाम बताओ ?
(ii) हमारा देश कब और कैसे आजाद हुआ ?
(iii) देश को आजाद कराने में किस–किस ने अपना योगदान दिया होगा ?
(iv) उस समय आप होते, तो क्या करते ?

नोट– प्रश्नों की चर्चा करते समय सभी छात्रों को बोलने का अवसर दे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों महापुरुषों के जीवन से हमें जीवन जीने की कला प्राप्त होती है, उनके आदेश गुणों, शिक्षा सिद्धान्तों को अपने जीवन में उतारें, उनके विचार हमे विपरीत परिस्थितियों में भी हमें आगे बढ़ने के लिए सदैव प्रेरित करते है। महापुरुषों के कथन छात्रों से पूछेंगे ?

(i) "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा किसने कहा ? (सुभाष चन्द्र बोस)"
(ii) "अंग्रेजों भारत छोड़ो ?" (महात्मा गाँधी)
(iii) "भारत का विभाजन मेरी लाशों पर होगा" ? (महात्मा गाँधी)
(iv) आराम हराम है (जवाहर लाल नेहरू)
(v) इन्कलाब जिन्दाबाद (भगत सिह)

नोट– इसी प्रकार और भी प्रश्न बनाकर स्वयं शिक्षक जोड़ सकते हैं। सभी प्रश्नों को चर्चा करते हुए शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को क्रान्तिकारियों का मुखौटा (या कुछ और) पहनाकर कथनों के माध्यम से अभिनय करवाएँ, जैसे– महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, भगत सिंह, सुभाष चन्द्र बोस।

नोट– सभी छात्रों को गोल घेरे में बैठाकर एक बच्चा आये कथन बोले और अभिनय करेगा एवं बाकी छात्र किसका है पहचानेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– महात्मा गांधी से सम्बन्धित प्रेरक कथन लिखिए। जैसे–

(i) सुलेख शिक्षा का जरूरी अंग है
(ii) सत्य को कभी नहीं छोड़ना चाहिए।
(iii) खुली हवा में घूमना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है।
(iv) पढ़ने के साथ–साथ व्यायाम करना भी बहुत जरूरी है

गृहकार्य– पाठ के आधार पर अपने आप से सवाल बनाइए ?

पाठ– 3 जब मैं पढ़ता था (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406

शिक्षण उद्देश्य–

- पुस्तकालय से अन्य महापुरूषों के बारे में पढ़ना एवं रोल प्ले।

आवश्यक सामग्री– पुस्तकालय से महापुरुषों की आत्मकथा से संबंधित पुस्तकें।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए छात्रों से खुले एवं बंद छोर के प्रश्न पूछें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पुस्तकालय से लाल बहादुर शास्त्री जी, पं0 जवाहर लाल नहेरु जी, सरदार बल्लभ भाई पटेल जी, अम्बेडकर जी, डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी, चंद्रशेखर आजाद जी, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी इत्यादि में से किन्ही 4 महापुरुषों की जीवनी छात्रों में समूह बनाकर पठन करने के लिए दें।
- पुस्तक पठन के पश्चात् उसके पात्रों, प्रमुख घटनाओं तथा पात्रों की विशेषताओं पर समूह बनाकर चर्चा करेंगे।
- प्रत्येक पात्र के प्रमुख 2–3 संवादों को धारा प्रवाह एवं विराम चिह्न का प्रयोग करते हुऐं उचित भाव भंगिमाओ के साथ छात्र प्रमुख घटनाओं का अभिनय करेंगे।
- पुस्तकालय से गांधी जी के जीवन से जुड़े प्रेरक प्रसंग को समूह में पढ़ेंगे।
- अपनी पसंद के व्यक्ति के बारे में कुछ बातें लिखिए, कि तुम्हें वह क्यों पसंद है।
- तुम बड़े होकर क्या बनना चाहोगे और क्यों ? (शिक्षक मार्गदर्शक के रूप में)

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- इक लगाकर नए शब्द बनाइए।
- शब्दों के विलोम शब्द लिखिये।

गृहकार्य– गांधी जी के जीवन से संबंधित तस्वीरें इकट्ठा करके एलबम बनाइए।

पाठ– 3 जब मैं पढ़ता था (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H414

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य तथा विराम चिह्नों का प्रयोग व नए वाक्य का निर्माण करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक फुलवारी, विलोम शब्द के फ्लैश कार्ड

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिवस की गतिविधियों को दोहराते हुए पाठ से जुड़े मुख्य घटना क्रम पर शिक्षक खुले बंद छोर के प्रश्न पूछेंगे।
- फ्लैश कार्ड के माध्यम से शब्दों का उनके विलोम से जोड़ियों में मिलान कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- इक लगाकर नया शब्द बनाने की क्रिया को बताते हुए प्रत्यय के बारे में अवगत कराएँ।
- महापुरुष गाँधी जी के व्यक्तित्व पर चर्चा करते हुए जोडियों में चर्चा करें।

  (क) सुंदर लिखावट (ख) प्रातः काल भ्रमण (ग) खेलने और व्यायाम (घ) सत्य बोलना
- छात्रों से स्वतंत्र रूप से 1–2 मिनट इन विषयों पर उनके विचारों को व्यक्त करने का अवसर दें।
- जो लकड़ी काटता है उसे लकड़हारा कहते है। ऐसे ही उसे क्या कहते है, जो पिता का भक्त हो। जो सत्य बोलता हो, जिसे सत्य प्यारा हो, सत्य के लिए किया आग्रह।

नोट– शिक्षक सहयोगी कर्ता के रूप में वाक्यांश क्या है, समेकन कर बताएँगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्र वाक्यांश को पाठ्यपुस्तक फुलवाड़ी (पृष्ठ संख्या. 21) पर लिखें।
- पढ़ें एवं शिक्षक से विराम चिन्हों की जानकारी प्राप्त कर अनुच्छेद में उचित विराम चिन्हों का प्रयोग करें।
- कुछ शब्द के प्रयोग से नए वाक्य बनाएँ जैसे– प्रातः काल व्यायाम (एक साथ प्रयोग हो) (2) खुली हवा स्वास्थ्य (3) सुलेख शिक्षा आदि

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

गृहकार्य–

- शिक्षक छात्रों के कार्य का आकलन कर आवश्यकतानुसार कार्य करने को दें।

(i) गाँधी जी की प्रिय रामधुन याद करेंगे एवं आगामी दिवस पर सुनाएँ।

(ii) गाँधी जी की आत्मकथा से क्या सीखा, इस पर अपने विचार लिखें।

(iii) इस पाठ के आधार पर दो सवाल बनाइये।

पाठ– 3 जब मैं पढ़ता था (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– कार्यपुस्तिका फुलवारी, फ्लैश कार्ड, महापुरूषों के चित्र

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- गत दिवस की गतिविधियों को दोहराते हुए छात्रों से गाँधी जी की प्रिय धुन/रघुपति राघव राजा राम सुनेंगे।
- शिक्षक छात्रों को वैष्णव जन तो तेरे कहिये जे पीर ...., सुनायें एवं गाँधीजी के जीवन के गुणों के बारे में छात्रों को चर्चा–परिचर्चा द्वारा बताएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक दिए गए लेखन कार्य का आकलन करेंगे एवं बच्चों की सहयोग के रूप में सहायता करेंगे।
- गाँधी जी की जानकरियों के आधार पर बॉक्स बनाते हुए शब्द जाल बनाएँ।

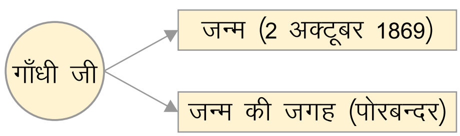

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

गृहकार्य–

- साहसी व्यक्ति, पितृ भक्ति, नियमित व्यायाम पर अपने विचार लिखेंगे।
- शिक्षक छात्रों के कार्य का आकलन अवलोकन विधि से करेंगे। एवं चर्चा द्वारा विलोम शब्द के अर्थ मिलाएँगे व छात्र वाक्यांश शब्द लिखें।
- गाँधी जी के अतिरिक्त अन्य महापुरुष एवं उनके मुख्य वाक्यों का संकलन अपने बड़ो से पूछकर लिखेंगे

पाठ 4– बोलने वाली गुफा (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H409, H415, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के चित्र पर बातचीत एवं कहानी पढ़कर सुनाना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 की पाठ्यपुस्तक, बोलने वाली गुफा के चित्र, शेर की गुफा, बिग बुक

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों को 'बोलने वाली गुफा' पाठ के चित्र दिखाकर बात करेंगे और छात्रों से जानने का प्रयास करेंगे कि इस चित्र में क्या हो रहा है। चित्र के आधार पर इस कहानी में क्या–क्या घटनाएँ घटी होंगी।
- शिक्षक छात्रों को "बोलने वाली गुफा" पाठ से संबंधित चित्र दिखाकर कुछ प्रश्न पूछते हुए यह समझ बनाने का प्रयास करेंगे कि पाठ में क्या हो रहा होगा ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक "शेर की गुफा" कहानी को हाव–भाव के साथ पढ़कर सुनाएँगे।
- शिक्षक छात्रों से कहानी से संबंधित प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।
- कहानी को छात्रों को पढ़ने का मौका देंगे।
- ज़रूरत अनुसार शिक्षक छात्रों की मदद करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- सभी छात्र अपने मनपसंद जानवर का चित्र बनाएँगे और उसके बारे में लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- जंगल के सभी जानवर शेर से क्यों डरते थे ?
- बन्दर ने शेर से क्या कहा ?

गृहकार्य– जंगल में रहने वाले किन्हीं 10 जानवरों की सूची बनाएँ और किसी एक जानवर की खास बातें लिखें।

पाठ 4– बोलने वाली गुफा (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों द्वारा कहानी वाचन एवं अपरिचित शब्दों के अर्थ लिखना और उनसे वाक्य बनाना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 की पाठ्यपुस्तक, QR कोड, पुस्तकालय की किताबें आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य पर चर्चा करेंगे।
- "बोलने वाली गुफा" नामक शीर्षक पर चर्चा करेंगे। कहानी में कौन–कौन जानवर होंगे ? सोचो वह कहाँ रहते है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को पाठ को अपने शब्दों में सार रूप में सुनाएँगे।
- खुले एवं बंद छोर के प्रश्नों पर चर्चा करेंगे। पाठ में शेर की जगह बकरी होती तो क्या होता ?
- छात्र छोटे–छोटे समूह में पाठ को पढ़ेंगे। (स्वतंत्र पठन) इसके बाद 4–5 छात्रों को हावभाव के साथ पाठ को पढ़ने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक छात्रों को छोटे–छोटे समूह में पाठ में आए अपरिचित शब्दों को ढूँढ़वाएँ और अर्थों को पता कर लिखने के लिए कहेंगे जिन शब्दों के अर्थ नहीं पता है उसका अर्थ समूह के छात्रों से एवं शिक्षक से पूछेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- लोमड़ी ने इस घटना के बारे में अपने साथियों से क्या–क्या बताया होगा ? अपनी कॉपी में लिखकर दिखाएँ।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- जंगल के सभी जानवर शेर से क्यों डरते थे ?
- बन्दर ने शेर से क्या कहा ?

गृहकार्य– नीचे दिए गए शब्दों को और किस नाम से जानते हैं ? अपने घर के सदस्यों से चर्चा करके लिखें–

मुँह–	चंद्रमा–	वन– ....
अंदर–	धरती–	तलाश– ....

पाठ 4– बोलने वाली गुफा (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H413, H415,

शिक्षण उद्‌देश्य–

- समानार्थी एवं विशेषण शब्दों की समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 की पाठ्यपुस्तक, QR कोड, पुस्तकालय की किताबें आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य पर चर्चा करेंगे।
- पूर्व में पढ़ाए गए विषयवस्तु पर निम्नांकित प्रश्नों के द्वारा छात्रों से चर्चा करें– चित्र में आपको कौन–कौन से जानवर दिखाई दे रहे हैं ? सोचो और बताओ वह कहाँ गए होंगे ?

नोट– शिक्षक स्वयं प्रश्न बनाकर छात्रों से चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को संख्यानुसार छोटे समूह में बाँटकर निर्देश दें–
- **समूह 1**– पाठ में अनुनासिक शब्द और अनुस्वार शब्द को ढूँढ़कर लिखो।
- **समूह 2**– समानार्थी शब्द पाठ में ढूँढ़ो।
- **समूह 3**– विशेषण शब्दों को ढूँढ़कर लिखो।

नोट– शिक्षक सभी समूह में जाकर अवलोकन करेंगे और उनकी मदद करें। शिक्षक द्वारा बड़े समूह में चर्चा करते हुए श्यामपट्ट पर शब्दों को लिखा जाएगा।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- पाठ में दिए गए पात्रों के आधार पर एक नई कहानी लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

समानार्थी शब्द लिखिए–

मुँह– ....
वन– ....
चंद्रमा– ....
आरती– ....
तलाश– ....
अन्दर– ....

शब्दों के अर्थ लिखे–

शब्द	अर्थ
शक–	....
असमंजस–	....
अंदाज–	....
तीव्र–	....
खूँखार–	....

गृहकार्य– घर के सदस्यों से जानवर संबंधित कोई घटना या कहानी सुनें और अपनी कॉपी में लिखिए।

पाठ 4– बोलने वाली गुफा (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों द्वारा पाठ से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देना एवं नए प्रश्नों के निर्माण करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 की पाठ्यपुस्तक, QR कोड, पुस्तकालय की किताबें आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य पर चर्चा करेंगे।
- कविता छात्रों द्वारा सुनाई जाय। छात्रों से जानवर से संबंधित कोई घटना या कहानी सुनाने को कहेंगे एवं खुले व बंद छोर के प्रश्न पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- 3–4 छात्रों को हाव–भाव के साथ पाठ पढ़कर सुनाने के लिए कहेंगे।
- छोटे–छोटे समूह में पाठ से संबंधित प्रश्न बनाएँगे।
- प्रत्येक समूह एक दूसरे समूह के सदस्यों से प्रश्नों के उत्तर पूछेंगे। इस तरह बारी–बारी सभी समूह एक दूसरे से प्रश्न पूछेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- लोमड़ी गुफा से वापस लौट रही थी तो उसे रास्ते में उसका दोस्त खरगोश मिला। उन दोनों के बीच क्या–क्या बातचीत हुई होगी ? लिखकर बताइए–

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–20 के प्रश्न संख्या–3 पर कार्य करवाएँगे।

गृहकार्य– अपने घर के बड़ों से कोई कहानी सुनकर लिखें।

पाठ 4– बोलने वाली गुफा (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी पर चर्चा एवं छात्रों द्वारा अपनी भाषा में कहानी को सुनाना और जंगली जीव–जंतुओं के बारे में लिखित अभिव्यक्ति करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 की पाठ्यपुस्तक, QR कोड, कार्यपुस्तिका आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य पर चर्चा करेंगे।
- जंगल में रहने वाले जीव–जंतुओं के बारे में चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कहानी को छात्रों के शब्दों में सुनना
- 4 से 5 छात्रों को कहानी पढ़ने के लिए कहेंगे
- कहानी के प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छोटे–छोटे समूह में पठन कार्य करवाएँगे।
- कहानी पर अभिनय की तैयारी करवाएँगे।
- निम्नांकित प्रश्नों पर चर्चा करते हुए लिखवाएँगे।

(i) गुफा को देखकर शेर के मन में क्या विचार आया ?

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- नीचे दिए गए शब्दों में से सही शब्द को रेखांकित कर बॉक्स में लिखिए–

(1) असमंजय, अस्मंजस, असमंजस, असमंजश ☐

(2) दहार, डहाड़, दहाड़, डहार ☐

(3) रहसय, रहस्य, रहश्य, रहशय ☐

गृहकार्य– जंगल में बहुत से पक्षी रहते होंगे। आप उन पक्षियों के नाम की एक सूची बनाएँ।

पाठ 4– बोलने वाली गुफा (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 की पाठ्यपुस्तक, QR कोड, कार्यपुस्तिका, पेपर व स्केच पेन आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य पर चर्चा करेंगे।
- जानवरों की आवाज के ऑडियो/वीडियो छात्रों को सुना कर अन्य जानवरों की आवाज छात्रों से निकलवाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को छोटे–छोटे समूह में पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर चर्चा करने को कहेंगे इस चर्चा में शिक्षक छात्रों की मदद करेंगे।
- चर्चा के बाद समूह वार छात्रों को प्रश्नों के जवाब लिखने लिए कहेंगे।
- पुनः एक बार अभिनय हेतु पात्रों के मुखौटे और संवाद की तैयारी करेंगे।
- छात्रों के द्वारा अभिनय करवाएँगे। शिक्षक छात्रों की मदद करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- इस कहानी का शीर्षक है ''बोलने वाली गुफा'' आपके अनुसार इस कहानी के और क्या–क्या शीर्षक हो सकते हैं ? कम से कम तीन शीर्षक लिखिए।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

गृहकार्य– आप एक पालतू जानवर का चित्र बनाएँ और उसकी खास बातें लिखिए।

पाठ 4– बोलने वाली गुफा (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 की पाठ्यपुस्तक, QR कोड, कार्यपुस्तिका, पेपर व स्केच पेन आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य पर चर्चा करेंगे।
- विलोम एवं समानार्थी शब्दों पर कार्य करेंगे। एक बच्चा शब्द बोलेगा सभी छात्र विलोम शब्द बताएँगे। इस प्रकार समानार्थी शब्दों के साथ भी करेंगे।
- छात्रों को छोटे–छोटे समूह में पाठ के कार्यपुस्तिका के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य करने को कहेंगे इस चर्चा में शिक्षक छात्रों की मदद करेंगे।
- चर्चा के बाद समूह वार छात्रों को प्रश्नों के जवाब लिखने लिए कहेंगे

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में छात्रों के साथ पाठ के बारे में चर्चा करेंगे। इसके बाद चर्चा के आधार पर छात्र व्यक्तिगत रूप से कहानी को कॉपी में लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- पूरे सप्ताह कराए गए शिक्षण कार्य के आधार पर शिक्षक आकलन प्रपत्र का निर्माण स्वयं करते हुए छात्रों का आकलन करेंगे।

गृहकार्य– कार्यपुस्तिका में दिए गए चित्र–1 और चित्र–2 में क्या–क्या दिखाई दे रहा है, उसका नाम लिखिए।

पाठ 5– कहाँ रहेगी चिड़िया ? (1/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H102, H103, H406, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता वाचन और पठन का आनंद लेना तथा
- प्रश्नोत्तर/बातचीत से मौखिक–लिखित अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर, छात्रों की कॉपी–कलम

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- हम सब के जीवन में घर के महत्व पर चर्चा से शुरूआत करें। इसके पश्चात् छात्रों को बताएँ कि आज हम ऐसी कविता के साथ पढ़ने–लिखने का अभ्यास करेंगे जिसमें आँधी आने पर चिड़िया का घोंसला उड़ जाता है।
- याद की हुई इस कविता का हाव–भाव से सामूहिक वाचन कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- आरोह–अवरोह व विराम चिह्नों का ध्यान रखते हुए बिना हाव–भाव के पुस्तक से कविता पढ़े और छात्र पढ़ी जा रही पंक्तियों पर उँगुली फिराते हुए ध्यान केन्द्रित रखें।
- एक ऐसे छात्र से कविता पढ़ाएँगे जिनका पठन सुस्पष्ट और प्रवाहपूर्ण हो। बाकी छात्र पंक्तियों पर ध्यान केन्द्रित करेंगे।
- एक धीमी गति से पढ़ने वाले छात्र से भी कविता पढ़ाएँगे और शिक्षक उसकी मदद करें।

(चित्र पर चर्चा व लेखन)

- छात्रों को कविता के साथ दिया चित्र ध्यानपूर्वक देखने को कहेंगे फिर निम्नांकित प्रकार के प्रश्नों पर बातचीत करें–
  - (i) चित्र की किन चीजों से पता चलता है कि आँधी चल रही है ?
  - (ii) क्या देखकर पता करेंगे कि छात्र चिड़िया को अपने घर में रखना चाहते हैं ?
  - (iii) नीचे गिरे चिड़िया के घोसले और छात्रों के घर में क्या फर्क है ?
  - (iv) "लेकिन चिड़िया तो छात्रों की ओर देख ही नहीं रही है" चिड़िया और छात्रों के बीच बातचीत का उपाय बताएँ।
  - (छात्रों से मिले उत्तरों को संक्षेप में श्यामपट्ट पर लिखें। चर्चा पूरी होने पर छात्रों को इसे कॉपी पर लिखने को कहें।)

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्रों से छोटे समूहों में साथियों से बातचीत करके चित्र में दिख रही अधिकाधिक चीजों की सूची बनाने को कहेंगे अधिक चीजें लिखने वाले छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे और कठिनाई से कम लिखने वाले छात्रों को सहयोग करेंगे।

गृहकार्य– छात्र अपनी कॉपी में एक चिड़िया और एक अंडे का रेखाचित्र घर से बनाकर लाएँगे।

नोट– यदि प्रतीत हो कि शिक्षण में अधिक समय लगेगा तो सामूहिक वाचन एक ही बार कराएँ।

पाठ 5– कहाँ रहेगी चिड़िया ? (2/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H102, H103, H406, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता की विषयवस्तु पर खुले/बंद छोर वाले/बहु उत्तरीय प्रश्नों की मदद से बातचीत एवं लेखन अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, मार्कर, चॉक, छात्रों की कॉपियां, पेन

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन हुए काम की बाबत छात्रों से संक्षिप्त बातचीत करेंगे और पुनः एक बार कविता का कक्षा में हाव–भाव से सामूहिक वाचन कराएँगे (पुस्तक के बिना)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक में शिक्षक द्वारा बिना हाव–भाव लेकिन आरोह–अवरोह से कविता का पठन, एक स्पष्ट और प्रवाह से पढ़ने वाले छात्र द्वारा कविता पठन, बाकी छात्र कविता की पंक्तियों पर ध्यान जमाए रहेंगे। एक धीमी गति से पढ़ने वाले छात्र जो पिछले दिन वाला न हो द्वारा पठन अभ्यास शिक्षक द्वारा उसकी मदद यदि ऐसा बच्चा हो।
- शिक्षक कविता के एक या दो अंशो को श्यामपट्ट पर लिखेंगे और पढ़ने में कठिनाई अनुभव करने वाले एक या दो छात्रों से पठन अभ्यास कराएँगे उनकी आत्मीयता से मदद करेंगे एवं सराहना करेंगे।

गतिविधि

- कविता के शब्दों/विषय से संदर्भ लेकर नीचे लिखे प्रश्नों पर चर्चा।

(i) कविता में आँधी आने पर घोंसला उड़ गया था। आँधी में और किस तरह की चीजें उड़ सकती हैं ?

(ii) क्या आँधी जमीन पर उगी दूब/घास को उड़ा सकती है ? हाँ तो क्यों ? नहीं तो क्यों नहीं ?

(iii) कविता में चिड़िया का अंडा फूटने की बात आई है। पर कुछ चीज टूटी भी होगी। क्या–क्या टूटा होगा ?

(iv) टूटने और फूटने में क्या फर्क होगा ?

- शिक्षक छात्रों से मिले उत्तरों को संक्षिप्त, सरल, सारगर्भित ढंग से श्यामपट्ट पर लिखेंगे। छात्र इन नोट्स को उत्तरपुस्तिका पर उतारेंगे। नही लिख पाने वालों को दूसरों की उत्तरपुस्तिका देखकर लिखने दें। पर कोई दूसरे की उत्तरपुस्तिका में न लिखे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

आकलन– (पढ़ने–लिखने में कठिनाई अनुभव करने वालों का ध्यान रखते हुए)

शिक्षक श्यामपट्ट पर कविता की एक पंक्ति लिखे और पंक्ति बोलकर छात्रों से पूछें कि वह कविता में किस नंबर की पंक्ति है ? ऐसा अनेक पंक्तियों के साथ करें। धीमा पढ़ने वाले छात्रों को पढ़ने तथा उत्तर देने के ज्यादा अवसर दें।

गृहकार्य– छात्र कार्यपुस्तिका के प्रश्न संख्या–4, 5, 6 का उत्तर लिख कर लाएँगे।

अवलोकन– शिक्षक परिस्थिति अनुसार गतिविधियों/प्रश्नों को घटा बढ़ा सकते हैं।

पाठ 5– कहाँ रहेगी चिड़िया ? (3/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- कवि महादेवी वर्मा का संक्षिप्त जीवन परिचय,
- पशु/पक्षियों से प्रेम, उनके घर बनाने में लगने वाले परिश्रम पर बातचीत और उसे लिखने का अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– नारियल की रस्सी, कैंची, सुई, बांस की स्टिकें, धागे, कुछ कपड़े, इस सामग्री के कुछ सेट, घोंसलों के चित्र,

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों से इस आशय में संक्षिप्त बातचीत करेंगे कि इस कविता को लिखने वाली महादेवी वर्मा, पक्षियों से अपने छात्रों की तरह प्यार करती थी। उन्होंने अपने घर में ही कितने पशु/पक्षी, हिरण, चिड़िया और अन्य के लिए तरह–तरह के घर/घोंसले बनवा रखी थी।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को तरह–तरह के घोंसलों के चित्र दिखाएं। उनकी बनावट और उसे बनाने में लगने वाली सामग्री और मेहनत पर चर्चा करेंगे घर न होने/रहने पर उन्हें होने वाली परेशानियों का भी जिक्र आए।
- घोसला बनाने की सामग्री छात्रों के बीच रखेंगे।
- छात्रों से कहें कि वे इनसे घोंसला बनाने की कोशिश करें। शिक्षक भी छात्रों के साथ बैठे और एक घोंसला तैयार करेंगे।
- पहले छात्रों को उसकी विधि श्यामपट्ट पर समझा देंगे। तरीका यह है।
- बांस की पतली पट्टियाँ को क्रमशः गोलाकार बांधे फिर इस खाते के भीतर एक चूड़ी फिट करेंगे या बांधेगे।
- इस खांचे को कपड़े और नारियल की रस्सी से कवर कर देंगे। कवर इस तरह करेंगे कि चूड़ी वाला भाग खुला रहे। पर इससे पहले चूड़ी के नीचे की तरफ एक लकड़ी का टुकड़ा/तना जरूर बांधे।
- इससे चिड़िया को पेड़ की टहनी का आभास होगा अब बाकी काम चिड़िया का है।
- हमने घोंसले के लिए एक शेल्टर/जगह तैयार कर दी है।
- घोंसले को लटकाने के लिए उसके ऊपर रस्सी का एक लूप बांध दें। उसे किसी उपयुक्त जगह लटका दें।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- जब कक्षा में छात्रों का समूह घोंसला/घोंसले बना चुका हो तो उनसे समूह में बैठकर अपना–अपना अनुभव लिखवाएँ।
- किसने 'घोंसला' बनाने में कौन सी मदद की। क्या मुश्किल हुई आदि बातें आपस में चर्चा करते हुए छात्र अपनी उत्तरपुस्तिका में लिखें।

गृहकार्य– छात्र कार्यपुस्तिका के अभ्यास प्रश्न संख्या–5, 2 व 3 के उत्तर घर से लिखकर लाएँगे।

पाठ 5– कहाँ रहेगी चिड़िया ? (4/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H105, H302, H311, H409

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, छात्रों की कॉपियाँ, पेन, श्यामपट्ट, चॉक, मार्कर

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों को पाठ के पीछे के अभ्यास कार्य करने पर चर्चा करेंगे।
- आवश्यकतानुसार उन्हें समूहों में व्यवस्थित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों से पाठान्त में दिए अभ्यास प्रश्न 1, 2, 3 और 4 पर मौखिक–लिखित अभ्यास कार्य कराएँगे। उनकी मदद करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

गृहकार्य– छात्रों को स्नेहपूर्वक एक–दो पैटर्न बताकर 'भाषा के रंग' में दिए अभ्यास क, ख, ग, घर से कर लाने को कहेंगे।

उदाहरण–

- चिड़िया उड़कर घोंसले मे आई।
- सफेद कबूतर अच्छे लगते हैं।
- अगर चिड़िया मुझसे बात कर पाती तो मैं पूछता कि .... (छात्रों से उनके मन में आए सवाल पूछेंगे)।

उड़ते फूल

सीमा अपने दादा जी के साथ बग़ीचे में घूम रही थी। बग़ीचे में रंग–बिरंगे फूल खिले हुए थे। उन पर तितलियाँ मँडरा रही थीं। अचानक! सीमा रंग–बिरंगे फूल को छूने के लिए आगे बढ़ी। सारी तितलियाँ उड़ गईं। सीमा चिल्लाई – दादा जी सारे फूल उड़ रहे हैं। दादा जी हँसते हुए बोले – सही कहा, ये फूलों के फूल हैं। तितलियों से फूल हैं। फूलों से तितलियाँ हैं। इनसे दोस्ती करना आसान नहीं है। इन्हें छूने से अच्छा है, हम इन्हें देखते रहें।सीमा तितलियों को उड़ता हुआ देखकर तालियाँ बजा रही थी। वह बार–बार एक ही बात कह रही थी– उड़ने वाले फूल! रंग–बिरंगे फूल!

Writer : Bhup Singh Bagpat	Illustrator : Subham Lakhera

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H403, H411, H302, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में दिए अभ्यास प्रश्नों के माध्यम से सम्प्राप्ति का आकलन एवं अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, छात्रों की कॉपियाँ, श्यामपट्ट, चॉक, मार्कर, डस्टर।

शिक्षण के प्रारम्भ में

(5–10 मिनट)

- दो छात्रों से उनके गृहकार्य की प्रस्तुति कराएँ। बाकी से पूछ लें कि किस–किस ने गृहकार्य किया है। ना कर पाने वालों से कारण पूछ लें पर उन्हें कोई उलाहना ना दें। (इस योजना के तहत शिक्षक निर्धारित अभ्यास प्रश्न– 6, 7, 8 पर छात्रों से बात करें कि प्रश्न उत्तर के रूप में हमसे क्या पूछते हैं ? प्रश्न पढ़कर मौखिक रूप से मालूम करें कि वह इसका जवाब लिखने जा रहे हैं उन्हें सुनें। हर प्रश्न का जवाब ऐसी ही बातचीत के बाद लिखवाएँ)। बच्चों को मिलजुल जवाब बनाने दें। अपने अवलोकन के आधार पर निर्धारित करें कि किन बच्चों को अधिक मदद की जरूरत है।

या

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

तेज़ गिलहरी

एक पेड़ की कोटर में रहती है एक गिलहरी। बड़ी चालाक और फुर्तीली। आँगन के कोने में दिखा उसे एक ऊन का गोला। उसने सोचा क्यों न उठा ले जाऊँ। बच्चों के लिए नर्म–मुलायम बिस्तर बनाऊँ।

उसने इधर–उधर नजरें दौड़ाई। उसे गोले के आस–पास कोई दिखाई नहीं दिया। दबे पाँव, वह ऊन के गोले के पास पहुँची।

एक कुत्ता दरवाजे की आड़ में ताक लगाए बैठा था। गिलहरी ने ऊन का गोला मुँह में जैसे ही पकड़ा, वह पीछे से उसे पकड़ने दौड़ा।

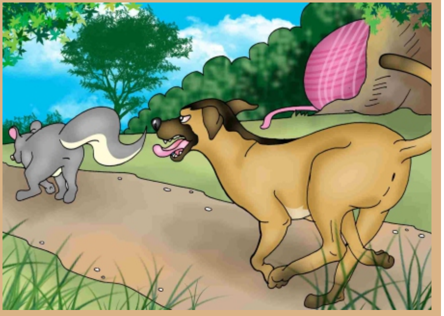

गिलहरी ऊन का गोला मुँह में दबा कर भागी। कुत्ता उसके पीछे भागा। गिलहरी आगे–आगे, कुत्ता उसके पीछे–पीछे। गिलहरी को अपनी जान बचाने की फिक्र थी, कुत्ते को अपनी शान की।

गिलहरी को लगा अब जान नहीं बचेगी। कुत्ते को लगा आज नर्म–नर्म डिश नहीं मिलेगी। फुर्तीली गिलहरी ने फुर्ती से पेड़ की ऊँची डाल पकड़ ली। कुत्ते का गुस्से से मुँह लाल हो गया। गिलहरी निकली कुत्ते से तेज़, कुत्ता हो गया थककर चूर।

Writer : Amritlal Yadav Illustrator : Mitrarun Halder

कितना सीखा– 1
शिक्षण दिवस 1–4

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H403, H408, H409, H413, H414, H415, H416

शिक्षण उद्देश्य–
- प्रश्नोत्तर हेतु चिंतन एवं व्याकरण संबंधी रचनात्मक कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, पाठ्यपुस्तक/कार्यपुस्तिका 'फुलवारी'

प्रथम दिवस–
1. कविता को पढ़ना सुनना
2. कविता का भाव स्पष्ट करना
3. कविता में आए तुकान्त शब्द पर आधारित प्रश्न करना
4. समानार्थी शब्दों का मिलान करना
5. कवि एवं कविता से संबंधित प्रश्न करना

द्वितीय दिवस–
1. छात्रों की स्थानीय भाषा में पाठ के सारांश को सुनना
2. पाठ पर प्रश्नोत्तर (उसमें दिए गए पात्रों एवं पाठों के आधार पर)
3. वर्तनी शुद्धिकरण
4. कठिन शब्दों का उच्चारण करके उनका अर्थ पूछना

तृतीय दिवस–
1. गद्यांश पर आधारित प्रश्न
2. गद्यांश में विराम चिह्नों का प्रयोग करना
3. पाठ पर आधारित उपसर्ग–प्रत्यय पर कार्य करना
4. तद्भव तत्सम् के प्रश्न कराना

चतुर्थ दिवस–
1. व्याकरण संबंधी सभी कार्य (पाठों पर आधारित) जिसमें संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, मुहावरे, विलोम शब्द से संबंधित प्रश्नों को हल कराना
2. प्रश्न निर्माण एवं प्रश्नोत्तर कार्य

निर्देश– शिक्षक 'कितना सीखा' 1 के अनुसार 'कितना सीखा 2, 3, 4' को 3 से 4 दिवसों में विभाजित कर आकलन करेंगें।

बारी-बारी बढ़ी कहानी

चलिए, सब मिलकर एक मज़ेदार कहानी बनाएँ। हर वाक्य पहले वाक्य से किसी न किसी तरह जुड़ा हो। अब कहानी को आगे बढ़ाइए। पहले बोलकर, फिर लिखकर कहानी बनाइए। लिखने के साथ–साथ कुछ बच्चे उस कहानी के लिए चित्र और शीर्षक भी सोच सकते हैं। जब कहानी बनाने का अभ्यास हो जाए तो लिखने से पहले कहानी के विषय पर चर्चा ज़रूर कीजिए।

पाठ– 6, हाँ में हाँ (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों को लोककथा विधा से परिचित कराना।
- पूर्व में सुनी गई कहानी "मुर्गा और लोमड़ी" बच्चों से सुनना और पाठ आधारित कहानी सुनाना।

आवश्यक सामग्री– मुर्गा, लोमड़ी, ऊँट, घोड़ा, पालकी आदि के फ्लैश कार्ड।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से पूर्व मे पठित कहानी को हाव–भाव एवं TLM द्वारा सुनाकर ''मुर्गा और लोमड़ी'' पर प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे। **जैसे–**

(i) मुर्गा पेड़ की डाल पर क्या कर रहा था ?

(ii) क्या तुमने आज का समाचार सुना है– ये कथन किसने कहा ?

(iii) इस कहानी में कौन–से मुख्य पात्र हैं ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कहानी का सारांश अपने शब्दों में सुनाएँगे।
- शिक्षक ''हाँ में हाँ'' कहानी का उचित हाव–भाव उतार चढ़ाव के साथ फ्लैश कार्ड का प्रयोग करते हुए अपने शब्दों में कहानी का सार सुनाने के पश्चात् आदर्श वाचन करेंगे।
- छात्र कहानी का स्वतंत्र पठन करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- छात्रों से छोटे समूह में साथियों से बातचीत करके कहानी के पात्रों की सूची बनवाएँगे।
- शिक्षक छात्रों से स्थानीय भाषा में मौखिक रूप से सारांश रूप में कहानी सुनाने को कहेंगे (3–4 छात्र)
- शिक्षक छात्रों का आवश्यकता अनुसार सहयोग करेंगे।
- कार्यपुस्तिका 'फुलवारी' के पृष्ठ संख्या–27 के प्रश्न संख्या–1 (यातायात के प्रमुख साधनों का मिलान करें) कीजिए।

गृहकार्य– छात्र घर से कहानी का सारांश 5–6 वाक्यों में स्थानीय भाषा में लिखेंगें।

पाठ– 6, हाँ में हाँ (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–
- आई0सी0टी0 के प्रयोग से कहानी सुनाना एवं छात्रों से सारांश लिखवाना।
- अपरचित शब्दों के अर्थ व पर्यायवाची की जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री– आई0सी0टी0, दीक्षा ऐप आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कुछ छात्रों से कहानी के चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में कहानी सुनेंगे। छात्रों से कहानी से संबंधित प्रश्न पूछेंगे।
- 3–4 छात्रों को स्थानीय भाषा में कहानी सुनाने को कहेंगे

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- आई0सी0टी0 के माध्यम से छात्रों को "हां में हां" कहानी को दीक्षा ऐप पर दिखाएं एवं छात्रों से खुले एवं बंद छोर के प्रश्न भी पूछेंगे।
- 3–4 छात्रों से कहानी 'हाँ में हाँ' के चित्रों के आधार पर अपनी भाषा में कहानी बताने को कहेंगे
- शिक्षक छात्रां से चर्चा करेंगे– कहाँ लिखा है खोजे व तात्पर्य भी बताएँ –
  - (i) गंगा बहुत दूर है।
  - (ii) कौन सी सवारी ठीक रहेगी ?
  - (iii) हाथी से ज्यादा सुस्त जानवर नही हैं।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- आपको कौन–कौन सी सवारी अच्छी लगती है उनके नाम अपनी कॉपी में लिखो।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–
- कार्यपुस्तिका "फुलवारी" पृष्ठ संख्या–28 के प्रश्न संख्या–6 को करेंगे।
- सुस्त एवं चुस्त जानवरों की मौखिक चर्चा करेंगे।
- कार्यपुस्तिका "फुलवारी" पृष्ठ संख्या–27 के प्रश्न संख्या–3 पर्यायवाची शब्द लिखें। छात्रों से हल करने को कहेंगे।
- शिक्षक उपर्युक्त चर्चा के पश्चात् छात्रों का आवश्यकतानुसार सहयोग प्रदान करेंगे।

गृहकार्य– छात्र घर से चुस्त एवं सुस्त जानवरों के नाम अपने अभिभावकों से विचार विमर्श कर लिख कर लाएँगे।

पाठ– 6, हाँ में हाँ (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- भाव भंगिमा के साथ अभिनय और स्थानीय भाषा में छोटे–छोटे संवाद निर्माण कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक पाठ के चित्र एवं ऊँट, घोड़ा, पालकी का चित्र आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कालांश की शुरूआत छात्रों से परिवेशीय जीव–जन्तु उनकी उपयोगिता, बनावट के आधार पर खुले व बंद छोर के प्रश्नों के द्वारा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कक्षा कक्ष में छात्र संख्या–के आधार पर 5–5 अथवा 6–6 छात्रों का समूह बनाकर छात्रों से कहानी के पात्रों पर चर्चा करेंगे।
- प्रत्येक समूह के द्वारा कहानी पर रोल–प्ले के माध्यम से प्रस्तुतीकरण कराया जाएगा। (पात्रों की विशेषताओं को ध्यान में रखकर भाव भंगिमा के साथ नाटक का प्रस्तुतीकरण)

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक कहानी में निहित मुख्य भाषाई बिन्दुओं पर चर्चा समूह में करेंगे।
  (i) घोड़े पर घण्टों बैठना तो कठिन है और कौन से ऐसे काम हैं। जो कम कठिन हैं।
  (ii) ''पालकी'' का क्या कहना महाराज! इसी प्रकार से अन्य वाक्य बनाएँ।
- कुछ ऐसी बाते होती हैं, जिनको सुनकर हम हँसते हैं तथा कुछ ऐसी बातें जिनको सुनकर हम दुखी हो जाते हैं। ऐसे ही कुछ वाक्य अपनी कॉपी पर लिखने को छात्रों से कहेंगे

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

गृहकार्य– ''मन चंगा तो कठौती में गंगा'' पर अपने दादा–दादी, नाना–नानी से लोक कथाएँ सुनकर उन्हें अपने शब्दों में लिखें।

पाठ– 6, हाँ में हाँ (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों से पठन की आदतों का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– चार्ट पेपर (टॉर्च, रस्सी, मोमबत्ती आदि के चित्र), पुस्तकालय से लोक कथाओं की पुस्तकें (पंचतंत्र की कहानी) आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन की चर्चा दोहराते हुए पाठ से संबंधित कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्न छात्रों से पूछेंगे जैसे–
  (i) राजा ने मंत्री से कहाँ जाने की इच्छा बताई ?
  (ii) कहीं जाने हेतु किन–किन सवारियों के द्वारा जा सकते हैं व कैसे ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को जोड़ियों में बाँटेंगे।
- पाठ्यपुस्तक से (पृष्ठ–36) का अध्ययन एवं पुस्तकालय की पुस्तकों में से यात्रा पर आधारित पुस्तकें खोजना।
- भ्रमण में जाते समय किस साधन व उपकरण की आवश्यकता होगी। इस पर सामूहिक चर्चा करें। और आई0सी0टी0 का प्रयोग करें।
- छात्र व्यक्तिगत रूप से जो सामान अपने घूमने के साथ–साथ ले जाते हैं। उनकी सूची बनाएँगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्र चार्ट पर शिक्षक के सहयोग से भ्रमण पर जाने की तैयारी की सूची का लेखन कार्य करेंगे। पुस्तकालय से सहयोग ले सकते हैं।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- छात्र से कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–29 प्रश्न संख्या–9 साधनों के चित्र चिपकाएँ व नाम लिखने को कहेंगे।
- छात्रों द्वारा किए गए कार्य का आकलन करेंगे एवं आवश्यकतानुसार सहयोग प्रदान करेंगे।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक में "आपकी कलम से" पृष्ठ संख्या–38 प्रश्न संख्या–4 का छात्र अभ्यासकार्य अपने अभिभावक की सहायता से करेंगे।

<u>निम्न बिंदुओं के आधार पर किसी स्थान की योजना बनाकर लिखिए–</u>

कहां जाएँगे ? किन–किन साधनों से जाएँगे ? कौन–कौन साथ होंगे ? वहां क्या–क्या करेंगे ? कितना खर्च होगा ? अनुमान के आधार पर लिखेंगे।

पाठ– 6, हाँ में हाँ (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- पुस्तकालय से पढ़ी गई 'लोक कथा' पर आधारित रचनात्मकता का विकास करना।
- विलोम शब्द की समझ का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पुस्तकालय में उपलब्ध लोक कथा आधारित पुस्तकें (जैसे पंचतंत्र की कथा, देश–विदेश के जीव जन्तुओं की लोककथाएँ, उत्तर प्रदेश की लोक कथाएँ आदि) लोक कथा से संबंधित चित्र (पपेट शो के लिए), चार्ट पेपर, फेवीकोल, कैंची, रंग आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पाठ से संबंधित खुले एवं बंद छोर के 2–3 सरल प्रश्न छात्रों से पूछें एवं ''आपकी कलम'' से किए कार्य का प्रस्तुतिकरण (2–3) छात्र करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को जोड़ियों में बाँटकर पुस्तकालय से लोककथाओं की पुस्तकों का समूह में स्वतंत्र पठन कराएँगे।
- छात्र समूह में लोककथाओं पर आधारित पात्रों के फिंगर/स्टिक पपेट शिक्षक के सहयोग से चर्चा के पश्चात् बनाएँगे।
- प्रत्येक समूह अपनी पठित लोककथाओं का फिंगर पपेट/स्टिक पपेट अथवा अभिनय के आधार पर प्रस्तुतीकरण करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्रों की जोड़ियों में उपर्युक्त पठित लोककथाओं पर अपने विचार/समझ को शब्दों और वाक्यों में व्यक्त करने को कहेंगे एवं आवश्यकतानुसार उनका मार्गदर्शन करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका फुलवारी पृष्ठ संख्या–28 के प्रश्न संख्या–5 विलोम शब्द लिखेंगे।
- शिक्षक अवलोकन कर सहयोग प्रदान करेंगे। एवं आवश्यकतानुसार सहयोग प्रदान करेंगे।

गृहकार्य– इस कहानी से संबंधित बातें अपने बड़ों से पूछ कर लिखेंगे। राजा के दरबार का चित्र बनाएँगे एवं रंग भरेंगे। (कार्यपुस्तिका फुलवारी पृष्ठ संख्या–29 के प्रश्न संख्या–8)

पाठ– 6, हाँ में हाँ (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- मुहावरों की समझ के साथ पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तिका, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए किन्ही 2–3 छात्रों से लोककथा ''हाँ में हाँ'' का सारांश छात्रों से सुनेंगे।
- फिर छात्रों से पाठ्यपुस्तिका के पाठ– 6 का ''अभ्यास कार्य'' (पृष्ठ संख्या–38) में दिये बोध प्रश्न छात्रों से पूछेंगे। जैसे लोक–कथा में किस तरह के लोगों पर व्यंग्य किया गया है।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

नोट– शिक्षक सहयोग कर्ता के रूप में सहायता करें। छात्रों को समूह में बाँटकर चर्चा करें। (पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–38–39 पृष्ठ संख्या–2, 3, 5)

समूह–1 यदि मंत्री की जगह तुम होते तो सवारी के विषय में क्या सलाह देते और क्यों?

समूह–2 वर्ण पहेली में नदियों के नाम खोजें व लिखें। अब करने की बारी पर चर्चा करेंगे।

आपके आस–पास कौन सी नदियाँ हैं? आपका परिवार इनमें कब–कब स्नान के लिए जाता है? स्नान करते समय क्या सावधानियां रखेंगे?

समूह–3 पाठ में आए मुहावरे ढूँढ़कर वाक्य प्रयोग करें। चर्चा द्वारा पता करेंगे व लिखेंगे–

(i) आपके घर से गंगा जी कितनी दूर है?

(ii) वहाँ किन–2 साधनों से जा सकते हैं।

(iii) आपके मत से वहाँ जाने के लिए कौन सा साधन सबसे अच्छा होगा?

समूह–4 फुलवारी पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या–39, प्रश्न संख्या–''च'') अनुच्छेद को पढ़कर संवाद शैली में बदलना।

(शिक्षक सभी समूह की चर्चा के पश्चात् समेकन कार्य करें)

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्रों से मौखिक चर्चा के उपरांत उन्हें कॉपी में लिखने को कहेंगे।
- पाठ्यपुस्तक से कविता हिंद देश के निवासी सभी जन को पढ़कर उत्तर देने को कहेंगे (पृष्ठ संख्या–40 प्रश्न संख्या–5 'छ')
- छात्र पाठ के आधार पर दो सवाल बनाएँगे।
- लेखन कार्य– 1. इस कहानी से क्या सीखा 2. मैं करूँगा/करूँगी। (पाठ्यपुस्तक फुलवारी पृष्ठ संख्या–40, प्रश्न संख्या–7)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका की पृष्ठ संख्या–27 के प्रश्न संख्या–2 'मुहावरों का वाक्य प्रयोग करके हल करेंगे।
- अवलोकन कर उन्हें सहायता प्रदान करेंगे
- ''हाँ मे हाँ'' जैसी अन्य लोक कथाओं, हास्य कविताओं, चुटकलों का संग्रह करें एवं प्रचलित किन्ही दो लोक कथाओं का सारांश अपने शब्दों में लिखे। (पाठ्यपुस्तक फुलवारी पृष्ठ संख्या–39, प्रश्न संख्या–5 ख)

गृहकार्य– हाँ में हाँ कहानी को अपने शब्दों में लिखकर लाएँ।

पाठ– 6, हाँ में हाँ (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– कार्यपुस्तिका फुलवारी एवं पाठ्यपुस्तक

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए प्रचलित लोक–कथाओं, हास्य कविताओं, चुटकुलों को (3–4) छात्रों से पूछेंगे छात्रों के साथ कार्यपुस्तिका फुलवारी पाठ "हाँ में हाँ" पर कार्य करेंगे।

जैसे–

- यातायात के साधन का मिलान उनके स्थान के अनुसार करें।

रेगिस्तान	ऊँट

- मुहावरों का वाक्य प्रयोग करें, पर्यायवाची शब्द लिखें। शिक्षक आवश्यकतानुसार सहयोग करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- आकलन छात्रों को चार समूह में विभाजित कर एक स्थान से दूसरे स्थान जाने के लिए प्रयोग में आने वाले साधन के नाम बताने को कहेंगे छात्र साधन का नाम बताएँ एवं उनका चित्र बनाकर कार्यपुस्तिका "फुलवारी" में लगाएँ। शिक्षक छात्रों की समूह में सहायता करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक आकलन के आधार पर सहयोग करेंगे पुनरावृत्ति एवं स्वतंत्र कार्य करवाएँगे। (कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–29, प्रश्न संख्या–7)
- छात्र बड़ो से पूछकर आस–पास पाई जाने वाली नदियों के नाम लिखेंगे।

पाठ–7, मलेथा की गूल (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H415, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी को हाव–भाव से सुनाना और बच्चों से सुनना तथा उस पर चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, आई0सी0टी0, दीक्षा ऐप

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- 'साहसी सीमा' कक्षा 3 के विषय में चर्चा करते हुए कठिन परिस्थिति एवं उसके निवारण हेतु आवश्यक गुणों पर छात्रों की समझ का आकलन करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- 'मलेथा की गूल' पाठ के चित्रों को अपनी पाठ्यपुस्तक में देखते हुए उनके विचार को साझा करने को कहेंगे
- शिक्षक द्वारा पाठ का वाचन पूरे हाव–भाव के साथ किया जाएगा।
- शिक्षक आई0सी0टी0 दीक्षा ऐप के प्रयोग द्वारा कहानी की समझ का विकास करना।
- पाठ के अपरिचित एवं कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर स्थानीय भाषा की सहायता से जोड़ते हुए शब्दार्थ बताएँगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- आपके पास–पड़ोस में हुई किसी ऐसी घटना का संक्षिप्त विवरण 4 से 5 वाक्यों में लिखिए।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–30 पर अभ्यास–1 तथा 2 पूर्ण करेंगे तथा इसके माध्यम से आकलन करेंगे।

गृहकार्य– आपके घर में पानी कहां से आता है तथा इसकी उपयोगिता के विषय में लिखकर लाएँगे।

चित्र के आधार पर कहानी सुनाना

बच्चों को चित्र कार्ड दिखाइए एवं कहानी सुनाने को कहिए। चित्र क्रम से हों ताकि बच्चे घटनाक्रम को जोड़कर कहानी सुना सकें।

(बच्चों से उनके द्वारा सुनाई गई कहानी को लिखने के लिए भी कहा जा सकता है)

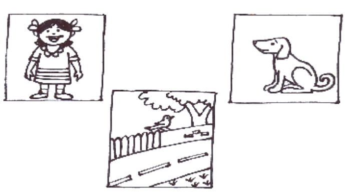

पाठ–7, मलेथा की गूल (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H415, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी में आये अपरिचित शब्दों के अर्थों को समझना और कहानी को लिखना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, आई0सी0टी0, परिवेशीय वस्तुएँ

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- गृहकार्य की समीक्षा करते हुए उनको अपने–अपने विचार साझा करने को कहेंगे
- छात्रों को समूह में बाँटकर पाठ में आए कठिन शब्दों को पाठ्यपुस्तक से ढूँढ़ने को कहेंगे तथा इसे कॉपी पर लिखकर उनके अर्थ व पर्यायवाची शब्दों को शिक्षक की मदद से लिखने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक मलेथा की गूल पाठ का आदर्श वाचन करेंगे। सभी छात्र ध्यान से सुनेंगे।
- अब शिक्षक छात्रों को छोटे–छोटे समूह में बाँट देंगे और समूह में छात्रों को पढ़ाने को कहेंगे छात्र पढ़ते समय पाठ में आए अपरिचित शब्दों को अपनी उत्तरपुस्तिका में नोट करेंगे और उनके अर्थ खोजेंगे यदि छात्रों को अर्थ नहीं पता होगा तो शिक्षक उनकी मदद करेंगे।
- पाठ में आए कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर उनसे वाक्य बनाने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक, पानी, पहाड़, खेत, सूर्य जैसे कुछ शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर छात्रों को वाक्य बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– पाठ्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–43 पर दिए गए अभ्यास 3 भाषा के रंग का प्रश्न क, ख, ग, घ छात्रों से करवाएँगे तथा उसके आधार पर उनकी समझ का आकलन करेंगे

गृहकार्य– छात्रों को कुछ अन्य शब्द देकर उनके घर वालों की मदद से शब्दों से वाक्य बनाकर लाने के लिए कहेंगे

पाठ–7, मलेथा की गूल (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H415, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों द्वारा कहानी को अपने समूह में पढ़ना और कहानी के सारांश को अपने शब्दों में व्यक्त करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, परिवेशीय संसाधन आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन दिए गए कार्य पर उनके द्वारा बनाए गए विभिन्न वाक्य पर चर्चा करेंगे।
- छात्रों को अपने शब्दों में कहानी सुनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ का छात्रों द्वारा स्वतंत्र पठन करवाएँगे।
- छात्रों को छोटे–छोटे समूह में बाँटकर प्रश्न बनवाएँगे। एक समूह दूसरे समूह से प्रश्नोंत्तर करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्र पाठ के सारांश पर चर्चा करेंगे। चर्चा के बाद सारांश लिखने के लिए कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– पृष्ठ संख्या–44 पाठ्यपुस्तक प्रश्न संख्या–घ, ड़, च पर चर्चा करेंगे। पृष्ठ संख्या–30 कार्यपुस्तिका का शेष अभ्यास कार्य कराएँगे।

गतिविधि– सोच कर लिखें आप मलेथा गाँव के छात्र होते तो सुरंग बनाने में क्या मदद करते ?

गृहकार्य– घर वालों की मदद से कुछ शब्दों से वाक्य बनाकर, लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

शब्द बनाओ

ज़मीन पर एक बड़ा–सा गोला बनाइए। इस गोले के अंदर छोटे–छोटे दो गोले और बनाइए। इन गोलों में अलग–अलग आवाज़ें लिखिए, जैसे – ची, नू, को, पा आदि।

अब बारी–बारी बच्चों को बुलाइए और गोले में कंकड़ डालने के लिए कहिए। जिस गोले में कंकड़ गिरे उसमें जो आवाज़ें लिखी हैं, बच्चों को उन आवाज़ों से 5 शब्द बताने के लिए कहिए। उदाहरण के लिए किसी बच्चे ने कंकड़ फेंका और वह गिरा 'ची' के गोले में, अब बच्चा शब्द बताएगा – चील, चीता, चीनी, चीकू, चींटी आदि।

पाठ–7, मलेथा की गूल (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H415, H416
शिक्षण उद्देश्य–
- अपने गाँव की किसी एक मुख्य समस्या पर चर्चा करना और निष्कर्ष को लिखना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन में पढ़ाए गए पाठ/कहानी से संबंधित कुछ प्रश्नों के माध्यम से समीक्षा करेंगे।
- छात्रों को जीवन की किसी ऐसी घटना के बारे में सोच कर बताने को कहेंगे जिसमें उन्होंने साहस का परिचय देते हुए समस्या का हल किया हो। दो छात्रों से अनुभव सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- अपने गाँव की किसी समस्या पर छात्र समूह (4 से 5 छात्रों का समूह) में चर्चा करेंगे।
- समस्या एवं निवारण की चर्चा कर, समस्या एवं निवारण को कॉपी पर लिखने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्र अपनी लिखे निवारण की चर्चा एकल प्रस्तुतीकरण या समूह प्रस्तुतीकरण के माध्यम से करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–31 पर अभ्यास–6 भरवाया जाएगा।

गृहकार्य– अपने घर पर बड़ों से 50 वर्ष पूर्व जल के श्रोत एवं समस्याओं के निवारण पर चर्चा कर जानकारी प्राप्त कर लाने को कहेंगे।

मैंने देखा

कुछ देर चुपचाप रहिए और चारों तरफ की चीज़ें देख लिजिए। अब कहिए, ''आज मैंने देखा...'' हर बच्चे को बारी–बारी कहना होगा कि उन्होंने क्या देखा। हर एक की बताई हुई चीज़ें अलग होनी चाहिए, जैसेः– ''मैंने देखा पंखा।'', ''मैंने देखी खिड़की।'' अगर बच्चे लिख सकते हैं, तो चर्चा के बाद उन सारी चीज़ों की लिस्ट भी बनाएँ। इस खेल को कुछ और ढंग से भी खेल सकते हैं, जैसे – ''लाल'' अब बोलने वाले को आसपास में मौजूद लाल वस्तुएँ के बारे में बोलना होगा : ''मैंने देखा.... दीदी का लाल दुपट्टा'', ''छोटू का लाल पजामा'', ''लाल गेंद'' आदि।

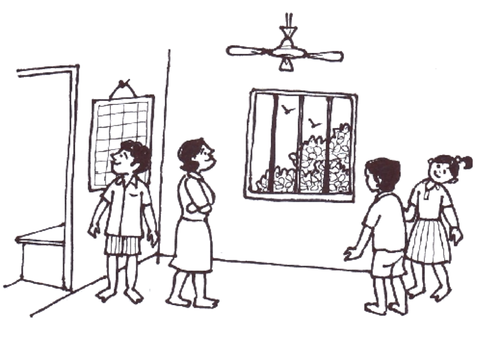

पाठ–7, मलेथा की गूल (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H415, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- पुस्तकालय से प्रकृति आधारित कहानी ढूँढ़ कर पढ़वाना, और उसके मुख्य पात्रों पर चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– श्यामपट्ट, पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, आई0सी0टी0, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- गृहकार्य पर बड़ों से एकत्रित जानकारी पर मौखिक चर्चा व समीक्षा।
- पाठ की कहानी के मुख्य पात्रों के गुणों को केंद्र बिंदु बनाकर उस पर चर्चा की जाएगी।
- आई0सी0टी0, दीक्षा ऐप की सहायता से कहानी की पुनरावृत्ति करवा सकते हैं।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पुस्तकालय से प्राकृतिक घटनाओं पर आधारित कहानी को पढ़वाना एवं कहानी की समझ का मौखिक प्रस्तुतीकरण करवाया जाएगा।
- पात्रों के संवाद पर चर्चा कर छात्रों से पात्रों के संवाद को बोलवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्रों द्वारा पढ़ाई गई कहानी को उनकी पसंद के पात्रों, घटनाओं के विषय में 5 से 10 वाक्य लिखवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- पाठ्यपुस्तक बोध प्रश्न संख्या–1 के प्रश्नोत्तर की चर्चा शिक्षक द्वारा कराएँगे एवं प्रश्न संख्या–2 'सोच–विचार कर बताइए' के विषय में चर्चा कर कार्य पूरा करेंगे।

गृहकार्य– वर्षा के जल का संचय आप किस प्रकार कर सकते हैं ? इस जल का उपयोग कैसे कर सकते हैं ? (घर वालों की मदद से लिखकर लायें)

पाठ–7, मलेथा की गूल (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H415, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर चर्चा और उसे हल करना।

आवश्यक सामग्री– श्यामपट्ट, पाठ्यपुस्तक, प्रोजेक्ट कार्य, कार्यपुस्तिका, कॉपी आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक द्वारा पिछले सत्र में दिए गए कार्य पर चर्चा कर समीक्षा की जाएगी।
- संज्ञा के भेदों के विषय में उदाहरण सहित समझाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा चर्चा किए गए संज्ञा के भेदों को प्रश्नों के माध्यम से चर्चा करेंगे।
- प्रश्न संख्या–7 पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–44 'इस कहानी से' पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्रों को कहानी पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों को बनाने व अपने मित्र से पूछने को कहेंगे तथा उसके बाद कॉपी पर लिखने के लिए कहेंगे

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक पाठ आधारित प्रश्न इस कहानी से मैं क्या सीखा तथा मैं करूँगा के माध्यम से छात्रों के ज्ञान का आकलन करेंगे।
- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–32 का प्रश्न हल करवाएँगे।

गृहकार्य– अपने दादा/दादी या नाना/नानी के दैनिक जीवन की कठिनाइयाँ एवं अपने जीवन की तुलना कर लिखकर आएँगे।

पाठ–7, मलेथा की गूल (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H415, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– श्यामपट्ट, कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों द्वारा पाठ पर किए गए कार्यों पर चर्चा कर उनकी समस्या का निवारण करेंगे।
- गृहकार्य में आ रही समस्या में भी शिक्षक छात्रों का सहयोग करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- कार्यपुस्तिका का पृष्ठ संख्या–32 पर प्रश्न संख्या–8 पर चर्चा करते हुए भरवाया जाएगा।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- मौखिक प्रश्नों के द्वारा छात्रों का आकलन करेंगे एवं कार्यपुस्तिका के अवशेष कार्य को पूर्ण किया जाएगा।

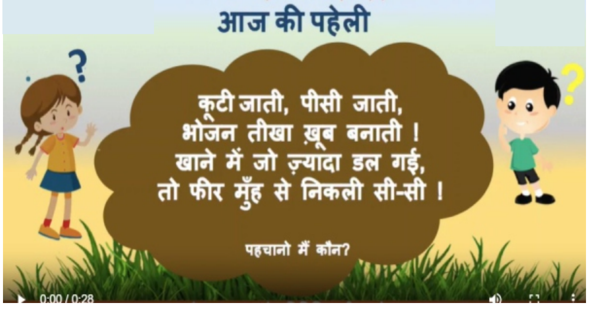

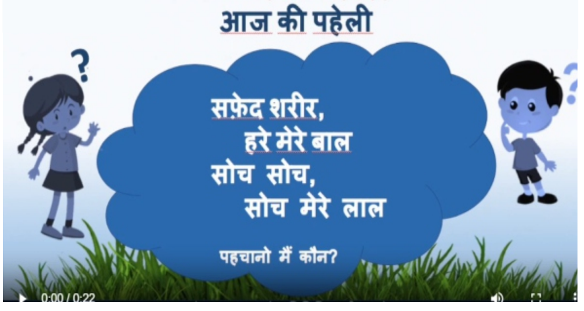

पाठ–8, टोकरी में क्या है ? (1/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H402, H403

शिक्षण उद्देश्य–

- बच्चों को कहानी के एक खास प्रारुप (संवाद प्रधान) से परिचित कराना।
- छात्रों के साथ नानी–दादी द्वारा सुनाई गई कहानियों पर चर्चा।

आवश्यक सामग्री– श्यामपट्ट, पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, परिवेशीय संसाधन आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक वस्तुओं का नाम पहेली द्वारा पूछते हुए छात्रों से बातचीत करेंगे।
- जैसे– इस कमरे में वह क्या है ? जिसके पास चार पाँव हैं। छात्र उत्तर बताएँगे– कुर्सी, मेज आदि।
- वह कौन सी वस्तु है ? जिससे हम श्यामपट्ट साफ करते हैं। छात्र उत्तर देंगे– डस्टर, कपड़ा, कागज आदि।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक उपयुक्त प्रकार के 4–5 प्रश्न पूछेंगे और उनके उत्तर को (छात्रों द्वारा बताए गए) श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- छोटे समूह में छात्रों को विषयवस्तु देकर प्रश्नों का निर्माण करने की गतिविधि करवाएँगे (अध्यापक आवश्यकता के अनुसार छात्रों की सहायता करेंगे)
- छात्र अपने समूह में बनाए गए प्रश्नों को अपनी कॉपी में लिखकर, उसे पढ़कर सुनाएँगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों द्वारा प्रयोग की जाने वाली वस्तुएं जैसी कलम, उत्तरपुस्तिका, पेंसिल, साइकिल, जूता आदि पर प्रश्न बनाकर उत्तर का अनुमान लगाकर सही उत्तर प्राप्त करने की समझ को मजबूत करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक द्वारा वस्तु देकर उसके कार्य को छात्रों से पूछना। जैसे–

(i) पानी को हम पीते हैं।

(ii) पानी से सिंचाई होती है।

(iii) पानी से कपड़े साफ करते हैं।

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–34 के प्रश्न संख्या–4 का अभ्यास करवाना।

गृहकार्य– छात्र अपने अभिभावक से पहेली पूछ कर उसे लिखकर लाएँगे।

पाठ–8, टोकरी में क्या है ? (2/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H402, H403

शिक्षण उद्देश्य–

- शिक्षक द्वारा हाव–भाव से कहानी सुनाना व कहानी आधारित विभिन्न प्रकार के प्रश्न करना।

आवश्यक सामग्री– श्यामपट्ट, पाठ्यपुस्तक, प्रोजेक्ट कार्य, कार्यपुस्तिका, कॉपी आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा पाठ को हाव–भाव के साथ सुनाया जाएगा। शिक्षक पपेट या वीडियो की भी मदद ले सकते हैं।
- छात्रों द्वारा साझा पठन किया जाएगा।
- कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर उनका उच्चारण व शब्दार्थ बताया जाएगा।
- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के बोध प्रश्न 1 पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से पाठ आधारित प्रश्न पूछेंगे। कुछ उदाहरण निम्न है। जैसे–

(i) गर्मियों की छुट्टी में अदिति कहाँ गई थी ?

(ii) अदिति को लेने के लिए कौन आया था ?

(iii) ऐसे फलों के नाम बताओ जो खट्टे लगते हों ?

(iv) ऐसे फलों के नाम बताओ जिसमें रस होता है ?

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–33 के प्रश्न नंबर 1, 2 और 3 पर अभ्यास कार्य।

गृहकार्य– छात्र अपने अभिभावक की सहायता से वस्तु के गुण एवं विशेषताओं के आधार पर 'बूझो तो जाने पहेली' बनाकर लाएँगे।

पाठ–8, टोकरी में क्या है ? (3/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H402, H403

शिक्षण उद्देश्य–

- रोल–प्ले, पपेट द्वारा पाठ का अभिनय तथा छात्रों के अनुभव पर आधारित अनुच्छेद लिखवाना।

आवश्यक सामग्री– श्यामपट्ट, कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक, आई0सी0टी0।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्रों द्वारा पहेलियों का आनंद लेने में उनकी मदद करेंगे। उनके पहेलियाँ में स्वयं सम्मिलित हो।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों की पहेलियों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- उनकी पहेलियों पर संवाद बनाकर श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- श्यामपट्ट पर लिखे संवाद का छात्रों द्वारा रोल प्ले करवाना। (छोटे संवाद 3–4 वाक्यों का) (मैं कौन हूँ ?)

जैसे– 'आलू' पर संवाद

मैं एक सब्जी हूँ।
मैं पराठे में रहता हूँ।
मैं चिप्स बनता हूँ।
मुझे आग में भी भूनते हैं।
मुझे उबालकर भी खाते हैं।
(बताओ मैं कौन हूँ ?)

- छात्र अनुमान लगाकर उत्तर देंगे।
- छात्र छोटे समूह में अध्यापक की सहायता से 'मैं कौन हूँ ? पहेली का निर्माण करके लिखेंगे और पढ़कर सुनाएँगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक स्वयं संवाद बोलकर छात्रों से वस्तु पहचानने को कहेंगे।

(वस्तुएं छात्रों के परिवेश की हो, जिससे वह मजा लेकर प्रतिभाग कर सके)

आकलन और अभ्यास कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–35 के प्रश्न संख्या–6, 7 और 8 पर अभ्यास कार्य कराएँगे।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक से प्रश्न संख्या–3 अब करने की बारी (क) (ख) (ग) और (घ) को छात्र अभिभावक की सहायता से करके आएँगे।

पाठ–8, टोकरी में क्या है ? (4 / 5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H402, H403

शिक्षण उद्देश्य–
- पाठ आधारित अभ्यास कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– श्यामपट्ट, पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, दीक्षा ऐप

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- प्रश्न पहेली पूछकर छात्रों के साथ आनंद के साथ उत्तर खोजेंगे।
- छात्रों के द्वारा किए गए गृहकार्य पर संक्षिप्त चर्चा करेंगे।
- छात्रों को वीडियो आई0सी0टी0, दीक्षा ऐप के माध्यम से पाठ की पुनरावृत्ति करवाएँगे।
- आई0सी0टी0 / चित्रकार्ड / रोल–प्ले के आधार पर प्रस्तुतीकरण करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या–47–48 से प्रश्न संख्या–1 से 3 तक पर बातचीत करेंगे। (बोध प्रश्न, पहेली बूझे, अब करने की बारी)
- छोटे समूह में प्रश्नों के उत्तर को कॉपी में लिखेंगे।
- छात्र अपने उत्तरों का समूहवार प्रस्तुतीकरण करेंगे। (समूह–1 उपस्थित छात्र संख्या–अनुसार छोटा–बड़ा हो सकता है)

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक शरीर के अंगों पर पहेली (गद्य पहेली) बनाकर छात्रों से पूछेंगे।

जैसे–

वह अंग जिससे हम सुनते हैं।
वह अंग जिससे हम सूंघते हैं।
वह अंग जिससे हम चखते हैं।

आकलन और अभ्यास कार्य– छात्र एक दूसरे से पहेली पूछ कर, पहेली का आनंद लें। (अध्यापक आवश्यकतानुसार छात्रों की सहायता करेंगे) कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–34 के प्रश्न संख्या–5 को करेंगे।

गृहकार्य– छात्र अपने अभिभावक की सहायता से पहेली का निर्माण करके लाएँगे।

पाठ–8, टोकरी में क्या है ? (5/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H402, H403

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आए अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तिका, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, परिवेशीय संसाधन

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्रों के द्वारा किए गए गृहकार्य के अंतर्गत बनाए गए 2 सवालों को करते हुए कक्षा की शुरुआत करेंगे।
- शिक्षक फल या सब्जियों से संबंधित फायदे और स्वास्थ्य संबंधी उपयोगिता पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

विशेष– अध्यापक अपने आधार पर फलों, सब्जियों, पशु, पक्षियों आदि का चयन कर सकते हैं। छात्र स्वयं से लिखे हुए कार्य को समूहवार पढ़कर सुनाएँगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक मौखिक रूप से वस्तुओं के जोड़ों को लेकर उनमें समानता और असमानता का प्रश्न पूछेंगे।

आकलन और अभ्यास कार्य– शिक्षक छात्रों से पाठ पुस्तक के प्रश्न संख्या–4 और 5 पर अभ्यास कार्य करवाएँगे।

पाठ–9, ग्राम श्री (1/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H409, H411

शिक्षण उद्देश्य–

- सामाजिक जीवन व पर्यावरण के विषयों पर बातचीत करना।
- शब्द भण्डार एवं शब्दों का वाक्य प्रयोग करना।

आवश्यक सामग्री– गाँव का चित्र चार्ट, पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, रंगीन पेन/स्केच आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक द्वारा पाठ्यपुस्तक से सम्बन्धित प्रिंट रिच सामग्री में से "गाँव" का चित्र चार्ट लेकर छात्रों से चार्ट को दिखा कर उनसे चार्ट के बारे में पूछेगें जिसमें खुले और बन्द छोर के प्रश्न होंगे–

(i) यह चित्र किसका है ?

(ii) इसमें आप क्या–क्या देख रहे हैं ?

(iii) क्या यह आपके गाँव जैसा है ?

(iv) आपके गाँव में क्या–क्या है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों के द्वारा बताये गये बिन्दु को शिक्षक चार्ट या श्यापट्ट पर लिखेंगे और गाँव से सम्बन्धित चर्चा करेंगे जिससे छात्रों को अपने परिवेश की जानकारी और अच्छे से ज्ञात हो जाए।
- शिक्षक कक्षा को दो या चार समूह में विभाजित करके उनको चार्ट देंगे जिसमें छात्रों द्वारा अपने गाँव की प्रिय व अप्रिय वस्तु, स्थान, प्राणी के विषय में लिखने को कहेंगे

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों द्वारा किए गए कार्य को एक–एक समूह को बुलाकर अन्य बच्चों के समक्ष प्रस्तुतीकरण करने को कहेंगे
- प्रस्तुतीकरण करने के बाद पुनः छात्रों से उनके लेखन कार्य व प्रस्तुतीकरण का आकलन करने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–36 के प्रश्न संख्या–1 को करेंगे।
- अपने आस–पास पाये जाने वाली फल व सब्जी के नाम लिखिए (फल व सब्जी)

गृहकार्य– नदी, पेड़ घर, खेत, फल आदि शब्दों का प्रयोग कर वाक्य/अनुच्छेद लिखिए।

पाठ–9, ग्राम श्री (2/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H409, H411

शिक्षण उद्देश्य–

- कविता की ध्वनियों व शब्दों को समझ के साथ पढ़ना और कविता को सुनकर आनंदानुभूति करना।

आवश्यक सामग्री– चित्र चार्ट (खेत), पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, पुस्तकालय की पुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों द्वारा की गई पूर्व की गतिविधियों पर चर्चा करेंगें।
- चित्र चार्ट "खेत" का प्रयोग करते हुए सभी छात्रों से खेत के सन्दर्भ में चर्चा व प्रश्न करेंगें।
- सभी छात्र प्रकरण से अवगत होंगे उसके बाद शिक्षक सही हाव–भाव, लय के साथ कविता का आदर्श वाचन करेंगे।
- कविता मे आये तुकान्त, कठिन शब्द व परिवेशीय वातावरण पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा कविता का आदर्श वाचन करने के पश्चात् छात्र स्वतंत्र पठन करेंगे।
- स्वतन्त्र पठन के बाद शिक्षक तुकान्त व कठिन शब्दों को श्यापट्ट पर लिखकर उसका अर्थ समझाते हुए चर्चा करेंगें।
- शिक्षक तुकान्त शब्दों के सन्दर्भ को बताते हुए छात्रों को एक छोटी सी कविता/अनुच्छेद लिखने को कहेंगे

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक द्वारा दिए गये कार्य को और रूचि पूर्ण बनाने के लिए शिक्षक छात्रों को पुस्तकालय से कुछ कविता का चयन करने को कहेंगे जो प्रकृति से जुड़ी हो ऐसे पुस्तक को पढ़ने के लिए कहेंगे।
- पुस्तक को पढ़ने के बाद कक्षा को दो समूह में विभाजित करके तुकान्त कविता लिखने का कार्य करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कविता में कितने फलों के नाम हैं ? कविता में कितने सब्जियों के नाम है ?

गृहकार्य– कविता में किन–किन फलों को आप किस–किस ऋतु/मौसम में खाते या देखते हैं ? लिखकर लाने के लिए कहेंगे

पाठ–9, ग्राम श्री (3/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H409, H411

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों को अपने परिवेश व पर्यावरण से आत्मीय सम्बन्ध स्थापित करना।
- देखकर और सुनकर पाठ के निहित भावों को समझना। तुकान्त व देशज शब्दों की पहचान करवाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चार्ट, श्यामपट्ट दीक्षा ऐप की वीडियो/आई0सी0टी0 का प्रयोग, रंगीन पेन, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक प्रथम दो दिवस का पुनः स्मरण करवाएँगे।
- कविता से सम्बन्धित कुछ छोटे–छोटे प्रश्न छात्रों से किये जाएँगे, जिससे छात्र प्रकरण को पूर्ण रूप से ग्रहण कर सके।
- प्रकृति से जुड़े कुछ वीडियो छात्रों को दिखाएँगे जिससे छात्र प्रकृति से जुड़ सके तथा अधिक से अधिक तुकान्त शब्दों से परिचय प्राप्त कर सके।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्र को कविता के लेखक से परिचय प्राप्त कराते हुए, उन्हें कविता में आये शब्दों को लेकर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक कक्षा को चार समूह में विभाजित करके उन्हें चयनित शब्दों पर कहानी/कविता/अनुच्छेद लिखने को कहेंगे
- प्रत्येक समूह किसी एक प्रकरण को चुनकर उस पर कार्य करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- प्रत्येक समूह द्वारा किए गये कार्य का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।
- शिक्षक प्रत्येक समूह का प्रस्तुतीकरण करने के उपरान्त उनके कहानी/कविता/अनुच्छेद का आकलन करेंगे।
- शेष छात्रों द्वारा उपरोक्त गतिविधि पर चर्चा व परिचर्चा करेंगे।
- कहानी/कविता/अनुच्छेद लेखन में आये शब्दों को छात्रों से परिचित कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- इस कविता से मैंने क्या सीखा ? (पाठ्यपुस्तक की पृष्ठ संख्या–53 के प्रश्न संख्या–7)

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–53 के प्रश्न संख्या–4 के (क) आपकी कलम से और (ख) का कार्य गृहकार्य के रूप में दिया जाएगा। परिवार की मदद से गृहकार्य करने को दिया जाएगा।

40 मिनट

लर्निंग आउटकम— H409, H411

शिक्षण उद्देश्य—

- ऋतु के अनुसार मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एवं स्थानीय त्यौहार तथा फसल से परिचित कराना।
- सुनकर, बोलकर, समझ के साथ लेखन का विकास करना।

आवश्यक सामग्री— पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर, पुस्तकालय की किताबें आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5—10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक कविता की व्याख्या को छात्रों को समझाएँगे तथा उसी से संबंधित प्रश्नोत्तर करेंगे।
- सभी छात्रों द्वारा उनकी भाषा में कविता के सारांश/भावार्थ को बोलने का अवसर प्रदान करेंगे।
- शिक्षक कविता की पक्तियों को सही क्रम मे बताएँगे तथा छात्रों को ऋतु के अनुसार आने वाले त्यौहारों पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20—25 मिनट)

- त्यौहारों पर चर्चा करने के उपरांत शिक्षक कक्षा को चार समूह में विभाजित करेंगे।
- शिक्षक सभी छात्रों के समूह को अपने पसंद के त्यौहार को मनाये जाने हेतु आवश्यक सामग्री की सूची बनाने को कहेंगे
- शिक्षक छात्रों के समूह को यह त्यौहार किस ऋतु में मनाया जाता है उसका भी उल्लेख करने को कहेंगे

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक द्वारा दिए गये समूह कार्य को शिक्षक अपने सहयोगात्मक मार्गदर्शन में प्रस्तुतीकरण कराएँगे। शेष समूह/छात्र उपरोक्त गतिविधि के प्रस्तुतीकरण पर चर्चा करेंगे। छात्रों के लेखन में आये कुछ शब्दों के सन्दर्भ से छात्रों का परिचय कराएँगे। शेष समूह/छात्र उपरोक्त गतिविधि प्रस्तुतीकरण पर चर्चा करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य— छात्रों के अनुच्छेद के आधार पर बोधात्मक प्रश्नोत्तर किए जाएँगे।

गृहकार्य— क्रमशः फुलवारी कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या—36 प्रश्न संख्या—2 "कविता को पूरा करो" का कार्य करने को दिया जाएगा।

पाठ–9, ग्राम श्री (5/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H409, H411

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर, पुस्तकालय की किताबें आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक एक बार पुनः कविता का वाचन कर उसकी व्याख्या छात्रों को समझाएँगे।
- शिक्षक पाठ को समझाने के उपरान्त पाठ के पेज नंबर 52 के कार्य अभ्यास कार्य प्रश्न संख्या–1 बोध प्रश्नोत्तर को छात्रों के सहयोग से कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों द्वारा किए गये अभ्यास कार्य का आकलन करेंगे।
- शिक्षक सभी छात्रों को पुनः एक बार पाठ सामग्री को स्वतन्त्र पठन के रूप में पढ़ने को कहेंगे
- छात्रों के पठन के बाद उन्हें कार्यपुस्तिका के पाठ– 9 ग्राम श्री का कार्य स्वयं ध्यानपूर्वक समझकर करने को कहेंगे

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक छात्रों द्वारा किये गये अभ्यास कार्य व कार्यपुस्तिका के कार्य में सहयोग करेंगे।

पाठ–10, नन्हीं राजकुमारी और चन्द्रमा (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H407, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों से उनकी सुनी हुई कहानी सुनना।
- चित्र कहानी, पोस्टर (प्रिंटरिच सामग्री) द्वारा कहानी निर्माण।

आवश्यक सामग्री– चित्र कहानी, पोस्टर, चॉक, डस्टर, छात्रों की कॉपी आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- पिछले पाठ में पढ़ी गई कविता की चार–चार पंक्तियाँ कुछ बच्चों से सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पिछले पाठ को वर्तमान पाठ से जोड़ते हुए छात्रों से सुनी या पढ़ी गई कहानी सुनाने को कहेंगे।
- कहानियों पर चर्चा करते हुए उन पर छात्रों की समझ स्पष्ट करेंगे एवं कहानी विधा से परिचित कराएँगे।
- कहानी में आये नए तथा कठिन शब्द शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- छात्र संख्या–के अनुसार समूह बनाकर छात्रों को चित्र कहानी पोस्टर देंगे। प्रत्येक समूह को पोस्टर पर चर्चा करते हुए कहानी बनाने का अवसर दिया जाएगा।
- समूह का एक बच्चा कहानी को चरणबद्ध ढंग से कॉपी पर लिखेगा। शिक्षक सुगमकर्ता की भूमिका में रहेंगे।
- सभी समूह बारी–बारी से अपनी कहानी कक्षा में हाव–भाव तथा आरोह–अवरोह के साथ प्रस्तुत करेंगे।
- जिन बच्चों ने कहानी सुनाई है, उनका नाम लेकर अन्य छात्रों से पूछेंगे कि इन्होंने किसकी कहानी सुनाई है अथवा इनकी कहानी के मुख्य पात्र कौन हैं आदि।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- सभी छात्र आज की सुनाई गई कहानियों में आये नए शब्द अपनी कॉपी पर लिखेंगे।

आकलन पर कार्य– जो शब्द छात्रों ने अपनी कॉपी पर लिखे हैं उन पर 1–1 वाक्य बनवाएँगे।

गृहकार्य– छात्रों को उनके परिवेश से सम्बन्धित कुछ शब्द देकर उनके प्रयोग से एक कहानी बनाने को कहेंगे

पाठ–10, नन्हीं राजकुमारी और चन्द्रमा (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H407, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी पर आधारित बातचीत करना और पठन कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कहानी से सम्बंधित चार्ट, मोबाइल, लैपटॉप आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- गत दिवस कराये गये गृहकार्य की कहानी छात्र कक्षा में सुनाएँगे।
- शिक्षक कहानी के पात्रो पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ्यपुस्तक के माध्यम से आरोह–अवरोह तथा हाव–भाव के साथ कहानी का वाचन करेंगे।
- वाचन के पश्चात् छोटे–छोटे प्रश्न पूछेंगे। कहानी के प्रति छात्रों की समझ को स्थाई बनाने का प्रयास करेंगे।
- छात्रों को स्वतंत्र पठन का अवसर देंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- अपरिचित व कठिन शब्दों की सूची शिक्षक श्यामपट्ट पर बनाएँगे।
- छात्रों से बारी–बारी उनके अर्थ पूछें जाएँगे। (शिक्षक सुगमकर्ता– की भूमिका में रहेंगे)

आकलन तथा कार्यपुस्तिका पर कार्य– पाठ से सम्बन्धित शब्द/अर्थ का कार्य कॉपी एवं कार्यपुस्तिका में करवाया जाएगा।

गृहकार्य– कहानी के कुछ शब्दों जैसे चन्द्रमा, राजा, टहनी, सोना, पेड़ आदि के समानार्थी शब्द लिखकर लाने को दिया जाए। (शब्द शिक्षक अपने आप खोज कर दे सकते हैं।)

पाठ–10, नन्हीं राजकुमारी और चन्द्रमा (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H407, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी को सुनाना तथा बच्चों से सुनना।
- प्राथमिक चिकित्सा के महत्व पर अभिनय व चर्चा।

आवश्यक सामग्री– स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त संचारी रोग के बचाव से सम्बधित चार्ट, बैनर आदि। (यदि प्राप्त हुए हो) अन्यथा यथा सम्भव शिक्षक स्वयं बनाये, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- जो छात्र अनुपस्थित है उनकी अनुपस्थिति के कारणों पर चर्चा की जाएगी।
- अस्वस्थ छात्रों के अस्वस्थ होने का कारण तथा निदान पर चर्चा की जाएगी।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- वर्षा ऋतु में फैलने वाले संचारी रोगों के कारण तथा उनसे बचाव तथा सावधानियों पर चर्चा की जाएगी।
- कक्षा को दो समूहों में बाँटेंगे।
- एक समूह को 'संचारी रोग होने पर क्या प्राथमिक चिकित्सा की जाए' विषय पर आपस में चर्चा करके मुख्य बिन्दु श्यामपट्ट पर लिखने को कहेंगे
- दूसरे समूह को संचारी रोगों से बचाव तथा सावधानियों पर आपस मे चर्चा करके मुख्य बिन्दु श्यामपट्ट पर लिखने को कहेंगे

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक दोनों समूहों को अपने–अपने विषय पर अभिनय हेतु संवाद तथा पात्रो की रचना करने को कहेंगे शिक्षक सुगमकर्ता की भूमिका निभाएँगे।

आकलन पर कार्य– कक्षा के दोनों समूह अपने–अपने विषय पर बारी–बारी से अभिनय के माध्यम से प्रस्तुतीकरण करेंगे।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक का अभ्यास 'आपकी कलम से' का प्रश्न 'क' एवं 'ख' करके लाएँ।

पाठ–10, नन्हीं राजकुमारी और चन्द्रमा (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H407, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी का नाट्य प्रस्तुतीकरण और कहानी में आए पात्रों की विशेषताओं पर समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– मोबाइल/लैपटाप, कहानी के पात्रों से सम्बन्धित मुखौटे, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन दिये गये गृहकार्य पर चर्चा की जाएगी।
- QR कोड के माध्यम से मोबाइल अथवा लैपटॉप पर छात्रों को कहानी सुनाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कहानी सुनाने के पश्चात् प्रश्नों के माध्यम से अलग–अलग पात्रों पर चर्चा की जाएगी। जैसे– राजा अपने दरबारियों से क्या अपेक्षा रखता था ? मंत्री के स्थान पर आप होते तो क्या करते ? आदि।
- छात्रों को अलग–अलग पात्रों के मुखौटे देंगे। उनसे वह वाक्य बोलने को कहेंगे जो उस पात्र द्वारा कहा गया है जिसका मुखौटा वह पहने हैं।
- तैयारी होने के पश्चात् छात्र कहानी का नाट्य प्रस्तुतीकरण करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्रों को उनके पसन्द के पात्रों पर दो–दो वाक्य लिखने को दिए जाएँगे।

आकलन तथा कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कहानी का कौन सा पात्र आपको सबसे अच्छा लगा और क्यों ?
- कार्यपुस्तिका के पाठ से सम्बंधित "मिलान कीजिए" अभ्यास करवाएँगे।

गृहकार्य– घर में कभी किसी छोटे छात्र ने कोई असम्भव वस्तु माँगी हो तथा बड़ों ने उसे किसी तरह समझाया हो ऐसी कोई घटना अपनी माँ अथवा दादी/नानी से पूछ कर लिख कर लाएँगे।

पाठ–10, नन्हीं राजकुमारी और चन्द्रमा (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H407, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- मुहावरों पर आधारित चित्र निर्माण और उस पर चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– मुहावरों से सम्बन्धित चित्रकार्ड , पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर , श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- कुछ सामान्य मुहावरों के चित्र दिखाते हुए छात्रों से पूछेंगे कि वे उस चित्र में क्या देख रहे हैं ?
- छात्र अपनी समझ के अनुसार उत्तर देंगे। तब शिक्षक छात्रों को चित्र से सम्बन्धित मुहावरा बताएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को स्पष्ट करेंगे कि मुहावरे भाषा का सौन्दर्य बढ़ाने में सहायक होते हैं। उदाहरण–
- जब राजा ने उसको राजकुमारी की इच्छा बताई वह डर गया।
- जब राजा ने उसको राजकुमारी की इच्छा बताई उसका चेहरा पीला पड़ गया। इन दोनों वाक्यों में कौन सा वाक्य सौन्दर्य मुक्त है। छात्रों से पूछेंगे ?
- कहानी में प्रयुक्त मुहावरों को श्यामपट्ट पर सूचीबद्ध करेंगे तथा बच्चों को कहानी के उस वाक्य को रेखांकित करने को कहेंगे जिसमें उस मुहावरे का प्रयोग हुआ है।
- प्रसंग के आधार पर छात्रों से मुहावरों का अर्थ पूछेंगे। (शिक्षक इस कार्य में सुगमकर्ता की भूमिका में रहेंगे।)

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- बच्चों को मुहावरों का अर्थ बताते हुए कुछ मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग करने के लिए कहेंगे।
- छात्र अपने लिखे हुए वाक्य को कक्षा में प्रस्तुत करेंगे।

आकलन तथा कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका में सम्बन्धित पाठ के मुहावरों पर वाक्य बनाने का अभ्यास कराया जाएगा तथा उसी के आधार पर छात्रों का आकलन किया करेंगे।

गृहकार्य– शिक्षक कुछ मुहावरे श्यामपट्ट पर देकर उनका अर्थ बताते हुए चित्र बना कर लाने को कहेंगे।

पाठ–10, नन्हीं राजकुमारी और चन्द्रमा (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H407, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कॉपी, चॉक, डस्टर, सामान्य दवाओं के डिब्बे/रैपर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन दिए गए गृहकार्य मुहावरों पर चित्र कक्षा में प्रस्तुत करके एक–दूसरे के चित्र से सम्बन्धित मुहावरों की पहचान करवाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के बोध प्रश्न छात्रों से पूछते हुए उत्तर प्राप्त करके संशोधित रूप में श्यामपट्ट पर लिख कर बच्चों से कॉपी में लिखने को कहेंगे।
- विभिन्न दवाओं के डब्बे दिखाते हुए यह दवा कौन सी है ? इसका प्रयोग किस रोग मे किया जाता है ? आदि प्रश्न पूछते हुए छात्रों की समझ को विकसित किया जाएगा। तत्पश्चात प्रश्न ''सोच–विचार'' पर छात्रों के विचार कक्षा में रखेंगे।
- छात्रों को पाठ से सम्बन्धित अन्य प्रश्न को समझाते हुए हल करवाएँगे। समूह कार्य के अन्तर्गत कुछ प्रश्नों का निर्माण करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शेष प्रश्नों पर छात्रों से चर्चा की जाएगी।

आकलन तथा कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका के पाठ से संबंधित अभ्यास 1 तथा 2 छात्र स्वयं करेंगे।
- पाठ्यपुस्तक के शेष अभ्यास प्रश्न पर चर्चा करते हुए छात्र अपनी कॉपी में स्वयं करेंगे। जिससे छात्रों का आकलन किया जाएगा।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक का अभ्यास 'अब करने की बारी' घर से करके लाएँ।

पाठ–10, नन्हीं राजकुमारी और चन्द्रमा (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H407, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, पेन, पेन्सिल, चॉक, श्यामपट्ट, डस्टर, मुहावरों के फ्लैश कार्ड, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- चन्द्रमा पर लिखे गये कुछ गाने छात्रों से कक्षा में सुनाने को कहेंगे गाने के आधार पर चन्द्रमा की कुछ विशेषताएँ छात्रों से जानेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- संचारी रोग से बचाव तथा सावधानियों को छात्रों से लिखवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक स्वयं के बनाये आकलन प्रपत्र के माध्यम से छात्रों का आकलन करेंगे तथा उनकी कठिनाई दूर करने का प्रयास करेंगे।

सोचिए ओर बोलिए

हर बच्चे को अलग–अलग परिचित विषय दीजिए। बच्चे अपना विषय भी सोच सकते हैं। बच्चों को 2–3 मिनट उस विषय पर सोचने को कहिए। फिर एक मिनट उस विषय पर बोलने के लिए प्रेरित कीजिए

पाठ– 11, बाल गंगाधर तिलक (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- हिन्दी भाषा में जीवनी विधा से परिचित कराना।
- आई0सी0टी0 के माध्यम से 'बाल गंगाधर तिलक' के जीवन के विषय में जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 की पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, मोबाइल, प्रोजेक्टर या टी0वी0, स्पीकर, महापुरुषों के चित्र आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से हमारे देश के बारे में बात करेंगे।
- महापुरुष शब्द सुनकर आपके मन में क्या प्रश्न आ रहे हैं ?
- आई0सी0टी0 के माध्यम से शिक्षक सभी छात्रों को उनके चित्र दिखाकर बात करेंगे और आजादी की लड़ाई में उनकी क्या भूमिका रही, इसके बारे में सभी छात्रों को बताएँगे।

(i) हमारे देश को आजाद कराने में किन–किन महापुरुषों ने मुख्य भूमिका निभाई ?

(ii) हमारे देश के किन–किन महापुरुषों को आप जानते है ?

(iii) क्या आप बाल गंगाधर तिलक को जानते है ?

(iv) बाल गंगाधर तिलक का बचपन का क्या नाम था ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से हमारे देश के महापुरुषों के बारे में बड़े समूह में बात करेंगे।
- इसके बाद शिक्षक आई0सी0टी0 द्वारा बाल गंगाधर तिलक का जीवन परिचय देंगे।
- सभी छात्रों को शिक्षक आई0सी0टी0 के प्रयोग से महापुरुषों के चित्र दिखाएंगे। चित्र दिखाते समय शिक्षक छात्रों को महापुरुषों की विशिष्टताओं की ओर ध्यान दिलाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों से उनके मनपसंद महापुरुष के विषय में 2 से 5 वाक्य लिखवाना व उनका चित्र बनवाना।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–43 पर दिए गए शब्दों को स्त्रीलिंग में बदलिए।

गृहकार्य– सभी छात्र घर से गाँधी जी का चित्र बनाकर उनके बारे में लिखकर लाएँगे।

पाठ– 11, बाल गंगाधर तिलक (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आए अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और उनके अर्थ बताते हुए वाक्य प्रयोग करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 की पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, बाल गंगधार तिलक का चित्र आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। शिक्षक छात्रों से पाठ के नाम पर चर्चा करते हुए बाल गंगधार तिलक के बारे में बात करेंगे।

(i) बाल गंगाधर तिलक कौन थे ?

(ii) इनका जन्म कहाँ और कब हुआ ?

(iii) बाल गंगाधर तिलक की शिक्षा दीक्षा कहाँ हुई ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बाल गंगाधर तिलक पाठ का आदर्श वाचन करेंगे। कुछ छात्रों को स्वतंत्र पठन का अवसर देंगे।
- सभी छात्र बाल गंगाधर तिलक पाठ से उनके जीवन के विषय में पाँच मुख्य घटनाएँ लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- बोध प्रश्न उत्तर लिखिए–

(i) बाल गंगाधर ने शिक्षक द्वारा पूछें गए प्रश्नों को कैसे हल किया ?

(ii) तिलक के नाम के साथ 'लोकमान्य' शब्द कैसे जुड़ा ?

(iii) लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने क्या नारा दिया ?

- पाठ में लोकमान्य तिलक की किन–किन विशेषताओं का वर्णन किया गया है।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–44 प्रश्न संख्या–3 शब्दों में 'ता' लगाकर शब्द बनाइए को हल करने में सहयोग करेंगे।

गृहकार्य– सभी छात्र बाल गंगाधर तिलक की जीवनी को अपने शब्दों में लिखकर लाएँगे।

पाठ– 11, बाल गंगाधर तिलक (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- महापुरुषों के नाम व उपनाम के विषय में समझ बनाना।
- पाठ में आये संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और विशेषण के अर्थ के साथ–साथ वाक्य प्रयोग करने के कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, महापुरुषों के नामों व उपनामों की सूची, महापुरुषों के चित्र।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- उसके बाद शिक्षक छात्रों को पाठ में आये संज्ञा व सर्वनाम, आदि शब्दों पर बात करेंगे।
- हमारे देश के किन–किन महापुरुषों को आप जानते हैं, उनके उपनाम बताओ ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक विभिन्न महापुरुषों के चित्र दिखाकर उनके नाम व उपनाम की जानकारी छात्रों से साझा करेंगे। स्वतंत्र वाचन के बाद शिक्षक छात्रों से पाठ के मुख्य घटनाक्रम पर चर्चा करेंगे। (पृष्ठ संख्या–62 अनुच्छेद 1)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- सभी छात्रों से देश के महापुरुषों के नाम व उपनाम उनकी उत्तरपुस्तिका पर लिखवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– छात्रों के द्वारा किए गए कार्यों का अवलोकन करेंगे वह आवश्यकतानुसार छात्रों का सहयोग करेंगे।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–63 से 'भाषा के रंग' (क) छात्रों से घर से करके लाने के लिए कहेंगे

खीर

बरसात का दिन था। रीना घर में खेल रही थी। खेलते–खेलते उसे भूख लगी। उसने पापा से कहा – मुझे भूख लगी है। आज मेरा खीर खाने का मन है। लेकिन मम्मी तो नानी के घर गई हैं। पापा रीना के क़रीब आए। उसकी आँखों में आँखें डालकर बोले – कोई बात नहीं, तुम्हारे पापा तो यहीं हैं न। रीना ने हैरानी से पूछा– आप और खीर!

पापा ने जवाब दिया– मैं नहीं, हम दोनों मिलकर खीर बनाएँगे।

रीना बोली– पर मुझे तो बनानी नहीं आती। पापा मुस्कराते हुए बोले– तो आज आ जाएगी। दोनों रसोई में गए। रीना ने चावल और चीनी निकाली। पापा ने खीर चढ़ाई। रीना ने खीर में बादाम, किशमिश और काजू मिलाए। दोनों ने खीर बनाई फिर जमकर खीर खाई।

रीना बोली – वाह पापा! मज़ा आ गया। काश! मम्मी भी यहीं होतीं तो और मज़ा आता!

Writer : Shabana Parveen

Illustrator : Subham Lakhera

पाठ– 11, बाल गंगाधर तिलक (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- बाल गंगाधर तिलक पाठ के मुख्य बिंदुओं पर जानकारी देना।
- तिलक जी के कार्यों से समाज पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, बाल गंगाधर तिलक का चित्र, श्यामपट्ट, चॉक, मुखौटा आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक द्वारा छात्रों को बाल गंगाधर तिलक के जीवन की मुख्य घटनाक्रम एवं विशेषता को बताया जाएगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को स्वतंत्र पठन का अवसर देंगे।
- शिक्षक बाल गंगाधर तिलक के अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं जैसे– विधवा विवाह, महिला शिक्षा, विषयों पर छात्रों को विस्तार पूर्वक जानकारी देंगे।
- छोटे समूह में छात्र तिलक जी के जीवन की विशेषताओं को लिखेंगे।
- छात्र अपने–अपने समूह में एक दूसरे की कॉपी के कार्यों की जाँच करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- तिलक जी के जीवन पर आधारित चर्चा के मुख्य बिंदुओं का सारांश छात्रों से बताने को कहेंगे और घर से कॉपी में लिख कर लाने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–43 से प्रश्न संख्या–2 करने को कहेंगे।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–63–64 के 'भाषा के रंग' ग, घ, च छात्रों से घर से करके लाने को कहेंगे।

पाठ– 11, बाल गंगाधर तिलक (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों को पाठ से संबंधित प्रश्नोत्तरी में लिखित और मौखिक अभ्यास कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। निम्नलिखित प्रश्नों के आधार पर पूर्व दिवस में किए गए शिक्षण कार्य का दोहराव करेंगे।

(i) कुशाग्र बुद्धि का बालक कौन था ?

(ii) शिक्षा को स्वतंत्रता का आधार कौन मानता था ?

(iii) तिलक जी ने जेल में कौन–कौन सी पुस्तकों की रचना की ?

(iv) महाराष्ट्र के रत्नागिरि नामक स्थान पर किसका जन्म हुआ था ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- सर्वप्रथम स्वयं छात्रों के समक्ष विभिन्न प्रकार के बाल गंगाधर तिलक पाठ से प्रश्नों का निर्माण करके दिखाएँगे।
- शिक्षक छात्रों को चार समूह में बाँटकर अलग–अलग अनुच्छेद देकर प्रत्येक समूह में 4–4 प्रश्नों का निर्माण करने को कहेंगे।
- शिक्षक इस प्रक्रिया में प्रत्येक समूह का अवलोकन कर उचित सहयोग करेंगे प्रत्येक समूह से छात्र प्रश्नों को प्रस्तुत करेंगे।
- शिक्षक उचित सुधारात्मक सहयोग व प्रोत्साहन देंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–65 प्रश्न संख्या–06

(क) मैंने सीखा– ....

(ख) मैं करूँगा/करूँगी..

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक आज के किए गए कार्यों का आकलन व कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–44 से प्रश्न संख्या–(3) करने को कहेंगे।

गृहकार्य– छात्र घर से लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक पाठ में से संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया व विशेषण के पाँच–पाँच शब्दों को ढूँढ़कर सूची बनाकर लाने को कहेंगे।

क्र0 सं0	संज्ञा	सर्वनाम	क्रिया	विशेषण
1				
2				
3				
4				
5				

पाठ– 11, बाल गंगाधर तिलक (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- पुस्तकालय के माध्यम से तिलक जी के जीवन से जुड़े और अधिक प्रसंगों की जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, पुस्तकालय की पुस्तकें, श्यामपट्ट, चॉक, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों के साथ मिलकर सबसे पहले पुस्तकालय से बाल गंगाधर तिलक के जीवन से जुड़े प्रसंगों की पुस्तकों को खोजकर एकत्र करेंगे।
- निम्नलिखित प्रश्नों को पूछकर पूर्व दिवस की जानकारी का दोहराव करेंगे।

(i) तिलक जी के पिता क्या करते थे ?

(ii) तिलक जी का स्वतंत्रता संग्राम में क्या योगदान रहा ?

(iii) तिलक जी ने समाज से जुड़ी कौन–कौन सी कुरीतियों को दूर करने का कार्य किया ?

(iv) तिलक जी ने कौन–कौन से समाचार पत्र निकाले ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्र पुस्तकालय से विभिन्न महापुरुषों के जीवन से जुड़ी पुस्तकों को खोज कर लाएँगे।
- शिक्षक सभी छात्रों को छोटे समूह में बाँट देंगे। सभी छात्र अपनी लाई गई पुस्तकों से महापुरुषों के विषय में जानकारी एकत्र करेंगे। शिक्षक सभी समूहों का एक–एक कर प्रस्तुतीकरण करेंगे।
- शिक्षक उपरोक्त बिंदुओं को श्यापट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक व छात्र मिलकर इन बिंदुओं को एक चार्ट पर लिखेंगे और कक्षा में चस्पा करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–44 से प्रश्न संख्या–3 को हल करने के लिए कहेंगे व यथास्थान छात्रों का सहयोग करेंगे।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक के प्रश्न संख्या–3 'क' को घर से करके लाने के लिए कहेंगे। कहेंगे।

पाठ– 11, बाल गंगाधर तिलक (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। शिक्षक बाल गंगाधर तिलक पाठ के मुख्य बिंदुओं पर चर्चा करते हुए पूरे पाठ का दोहराव करेंगे।

(i) बाल गंगाधर तिलक के बचपन का क्या नाम था ?

(ii) बाल गंगाधर तिलक के नाम में 'लोकमान्य' शब्द कब जुड़ा ?

(iii) बाल गंगाधर तिलक ने कौन सा नारा दिया ?

(iv) तिलक जी ने कौन–कौन सी पुस्तकें लिखी ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–64–65 से 'आपकी कलम' से प्रश्न संख्या–3 'ख' को पुस्तक में पूर्ण कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–44 से प्रश्न संख्या–3 को हल करने के लिए कहेंगे व यथास्थान छात्रों का सहयोग करेंगे।

- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–44–45 से प्रश्न संख्या–4 और 5 को हल कराएँगे।
- पूरे पाठ का आकलन प्रपत्र बनाकर शिक्षक छात्रों का आकलन करेंगे।

निर्देश–
(कितना सीखा, अपने आप–2 (श्रवण कुमार)
अलग–अलग पाठों पर आधारित प्रश्नों को तीन दिन में अभ्यास पुस्तिका में हल कराना।

पाठ– 12, भक्ति–नीति–माधुरी कबीर (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H410, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- हिन्दी में पद्य के रुप–दोहा से परिचित कराना।
- चार्ट और फ्लैश कार्ड के माध्यम से कबीर का जीवन परिचय देना।
- उचित आरोह–अवरोह गति के साथ दोहों का पठन अभ्यास, उन पर चर्चा।

आवश्यक सामग्री– फ्लैश कार्ड, चार्ट, कबीरदास का चित्र।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों से इस पर चर्चा करेंगे कि कविता के अनेक रूप हैं उनमें दोहा भी कविता का एक प्रकार है। इस पर बातचीत करेंगे। चार्ट या फ्लैश कार्ड की सहायता से कुछ अन्य दोहों की पंक्तियाँ रोचक ढ़ंग से सुनाते हुए उनके कवियों का नाम बताएँगे। यदि छात्रों को कुछ दोहे याद हैं, तो उनसे सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पुस्तक या चार्ट पर बने कबीरदास का चित्र दिखाते हुए उनके जीवन परिचय से अवगत कराएँगे।
- शिक्षक पाठ में दिए गए कबीर के शुरु के दो दोहों को उचित आरोह–अवरोह के साथ पढ़ेंगे। एक, दो छात्रों से भी पढ़वाएँगे, उनके अर्थ पर बातचीत करेंगे।
- दोहे में आए खास शब्दों जैसे– हिरदै, आप, वृच्छ, भखै, संचै आदि का काठिन्य निवारण करते हुए श्यामपट्ट पर लिखेंगे तथा छात्रों से कॉपी पर लिखने को कहेंगे शब्दों का अर्थ स्पष्ट करते हुए– पूछेंगे कि इन्हें छात्रों के घर की भाषा में क्या–क्या कहा जाता है ?

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक आज के कालांश में पढ़ायी गई विषयवस्तु के आधार पर अवलोकन के उपरांत छात्रों की समझ के आधार पर दोहराव करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– छात्रों से लय–ताल, हाव–भाव के आधार पर दोहा सुनेंगे। छात्रों से दोहों का भाव अपने शब्दों में लिखवाएँगे।

गृहकार्य– दोहों को याद करके आने को कहेंगे।

पाठ– 12, भक्ति–नीति–माधुरी कबीर (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H410, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- कबीर के दोहों का छात्रों द्वारा वाचन व शिक्षक द्वारा भावार्थ बताना।
- विलोम शब्दों व तद्भव/तत्सम् शब्दों से परिचय कराना।

आवश्यक सामग्री– फ्लैश कार्ड, चार्ट, कबीरदास का चित्र, श्यामपट्ट/चॉक, मार्कर

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पिछले दिन में पढ़ाए गए दोहों को छात्रों से जोड़ी में आरोह–अवरोह के साथ सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कबीर के तीसरे दोहे का भावार्थ बताते हुए कठिन शब्दों (जैसे काल, आप) का अर्थ बताएँगे।

नोट– (कबीर) का कार्यपुस्तिका पर कार्य करेंगे। (चित्र की पहचान, विलोम शब्द, पंक्तियों को पूरा करें)

- कार्यपुस्तिका के अतिरिक्त अन्य विलोम व तद्भव/तत्सम् शब्दों पर चर्चा करेंगे।
- 'कबीर' से सम्बन्धित अभ्यास प्रश्न मौखिक–लिखित रूप से हल कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पूर्व में पढ़ाए गए विषय वस्तु पर दोहराव करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कक्षा को 2 समूह मे बाँटकर तद्भव–तत्सम् शब्द का जोड़ी बनाओ गतिविधि के माध्यम से आकलन करेंगे। आकलन के बाद दोहराव करेंगे। कक्षा में दो ग्रुप बनाएँगे प्रत्येक समूह को क्रमशः तद्भव एवं तत्सम् के फ्लैश कार्ड देंगे। तत्पश्चात 1 के छात्रों को समूह 2 के छात्रों के साथ (तत्सम् को तद्भव के साथ) जोड़ी बनाने के लिए निर्देश देंगे। (शिक्षक मार्गदर्शन के रूप में)

- छात्रों को बताएँगे कि कबीर के दोहों की भाषा भोजपुरी है यह बनारस क्षेत्र और आसपास के इलाकों में बोली जाती है।

गृहकार्य– तद्भव शब्दों के सामने तत्सम् शब्द और उनके लिए प्रयुक्त स्थानीय भाषा के शब्द लिखिए–

तद्भव	तत्सम्	अन्य स्थानीय भाषा
साँच	....	
हिरदै	....	
परमारथ	....	
वृच्छ	....	

पाठ– 12, भक्ति–नीति–माधुरी कबीर (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H410, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- दीक्षा ऐप द्वारा रहीम का जीवन परिचय प्रस्तुत करना।
- कविता के एक प्रकार के रूप में छात्रों को दोहों से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– चार्ट, रहीम की फोटो, आई0सी0टी0 आदि का प्रयोग।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पिछले दिवसों में पढ़ाए गए दोहों की विषयवस्तु (दोहों में की गई जीवनोपयोगी बातों) पर चर्चा करते हुए रहीम का परिचय देंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक से QR कोड को स्कैन करके छात्रों को 'दीक्षा' ऐप पर रहीम के बारे में वीडियो दिखाएँगे।
- शिक्षक हाव–भाव से तीनों दोहों का सामूहिक वाचन ऐसे कराएँ कि उनका आंशिक अर्थ स्पष्ट हो सके।
- छात्र आरोह–अवरोह के साथ दोहे का स्वतंत्र पठन करेंगे।
- शिक्षक रहीम के पहले दोहे के भाव पर और उसके खास शब्दों मुहावरों पर चर्चा करें। जैसे– बिगऱी बात (बात का बिगड़ना) फाटे दूध कौ मथे न माखन होय (फटे दूध को मथने से मक्खन नहीं निकलता)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पूर्व में पढ़ाए गए विषयवस्तु का दोहराव।
- छात्रों से कक्षा में इस दोहों पर हुई बातचीत को स्वतंत्र रूप से उत्तरपुस्तिका पर लिखवाएँ।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- छात्रों से दोहे की ब्रजभाषा में शब्दों के अपने घर की भाषा में पर्यायवाची बताने को कहें, जैसे– बिगरी बात, कोय, होय।

गृहकार्य– अभिभावकों के सहयोग से दो दोहे याद करके आना है।

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H410, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- रहीम के दोहों का छात्रों द्वारा वाचन।
- रहीम के शेष दो दोहों पर कक्षा में चर्चा और छात्रों द्वारा उनका भाव स्पष्ट करना।

आवश्यक सामग्री– कुछ फ्लैश कार्ड, चार्ट, रहीम का चित्र, पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कुछ छात्रों से रहीम के दोहे मौखिक रूप से सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा रहीम के दोहों का हाव–भाव से पुनः वाचन किया जाएगा। एक/दो धीमा पढ़ने वाले छात्रों से एक–एक दोहे का वाचन कराएँगे।
- बाद के दो दोहों के अर्थ पर चर्चा करेंगे। छात्रों को बताएँगे कि इन दोहों में प्रयुक्त भाषा 'ब्रजभाषा' है। यह मथुरा–आगरा और उनके आस पास के इलाकों में बोली जाती है।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कार्यपुस्तिका 'फुलवारी' के पृष्ठ संख्या–50 पर दिए 'अभ्यास' द्वारा आकलन करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

गृहकार्य– छात्रों से दो या तीन 'बड़े बोल' अपने मन से लिख लाने को कहेंगे।

गाओ और घुमाओ

इस खेल के लिए एक रुमाल, दुपट्टा या चॉक कोई भी ऐसी चीज़ लीजिए जो बच्चे एक–दूसरे को दे सकें। बच्चे घेरे में रहें। आप उनकी तरफ पीठ करके ताली बजाना शुरू कीजिए। ताली के साथ ही बच्चे भी रुमाल को एक हाथ से दूसरे बच्चे के हाथ में देते जाएँगे। आप जैसे ही ताली बजाना रोक देंगे, जिस बच्चे के हाथ में रुमाल होगा, उसे कोई गीत, कविता या चुटकुला सुनाना होगा।

पाठ– 12, भक्ति–नीति–माधुरी कबीर (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H410, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- सूरदास के जीवन का परिचय कराना।
- उचित आरोह–अवरोह के साथ पद्य का पठन।

आवश्यक सामग्री– चार्ट, सूरदास का चित्र

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पिछले दिन में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पूर्व मे पढ़े रहीम के दोहों की कुछ बातें याद दिलाते हुए छात्रों को कहानी शैली में सूरदास का संक्षिप्त परिचय देंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक सरल हाव–भाव और आरोह–अवरोह के साथ सूर के पद का आदर्श वाचन करेंगे।
- कुछ छात्रों से पाठ का पठन/वाचन कराएँगे। पढ़ने में उनकी मदद करेंगे। 'पद' की खास शैली और इसके ब्रजभाषा में होने के कारण अन्य भाषा, भाषी क्षेत्रों के छात्रों को इसके उच्चारण में मदद करने की जरूरत पड़ सकती है।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों से किन्हीं दो शब्दों जैसे– गुहत (गूँथना) अजहूँ (अब तक) पर एक या दो वाक्य बनवाएँ।
- **आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य**–
- ब्रजभाषा के इन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखकर शिक्षक छात्रों से उनके संदर्भ पर चर्चा करें। पूछें कि इन्हें उनके घर–परिवेश की भाषा में क्या कहते हैं– कितनी बार गुहत, अजहूँ, बेनी, ओछत, भुईं, प्राप्त उत्तरों को शिक्षक श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

गृहकार्य– शिक्षक पद की कोई दो पंक्तियाँ याद कर के आने को कहेंगे

पाठ– 12, भक्ति–नीति–माधुरी कबीर (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H410, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ का भावार्थ बताना व पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– कार्यपुस्तिका एवं पाठ्य पुस्तिका।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य को कुछ छात्रों से सुनेंगे।
- एक बार पूरा पद पढ़ेंगे। छात्र पद की पंक्तियों पर ध्यान जमाते हुए उँगुली फिराते चलेंगे। तथा छात्रों द्वारा स्वसंकलित दोहे को सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक चर्चा के साथ दोहे का भावार्थ स्पष्ट करेंगे।
- पाठ में आए कुछ कठिन शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे। उन पर बात करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- भावार्थ को प्रसंग संदर्भ सहित व्याख्या कॉपी पर लिखने को कहेंगे
- पाठ्य आधारित प्रश्न/उत्तर पर कार्य करवाएँगे।
- पाठ्यपुस्तक के अभ्यास 5 में आपकी कलम से कॉपी पर लिखने को कहेंगे
- **आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य**–
- कार्यपुस्तिका के शेष कार्य छात्रों से करने को कहेंगे उसे आधार बनाकर आकलन करेंगे।

गृहकार्य– कबीरदास, रहीम, सूरदास जी के विषय में मुख्य जानकारी संकलित कर उत्तरपुस्तिका में लिखें तथा कक्षा में प्रस्तुतीकरण करें।

पाठ– 12, भक्ति–नीति–माधुरी कबीर (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H410, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर चर्चा करेंगे और सुझाव देंगे।
- सम्पूर्ण पाठ पर चर्चा करते हुए रहीम, सूरदास और कबीर के दोहे एवं पद पर चर्चा कर समझ विकसित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे।
- इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक एवं कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं।
- संबंधित विषयवस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर छात्रों से हल कराएँ।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- आकलन– कुछ छोटे–छोटे प्रश्नों से शिक्षक छात्रों का आकलन करेंगे।
- दिए गए शब्दों को अर्थ से मिलान कीजिए–

शब्द	**अर्थ**
भखै	बार–बार
जोटी	जहर
विष	खाता है
पचि–पचि	जोड़ी

- अभ्यास आकलन में जिन छात्रों की समझ नहीं बन पाएगी उन्हें समझाना।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक छात्रों का पाठ्यपुस्तक फुलवारी के पाठ–12 के पेज संख्या–72 के पोस्टर को कॉपी में बनाने को कहेंगे।
- दिए गए प्रश्नों को छात्रों द्वारा स्वयं उत्तर खोजने को कहेंगे।

पाठ– 13, हौसला (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H403

शिक्षण उद्देश्य–

- विभिन्न खिलाड़ियों के वीडियो दिखा कर चर्चा करना और पाठ का आदर्श वाचन करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, वीडियो, खिलाड़ियों के चित्र, फ्लैश कार्ड्स।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों को सामान्य खिलाड़ियों व दिव्यांग खिलाड़ियों के प्रदर्शन से जुड़े वीडियो दिखाकर बंद व खुले छोर के प्रश्न पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा पाठ का आदर्श वाचन किया जाएगा।
- छात्रों को पाठ का सारांश बताएँगे।
- छात्रों को दो समूहों में बाँटते हुए एक गतिविधि कराई जाएगी गतिविधि–1 जिसमे– कुछ खिलाड़ियों के नाम के कार्ड्स छात्रों को दिए जाएँगे।
- शिक्षक द्वारा श्यामपट्ट पर खेलों के नाम लिखे जाने पर संबधित छात्र श्यामपट्ट के पास आकर खिलाड़ी का नाम खेल के सामने लिखेगा।

क्र0 सं0	खिलाड़ियों का नाम	खेल
1	विराट कोहली	क्रिक्रेट
2	सुहास एलवाइ	बैडमिन्टन
3	नीरज चोपड़ा	भाला फेक
4	अरुणीमा सिंह	पर्वता रोही
5	मिलखा सिंह	दौड़
6	मेजर ध्यान चन्द्र	हॉकी

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों से सामान्य चर्चा करते हुए पाठ के सबसे रोचक हिस्से पर चर्चा की जाएगी।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–53 पर दिए गए अभ्यास कार्य को करवाएँगे। दिए गए प्रश्न पर मौखिक रूप से चर्चा करते हुए उनके उत्तर कार्यपुस्तिका में लिखेंगे।

गृहकार्य– कुछ खेल व उनके खिलाड़ियों का चार्ट तैयार करके लाएँगे।

पाठ– 13, हौसला (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H403, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- यातायात के नियमों पर चित्र–चार्ट के माध्यम से चर्चा, यातायात के चिह्नों की जानकारी देना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, यातायात के चिह्नों वाला चित्र चार्ट, चॉक, डस्टर, पेन, चार्ट, फेवीकोल, रंगीन स्केच आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन पढ़े गए हिस्सों से बोध प्रश्न पूछेंगे (02 से 03 मिनट)।
- छात्रों को यातायात चिह्नों, संकेतों वाले चार्ट को दिखाते हुए उनसे जानकारी प्राप्त की जाएगी।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- यातायात के नियमों की जानकारी देते हुए छात्रों से यातायात के प्रमुख नियमों की सूची बनवाएँगे। शिक्षक द्वारा श्यामपट्ट पर इनका लेखन कार्य करेंगे।
- एक चार्ट पर सभी छात्रों द्वारा लिखित नियमों की पट्टिका को चिपकाएँगे।
- जिसको शिक्षक यातायात के नियमों के प्रति जागरूक करेंगे।
- कुछ छात्रों द्वारा इन नियमों को पुनः पढ़ते हुए 'सुरक्षित जीवन जीने का प्रण' लिया जाएगा।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–54 पर दिए गए प्रश्न संख्या–8 व 9 पर कार्य कराते हुए आकलन करेंगे।

गृहकार्य– छात्रों से यातायात सुरक्षा से संबंधित पोस्टर बनाकर लाने को कहा जाएगा।

यातायात के 10 नियम

- हमेशा सीट बेल्ट पहने
- गाड़ी चलाते समय सड़क पर रखे ध्यान
- गति सीमा को पार न करें
- ट्रैफिक सिग्नल का पालन करें
- शराब पी कर वाहन न चलाएँ

पाठ– 13, हौसला (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H403, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी का आदर्शवाचन एवं छात्रों द्वारा स्वतंत्र पठन करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चित्र, कहानी पोस्टर, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- चित्र कहानी पोस्टर (घायल कुत्ते की कहानी) के माध्यम से कहानी बनवाकर चर्चा की जाएगी।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों के समक्ष पाठ को उचित हाव–भाव व उतार चढ़ाव के साथ पढ़ेंगे व पाठ्यवस्तु पर समझ बनाएँगें।
- छात्रों को दो समूह में बाँट कर कहानी पढ़ने को कहेंगे। प्रश्न निर्माण कराएँगे।
- दोनों समूहो के छात्र एक दूसरे से प्रश्न पूछेंगे (शिक्षक सुगमकर्ता की भूमिका निभाएँगे)।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- नवीन व अपरिचित शब्दों का विशेष रूप से चिह्नांकन, श्यामपट्ट पर लेखन व उन्हीं शब्दों का श्रुत लेखन कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पढ़ाए गए पाठ से संबंधित अभ्यास कार्य संख्या–2 व 4 कराएँगे।

गृहकार्य– अपने माता–पिता/भाई–बहन (किन्हीं दो व्यक्तियों) का हुलिया लिखकर लाना। (शक्ल सूरत का विवरण)

अपनी कॉपी में मुख्य सड़क सुरक्षा नियम के चित्र बनाकर लाएँगे।

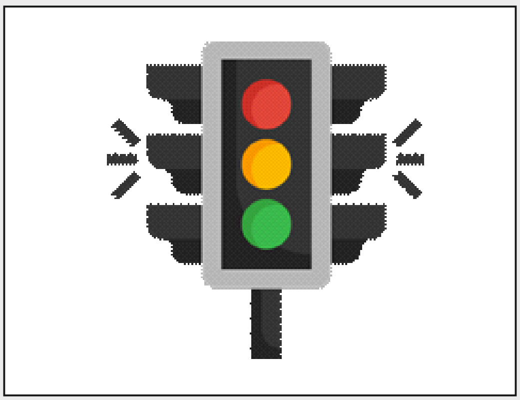

पाठ– 13, हौसला (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H408, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- चित्रात्मक मुहावरों पर चर्चा करना उन पर चित्र निर्माण द्वारा भाषा की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– मुहावरों से संबंधित चित्र (पाठ्यपुस्तक में दिए गए) क्रियॉन्स, सफेद कागज।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य पर संक्षिप्त चर्चा करते हुए कहानी का कुछ छात्रों से सारांश सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ में आये कुछ मुहावरों को श्यामपट्ट पर लिखकर उन्हें पाठ की पक्तियों में ढूँढ़ने को कहेंगे– आँखों का तारा होना, होड़ लगना, नाम रोशन करना, खुशी का ठिकाना न रहना, जी जान से लगना, सपना साकार करना।
- शिक्षक छात्रों का समूह बनाकर अलग–अलग समूह को 2–2 मुहावरे देकर संबंधित मुहावरों वाला अनुच्छेद पुनः पढ़ने को कहेंगे छात्रों से मुहावरों के अर्थ स्पष्ट करेंगे।
- शिक्षक इस दौरान सहयोगी की भूमिका में रहेंगे और मुहावरों के कारण कहानी की भाषा पर पड़ने वाले प्रभाव को स्पष्ट करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ में आए मुहावरों के चित्र बनवाएँगे।
- शिक्षक कम बोलने वाले छात्रों को अवसर देंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–76 के प्रश्न संख्या–4 भाषा के रंग 'क' एवं 'ख' का कार्य सहयोगात्मक रूप से पूर्ण कराएँगे।

गृहकार्य– अब करने की बारी– यातायात सुरक्षा संबंधी पोस्टर बनवाना। पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–78 के प्रश्न संख्या–7 पाठ के आधार पर दो सवाल बनवाइए को घर से करके लाएँगे।

पाठ– 13, हौसला (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H403, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी में आए नए शब्दों पर कार्य, वाक्य निर्माण अनुच्छेद निर्माण के कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– नए शब्दों के फ्लैश कार्ड (बुलंदी, दाखिला, प्रतिमा, हताशा, प्रतिद्वंद्वी प्रतियोगिता, हौसला, लक्ष्य, अंतराल) आई0सी0टी0 का प्रयोग।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक द्वारा अरूणिमा सिन्हा के जीवन से संबंधित वीडियो दिखाकर उनके जीवन के संघर्षों, सफलताओं पर चर्चा करेंगे।
- दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन की कठिनाइयों पर ध्यान आकर्षित करेंगे।
- कुछ बंद व खुले छोर के प्रश्न पूछेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों द्वारा पाठ को प्रवाहपूर्ण ढंग से पढ़ने को कहेंगे।
- पूरी कक्षा को दो समूह में बाँटकर बराबर संख्या–में शब्दों के फ्लैश कार्ड देकर उन शब्दों को ढूँढ़ने को कहेंगे।
- उन शब्दों के अर्थ (वाक्य के माध्यम से) स्पष्ट करने को कहेंगे।
- दोनो समूह को इन वाक्यों से अनुच्छेद या कहानी लिखने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षण के अंत में शिक्षक छात्रों के दो समूह बनाकर प्रत्येक समूह को सभी शब्दों का प्रयोग करके अनुच्छेद या कहानी लिखने को कहेंगे
- शिक्षक छात्रों का यथासंभव सहयोग करेंगे।
- शिक्षक छात्रों द्वारा लिखी गई कहानी/अनुच्छेद पर अपनी प्रतिक्रिया देंगे।
- छात्र कार्यपुस्तिका के प्रश्न संख्या–1 का कार्य करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– छात्र कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–51 प्रश्न संख्या–1 का कार्य करेंगे।

गृहकार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–52 के प्रश्न संख्या–4 को घर से करके लाएँगे।

पाठ– 13, हौसला (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H403, H408, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- 2–3 छात्रों द्वारा पाठ का प्रवाहपूर्ण स्वतंत्र पठन किया जाएगा।
- शिक्षक छात्रों से चर्चा के उपरांत पाठ संबंधी कुछ बिन्दु श्यामपट्ट पर लिखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक 4–5 वाक्यों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे व काल के बदलाव पर हुए वाक्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक छात्रों से पुस्तक में वर्तमान काल, भूतकाल व भविष्य काल के वाक्यों को ढूँढ़ने को कहेंगे
- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–77–78 के प्रश्न संख्या–5 को कॉपी में प्रश्न के उत्तर लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक सहयोगी की भूमिका में रहेंगे।
- शिक्षक पाठ के विभिन्न पात्रों व घटनाओं पर छात्रों से चर्चा करेंगें और बोध प्रश्नों के उत्तर पर समझ बनाते हुए कॉपी में उत्तर लिखवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक सभी छात्रों के कार्य में सहयोग करते हुए छात्रों के लिखित कार्य में सुधार (यदि आवश्यकता हो तो) करवाएँगे
- दोहराव कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका में दिए गए प्रश्न सख्या 6 के शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे व छात्रों से उन शब्दों के सही रूप पाठ से ढूँढ़ने को कहेंगे और उन्हें कार्यपुस्तिका में लिखवाएँगे। (साथ–साथ में शिक्षक कार्य की जाँच करेंगे)।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक में दिए गए यातायात से संबंधित संकेतो में से किन्हीं 4 के चित्र घर से बनाकर लाएँगे।

पाठ– 13, हौसला (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H403, H408, H416

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, आवश्यकतानुसार पूर्व में प्रयुक्त आवश्यक सामग्री।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक तत्कालीन खेले जा रहे खेल, समाचारों, विशिष्ट व्यक्तियों की उपलब्धियों को इस प्रकार साझा करेंगे कि छात्रों को यह संदेश मिले कि संघर्षों में तपकर व निरंतर प्रयासों से सफलता अवश्य मिलती हैं।
- शिक्षक द्वारा पूर्व दिवस में कराए गए बोध प्रश्नों का दोहराव करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- अवलोकन के आधार पर छात्रों द्वारा की जा रही सामान्य गलतियों पर पुनः इस प्रकार समेकन करना कि छात्रों को विषयवस्तु की स्पष्टता हो सकें।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के शेष अभ्यास प्रश्नों को हल करने में सहयोग करेंगे।

पाठ– 14, ओणम (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों को निबन्ध विधा से परिचित कराना।
- आई0सी0टी0 के माध्यम से होली के चित्र चार्ट द्वारा आंचलिक त्यौहारों पर चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– चित्र चार्ट, होली, आंचलिक त्यौहारों (छठ, तीज, हरेला, बैसाखी आदि) के यूट्यूब से संकलित वीडियो एवं त्यौहार के भोजन, वेशभूषा आदि के फ्लैश कार्ड।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों के परिवेश से संबंधित कोई कविता सुनेंगे। इसके बाद शिक्षक 'होली' के चित्र चार्ट का अवलोकन करने के लिए कहेंगे एवं चित्र में दिख रही गतिविधियों/वस्तुओं/घटनाओं के बारे में बंद एवं खुले छोर के प्रश्न पूछेंगे। जैसे–

(i) यह चित्र किस त्यौहार से संबंधित है ?

(ii) चित्र में क्या हो रहा है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को आई0सी0टी0 के माध्यम से आंचलिक त्यौहारों को ध्यान से देखने को कहेंगे।
- वीडियो को दिखाने के पश्चात् वीडियो से संबंधित खुले एवं बन्द छोर के प्रश्नों द्वारा चर्चा करेंगे।
- छात्रों से त्यौहारों से संबंधित चित्र स्वतंत्र रूप से बनाने के लिए कहेंगे

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्र, आंचलिक त्यौहारों, से संबंधित प्रमुख शब्द जैसे– पकवान, तैयारी, वस्त्र आदि से एक कहानी/अनुच्छेद का निर्माण करेंगे व लिखेंगे।
- शिक्षक अपने क्षेत्र में होने वाले त्यौहारों से संबंधित गतिविधि (समूह कार्य) कराएँगे।
- दोहराव कराएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक छात्रों के कार्यों का आकलन करेंगे एवं आवश्यकतानुसार उन्हें रिमीडियल कार्य करने को देंगे।
- कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–57 प्रश्न संख्या–5 शिक्षक के सहयोग से 'अपने पसंद के त्यौहार के बारे में लिखें'।

गृहकार्य– छात्र अपने अभिभावक की सहायता से छठ पर्व व हरियाली तीज पर्व से सम्बंधित पकवान, वेशभूषा आदि पर जानकारी एकत्र कर अपने शब्दों में लिखेंगे एवं चित्र बनाएँगे।

पाठ– 14, ओणम (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406

शिक्षण उद्देश्य–

- आदर्श वाचन करते हुए पाठ के चित्र द्वारा समझ बनाना और परिवेशीय त्यौहारों से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, फुलवारी, चार्ट पेपर, श्यामपट्ट।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। शिक्षक छात्रों से पूर्व दिवस में कराए गये कार्य के आधार पर तीज, छठ आदि आंचलिक त्यौहारों से संबंधित कोई गीत प्रसंग सुनेंगे।
- पाठ्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–79, व 80, को दिखाकर छात्रों से बंद एवं खुले छोर के प्रश्न पूछेंगे।

(i) चित्र में क्या दिखाई दे रहा है ?

(ii) सबसे अधिक नारियल वृक्ष किस राज्य में होते हैं ?

(iii) रंगोली किन–2 त्यौहारों पर बनाई जाती है ?

- शिक्षक मार्गदर्शक के रूप में समेकन कार्य करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कहानी को सार रूप में बताएँगे। शिक्षक उचित हाव–भाव के साथ पाठ के निम्नांकित अंश का काठिन्य निवारण करते हुए आदर्श वाचन करेंगे।

  भारत को .... रात्रि में दीप जलाती है।
- शिक्षक छात्रों को प्रत्येक पाठ्यांश का स्वतंत्र पठन करने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों के समूह बनाकर केरल की विशेषता एवं ओणम से जुड़ी पौराणिक कथा को चित्र एवं सारांश के माध्यम से चर्चा/परिचर्चा करेंगे।
- कुछ चित्रों को बनाएँगे (जैसे– रंगोली, प्रकृति चित्रण आदि)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- पठित पाठ्यांश के आधार पर खुले एवं बंद छोर के प्रश्न एवं बोध प्रश्न पर चर्चा करेंगे। छात्र स्थानीय भाषा में उत्तर लिखेंगे। (शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका में रहेंगे)

(i) भारत को त्यौहारों का देश क्यों कहा जाता हैं ?

(ii) ओणम कब मनाया जाता है ?

(iii) ओणम के साथ कौन सी पौराणिक घटना जुड़ी है ?

गृहकार्य– छात्र अभिभावक के सहयोग से विभिन्न पर्वों, त्यौहारों की जानकारी एकत्र करेंगे एवं उस पर अनुच्छेद लिखेंगे।

पाठ– 14, ओणम (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406

शिक्षण उद्देश्य–

- नवीन शब्दावली के प्रयोग से शब्द भण्डार में वृद्धि तथा कल्पनाशीलता एवं चिंतनशीलता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक नवीन शब्दों के फ्लैश कार्ड, चार्ट पेपर, चॉक, श्यामपट्ट, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन की चर्चा को दोहराते हुए विभिन्न पर्वों पर चर्चा करेंगे।
- छात्रों से पठित पाठ का सारांश स्थानीय भाषा में सुनेंगे।
- शिक्षक अवशेष पाठ्यांश का आदर्श वाचन काठिन्य निवारण करते हुए करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कक्षा को समूह में विभाजित कर छात्रों को पाठ के अवशेष अंश को चर्चा परिचर्चा द्वारा स्वतंत्र पठन करने के अवसर प्रदान करेंगे। (शिक्षक सहयोगकर्ता की भूमिका में रहेंगे)
  ओणम आनंद .... पूजन किया जाता हैं। (पृष्ठ 80)
  ओणम का पहला दिन .... बनाए जाते हैं। (पृष्ठ 81)
  ओणम के अवसर पर .... दे जाओ। (पृष्ठ 81)
  गाँव और नगरों .... कार्यो में लग जाते है। (पृष्ठ 81)
- स्वतंत्र पठन के उपरांत शिक्षक कठिन शब्दों का चर्चा के आधार पर काठिन्य निवारण करते हुए एक चार्ट बनाएँगे। (कार्यपुस्तिका पृष्ठ 56) (पाठ्यपुस्तक "फुलवारी" पृष्ठ 82)
- शिक्षक आई0सी0टी0 की सहायता से नवीन शब्दों को समझाएँगे।

(i) ओणम– केरल राज्य का प्रमुख त्यौहार (10 दिन तक मनाया)
(ii) तिरुओणम–ओणम त्यौहार का प्रथम दिवस।
(iii) पूक्कलम– ओणम त्यौहार पर फूलों से बनाए जाने वाली रंगोली।
(iv) पायसम– मलयालम् में खीर को पायसम् कहते हैं।
(v) उप्पेरी– मलयालम् में पकौड़ी को उप्पेरी कहते हैं।
(vi) कैकोट्टिकली– ओणम पर स्त्रियों/बालिकाओं का ताली बजाते हुए किये जाने वाला नृत्य।
(vii) द्रोंड पुष्प– औषधीय पुष्प जिसे आयुर्वेद में दाद– खाज– खुजली की दवा के लिए प्रयोग में लाया जाता है।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- जैसे ओणम त्यौहार मे रंगोली बनाई जाती है वैसे ही किन त्यौहारों पर रंगोली बनाई जाती है चर्चा करें। छात्र– जैसे ही, वैसे ही, जहाँ तक वहाँ तक, इसीलिए क्योंकि के आधार पर वाक्य का निर्माण करेंगे।
- **आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–** शिक्षक छात्रों के कार्य का अवलोकन करेंगे एवं आवश्यकतानुसार उन्हें सहयोग करेंगे।

गृहकार्य– छात्र घर से अपनी उत्तरपुस्तिका में रंगोली का चित्र बनाकर उसमें रंग भरकर लाएँगे।

पाठ– 14, ओणम (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ पढ़कर ओणम के विषय में सूचना संकलन, प्राप्त सूचनाओं को सूचीबद्ध कर लेखन कराना।

आवश्यक सामग्री– आई0सी0टी0 पाठ्यपुस्तक, दीक्षा ऐप, चार्ट पेपर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिवस के कार्य को दोहराते हुए शिक्षक कुछ छात्रों से ओणम त्यौहार पर बनाए जाने वाले पकवान के बारे में सुनेंगे।
- ओणम की विशेषताओं को छात्रों से जानेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक दीक्षा ऐप पर पाठ– 14 ओणम की वीडियो छात्रों को दिखाएँगे।
- वीडियो दिखाने के पश्चात् छात्रों की समझ को स्थायी बनाने हेतु खुले एवं बंद छोर के प्रश्न पूछंगे। (ओणम पाठ की वेशभूषा, नृत्य, पकवान आदि से सम्बन्धित)
- क्यों, कब, कैसे शब्दों का प्रयोग कर छात्रों से प्रश्नवाचक वाक्य निर्माण कराएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- ओणम पाठ का सारांश छात्र अपने शब्दों में सुनाएँगे एवं 3–4 वाक्यों अथवा अनुच्छेद में लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– छात्रों द्वारा किये गए कार्य का आकलन करेंगे एवं आवश्यकतानुसार दोहराव करेंगे।

गृहकार्य– छात्र अपने बड़ों के सहयोग से गाँव/पड़ोस में मनाए जाने वाले त्यौहार के बारे में जानकारी एकत्र करेंगे एवं लिखेंगे। (पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–83 प्रश्न संख्या–5 आपकी कलम से)

(1) त्यौहार का नाम (2) मनाने का समय (3) मनाने का कारण (4) मनाने के तरीके (5) सावधानियाँ।

पाठ– 14, ओणम (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406

शिक्षण उद्देश्य–

- ओणम व अन्य त्यौहारों को मुखौटे तैयार कराते हुए स्थानीय कला एवं क्राफ्ट से समन्वय स्थापित करना।

आवश्यक सामग्री– चार्ट पेपर, रंग, डोरी, स्केच पेन, कैंची, फेवीकोल इत्यादि (क्राफ्ट से सम्बन्धित सामान)।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिवस की चर्चा को दोहराते हुए शिक्षक छात्रों से खुले एवं बंद छोर के प्रश्न पूछेंगे।

(i) ओणम किस राज्य में मनाया जाता है?

(ii) दीपावली कैसे मनाते है?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों के तीन समूह बनाएँगे। हर समूह से अलग–अलग प्रकार के मुखौटे बनाने को कहेंगे होली के रंग–विरंगे चेहरे के मुखौटे, ओणम कथकली के पात्र का मुखौटा। दशहरा के रावण, कुम्भकरण, मेघनाद का मुखौटा।
- छात्रों द्वारा बनाए मुखौटे में रंग करने को कहेंगे व उसकी कटिंग भी करवाएँगे। कटिंग के पश्चात् मुखौटे को पहनने के लिए उसमें डोरी लगाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कुछ छात्रों से बने हुए मुखौटे पहनकर अभिनय के माध्यम से हाव भाव के साथ 2–2 वाक्य बोलेंगे। (पात्रों की विशेषता के आधार पर) एवं लिखेंगे।
- शिक्षक की सहायता से अपने किसी मित्र को अपने यहाँ मनाए जाने वाले त्यौहारों के बारे में पत्र लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक छात्रों के कार्य का अवलोकन करेंगे एवं आवश्यकतानुसार उन्हें सहयोग करेंगे व लिखकर लाएँगे।

गृहकार्य– परिवार की सहायता से अभिवावक के सहयोग से दूसरे राज्य में मनाए जाने वाले त्यौहारों के विषय में जानकारी एकत्र करेंगे व लिखकर लाएँगे।

पाठ– 14, ओणम (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406

शिक्षण उद्देश्य–

- भारत के मानचित्र में विभिन्न प्रदेशों के स्थानीय त्यौहारों का प्रदर्शित कराना और पाठ के अभ्यास प्रश्नों को हल कराना।

आवश्यक सामग्री– भारत का नक्शा, पाठ्यपुस्तक "फुलवारी", स्थानीय त्यौहारों के चार्ट, चार्ट पेपर, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पिछले दिन की चर्चा दोहराते हुए शिक्षक अन्य राज्य व उनके त्यौहारों के विषय में प्रश्न पूछेंगे।

(i) उत्तर प्रदेश के प्रमुख त्यौहार कौन–कौन से हैं ?
(ii) पोंगल किस राज्य का त्यौहार है ?
(iii) पंजाब का मुख्य त्यौहार कौन सा है ?

- प्रत्येक त्यौहार पोंगल, बैसाखी, दीपावली की विशेषताओं के बारे में चर्चा– परिचर्चा द्वारा शिक्षक त्यौहार के महत्व से अवगत कराएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कक्षा में उपलब्ध सामग्री के स्थान आदि की चर्चा– परिचर्चा कर श्यामपट्ट पर नजरी–नक्शा बनाएँगे। छात्रों से उसी नक्शे को विस्तारित कर बनाने का निर्देश देंगे।
- भारत के नक्शे में अपने राज्य व उसके प्रमुख त्यौहारों पर समूह में चर्चा करेंगे एवं श्यामपट्ट/चार्ट पर बिन्दुवार लिखेंगे।

नोट– शिक्षक छात्रों से फसलों से जुड़े विभिन्न राज्यों के त्यौहारों के बारे में अवगत कराएँगे (उदाहरण– बिहू–असम, मकर संक्रांति–उत्तर प्रदेश, पोंगल–तमिलनाडु, बैसाखी–पंजाब,

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- प्रमुख त्यौहारों पर चर्चा करते हुए नक्शे में उत्तर प्रदेश एवं केरल राज्य को दर्शाते हुए प्रत्येक त्यौहार से संबंधित 2–2 वाक्य सुनाएँगे।
- ओणम त्यौहार के विषय में बच्चों से चर्चा के पश्चात् प्रश्न, वर्ग पहेली एवं रिक्त स्थान को हल कराएँगे। (फुलवारी पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–82, 83, 84)

बोध प्रश्न–

(i) पूक्कलम किसे कहते हैं ?
(ii) नौका दौड़ प्रितियोगिता कैसे होती है ?
(iii) तिरु ओणम क्यों महत्वपूर्ण है ?
(iv) वर्ग में त्यौहारों के नाम को ढूढ़ेंगे व लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– छात्रों के कार्य का अवलोकन करेंगे एवं उन्हें सहयोग प्रदान करेंगे।

गृहकार्य– अपने बड़ो की मदद से करेंगे–

(i) केरल की राजधानी ....
(ii) केरल का प्रसिद्ध नृत्य ....
(iii) केरल की भाषा ....
(iv) केरल का कोई और त्यौहार ....
(v) केरल का खानपान ....
(vi) केरल के प्रसिद्ध उद्योग धन्धे ....

- अपने यहाँ किसी त्यौहार में गाया जाने वाला कोई गीत लिखेंगे।

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, पाठ्यपुस्तक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पूर्व दिवस में कराए गए बोध प्रश्नों का दोहराव करते हुए छात्रों से प्रश्न के उत्तर सुनेंगे।
- अपने यहाँ के त्यौहारों के गीत कुछ छात्रों से सुनेंगे।
- केरल राज्य की राजधानी, प्रसिद्ध नृत्य, भाषा, खान–पान एवं प्रसिद्ध उद्योग धंधों के बारे में मौखिक चर्चा द्वारा छात्रों से जानकारी प्राप्त करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों से मौखिक रूप से फसल चक्र से जुड़े मुहावरों पर चर्चा करेंगे।
- छात्र स्वतन्त्र रूप से पृष्ठ संख्या–57 कार्यपुस्तिका पर कार्य करेंगे। शिक्षक सहयोगकर्ता की भूमिका में रहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– अवलोकन के आधार पर छात्रों का आवश्यकतानुसार सहयोग करेंगे।

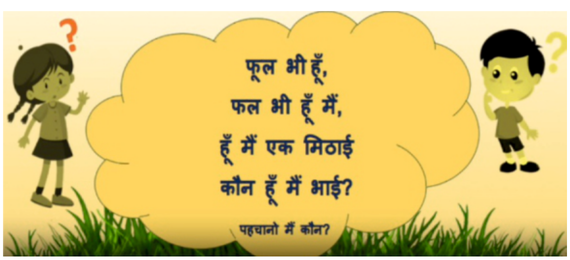

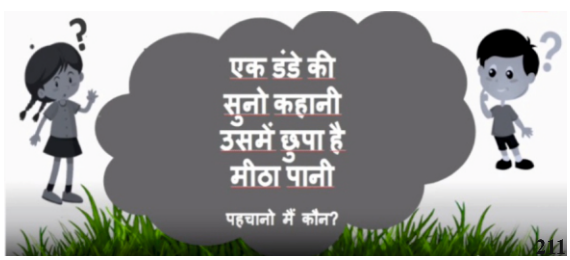

पाठ– 15, वीर अभिमन्यु (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों द्वारा अपने घर, परिवार द्वारा सुनाई गई या कंठस्थ कहानी को सुनाना।
- पाठ के सारांश से अवगत कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से उनके परिवेश में प्रचलित कहानियों पर मौखिक बात करेंगे। उनसे संबंधित पात्रों, चित्रों आदि पर चर्चा करेंगे। शिक्षक 2–3 छात्रों से उनकी सुनी हुई, पढ़ी हुई कहानी सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक सभी छात्रों से सुनी हुई कहानी पर चर्चा करेंगे। (सभी छात्रों का प्रतिभाग रहेगा) सभी छात्रों को अपने–अपने स्तर से तर्क–वितर्क करने हेतु प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक 2–3 छात्रों को कहानी सुनाने का अवसर देंगे।
- शिक्षक छात्रों के साथ वीर अभिमन्यु की वीर गाथा को सुनाएँगे और उनकी वीरता के बारे में बताकर उस पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

(i) अभिमन्यु कौन थे ?

(ii) अभिमन्यु के पिता का क्या नाम था ?

- सभी छात्र अपने–अपने परिवेश में प्रचलित कहानी को अपनी–अपनी कॉपी में लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–58 से प्रश्न संख्या–1 शब्द का अर्थ लिखेंगे

गृहकार्य– सभी छात्र घर से अपने अभिभावकों से कहानी सुनेंगे और अपनी कॉपी में लिखेंगे।

पाठ– 15, वीर अभिमन्यु (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी का आदर्श वाचन और छात्रों के छोटे–छोटे समूह में स्वतंत्र पठन कराना।
- **आवश्यक सामग्री**– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक छात्रों के साथ वीर अभिमन्यु पाठ में दिए गए चित्रों पर बात करेंगे।

(i) चित्र में क्या–क्या दिखाई दे रहा है ?

(ii) अभिमन्यु कौन थे ?

(iii) महाभारत का युद्ध किस–किस के बीच लड़ा गया ?

(iv) महाभारत का युद्ध कितने दिन चला ?

(v) द्रोणाचार्य कौन थे ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में वीर अभिमन्यु पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।
- अब शिक्षक छात्रों के साथ पाठ से संबंधित प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक छात्रों को पठन करने हेतु समूह बनाएँगे। सभी छात्र छोटे– छोटे समूह में स्वतंत्र पठन करेंगे।
- बड़े समूह में से तीन छात्रों को पाठ पढ़कर सुनाने को कहेंगे

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से पाठ में आए उनकी पसंद के पात्रों के बारे में लिखने को कहेंगे सभी छात्र अपनी–अपनी कॉपी में पात्रों के बारे में लिखेंगे। शिक्षक आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन व सहयोग करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–58 से प्रश्न संख्या–2 का कार्य करने को कहेंगे।

गृहकार्य– अभिभावक के सहयोग से छात्र अभिमन्यु का चित्र बनाकर उनके बारे में लिखेंगे।

पाठ– 15, वीर अभिमन्यु (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी के मुख्य घटनाक्रम को बताना और पाठ की मुख्य घटनाओं को क्रमिक रूप में समझ के साथ कॉपी में लिखवाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक फुलवारी कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पूर्व दिवस में किए गये कार्यों की चर्चा करते हुए आज की गतिविधियों पर बात करेंगे। शिक्षक द्वारा पाठ के मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी। चर्चा में सभी छात्र प्रतिभाग करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- सभी छात्रों से पूर्व दिवस में किए कार्यों को संक्षिप्त रूप में लिखने के लिए कहेंगे।
- शिक्षक द्वारा सभी छात्रों को पाठ के मुख्य बिन्दुओं को पढ़ कर अपनी राय देने को कहेंगे।
- छात्र पाठ को छोटे–छोटे समूह में पठन करेंगे। सभी समूह के छात्र पाठ के मुख्य बिन्दुओं को लिखित रूप में व्यक्त करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्र वीर अभिमन्यु पाठ का सारांश लिखेंगे।

पाठ्यपुस्तक से– किसने, किससे कहा ?

(i) " आप इस तरह सोच में क्यों डूबे हैं तातश्री ! युद्ध के क्या समाचार है ?"

(ii) "तुम नही जानते पुत्र कि चक्रव्यूह तोड़ना कितना कठिन है ?"

(iii) "अंतिम द्वार को तो मैं अपनी गदा से ही तोड़ दूँगा।"

(iv) "गुरुवर आपके होते यह कैसी अनीति है !"

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–58 से प्रश्न संख्या–2 कराएँगे।

गृहकार्य– सभी छात्र घर से युद्ध में प्रयोग होने वाले शस्त्रों के नाम बड़ों की सहायता से लिखकर लाएँगे।

पाठ– 15, वीर अभिमन्यु (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आए मुहावरों और समानार्थी शब्दों को खोजकर लिखवाना तथा समझ के साथ वाक्य प्रयोग करना।
- पाठ में आए विराम चिह्नों पर चर्चा के साथ समझ बनाना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक फुलवारी, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पूर्व दिवस में किए गए कार्य का छात्रों द्वारा प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- सभी छात्र छोटे समूह में साझा पठन का कार्य करेंगे। पठन करते समय पाठ में आए मुहावरे व समानार्थी शब्दों को चिह्नित करेंगे। चिह्नित मुहावरे एवं समानार्थी शब्दों को शिक्षक छात्रों से आपस में संवाद करने के लिए कहेंगे समानार्थी शब्दों के अर्थ कॉपी में लिखने को कहेंगे

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- नीचे लिखे मुहावरों का अपने वाक्यों में प्रयोग करवाएँगे–

(i) बाणों की बौछार करना

(ii) सिर नीचा होना

(iii) खलबली मचाना

(iv) खुशी का ठिकाना न रहना

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–58 से प्रश्न संख्या–3 करेंगे

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–89 से भाषा के रंग से (घ) घर से पढ़कर आयेंगे।

पाठ– 15, वीर अभिमन्यु (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित चर्चा के आधार पर प्रश्न बनाना और उनके उत्तर खोजना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, कॉपी आदि

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। शिक्षक पूर्व दिवस में किए गए कार्य की पुनरावृत्ति करते हुए पाठ में आए प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।

(i) महाभारत के युद्ध में क्या परिणाम रहे ?

(ii) महाभारत में युधिष्ठिर की तरफ से कौन– कौन योद्धाओं ने भाग लिया ?

(iii) महाभारत के युद्ध में भगवान श्रीकृष्ण किसकी तरफ थे और क्यों ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक सभी छात्रों को छोटे–छोटे समूह में विभाजित करेंगे। बच्चे छोटे समूह में प्रश्न निर्माण करेंगे वह उसके उत्तर भी स्वयं से खोज कर लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

पाठ्यपुस्तक में दिए गए बोध प्रश्न करेंगे–

(क) पांडवों और कौरवों का युद्ध किस नाम से प्रसिद्ध है ?

(ख) युधिष्ठिर क्यों चिंतित थे ?

(ग) अभिमन्यु ने गुरु द्रोणाचार्य को कैसे प्रणाम किया ?

(घ) चक्रव्यूह के भीतर अभिमन्यु के साथ दूसरे पांडव वीर क्यों न जा सके ?

(ङ) अभिमन्यु ने चक्रव्यूह भेदने की विधि कैसे सीखी ?

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका से पृष्ठ संख्या–59 से प्रश्न संख्या–5 करने को कहेंगे

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक से प्रश्न संख्या–3 ''सोच–विचार'' का कार्य परिवार की सहायता से लिखकर लाएँगे।

पाठ– 15, वीर अभिमन्यु (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- कहानी के संवादों को हाव–भाव एवं अभिनय के साथ बोलने में सक्षम बनाना।
- संवादों को अपनी क्षेत्रीय भाषा में बोलने के लिए प्रेरित करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, राजाओं के मुखौटे आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पूर्व दिवस में किए गए कार्य की पुनरावृत्ति करते हुए शिक्षक द्वारा पाठ में आए संवादों को हाव–भाव से छात्रों को सुनाया जाएगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक के द्वारा एक समूह बनेगा जो अभिनय करेगा।
- शिक्षक सभी छात्रों को वीर अभिमन्यु पाठ के संवादों को बोलने की तैयारी कराएँगे। जिसमें कौन छात्र किसका अभिनय करेंगे ? क्या संवाद बोलेंगे ? आदि की तैयारी करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- सभी पात्र अपनी कक्षा के छात्रों के सामने मुखौटे लगाकर अभिनय करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कहानी के आधार पर दो सवाल बनाइए।

- ....
- ....

गृहकार्य– पाठ में आए कठिन शब्द का अर्थ खोजकर अपनी–अपनी कॉपी में लिखकर लाएँ।

पाठ– 15, वीर अभिमन्यु (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H406, H408

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, कॉपी आदि

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पूर्व दिवस में किए गए कार्य की पुनरावृत्ति करते हुए शिक्षण कार्य करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- कार्यपुस्तिका में किये गये कार्यों का अवलोकन करेंगे एवं छात्रों की आवश्यकतानुसार सहायता करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका के शेष कार्य को पूर्ण कराएँगे।

पेट से झगड़ा

एक बार की बात है। शरीर के अलग–अलग अंग बातें कर रहे थे। पैर बोला– मैं दिन भर चलता हूँ। चलते–चलते थक जाता हूँ। हाथ बोला– मेरे बिना तो कोई काम हो ही नहीं सकता। दिमाग़ बोला– जब तक मैं नहीं सोचूँगा, तब तक तुम सब कुछ कर ही नहीं सकते। सभी ने पेट को डाँटा– तुम अकेले ही कुछ नहीं करते हो सिर्फ़ खाते हो। पेट को बुरा लगा। उसने भोजन पचाना बंद कर दिया। धीरे–धीरे शरीर के सभी अंग कमज़ोर होने लगे। अब सबको अपनी भूल का अहसास हो गया। सबने मिलकर पेट से माफ़ी माँगी।

पाठ–16, छात्रों का पूछताछ केन्द्र (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H406

शिक्षण उद्देश्य–

- गद्य विधा के हास्य कथा से परिचय कराते हुए दिये गये चित्र पर चर्चा करना।
- शिक्षक द्वारा आदर्श वाचन और छात्रों से कहानी का स्वतंत्र पठन कराना।

आवश्यक सामग्री– कहानी से सम्बन्धित चित्र, चार्ट, फ्लैश कार्ड, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों से कोई ऐसी घटना सुनाने के लिए कहेंगे जिसमें वह किसी ऐसे स्थान पर गये हों जहाँ के विषय में उनको पूरी जानकारी न हो जैसे– अस्पताल, पार्क, कॉलेज आदि। छात्रों से पूछेंगे कि ऐसे स्थान पर पहुँचकर आपने जानकारी किससे प्राप्त की तथा जानकारी प्राप्त करने के लिए क्या–क्या प्रश्न पूछें।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को पाठ्यपुस्तक में बना चित्र दिखाकर कुछ सरल प्रश्न पूछेंगे। जैसे–

(i) दुकान के ऊपर क्या लिखा हैं ?

(ii) दुकान के अन्दर बैठी बालिका क्या कर रही है ?

(iii) छात्र बाहर लाइन लगा कर क्यो खड़े हैं ? आदि। (शिक्षक अपने प्रश्न स्वयं बना सकते हैं।)

- कुछ मिनट का समय बच्चों को आपस में चित्र पर चर्चा के लिए देंगे इस चर्चा के लिए कक्षा में अलग–अलग समूह बनाएँ जा सकते हैं। शिक्षक सभी समूहों की चर्चा में सक्रिय भूमिका निभाएँगे।
- छात्रों की आपसी चर्चा में निकल कर आए निष्कर्ष सुनने के पश्चात् शिक्षक कहानी पढ़कर छात्रों को सुनाएँगे तथा छात्र अपनी पुस्तक पर ध्यान केन्द्रित करेंगे।
- चार–चार छात्रों के समूह बनाकर साझा पठन करने को कहेंगे। समूह में छात्रों की संख्या–शिक्षक अपनी कक्षा की छात्र संख्या–के अनुसार रखेंगे। प्रत्येक समूह के एक–एक छात्र से कहानी अपने शब्दों में सुनाने को कहेंगे अन्य छात्र कहानी सुनकर उसमें उन प्रकरणों को जाड़ेंगे जो कहानी में छूट गए हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- **आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य**– शिक्षक कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–62 के प्रश्न संख्या–4 में पाठ से सम्बन्धित रिक्त स्थानों की पूर्ति करवाएँगे।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक से देखकर पूछताछ केन्द्र का चित्र बनाएँ।

पाठ–16, छात्रों का पूछताछ केन्द्र (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H406

शिक्षण उद्देश्य–

- अपरिचित शब्दों के अर्थों को समझाना तथा कहानी के पैराग्राफ में दी गई जानकारी खोजना और उन्हें चार्ट पर लिखना।

आवश्यक सामग्री– कहानी के कठिन शब्दों तथा उनके अर्थों के फ्लैश कार्ड तथा चार्ट इत्यादि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- सभी छात्रों से पाठ में आए कठिन शब्दों को कहानी से खोजकर रेखांकित करने को कहेंगे। (सूची शिक्षक पूर्व में ही तैयार कर लें।)

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्र रेखांकित शब्द वाला पूरा वाक्य पढ़कर उसके अर्थ को खोजने का प्रयास करेंगे शिक्षक इस कार्य में उनका सहयोग करेंगे।
- अर्थ स्पष्ट हो जाने पर शिक्षक श्यामपट्ट पर उन शब्दों तथा उनके अर्थ को लिखते जाएँगे।
- शिक्षक कुछ छात्रों को कठिन शब्द कार्ड तथा कुछ अन्य को उनके अर्थ तथा वाक्य प्रयोग लिखे फ्लैश कार्ड देकर उनका मिलान करवाएँगे। (शिक्षक इस प्रकार की अन्य गतिविधि का निर्माण स्वयं कर सकते हैं।)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्र संख्या–के अनुसार कक्षा को चार या पाँच समूहों में बाँटकर कहानी के अलग–अलग पैराग्राफ देकर उस पैराग्राफ में दी गई जानकारी पर 4 से 5 वाक्य लिखने के लिए देंगे। तत्पश्चात उस जानकारी को चार्ट पर लिखवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– छात्रों को दो समूहों में बाँट देंगे। एक समूह कहानी से सम्बन्धित कोई शब्द श्यामपट्ट पर लिखेगा। दूसरा समूह उस पर कोई सार्थक वाक्य बनायेगा। इसी प्रकार कार्य बदल कर दोनों समूहों को सक्रिय रखने के साथ आकलन भी किया जाएगा।

गृहकार्य– अपने माता–पिता से पूछ कर आवश्यक हेल्पलाइन नम्बर अपनी कॉपी पर लिख कर लाएँगे।
जैसे–

- फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन–
- मेडिकल हेल्पलाइन–
- पुलिस हेल्पलाइन–
- चाइल्ड हेल्पलाइन–
- एम्बुलेंस हेल्पलाइन–

पाठ–16, छात्रों का पूछताछ केन्द्र (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H406

शिक्षण उद्‌देश्य–

- समूह में प्रश्न बनाना और एक दूसरे से पूछना।

आवश्यक सामग्री– कहानी आधारित चित्र चार्ट, कहानी पर आधारित प्रश्नों के कार्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- सर्वप्रथम कक्षा में पिछले दिन दिये गये गृहकार्य पर चर्चा करते हुए कहानी की पुनरावृत्ति करेंगे। तत्पश्चात कहानी आधारित कुछ प्रश्न छात्रों से पूछेंगे। छात्रों को भी कहानी से सम्बन्धित प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कक्षा में प्रश्न बनाने के तरीको पर चर्चा करेंगें तथा प्रश्नवाचक शब्द जैसे– कब, कहाँ, कैसे, कौन, क्यों आदि से छात्रों को अवगत करवाएँगे।
- कक्षा को दो समूहों में बाँटकर प्रत्येक समूह को कहानी आधारित 10 प्रश्न बनाने को कहेंगे।
- प्रश्न निर्माण करवाने के पश्चात् पहले एक समूह प्रश्न पूछेगा तथा दूसरा समूह उनके उत्तर देगा।
- इसी प्रकार बाद में दूसरा समूह प्रश्न पूछेगा तथा पहला समूह उत्तर देगा।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक में दिये गये बोध प्रश्नों को पहले मौखिक तत्पश्चात लिखित कार्य करवाया जाएगा।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका में पाठ से सम्बन्धित प्रश्नोंत्तर करवाते हुए आकलन किया जाएगा।

गृहकार्य– आपको अपने आसपास के किसी व्यक्ति जैसे– डॉक्टर, शिक्षक, किसान, सैनिक आदि का साक्षात्कार लेना हैं। (उसके कार्य के सम्बन्ध में जानकारी) इसके लिए 5 से 7 प्रश्न घर से करके लाएँगे।

पाठ–16, छात्रों का पूछताछ केन्द्र (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H406

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से सम्बन्धित अन्य शब्दों को लिखना, उनका वर्गीकरण करना तथा मनपसंद शब्दों से कहानी बनाना।

आवश्यक सामग्री– दीक्षा ऐप, पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, आई0सी0टी0 का प्रयोग।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- सर्वप्रथम छात्रों को कहानी का आडियो या वीडियो जो उपलब्ध हो सुनाएँगे/दिखाएंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों से कहानी में उन वाक्यों को रेखाकिंत करने को कहेंगे जो उनको पसंद हो।
- रेखांकित वाक्यों में से कुछ शब्द जो उनको पसंद हो अपनी कॉपी में लिखने को कहेंगे।
- लिखे गये शब्दों की सहायता से छात्र एक नई कहानी बनाएँगे। शिक्षक सुगमकर्ता की भूमिका में रहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों के शब्द भण्डार में वृद्धि करने के लिए उनको शब्दों की अंत्याक्षरी श्यामपट्ट पर लिखते हुए अथवा मौखिक करवायी जाएगी। (पाठ्यपुस्तिका के पृष्ठ सख्या–96 प्रश्न संख्या–4 भाषा के रंग के अनुसार।)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– सभी छात्रों से दो–दो प्रश्न लिखवाए जाएँगे जो वह छात्रों के पूछताछ केन्द्र पर पूछना चाहते हैं। कार्यपुस्तिका में सम्बन्धित पाठ के विलोम शब्द भरवाये जाएँगे।

गृहकार्य– घर के किसी सदस्य के साथ बाजार जाइए तथा उनके और दुकानदार के बीच की बातचीत को अपनी कॉपी पर लिखिए।

पाठ–16, छात्रों का पूछताछ केन्द्र (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H406

शिक्षण उद्देश्य–

- अपने समूह के साथ लोगों का साक्षात्कार (रसोइया, किसान, राजमिस्त्री और फेरीवाला) लेना।

आवश्यक सामग्री– मेज, कुर्सी, माइक, खिलौने वाली फल सब्जियाँ, नकली नोट, डॉक्टर सेट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- गृहकार्य पर चर्चा करते हुए उनको उस पर अभिनय करने के लिए प्रेरित करेंगे।
- कुछ छात्रों को चीची तथा अन्य छात्रों के रोल में अभिनय का अभ्यास करवाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- कक्षा में पूछताछ केन्द्र बनाकर छात्रों के लिए माहौल तैयार करेंगे। (इसकी तैयारी शिक्षक पूर्व में ही कर लें।)
- छात्रों को अलग–अलग भूमिका देकर अपने संवाद तैयार करने को कहेंगे
- छात्रों को अपनी भूमिका पर अभिनय करने का अवसर देंगे। (यदि कक्षा में अधिक छात्र हैं तो दो समूह बना दिये जाएँगे तथा अलग–अलग समूहों में अभिनय करवाया जाएगा।
- अन्य छात्र अपने बनाये हुए प्रश्न भी चीची बनी साथी से पूछ सकते हैं।)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों को विद्यालय की किट से डाक्टर सेट, रसोई सेट आदि देकर उनकी भूमिका में रखकर स्वयं शिक्षक उनका साक्षात्कार करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– पाठ्यपुस्तिका के अभ्यास कार्य को बातचीत के माध्यम से प्रश्नोत्तर करवाते हुए छात्रों का आकलन किया जाएगा। कार्यपुस्तिका में पाठ से सम्बन्धित अभ्यास (वाक्य से विशेषण खोजें) का कार्य कराएँगे।

गृहकार्य– बनाये गये प्रश्नों के आधार पर अपने पड़ोस में रहने वाले किसी कृषक, कारीगर, डॉक्टर, इंजीनियर, सैनिक अथवा अन्य किसी व्यक्ति विशेष का साक्षात्कार करेंगे तथा उसके उत्तर अपनी कॉपी पर लिखेंगे।

पाठ–16, छात्रों का पूछताछ केन्द्र (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H406

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पिछले दिन के गृहकार्य का प्रस्तुतीकरण कक्षा में करवाया जाएगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों को प्रश्नवाचक वाक्य और साधारण वाक्य में अन्तर समझाया जाएगा।
- छात्रों को प्रश्न वाचक शब्द क्या, क्यों, कब, कैसे, कहाँ आदि शब्दों के प्रयोग के तरीके समझाए जाएँगे।
- जब छात्र प्रश्नवाचक शब्दों को समझ लेंगे तब उनको कहानी से सम्बन्धित कुछ सरल सामान्य वाक्य लिखवाए जाएँगे।
- उनमें कब, क्यों, कहाँ, कैसे, क्या आदि प्रश्नवाचक शब्द जोड़कर प्रश्न बनाने को कहेंगे
- जब छात्र इस कार्य को कर लेंगे तब उनको पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–96 पर दिया गया प्रश्न (9) को अपनी कॉपी पर करने को कहेंगे तथा आवश्यकतानुसार उनकी सहायता भी करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों को उपसर्ग के विषय में बताते हुए पृष्ठ संख्या–96 के प्रश्न संख्या–4 (ख) करवाएँगे। इसके लिए छात्रों को केवल सहायता की जाएगी उपसर्ग लगा कर शब्द छात्र स्वयं बनाएँगे तथा अपनी कॉपी पर लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– किसी शब्द का विपरीत अर्थ देने वाले शब्द को विलोम शब्द कहते हैं। यथा–दिन का रात।

- इसी प्रकार निम्नलिखित शब्दों के विलोम (विपरीत अर्थ देने वाले) शब्द लिखिए–
  छोटी, महिला, सवाल, स्वतंत्रता, गलत।

गृहकार्य– अपनी पाठ्यपुस्तक से पाँच ऐसे वाक्य छाँटकर लिखिए जिनमें विशेषण शब्द का प्रयोग हुआ है। तथा विशेषण शब्द को रेखांकित कीजिए।

पाठ–16, छात्रों का पूछताछ केन्द्र (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H406

शिक्षण उद्देश्य–

- 'पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा 4 फुलवारी की कार्यपुस्तिका, पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- 'शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पिछले दिन दिये गये गृहकार्य पर चर्चा करते हुए कक्षा शिक्षण प्रारम्भ किया जाएगा। छात्रों से विलोम शब्द तथा विशेषण शब्द के विषय में अलग–अलग बातचीत करते हुए उनको पूर्वज्ञान से जोड़ेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- 'शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं। पाठ में से कुछ अन्य शब्द छाँटकर उनके विलोम शब्द लिखवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका के शेष अभ्यास कार्य पूर्ण करवाएँगे।

निर्देश–

(कितना सीखा, अपने आप–3 (सत्यवादी हरिश्चन्द्र)

- **पाठ 12 से 16 तक की विषयवस्तु एवं अभ्यास प्रश्नों पर कार्य।**
- **दी गई कहानियों को सुनना–सुनाना, उन पर चर्चा सारांश लिखना तथा उन्हें अपनी भाषा में सुनाना।**

पाठ–17, टेसू राजा (1/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- पद्य विधा से परिचित कराते हुए त्यौहारों के विषय में जानकारी देना।
- फसल उगाने की प्रकिया से परिचित कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, टेसू राजा का चित्र, समस्त त्यौहारों का चार्ट आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- छात्रों से पूर्वपठित कोई कविता सुनेंगे छात्रों द्वारा सुनाई गई कविता पर चर्चा करते हुए निम्नांकित बिन्दुओं पर बातचीत/प्रश्न करेंगे।

(i) त्यौहार मनाने के लिए कौन–कौन सी तैयारी करते हैं ?

(ii) त्यौहारों पर कौन–कौन से पकवान बनाये जाते हैं ?

(iii) किसी एक त्यौहार विशेष में बनाये जाने वाले पकवानों के नाम बताएँगे ?

(iv) होली त्यौहार पर हम कैसे कपड़े पहनते हैं ? और क्यों ?

- इसी प्रकार शिक्षक अन्य त्यौैहारों के लिए भी छात्रों से बातचीत करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से रबी, खरिफ, जायद की फसल पर चर्चा करेंगे।
- मटर की फसल उगाने की प्रक्रिया पर चर्चा करेंगे। जैसे– (शिक्षक इसी प्रकार के और भी प्रश्न बना सकते हैं।

(i) मटर की खेती करने के लिए क्या–क्या करेंगे ?

(ii) मटर से क्या–क्या बनता है ? आदि।

- चर्चा करने के पश्चात् सभी छात्र लिखेंगे। लिखने के बाद स्वयं पढ़कर सही करने के लिए कहेंगे।
- 4–5 छात्रों को पढ़ने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- आलू की टिक्की बनाने की प्रक्रिया पर चर्चा कर छोटे–छोटे वाक्य लिखने के लिए कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका टेसू राजा के पृष्ठ संख्या–64 के प्रश्न संख्या–2 को हल करने लिए कहेंगे।

गृहकार्य– शिक्षक छात्रों को घर के सदस्यों से बातचीत करके कि कौन–कौन से त्यौहार होते हैं। उनकी सूची बनाकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–17, टेसू राजा (2/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- आदर्श वाचन के माध्यम से पाठ की समझ बनाना और कवि का जीवन परिचय देना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कवि रामधारी सिंह दिनकर का चित्र चार्ट, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- गत दिवस में किये गए कार्य के अनुसार शिक्षक 3 से 4 छात्रों द्वारा पूर्वपठित कविता सुनेंगे। छात्रों से टेसू राजा कविता शीर्षक पर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक द्वारा टेसू राजा कविता का वाचन।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक कविता टेसू राजा नामक कविता के रचयिता के, चित्र के माध्यम से परिचय चर्चा करते हुए, उनके जन्मस्थान के बारे में बताते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं के बारे में बताएँगे।
- शिक्षक हाव–भाव के साथ कविता का वाचन करेंगे।
- कविता पर आधारित प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।
- छात्रों को छोटे–छोटे समूह में बाँटकर आदर्श वाचन का अभ्यास करवाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कुछ छात्रों से कविता को स्वतंत्र पठन करवाएँगे।
- छात्र शिक्षक के सहयोग से दिए गए शब्दों के आधार पर कहानी बनाएँगे– टेसू राजा, खेत, चूल्हा, फूल, पानी, नमक।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– टेसू राजा पाठ की कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–64 के प्रश्न संख्या–1 को हल करवाएँगे एवं कविता में आये तुकान्त शब्द ढूँढ़ कर अपनी कॉपी में लिखवाएँगे–

गृहकार्य– उड़द की खेती करने के लिए क्या–क्या प्रक्रिया अपनाते है। घर के सदस्यों से बातचीत करके लिखकर लाने के लिए कहेंगे

पाठ–17, टेसू राजा (3/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- चित्रों के माध्यम से कविता की समझ बनाना और पद्य के भावार्थ को समझाना तथा पद्य का साझा पठन करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, टेसू राजा व परिवेश पर आधारित चित्र, पुस्तकालय आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। शिक्षक बड़े समूह में कविता के चित्र को दिखाकर बातचीत करेंगे कि इस चित्र में क्या होगा ? किसके बारे में बात की गई है ? छात्र, अनुमान के आधार पर अपने–अपने उत्तर देंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक बड़े समूह में छात्र को हाव–भाव के साथ कविता को सुनाएँगे। सभी छात्र ध्यान पूर्वक सुनेंगे।
- शिक्षक कविता का वाचन करते हुए कविता के कठिन शब्दों पर बातचीत करते हुए भावार्थ बताएँगे।
- छात्रों से पद्य का भावार्थ सुनेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कुछ छात्रों से हाव–भाव के साथ कविता को पढ़कर सुनाने के लिए कहेंगे एवं उनका अपने शब्दों में भावार्थ लिखवाएँगे।
- लिखने के बाद पढ़कर स्वयं सही करने के लिए कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–64 के टेसू राजा नामक पद्य के प्रश्न संख्या–3 एवं 4 का कार्य करवाएँगे।

गृहकार्य– परिवार की मदद से सभी छात्र अपने–अपने मनपसंद किसी एक पकवान का नाम लिखकर उसको बनाने के तरीके की प्रक्रिया को लिखकर लाएँगे।

पाठ–17, टेसू राजा (4/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों से हाव–भाव के साथ–साथ स्वतंत्र पठन कराना और अभ्यास प्रश्नों को हल कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, पुस्तकालय आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्रों से मनपसंद पकवान के नाम एवं उसके बनाने के तरीको पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों से पद्य का हाव–भाव से वाचन करने के लिए कहेंगे पद्य का भावार्थ कुछ छात्रों से सुनेंगे।
- पाठ्यपुस्तक के अभ्यास प्रश्नों पर चर्चा करेंगे।
- छोटे–छोटे समूह में छात्र, चर्चा कर अभ्यास प्रश्नों को पूर्ण करेंगे एवं स्वयं पढ़कर सही करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

(i) घर में बनाये जाने वाले व्यंजनों को कौन बनाता है ?

(ii) आप इस कार्य में उनकी मदद कैसे कर सकते हैं ?

(iii) लिखने के लिए कहेंगे। आपके घर में खाना कौन बनाता है ?

(iv) आप खाना बनाने में उनकी मदद कैसे करते है ?

- शिक्षक बच्चों से कॉपी में लिखवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–65 के प्रश्न संख्या–5 का कार्य करवाएँगे।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–105 के प्रश्न संख्या–के (ख) इंटरव्यू को पूर्ण कर उनके जबाब को लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–17, टेसू राजा (5/5)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H401, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– फुलवारी पाठ्यपुस्तक, अभ्यास कार्यपुस्तिका, पुस्तकालय आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। पूर्व में पढ़ी एवं सुनी गई किसी कविता को छात्रों से सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- आकलन प्रपत्र का प्रयोग कर छात्रों का आकलन एवं शिक्षण कार्यपुस्तिका के शेष कार्यो को पूर्ण कराएँगे। छात्रों को हो रही कठिनाइयों का समाधान करने का प्रायस करेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका के शेष अभ्यास कार्य को पूर्ण करवाएँगे।

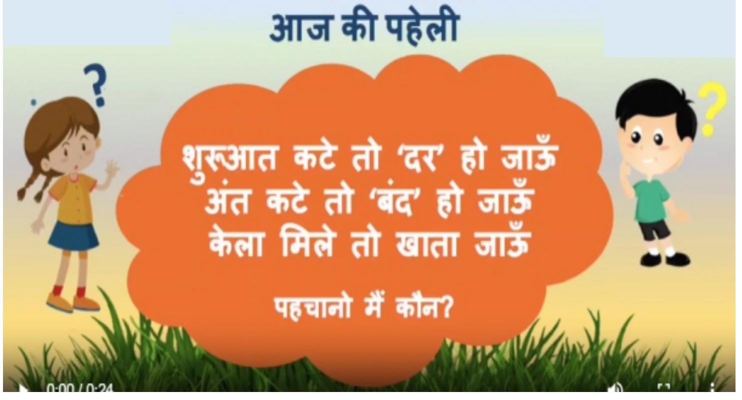

पाठ–18, मोहम्मद साहब (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H402, H408, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- गद्य की जीवनी विधा से परिचय कराते हुए विभिन्न धर्मों की विशेषताओं से परिचय कराना।
- विभिन्न धर्मों की संस्कृति, पूजा पद्धति एवं प्रार्थना का महत्त्व स्पष्ट करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, मार्कर, कलम आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कक्षा की शुरुआत भारत के विभिन्न क्षेत्र और उनके धर्म तथा पूजन कार्य को एक कहानी के रूप में प्रस्तुत करेंगे और छात्रों से उस कहानी पर आधारित चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ की शुरुआत करने से पहले पाठ के पात्र का परिचय छात्र को बताएँगे उनके द्वारा किये गए कार्य का सारांश बताएँगे।
- छात्रों को उनके क्षेत्रीय व स्थानीय पूजन व उनकी प्रार्थना के महत्त्व को बताते हुए शिक्षक उसके कुछ बिन्दुओं को श्यामपट्ट पर लिखेंगे।
- उसके बाद विभिन्न धर्मों के प्रार्थना के तरीकों को आई0सी0टी0 के माध्यम से दिखाएंगे। (सभी छात्र ध्यान पूर्वक वीडियो को देखेंगे व समझेंगे)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक कुछ छात्रों द्वारा विभिन्न धर्मों के प्रार्थना का अभिनय कराएँगे। अन्य छात्रों उसकी महत्ता और उपयोगिता अपने शब्दों में बताएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक को पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–109 के प्रश्न संख्या–2 के (क) का कार्य कक्षा कार्य के रूप में देंगे।

- नीचे लिखे शब्दों का शुद्ध उच्चारण कीजिए..........................
- कुछ शब्दों का वाक्य प्रयोग करने को कहेंगे। जिनमें छात्रों को बोलने में कठिनाई आ रही हो।

गृहकार्य– छात्र पाठ्यपुस्तक फुलवारी के पृष्ठ संख्या–109 के प्रश्न संख्या–2 के भाग (ग) के युग्म शब्द अपने अभिभावक की मदद से लिख कर लाएँगे।

पाठ–18, मोहम्मद साहब (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H402, H408, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ का आदर्श वाचन व काठिन्य निवारण तथा इस्लाम धर्म से परिचय।
- मोहम्मद साहब के जीवन के प्रेरक बातों से परिचय और पाठ का सारांश बताना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चार्ट, चॉक, मार्कर, रंगीन कलम आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ का सन्दर्भ लेते हुए तथा पिछले दिवस के कार्य की पुनरावृत्ति करते हुए "जीवनी" लेखन पर संक्षिप्त बातचीत करके पाठ की प्रस्तावना रखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक द्वारा पाठ का आदर्शवाचन किया जाएगा।
- शिक्षक द्वारा पाठ का आदर्शवाचन करने के उपरांत शिक्षक छात्रों को अपने मन से पाठ के किसी भी अंश का स्वतंत्र पठन करने के लिए कहेंगे
- छात्र अपने पढ़े गए अंश की विषय वस्तु अपने शब्दों में बताएँगे।
- शिक्षक पाठ में आए कठिन शब्दों के विभिन्न संदर्भो पर छात्रों से चर्चा करेंगे कि उक्त शब्द किन–किन परिस्तिथियों में बोले जाते हैं।
- अपरिचित शब्दों का अपने शब्दों व ज्ञान के अनुसार वाक्य प्रयोग करने के लिए शिक्षक छात्रों से कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को संख्या–के अनुसार समूह में विभाजित करके उन्हें चार्ट देकर पाठ चयनित शब्दों पर और उनके सन्दर्भों पर रोचक चर्चा करेंगे।
- सभी समूह के छात्र कुछ चयनित शब्दों पर सन्दर्भ/छोटा सा अनुच्छेद लिखने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– छात्रों द्वारा लिखें गए अनुच्छेद का प्रस्तुतीकरण कुछ छात्रों द्वारा कराएँगे।

गृहकार्य– गौतम बुद्ध, ईसा मसीह और गुरु नानक की जीवनी अपने बड़ों से सुनिए।

पाठ–18, मोहम्मद साहब (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H402, H408, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- पठित सामग्री से नए शब्दों का निर्माण, सरल वाक्यों का निर्माण व लेखन कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, मार्कर, कलम आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पूर्व कक्षा में पढ़ी गई मोहम्मद साहब की जीवनी को अपने शब्दों में सुनाएँगे।
- बीच–बीच में छात्रों से छोटे–छोटे प्रश्न पूछेंगे कि अब तक आपने जीवनी से क्या सीखा ?
- अगर आप मोहम्मद साहब की जगह होते तो क्या करते ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- बातचीत को और समृद्ध बनाने के लिए शिक्षक कक्षा को छोटे–छोटे समूह में विभाजित करके छात्रों को गद्यांश का स्वतन्त्र वाचन करने को कहेंगे।
- समूह द्वारा स्वतन्त्र वाचन करने के पश्चात् प्रत्येक समूह द्वारा समझ के साथ दो–दो प्रश्न निर्माण करने को कहेंगे
- प्रति समूह अन्य समूह से स्वनिर्माणित प्रश्न उत्तर देने का कार्य करेंगे।
- शिक्षक द्वारा पाठ्यांश में आये कठिन शब्दों को समझाते हुए उनका वाक्य प्रयोग व विलोम शब्द या समानार्थी शब्दों से अवगत कराएँगे तथा कॉपी में लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- लेखन कार्य के पश्चात् शिक्षक छात्रों को जोड़ियों में चर्चा करने को कहेंगे और अपने विचार को अन्य छात्रों से साझा करने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक छात्रों को कुछ शब्द देकर उनके विलोम शब्द बनाने को कहेंगे।

माता, शांति, दिन, धर्म, नवीन, खुला।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक के अभ्यास कार्य के प्रश्न "आपकी कलम से" का कार्य छात्र अपने अभिभावक की मदद से लिख कर लाएँगे।

पाठ–18, मोहम्मद साहब (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H402, H408, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों में पठन एवं लेखन कौशल के विकास के साथ सृजनात्मक, कलात्मक, एवं मानवीय मूल्यों का विकास करना।
- शब्दावली/वाक्य का दैनिक जीवन में प्रयोग करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, संधि–विच्छेद, मुहावरों से सम्बंधित TLM, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- गृहकार्य का आकलन व प्रस्तुतीकरण छात्रों के माध्यम कराएँगे।
- शिक्षक पाठ से सम्बंधित पाठ पर चर्चा करेंगे और पिछले दिवस की गतिविधि व अपरिचित शब्दों के सन्दर्भ पर बातचीत करेंगे।
- छात्रों का सहयोग लेते हुए उनसे उन्ही शब्दों का वाक्य प्रयोग बनवाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को जोड़ी में काम करने को कहेंगे सभी छात्रों को पाठ में आये मुहावरों को चयनित कर अपने कॉपी में लिखने को कहेंगे।
- शिक्षक सभी छात्रों के चयनित मुहावरों के अर्थ को समझाएँगे।
- मुहावरों के अर्थ को समझते हुए सभी छात्रों द्वारा उनका वाक्य प्रयोग कराएँगे।
- छात्रों को अन्य मुहावरों और विलोम शब्द पाठ्यांश से ढूँढ़ने को कहेंगे

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों द्वारा चयनित मुहावरें और विलोम शब्द की सूची तैयार करेंगे (छात्र द्वारा स्वयं चयनित किये गये)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– तैयार किये गए सूची को क्रमशः विलोम शब्द और संधि से परिचय कराते हुए कार्य करेंगे।

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–109, 110 अभ्यास कार्य से भाषा के रंग से खण्ड (ख और घ) संधि और विलोम शब्द का कार्य अपने अभिभावक की मदद से करके लाने को कहेंगे

पाठ–18, मोहम्मद साहब (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H402, H408, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- विभिन्न साहित्य को पढ़ने में रूचि जागृत कराना।
- जीवनी की प्रेरक बातों को परिवेश से जोड़ना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर, पुस्तकालय आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।

- बातचीत के माध्यम से पिछली कक्षा की पुनरावृत्ति करेंगे।
- शिक्षक एक बार पुनः पाठ के पात्रों का परिचय देते हुए पाठ का सारांश बताएँगे।
- शिक्षक अन्य महापुरुषों की जीवनी व उनके बारे में जानने हेतु विद्यालय, पुस्तकालय से अपनी रूचि अनुसार पुस्तकें लेने को कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पुस्तकालय की पुस्तकों को छात्रों से स्वतन्त्र रूप से वाचन करने को कहेंगे।
- कमज़ोर छात्रों को जोड़ी में पठन करने को कहेंगे।
- पठन के बाद सभी छात्रों को चार समूह में विभाजित करके उन्हें चार्ट देकर उन पर पठन किये गए पात्र के प्रेरक बातों को लिखने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्रों द्वारा (समूह कार्य) किये गये कार्य का प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।
- शेष छात्रों द्वारा प्रस्तुतीकरण के मुख्य बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका पाठ के पृष्ठ संख्या–66 से 18 के प्रश्न संख्या–1 के शब्दों को उनके अर्थ से मिलान का कार्य करने को कहेंगे।

गृहकार्य– शिक्षक गृहकार्य में "अब करने की बारी" पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–111 का कार्य करके लाने को कहेंगे।

पाठ–18, मोहम्मद साहब (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H402, H408, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य करना।
- पढ़ी गई सामग्री में निहित भावों, विचारों, तथ्यों को सुनकर समझना और सरल वाक्यों का निर्माण व लेखन कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ का वाचन, सार व भाव को समझाएँगे।
- छात्रों द्वारा एक बार पुनः पाठ का वाचन कराया जाएगा जिससे छात्र पाठ के भावों को ठीक से समझ सकें।
- शिक्षक पाठ्यपुस्तक में संकलित अभ्यास कार्य पर कार्य करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- जोड़ी में कार्य करने के लिए छात्रों को जोड़ी में बैठाएँगे। शिक्षक श्यामपट्ट पर बोध प्रश्न का कार्य छात्रों की सहभागिता से करेंगे।
- बोध प्रश्न के बाद क्रमशः 'भाषा के रंग' भाग का कार्य शिक्षक और छात्रों द्वारा किया जाएगा।

  (क) संधि (ख) युग्म शब्द (ग) विलोम शब्द

  (घ) मुहावरें (ड़) सुलेख

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक आवश्यकतानुसार छात्रों का मार्गदर्शन व सहयोग करेंगे।
- कक्षा को दो समूह में विभाजित करके सामान्य छात्रों के साथ आवश्यकता वाले छात्रों को समाहित करके प्रश्न "आपकी कलम से" का कार्य करने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–110 अभ्यास कार्य के" भाषा के रंग "की (ड) गतिविधि दो तीन, चार, पाँच अक्षरों से **चक्र** का कार्य कराएँगे।

गृहकार्य–

- "इस पाठ से मैंने क्या सीखा" ?
- अपनी कॉपी में अनुच्छेद लिखकर लाएँगे।

पाठ–18, मोहम्मद साहब (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H402, H408, H414

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ में आये अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक/मार्कर, पाठ्यपुस्तक

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक द्वारा दिए गये गृहकार्य तथा अभ्यास कार्य का आकलन व प्रस्तुतीकरण किया जाएगा।
- एक बार पुनः अभ्यास कार्य का दोहराव किया जाएगा।
- सभी छात्रों को मोहम्मद साहब पाठ का स्वयं वाचन करने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक द्वारा कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–66 के प्रश्न 1 और 2 को करने को कहेंगे। उसके बाद शिक्षक कार्यपुस्तिका आवश्यकतानुसार देखकर सुधार करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कार्यपुस्तिका के शेष अभ्यासकार्य को पूर्ण कराएँगे।

बारिश और मस्ती

आज आकाश में बादलों का डेरा है। बादलों को देखकर सभी बच्चे झुंड बनाकर आम के बगीचे में पहुँचे। बच्चे बस इसी ताक में हैं कि कब जोरों की हवा चले? कब पके हुए आम नीचे टपकें ? कब उनको खाया जाए ? तभी बारिश शुरू हो गई। पहली बूँद गिरते ही अतुल नाचा। दूसरी बूँद गिरी रीता के सिर पर। वह भी नाचने लगी और गाने लगी– बारिश आई। बारिश आई। धीरे–धीरे बारिश तेज़ हो गई। सारे बच्चे झूम–झूमकर नाच गा रहे थे। सभी बारिश में भीग रहे थे और उछल–कूद रहे थे।

आम के पेड़ से आम भी टपक रहे थे, लेकिन किसी का ध्यान

Writer : Ranjana   Illustrator : Habib Ali

पाठ–19, श्रुति की समझदारी (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H407

शिक्षण उद्देश्य–

- हमारे सहयोगी डॉक्टर, नर्स, पुलिस, चौकीदार आदि के कार्यों पर चर्चा एवं छात्रों में नैतिक मूल्यों का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा 1 की पाठ्यपुस्तक कलरव या डॉक्टर, नर्स, पुलिस, चौकीदार आदि का पाठ्यपुस्तक, चित्र कार्ड, श्यामपट्ट, चॉक, चार्ट पेपर, चित्र बनाने की सामग्री आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से कहानी विधा पर चर्चा करवाएँगे।
- शिक्षक छात्रों को नर्स, डॉक्टर, पुलिस, चौकीदार आदि के चित्र कार्ड वितरित कर छात्रों से उनकी पहचान करने को कहेंगे।
- छात्र चित्रों को पहचान कर अपने उत्तर देंगे। शिक्षक छात्रों से चित्र कार्ड में प्रदर्शित व्यक्ति की समाज में क्या भूमिका है इस पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को 4 समूह में विभाजित करेंगे। प्रत्येक समूह की चर्चा को अपने कुछ सरल प्रश्नों से प्रारंभ करवाएँगे। जैसे–

(i) नर्स क्या काम करती है ?

(ii) चित्र में पुलिस के हाथ में डंडा क्यों है ?,

(iii) कुली के हाथों में क्या है ? और क्यों है ?

- फिर इस चर्चा से निकलकर आए कार्यों को अपनी–अपनी कॉपी पर लिखने को कहेंगे तत्पश्चात उपरोक्त सहभागियों की हमारे जीवन में उपयोगिता के बारे में छात्रों के विचार जान कर उनको श्यामपट्ट पर सारणी बनाकर अंकित करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक प्रत्येक समूह के छात्रों को बुलाकर बारी–बारी अपनी–अपनी कॉपी पर लिखी बातें पढ़ कर सुनाने को कहेंगे तथा अन्य समूह से उन पर प्रश्न किए जाएँगे जिनका उत्तर कॉपी पढ़ने वाला समूह देगा व कहीं अटकने पर शिक्षक सहायता करेंगे। (ये क्रम सभी समूहों के साथ चलता रहेगा।)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक छात्रों से अब तक कराए गए शिक्षण कार्य के आधार पर दो–दो छात्रों का जोड़ा बनाकर वार्तालाप गतिविधि कराएँगे। (लिखित/मौखिक) जैसे–

- चोर–पुलिस सिपाही का वार्तालाप, घर के मालिक–चौकीदार का वार्तालाप, रोगी–डॉक्टर का वार्तालाप

गृहकार्य– कार्यपुस्तिका फुलवारी 4 के पृष्ठ संख्या–70 के प्रश्न संख्या–3 छात्रों को परिवार की सहायता से करके लाने को कहेंगे।

पाठ–19, श्रुति की समझदारी (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H403

शिक्षण उद्देश्य–

- छात्रों के साथ रचनात्मक कार्य (पपेट बनाना) और पपेट के माध्यम से परिवार के सदस्यों मानवीय संवेदनाओं पर बातचीत करना।

आवश्यक सामग्री– आइसक्रीम स्टिक, रंगीन चार्ट पेपर, कैची, गेंद, स्केच कलर, पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे। सर्वप्रथम पिछली कक्षा में छात्रों द्वारा हमारे सहयोगी डॉक्टर नर्स, पुलिस, चौकीदार के बारे में छात्रों ने अपनी बनी समझ के आधार पर उनके बारे में जो लिखा उसे कक्षा में पढ़ने को कहेंगे फिर उसी पर छात्रों के साथ चर्चा करते हुए डॉक्टर, नर्स, पुलिस, चौकीदार आदि के पपेट बनाने की गतिविधि रचनात्मक कार्य करेंगे और छात्रों से अपनी देखरेख व मार्गदर्शन में करवाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

संवाद कला के माध्यम से आपस में संवाद करेंगे व छात्र भी इसमें प्रतिभाग करेंगे। तत्पश्चात छात्रों को फिंगर पपेट स्टिक का पपेट निर्माण कैसे होता है इस पर छात्रों को प्रत्यक्ष रूप से पपेट निर्माण करवाएँगे और समूह वार आपस में ही संवाद करवाएँगे। (शिक्षक मार्गदर्शन के रूप में)

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- छात्र विभिन्न व्यक्तियों के पपेट से कहानी के पात्रों डॉक्टर, पुलिस, चौकीदार, नर्स, विद्यालय की टीचर आदि के कार्य करके दिखाएँगे। छात्रों से भी उसी प्रकार पपेट द्वारा डॉक्टर क्या करता है ? नर्स क्या काम करती है ? पुलिस क्या काम करता है ? चौकीदार क्या–क्या काम करता है ? यह अभिनय शिक्षक के मार्गदर्शन में छात्रों द्वारा कराया जाएगा।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– छात्रों से व्यक्ति तथा उनके कार्य सुमेलित करने का कार्य दिया जाएगा।

(क)	(ख)
डॉक्टर	फैक्ट्री में कर्मचारियों से काम करवाना
शिक्षक	कानून व्यवस्था बताना
पुलिस	रोगी की सेवा देखभाल करना
फैक्ट्री मालिक	छात्रों को शिक्षा देना

गृहकार्य– पाठ के अंत में दिए गए भाषा के रंग के पाँचवें प्रश्न के (ख) का प्रश्न गृहकार्य हेतु शिक्षक छात्रों को देंगे।

पाठ–19, श्रुति की समझदारी (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H403, H407

शिक्षण उद्देश्य–

- आई0सी0टी0 के माध्यम से शिक्षा का अधिकार वीडियो दिखाकर चर्चा व मुख्य बिंदुओं का लेखन कराना।
- बाल अधिकार, बाल मजदूरी के प्रति समझ को विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– आई0सी0टी0 संसाधन या दीक्षा ऐप का प्रयोग, पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक, पुस्तकालय, मीना की चित्र युक्त कहानी (मीना मंच)

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले दिन जो पपेट संचालन किया गया उसे शुरू करके इस बात पर लाई जाएगी।
- शिक्षा का अधिकार के वीडियो दिखाकर चर्चा पाठ पर करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों द्वारा स्वतंत्र पठन कराएँगे।
- शिक्षक अपने मोबाइल का प्रयोग करके या विद्यालय में उपलब्ध आई0सी0टी0 संसाधनों की सहायता से शिक्षा का अधिकार संबंधित वीडियो "मीना की दुनिया" के वीडियो दिखाएँगे।
- छात्रों से वीडियो में क्या बताया गया है ? अपने शब्दों में बताने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- चर्चा के उपरांत शिक्षक छात्रों से बाल अधिकार एवं बाल मजदूरी विषय पर लिखने के लिए कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–69 के प्रश्न संख्या–2 का कार्य कराएँगे।

गृहकार्य– छात्र अपनी मां/पिताजी, दादा/दादी, चाचा/चाचा जो भी परिवार में ऐसे बड़े हैं उनसे पूछेंगे कि वह कहाँ तक पढ़े हैं और यदि किसी ने बीच में पढ़ाई छोड़ी या कुछ कक्षाओं के बाद अपनी इच्छा अनुसार हाई स्कूल, इण्टर, बी0ए0 आदि नहीं कर सका तो क्या कारण थे ? वह लिखेंगे दूसरे दिन कक्षा में पढ़कर प्रस्तुत करेंगे यह निर्देश छात्रों को दिए जाएँगे। पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–116 के प्रश्न संख्या–6 का कार्य अपने अभिवावक की सहायता से करके लाएँगे।

पाठ–19, श्रुति की समझदारी (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H403, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- शिक्षक द्वारा कहानी सुनाना, पाठ के अपरिचित व कठिन शब्दों पर चर्चा करना, नए शब्दों से एक छोटी कहानी लिखवाना।
- छात्रों में पठन एवं कौशल का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक हमारे सहयोगी विषय की चर्चा को पुनः दोहराते हुए पाठ में आए मजदूर, कामवाली, पुलिस के अधिकारी, रिक्शे वाले के साथ छोटी लड़की के बारे में बातचीत करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्र पाठ का साझा पठन करेंगे। उसके बाद शिक्षक श्यामपट्ट पर पाठ में आए कठिन व नए शब्दों को लिखकर उन पर चर्चा करेंगे।
- लिखे गए शब्दों से वाक्य बनाकर लिखने को कहेंगे। इसके लिए शिक्षक छात्रों से पाठ में से ऐसे दो शब्द छाँटकर बारी–बारी श्यामपट्ट पर लिखकर बोलने को कहेंगे जो बीच में (–) का चिन्ह से जुड़े हुए। जैसे– पाठ के पहले साफ–सुथरी, आस–पास, घुल–मिल, खेल–खेल पढ़ लिख मां–बाप, धीरे–धीरे, गली मोहल्ले, धमा–चौकड़ी, कभी–कभी तथा खुशी–खुशी फिर उन्हें समझा कर बताये कि इन्हें शब्द युग्म कहते हैं। यह शब्द एक साथ प्रयोग होते हैं मिलकर एक नया अर्थ बनाते हैं। वार्तालाप के माध्यम से इसे और स्पष्ट करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- शिक्षक वार्तालाप के ही द्वारा कुछ शब्द युग्मों के प्रयोग से नए वाक्य बनाएँगे और छात्रों से भी ऐसे वाक्य बनाने का मौखिक अभ्यास कराएँगे।
- छात्रों से ऐसे ही और शब्द युग्म की खोज करते हुए कुछ नए वाक्य कॉपी पर लिखने का निर्देश देंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– वाक्य लिखने के बाद बारी–बारी छात्रों से वह शब्द युग्म से युक्त वाक्य पढ़कर सुनाने के लिए कहेंगे। उसके पश्चात् शिक्षक पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–114 से बोध प्रश्न संख्या–2 की रिक्त स्थान की पूर्ति को पहले मौखिक पूछेंगे फिर उसे भरवाएँगे।

- पाठ की कहानी से संबंधित कुछ छोटे बोध प्रश्नोत्तर करने का निर्देश देंगे जैसे पाठ के बोध प्रश्न 1 का (क),(ग),(घ)

गृहकार्य– छात्र परिवार जनों से पूछ कर अपनी बोलचाल की भाषा में प्रयोग होने वाले कुछ अन्य शब्द युग्म जानेंगे और उसके प्रयोग से छोटी कहानी लिखकर लाएँगे।

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–114 के प्रश्न संख्या–3 के कथनों की सहायता से कहानी को क्रम से लिखकर लाएँगे।

पाठ–19, श्रुति की समझदारी (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H407, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- 'बाल अधिकार' के हेल्पलाइन नंबर्स पर चर्चा व चार्ट निर्माण तथा बाल सुरक्षा के प्रति समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– वर्ष 2019–20 हमारे संवैधानिक अधिकार मीना मंच के अंतर्गत प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय के छात्र को उपलब्ध कराई गई बुकलेट तथा उच्च प्राथमिक में मीना मंच सुगमकर्ता (टीचर) को उपलब्ध मॉड्यूल, पुस्तक फुलवारी 4 तथा कार्यपुस्तिका फुलवारी 4, श्यामपट्ट, चार्ट पेपर, कलर स्केच पेन आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- अरमान मॉड्यूल से हेल्पलाइन नंबर को पढ़कर उन पर चर्चा व गतिविधियों से छात्रों की समझ बनाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पास्को एक्ट से सम्बन्धित वीडियो दिखाकर छात्रों से चर्चा करेंगे।
- जीवन जीने का अधिकार यानी छात्रों का स्वास्थ्य
- संरक्षण का अधिकार यानी छात्रों का व्यापार/बाल विवाह
- सहभागिता का अधिकार यानी विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार रखने का अधिकार
- विकास का अधिकार यानी शिक्षा पाना हुनर सीखना तथा व्यक्तित्व का विकास करने का अधिकार आदि पर चर्चा करके छात्रों को उनके बाल अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगे तथा इस पर छात्रों से भी मौखिक वार्तालाप से उनके विचार लेंगे।
- शिक्षक पाठ्यपुस्तक फुलवारी के पाठ–19 के पृष्ठ संख्या–117 के मैटर यह भी जानिए के अंतर्गत दिए गए बाल अधिकार, बाल श्रम, अनुकूल शिक्षा का अधिकार, बाल श्रम उन्मूलन को पढ़कर चर्चा करेंगे या साथ ही प्राथमिक की बुक हमारे संवैधानिक अधिकार से भी इसे विस्तार से पढ़कर सुनाया और छात्रों संग इस पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ के अंत में सोच विचार के (ड) नंबर के प्रश्न को छात्र अपनी समझ से हल करके उस कारण को लिखेंगे व बताएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– अलग–अलग समूह बनाकर छात्रों को अलग–अलग हेल्पलाइन नंबर बाल अधिकार देकर उस पर कोई चित्र या पोस्टर बनाकर उसका प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।

गृहकार्य– आज मैंने क्या जाना, क्या सीखा इसे 10 लाइनों में छात्र अपने शब्दों में लिखकर लाएँगे।

पाठ–19, श्रुति की समझदारी (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H407, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- व्याकरण के प्रति समझ विकसित करते हुए प्रत्यय और सर्वनाम से परिचित कराना।
- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य।

आवश्यक सामग्री– कार्यपुस्तिका, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- सर्वप्रथम शिक्षक फुलवारी पाठ्यपुस्तक 4 के प्रश्न 3 में दिए गए कथनों को छात्रों का समूह बनाकर उनसे पढ़वाकर पाठ की कहानी के अनुसार मौखिक रूप से सही क्रम में लगाकर बताने की गतिविधि कराएँगे फिर उसे अपनी–अपनी कॉपी में लिखने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- लिखने के बाद कहानी के सही क्रम को छात्रों से पढ़कर सुनाने की गतिविधि कराने के बाद छात्रों से शिक्षक पाठ के बोध प्रश्न 1 के (ख) (ड) पर चर्चा करके उनके उत्तर मौखिक रूप से छात्रों से निकलवाएँगे तथा उन्हें कॉपी पर लिखवाएँगे।
- श्यामपट्ट पर पाठ के अंत के भाषा के रंग के 5 के नंबर (क) प्रश्न के अंतर्गत शब्दों के सही प्रत्यय जोड़कर नए शब्द बनाने तथा प्रश्न 5 के (ख) के अंतर्गत रिक्त स्थानों में क्या उचित सर्वनाम शब्द लिखा जाएगा।
- इस पर चर्चा करते हुए श्यामपट्ट पर उसे छात्रों से भरवाएँगे फिर छात्र अपनी कॉपी में उसे लिखेंगे।
- शिक्षक छात्रों की पाठ से भिन्न कुछ शब्द देकर प्रत्यय जोड़कर कॉपी पर लिखने को कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

छात्रों से शिक्षक चर्चा को आगे बढ़ाते हुए सोच विचार बताइए प्रश्न के (क) (ख) के प्रश्नों के उत्तर मौखिक रूप से प्राप्त करेंगे फिर इसे अपने शब्दों में छात्रों से उनकी कॉपी में लिखवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– अंत में पाठ में दर्शायी गई किसी एक समस्या व श्रुति ने जिस प्रकार कार्य किया इसके आधार पर दो समूहों में छात्रों को बाँटकर प्रश्न निर्मित कराएँगे तथा एक दूसरे समूह से छात्र वह प्रश्न पूछ कर उन प्रश्नों के उत्तर प्राप्त करेंगे। बाल अधिकार देकर उस पर कोई चित्र या पोस्टर बनाकर उसका प्रस्तुतीकरण करवाएँगे।

गृहकार्य– जो प्रश्न समूह में हल हुए है छात्र उन्हें अपने शब्दों में लिखेंगे व दूसरे दिन कक्षा में पढ़ कर सुनाएँगे।

पाठ–19, श्रुति की समझदारी (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H403, H407, H410

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना तथा कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– कार्यपुस्तिका, चित्रकला बनाने की सामग्री, आर्ट शीट्स, श्यामपट्ट, चॉक, फुलवारी पाठ्यपुस्तक 4 आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्र पिछले दिन की कक्षा के गृहकार्य स्वरूप जो प्रश्न के उत्तर लिखकर लाये उन पर बात करते हुए पाठ में आए कठिन शब्दों से संबंधित चर्चा करते हुये कार्यपुस्तिका फुलवारी 4 के प्रश्न 1 पर चर्चा तथा उसके प्रयोग से संबंधित छोटे वाक्य छात्रों से मौखिक रूप से बुलवाएँगे।

जैसे– आवास– अर्थ– वह मकान जहाँ परिवार के लोग निवास करते है।

वाक्य– बच्चा मेरा आवास गाँव............ में दूसरी गली के 5 नंबर पर स्थित है।

फिर कार्यपुस्तिका के अर्थ शिक्षक अपनी देख–रेख में छात्र अपनी–अपनी कार्यपुस्तिका में लिखेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक सभी छात्रों की कार्यपुस्तिका की पेज संख्या–70 पर प्रश्न संख्या–4 में दिए गए पोस्टर के आधार पर शिक्षक द्वारा दी गई आर्टशीट पर देखकर इनको बनाएँगे एवं रंग भरेंगे। साथ ही उसके प्रश्नों के उत्तर कार्यपुस्तिका में शिक्षक छात्रों से लिखाएँगे।

शिक्षण के अंत में (5–10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक फुलवारी कक्षा 4 के अंत में दिया गया बाल श्रम अधिनियम उन्मूलन के बारे में चर्चा पुनः शिक्षक द्वारा छात्रों के साथ की जाएगी।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक पोस्टर तथा बाल श्रम अधिनियम उन्मूलन तथा पाठ की भाषा अभ्यास कार्य से जुड़े कुछ छोटे बोध प्रश्न तैयार कर उनके उत्तर छात्रों से कॉपी पर लिखने का निर्देश देंगे। (शिक्षक मार्गदर्शन के रूप में)

पाठ–20, चाचा का पत्र (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H412, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- पत्र विधा से परिचित कराते हुए एक दूसरे को संदेश पहुँचाने वाले साधनों और उनके प्रयोग की विशेषताओं से परिचित कराना।
- पत्र शब्द से संबंधित अन्य शब्द लिखना।

आवश्यक सामग्री– कई प्रकार के पत्र, पोस्ट कार्ड, अवकाश पत्र, शिकायत पत्र, आवेदन पत्र, अधिकारी या विभाग को लिखे पत्र व आई0सी0टी0 संसाधन आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- आप अपने से दूर रहने वाले रिश्तेदारों मित्रों से सूचना व कुशल समाचारों का आदान–प्रदान कैसे करते हैं ?
- जब हमारे पास फोन तथा मोबाइल फोन नहीं था तब कैसे यह कार्य होता होगा बताइए ?
- शिक्षक पुराने लिखे पत्र, अंतर्देशीय, पोस्ट कार्ड दिखाते हुए छात्रों से चर्चा करेंगे कि पहले पत्र कैसे लिखे जाते थे ? कैसे भेजे जाते थे ? आदि पर चर्चा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पत्रों की भाषा पर चर्चा के दौरान छोटो तथा बड़ों को संबोधित करने वाले शब्द तथा अंत में स्वयं के लिए प्रयोग किए जाने वाले उचित शब्दों की जानकारी देंगे।

संबोधन शब्द– आदरणीय, पूज्य, महोदय, श्रीमान, श्री, आदि

स्वयं के लिए– आपका आज्ञाकारी, प्रार्थिनी, प्रार्थी, निवेदक, निवेदिका, आपका, आपकी प्रिय, इस पर विस्तार से छात्रों के साथ चर्चा करेंगे।

- शिक्षक छात्रों को देश के प्रथम प्रधानमंत्री के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए उनके छात्रों के प्रति प्रेम की चर्चा करेंगे कि आखिर उन्हें चाचा नाम से क्यों संबोधित किया जाता है ?

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से मित्रों को संबोधित कर 5–6 पंक्तियों का एक पत्र लिखने को कहेंगे फिर वह मित्र छात्र/छात्रा उस पत्र को कक्षा में पढ़कर सुनाएँगे।(शिक्षक मार्गदर्शक के रूप में रहेंगे)

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– पृष्ठ संख्या–72 के प्रश्न संख्या–2 पर कार्य करेंगे।

गृहकार्य– अंतर्देशीय पत्र बनाकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–20, चाचा का पत्र (2/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H412, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के निहित भावों एवं विचारों को समझना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक फुलवारी, श्यामपट्ट, चॉक, चार्ट, रंगीन स्केच, पुराने लिखे पत्र, अंतर्देशीय पत्र, पोस्ट कार्ड, आइ0सी0टी0 का प्रयोग।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- अपने शिक्षक को अवकाश के लिए पत्र में क्या लिखेंगे छात्रों से चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- पाठ ''चाचा का पत्र'' उचित हाव–भाव के साथ शिक्षक पढ़कर सुनाएँगे बच्चे स्वतंत्र पठन करेंगे।
- पाठ में आए कठिन व अपरिचित शब्दों को सरल भाषा में छात्रों के परिवेशीय अनुभव से जोड़ते हुए चर्चा करते हुए समझ का विकास करेंगे।
- पाठ में आए कठिन शब्दों का श्यामपट्ट की सहायता से सरल शषा में समझाएँगे।
- शब्द संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण है इस पर भी चर्चा करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- पत्र किसने और किसको लिखा है ? चर्चा कर छात्रों से उत्तरपुस्तिका में लिखने को कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–121 के भाषा के रंग भाग 'क' 'ख' खण्ड को कराएँगे।

गृहकार्य– पाठ में दिए गए किसी पैराग्राफ से संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण शब्द का प्रयोग करते हुए पाँच वाक्यों का निर्माण अभिभावक की मदद से करके लाने के लिए छात्रों से कहेंगे।

पाठ–20, चाचा का पत्र (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H413

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अनुच्छेद में जानकारी खोजना, चर्चा करना एवं समूह में प्रश्न बनाना और एक दूसरे से प्रश्न पूछने की दक्षता का विकास करना।

आवश्यक सामग्री– जवाहर लाल नेहरू की फोटो, पाठ्यपुस्तक (नेहरू वाली टोपी व गुलाब कागज से बनवाएँ) श्यामपट्ट, स्कूल, पुस्तकालय से प्राप्त जवाहर लाल नेहरू से संबंधित कोई पुस्तक आदि ।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- जवाहरलाल नेहरू का संक्षिप्त परिचय उनकी फोटो, टोपी व गुलाब को दिखाते हुए देंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- जवाहरलाल नेहरू के किसी जीवन प्रसंग पर चर्चा करेंगे ।
- चर्चा किए गये प्रसंग पर छात्रों से अभिनय की तैयारी एवं अभिनय करवाएँगे। प्रश्न द्वारा चर्चा की जाएगी।

जैसे– हम बाल दिवस क्यों मनाते हैं ? आदि।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–121 "भाषा के रंग" में 15 महान विभूतियों के नाम की वर्ग पहेली को छात्रों से नाम खोज कर चिन्हित करने की गतिविधि करवाएँगे ।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

चाचा नेहरू के पाठ में जो जानकारी दी गई है उसके आधार पर सत्य/असत्य प्रकार का प्रश्न श्यामपट्ट पर लिखकर छात्रों से करवाएँगे।

उदाहरणार्थ प्रश्न–

(i) चाचा नेहरू ने कहा मैं तुम्हारे साथ बाजार जाना चाहता हूँ (सत्य/असत्य)

(ii) चाचा नेहरू ने प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेने की बात की (सत्य/असत्य)

(iii) चाचा नेहरू ने भालू जापानी छात्रों को भेजा (सत्य/असत्य)

गृहकार्य– पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–122 प्रश्न संख्या– 6 ''आपकी कलम'' घर से अभिभावकों की मदद से कर के लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–20, चाचा का पत्र (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H412, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- मेले में जाने के संबंध में अपने दोस्त को पत्र लिखना और विराम चिह्नों व विषय वस्तु को ध्यान में रखकर समीक्षा करना।

आवश्यक सामग्री– मेले का चित्र श्यामपट्ट, चॉक डस्टर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- अपने–अपने दोस्त को मेले जाने से संबंधित पत्र लिखिने पर चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- चर्चा के बाद छात्रों को मिली जानकारी व मेले संबंधी पूर्व अनुभवों के आधार पर 8–10 लाइनों का "दोस्त के साथ मेले जाने संबंधी पत्र" लिखने के लिए कहेंगे। लिखते समय विराम चिन्हों, वर्तनी आदि का ध्यान रखने के लिए कहेंगे इसके लिए शिक्षक उन्हें सहायक बिंदु देंगे ।

मेले से संबंधित कारण या त्यौहार
मेले जाने का साधन (परिवहन)
मेले के दृश्य आदि पर चर्चा
छात्र मेले में क्या–क्या करेंगे

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्रों के पत्र लिख लेने के बाद उसे पुनः उनके दोस्तों को दिया जाएगा और दोस्त एक दूसरे के पत्र पढ़कर सुनाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– पृष्ठ संख्या–74 का प्रश्न संख्या–7 को करवाएँगे।

गृहकार्य– शिक्षक छात्रों से इस वर्ग पहेली से मेले संबंधी 12 सार्थक शब्द खोज कर कॉपी में लिखने का कार्य देंगे।

ख	क	दु	स	र्क	स	मू	प
श	लौ	का	छं	झू	मि	छ	र्ती
चा	ट	ने	ग	ला	दी	ठा	ह
ल	क	ट	ल	म	के	प	ई
जो	र	प	क	न	ब	व	ख
स	क	म	डे	गु	र्त	छ	क्ष
त	फ	र	ल	ब्बा	न	ह	ष
अ	प	ब	ट	रे	ठ	म	भ

पाठ–20, चाचा का पत्र (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H413

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ व पत्रों में आए संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया व विशेषण शब्दों की पहचान और उस पर चर्चा करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट सभी प्रकार के पत्र, चार्ट पेपर आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- वर्ग पहेली को हल करके जो 12 शब्द छात्रों ने लिखें हैं उन्हें पढ़कर बताने को कहेंगे।
- तथा उन्हें श्यामपट्ट पर संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण जिस भी श्रेणी में वो शब्द आया उसमें अंकित करते जाएँगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- "चाचा का पत्र" पाठ की प्रथम 8 पंक्तियों में से अपने सहयोग से छात्रों द्वारा संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण शब्द छंटवाये व उन्हें लिखवाएँगे।
- पत्र के प्रकार पत्र पर चर्चा (औपचारिक व अनौपचारिक पत्रों पर विस्तृत चर्चा) के पश्चात् संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण के शब्द छाँटकर कॉपी में लिखकर दिखाने के लिए कहेंगे।
- लिखे गए शब्दों का स्वयं से समीक्षा कर सुधार करने के लिए कहेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्रों को दो समूहों में बाँटकर एक को औपचारिक तथा दूसरे को अनौपचारिक पत्र लिखने को देंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– फुलवारी कक्षा 4 के पृष्ठ संख्या–121 के प्रश्न भाषा के रंग (ख) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया को करने के लिए कहेंगे।

गृहकार्य– शिक्षक दिवस के अवसर पर अपने शिक्षक को देने के लिए एक शुभकामना पत्र लिखकर लाने के लिए कहेंगे घर पर उपलब्ध पुराने निमंत्रण पत्रों को अगले दिन विद्यालय में लाने को कहेंगे।

पाठ–20, चाचा का पत्र (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H412, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- छोटे समूह में अपने शिक्षक व दोस्त को देने के लिए एक ग्रीटिंग कार्ड बनाना व पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य।

आवश्यक सामग्री– चार्ट पेपर या आर्ट शीट, चित्र बनाने की सामग्री सजावट कराने का सामान, कैंची, गोंद, रंग–बिरंगे स्केच पेन, पाठ्यपुस्तक फुलवारी कक्षा–4, श्यामपट्ट, शादी के कार्ड, नया साल का बधाई कार्ड आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- निमंत्रण कार्ड बनाने और प्रेषित करने के लिए क्या–क्या करना पड़ता है। छात्रों से चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- घर से लाएँ विभिन्न प्रकार के निमंत्रण पत्रों का अवलोकन करने के लिए छात्रों से कहेंगे।
- पेपर व आर्ट शीट, ड्राइंग, पेंसिल, कलर व सजावटी समान रंग–बिरंगे स्केच, गोंद, कैची के प्रयोग से छात्रों से शिक्षक अपनी देख रेख में ग्रीटिंग कार्ड बनवाएँगे व उचित सहयोग तथा मार्गदर्शन देंगे।
- विभिन्न पत्रों की लेखन सरंचना पर छात्रों से बातचीत करेंगे।
- उदाहरण: पत्र के शुरुआत में पूजनीय, आदरणीय आदि लिखा होता है।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- पाठ्यपुस्तक के अभ्यास कार्य में दिए प्रश्न में बोध प्रश्न 1 क, ख, ग, घ के उत्तरों पर चर्चा की तथा छात्रों से प्राप्त हुए उत्तर को लिखवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– शिक्षक कुछ प्रश्नों को पूछ कर छात्रों का आकलन करेंगे कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–76 के प्रश्न संख्या–10 पर कार्य।

गृहकार्य– अपने–अपने घर से नए साल पर ग्रीटिंग कार्ड बना कर लाएँगे।

नोट– अगले दिन इसकी प्रस्तुतीकरण करेंगे।

पाठ–20, चाचा का पत्र (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H412, H413

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना एवं कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका कक्षा 4 फुलवारी, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पिछले कक्षा में बनाए गए ग्रीटिंग कार्ड, निमंत्रण व बधाई शुभकामना कार्ड को छात्रों से पुनः प्रदर्शित करके उन्हें पढ़ने को कहेंगे तथा उससे संबंधित त्यौहार, उत्सव कार्य आदि पर सरल स्थानीय भाषा में छात्रों से छोटे–छोटे वाक्यों में बोध प्रश्नोत्तरी करके चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों से पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–120 के प्रश्न संख्या–4 पर चर्चा करेंगे।
- शिक्षक स्वयं से तैयार आकलन प्रपत्र से सभी छात्रों का आकलन करेंगे। इसके लिए शिक्षक पाठ्यपुस्तक व कार्यपुस्तिका में दिए गए अभ्यास प्रश्नों का प्रयोग कर सकते हैं या संबंधित विषय वस्तु पर स्वयं से प्रश्न निर्माण कर सकते हैं।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- श्यामपट्ट पर कार्यपुस्तिका फुलवारी 4 के पृष्ठ संख्या–74 के प्रश्न संख्या–6 सही जोड़े बनाइए को करवाएँगे।
- "गांधी जी के बारे में चाचा नेहरू ने छात्रों को पत्र में क्या बताया है ? यह बारी–बारी एक–एक बिंदु छात्रों द्वारा शिक्षक श्यामपट्ट पर अंकित करवाएँगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका कक्षा–4 के पृष्ठ संख्या–75 को पूर्ण करवाएँगे।

सपनों की उड़ान

रूही के स्कूल में गर्मियों की छुट्टियाँ पड़ गई थीं। रूही बहुत खुश थी। उसकी मौसी मुंबई में रहती थीं। रूही अपने परिवार के साथ हवाई जहाज़ से मुंबई जाने वाली थी। सारी तैयारियाँ हो चुकी थीं। रूही बहुत खुश थी। वह पहली बार हवाई यात्रा करने जा रही थी। माँ ने कहा, "रूही, सो जाओ। सुबह जल्दी जाना है।"रूही को रात में सपना आया। उसने देखा कि वह हवाई जहाज़ में बैठी हुई है। जहाज़ उड़ने की तैयारी में है। उसने धीरे–धीरे चलना शुरू किया। फिर तेज़ी से दौड़ने लगा। तेज़ आवाज़ कानों में गूँजने लगी। जहाज़ उड़ान भरने ही वाला था कि अचानक ज़ोर का झटका लगा। वह हड़बड़ाकर उठ बैठी। सामने माँ खड़ी थीं वह रूही को जगा रही थी, "चलो, जल्दी उठो। जाना है कि नहीं?" रूही आँखें मलते हुए बोली, "क्या हम जहाज़ में बैठ गए?" माँ ने हँसते हुए कहा, "सपनों की उड़ान छोड़ो। असली दुनिया की उड़ान अब भरनी है।" रूही उठी और मुँह–हाथ धोने चली गई।

Writer : Naresh Babu	Illustrator : Habib Ali

पाठ–21, सबसे उजला (1/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- एकांकी विधा से परिचय, पाठ का पठन/वाचन तथा कहानी के रूप में सुनना एवं सुनाना।

आवश्यक सामग्री– कक्षा–4 की पाठ्यपुस्तक, चॉक, डस्टर, श्यामपट्ट, कलर पेन आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- पाठ का परिचय– शिक्षक द्वारा अकबर बीरबल का कोई प्रसंग सुनाकर छात्रों से बातचीत की जाएगी।
- बातचीत के दौरान उन्हें सुनी कहानी से शिक्षक कुछ खुले एवं बंद छोर के प्रश्न पूछेंगे।

(i) सुनी गई कहानी से आपको कौन सी बात सबसे अच्छी लगी व क्यों ?

(ii) इस कहानी को आप क्या शीर्षक देंगे ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक पाठ का आदर्श वाचन करेंगे।
- शिक्षक छात्रों से एकांकी में आये पात्रों पर चर्चा करेंगे एवं कुछ प्रश्न पूछेंगे।

(i) अकबर ने दरबारियों से क्या प्रश्न पूछा ?

(ii) क्या सभी दरबारी बुद्धिमान एवं हाजिर जवाबी थे ?

(iii) बीरवल ने अपनी बात कैसे सिद्ध की ?

- शिक्षक छात्रों को कुछ समूह में विभाजित कर प्रत्येक समूह को एक प्रश्न देंगे व बारी–बारी से आकर अपने प्रश्न के उत्तर बोलते हुए प्रस्तुति देंगे। छात्र संख्या–के अनुसार शिक्षक छात्रों के समूह निर्माण करेंगे।

समूह 1– अकबर व बीरबल के बीच का कथन लिखिए ?

समूह 2– उजली वस्तुओं की सूची बनाएँ ?

समूह 3– अंधेरा होने पर लोग उजाले के लिए क्या–क्या करते हैं ?

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- कुछ छात्रों से एकांकी को उनकी भाषा में सुना जाएगा व अन्य छात्रों से उस पर चर्चा की जाएगी।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- शिक्षक छात्रों से कुछ बोध प्रश्न पूछेंगे।

(i) उजली वस्तुओं के विषय में दरबारियों ने क्या–क्या उत्तर दिया ?

(ii) बीरबल ने कमरे में रुई, दूध की पतीली क्यों रखवाई ?

गृहकार्य– छात्र माता–पिता, दादा–दादी, नाना–नानी से अकबर बीरबल की कोई कहानी सुनकर अगले दिवस कक्षा में सुनाएँगे।

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ का पात्र आधारित पठन, स्वतन्त्र पठन, विलोम शब्दों की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- गृहकार्य में दी गई अकबर बीरबल की कहानी पर छात्रों के साथ चर्चा करते हुए पूर्व दिवस में पढ़ाये गये पाठ का चित्र दिखाकर कुछ प्रश्न पूछें जाएँगे। जैसे–

प्रथम चित्र–

(i) दरबारी क्या सोच रहा है ?

दूसरा चित्र–

(i) दूसरे चित्र में अकबर बीरबल से क्या संवाद कर रहा है ?

(ii) उजली वस्तुओं के विषय में दरबारियों ने क्या उत्तर दिए ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को स्वतंत्र पठन के लिए कहेंगे तत्पश्चात उनको समूह में बाँटकर पात्रों के संवादो को हाव–भाव के साथ बोलने को कहेंगे।
- शिक्षक छात्रों को दो समूह मे बाँटकर एक समूह को शब्द लिखे फ्लैश कार्ड व दूसरे समूह को विलोम (विपरीत) लिखे फ्लैश कार्ड देंगे। समूह–1 से बच्चे शब्द बोलेंगे समूह–2 से बच्चे उस शब्द का विलोम बोलते हुए श्यामपट्ट पर लिखेंगे बारी–बारी सभी छात्रों को अवसर दिये जाएँगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्र पढ़ी गई कहानी को अपने शब्दों में लिखेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- पाठ्यपुस्तक फुलवारी के पृष्ठ संख्या–78 के प्रश्न संख्या–4 से शब्दों का विलोम लिखेंगे।

गृहकार्य– पूरी कक्षा को 3 समूह में विभाजित करेंगे–

समूह 1– को अकबर

समूह 2– को बीरबल

समूह 3– को दरबारियों के चित्र या मुखौटे बनाकर लाने के लिए कहेंगे।

- पाठ्यपुस्तक पृष्ठ संख्या–126 के प्रश्न संख्या–4 (ख) को अभिभावक की सहायता से करेंगे।

पाठ–21, सबसे उजला (3/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- पात्रों एवं पर्यायवाची शब्दों की समझ विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चित्र/मुखौटे, श्यामपट्ट, QR टूल

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्रों द्वारा बनाकर लाये गये चित्र/मुखौटों (गृहकार्य) पर चर्चा करते हुए पात्रों से परिचय कराते हुये शिक्षक छात्रों से कुछ प्रश्न पूछेंगे–

(i) बीरबल अपनी किस बात के लिए प्रसिद्ध है?
(ii) अकबर के सो जाने पर बीरबल ने कमरे में क्या–क्या रखा?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक QR का प्रयोग करते हुए पाठ व पात्रों से संबंधित 5 मिनट की वीडियो (कार्टून फिल्म) हर कहानी कुछ कहती है से 'सबसे उजला' दिखाकर समझ और गहरी की जाएगी। तथा वीडियो से संबंधित कुछ प्रश्न पूछेंगे

(i) अकबर के सिरदर्द को कम करने के लिए बीरबल ने क्या उपाय सुझाया?
(ii) राजा के प्रश्न का उत्तर बीरबल एवं अन्य दरबारियों ने क्या–क्या दिए?

- शिक्षक छात्रों द्वारा बनाये गये पात्रों के चित्रों या मुखौटों के माध्यम से अभिनय कराते हुए पाठ की व पात्रों की समझ और गहरी करेंगे।
- शिक्षक एक कविता सुनाते हुए कविता में प्रयुक्त शब्दों की समझ विकसित करेंगे।
- कविता आओ छात्रों शुरू करें एक नया अध्याय, खेल–खेल में क्यों न सीखे शब्दों के पर्याय, जैसे पानी को जल कहते हैं कहते नीर और जीवन। आँखों को कहते चक्षु, नेत्र, नयन व लोचन। हम शरीर को देह कहे, बदन कहे या गात्र, पर्वत को कहे गिरी या भूधर है एक ही बात।
- शिक्षक पाठ में आये शब्दों के पर्यायवाची छात्रों के साथ चर्चा करते हुए श्यामपट्ट पर अंकित करेंगे। छात्र नोटबुक में लिखेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- आकलन शिक्षक छात्रों से कुछ प्रश्न करेंगे जैसे–

(i) एकांकी में आये पात्रों में आपको कौन सा पात्र सबसे अच्छा लगा और क्यों?
(i) अगर सूरज दो दिन ना निकले तो क्या कठिनाई आयेगी?

- शिक्षक चित्र या नाम लिखे फ्लैश कार्ड दिखायेंगे छात्र उनके पयार्यवाची बोलेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- सोच विचार कर बताए पाठ्यपुस्तक फुलवारी के पृष्ठ संख्या–125 के प्रश्न संख्या–3 के (ग) को करवाएँगे।

गृहकार्य– इस पाठ का शीर्षक 'सबसे उजला' है आप इस पाठ को क्या शीर्षक देंगे। कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–78 के प्रश्न संख्या–3 को करने के लिए कहेंगे।

पाठ–21, सबसे उजला (4/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–
- कहानी निर्माण एवं पात्रों के कथन लिखना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चार्ट रंगीन पैन, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पाठ पर चर्चा करते हुये श्यामपट्ट पर कुछ शब्द अंकित करेंगे। पाठ में आये इन शब्दों क्रमशः बीरबल, महाराज, प्रकाश, दरवाजा आदि से एक नयी कहानी का निर्माण कराया जाएगा।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों से कुछ कथन बोलकर बारी–बारी से पूछेंगे। किसने, किससे कहा (पाठ्यपुस्तक फुलवारी के पृष्ठ संख्या–125 प्रश्न संख्या–2)
- दुनिया की सबसे उजली वस्तु दूध है–
- कोई वस्तु चाहे जितनी भी उजली हो जब तक उस पर प्रकाश नहीं पड़ता तब तक उसे कैसे देखा जा सकता है ?
- सभी छात्रों को छात्र संख्या–के अनुसार समूह में विभाजित किया जाएगा। प्रत्येक समूह को एक चित्र/पोस्टर देकर एक कहानी लिखवायी जाएगी। छात्र अपने समूह मे चर्चा कर कहानी लिखेंगे।
- शिक्षक एकांकी के पात्र एवं उनके कथन श्यामपट्ट पर अंकित करेंगे। छात्र बारी–बारी से आकर उन पात्रों का कथन मिलान करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

सोच विचार कर बताए–
- कोष्ठक में दिए गए शब्दों के विलोम शब्द से पूरा वाक्य पूरा कीजिये– (अविश्वास, भारी, पैर, प्रकाश)

(i) अंधेरा होने पर लोग उजाले के लिए क्या–क्या करते हैं ?
(ii) रात होते ही चारों ओर......................... फैल जाता है!
(iii) राजा के सिरदर्द होने पर बीरबल ने सलाह दी कि............. पर कपड़ा बाँधकर थोड़ी देर के लिए सो जाइए।
(iv) थोड़ी देर सोने के बाद अकबर का.................. ठीक हो गया।
(v) बीरबल की बात पर अंत में बादशाह को................हो गया।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–
- नीचे लिखे शब्दों को एक ही वाक्य में प्रयोग करके लिखिए–

जैसे– अँधेरा, दूध– अँधेरा होने पर मैंने दूध पिया।
रुई, दरवाजा–
पतीली, खोजते–
दुनिया, काम–

गृहकार्य– प्रकाश उजाला, दूध आदि शब्दों पर/कोई वाक्य या छोटे अनुच्छेद लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–21, सबसे उजला (5/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- चित्र देखकर मुहावरे पहचानना, मुहावरों के आधार पर चित्रों का निर्माण करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, चार्ट रंगीन कलम, श्यामपट्ट, चॉक आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- छात्र पाठ को अभी सरल भाषा में सुनाएँगे। शिक्षक कुछ खुले व बंद प्रश्न पूछेंगे जैसे–

(i) दरवाजे के पास रुई का ढेर और दूध देखकर राजा क्यों चौक गया ?

(ii) कमरे के सभी खिड़कियां, दरवाजे बंद होने पर कमरे में कैसा हो गया।

(iii) दूध से क्या–क्या बनाते हैं ? क्या दूध से प्रकाश भी मिलता है ?

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक छात्रों को समूह में विभाजित कर पाठ में आये कुछ शब्दों दूध, अँधेरा, रुई, दरवाजा आदि पर चित्र बनवाएँगे।
- चित्र पर चर्चा करते हुए शिक्षक इन शब्दों के वाक्यों में प्रयोग करते हुए श्यामपट्ट पर अंकित करेंगे।
- मुहावरों पर समझ और गहरी विकसित करने हेतु शिक्षक एक मुहावरों आधारित कहानी छात्रों को सुनाएँगे। **जैसे**–

"राजू नाम का एक लड़का था। वह अपने माता–पिता की आँखों का तारा था। जब राजू रात में सोया तो उसने एक डरावना सपना देखा और वह चौंक कर जग गया। डर के कारण उसकी हालत पतली हो रही थी। उसकी माँ ने उसे प्यार से सहलाया तो वह घोड़े बेचकर सो गया।"

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्र सुनी कहानी अपने शब्दों में लिखेंगे। छात्र मुहावरों का अर्थ बताते हुये वाक्य में प्रयोग करेंगे–

गले का हार, हालत पतली होना, नौ दो ग्यारह होना, चौक जाना

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– (कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–77 प्रश्न संख्या–2)

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

(i) अकबर के सो जाने पर बीरबल ने कमरे में दरवाजे के पास .... का ढेर लगा दिया।

(ii) कमरे के सभी खिड़कियाँ बंद होने के कारण कमरे में .... हो गया।

(iii) अँधेरे में दरवाजा खोजते–खोजते अकबर का पैर .... पर पड़ गया।

(iv) दरवाजे के पास रुई का ढेर और .... देखकर चौंक गए।

गृहकार्य– बच्चों से उपरोक्त मुहावरों पर मिलती जुलती कहानी अपने परिवार की मदद से लिखकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–21, सबसे उजला (6/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ के अभ्यास प्रश्नों पर कार्य प्रश्न निर्माण कौशल विकसित करना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, पुस्तकालय की पुस्तकें आदि।

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक पूर्व दिवस की चर्चा को दोहराते हुए छात्रों से एकांकी का सार सुनेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- छात्रों से पाठ्यपुस्तक फुलवारी के पाठ 21 के अभ्यास कार्य से बोध प्रश्नों पर चर्चा करते हुए उत्तर लिखने के लिए कहेंगे।

(i) दरबारियों की बात सुनकर बीरबल को हंसी क्यों आ गई ?

(ii) अकबर के सिरदर्द को कम करने के लिये बीरबल ने क्या उपाय बताया ?

(iii) बीरबल ने अपनी बात कैसे सिद्ध की ?

- पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या–126 के प्रश्न संख्या–5 अब करने की बारी को करने के लिए कहेंगे (शिक्षक, सहयोगात्मक भूमिका में रहेंगे)।
- कारक चिह्नों पर फ्लैश कार्ड के द्वारा समझ का विकास करेंगे।

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- छात्रों से समूह चर्चा के पश्चात् लेखन कार्य कराएँगे। (पाठ्यपुस्तक से पृष्ठ संख्या–126 के प्रश्न संख्या–6 व 7)

1– इस कहानी से मैंने सीखा...........

- मैं करूँगा/करूँगी

2– मेरे दो प्रश्न

- पाठ के आधार पर कोई दो सवाल/प्रश्न बनाइए।
- दिए गए वाक्यों में से कारक चिह्न पहचान कर लिखिए।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य–

- कार्यपुस्तिका फुलवारी के पृष्ठ संख्या–80 के प्रश्न संख्या–8 को कीजिए।

गृहकार्य– बीरबल की तरह बहुत से लोग है जिनकी हाजिर जवाबी के किस्से प्रसिद्ध हैं– परिवार व पुस्तकालय की किताबों की मदद से ऐसे लोगों के नामो की सूची बच्चों से बनाकर लाने के लिए कहेंगे।

पाठ–21, सबसे उजला (7/7)

40 मिनट

लर्निंग आउटकम– H404, H405

शिक्षण उद्देश्य–

- पाठ से संबंधित अपरिचित शब्दों पर समझ बनाना और कार्यपुस्तिका के अभ्यासों पर कार्य कराना।

आवश्यक सामग्री– पाठ्यपुस्तक, श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर, कार्यपुस्तिका आदि

शिक्षण के प्रारम्भ में (5–10 मिनट)

- शिक्षक पूर्व दिवस में दिए गए गृहकार्य का अवलोकन कर सुधारात्मक सुझाव देंगे व छात्रों को प्रोत्साहित करेंगे।
- पूर्व दिवस का दोहराव करते हुए प्रचलित कहानियों पर छात्रों से चर्चा करेंगे।

शिक्षण के दौरान (20–25 मिनट)

- शिक्षक आस–पास की उपलब्ध सामग्री से एकवचन व बहुवचन को स्पष्ट करेंगे छात्रों को एक कंकड़ दिखाकर बताएँगे कि एक अर्थात एकवचन और बहुत सारे कंकड़ दिखाते हुए बहुवचन को स्पष्ट करेंगे एवं एक–अनेक को भी स्पष्ट करेंगे।

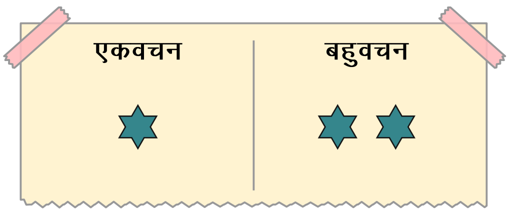

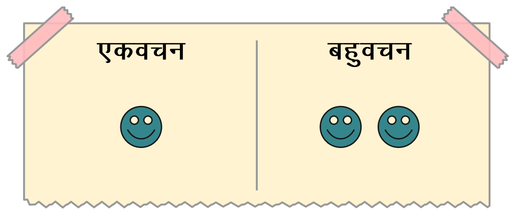

- कार्यपुस्तिका पृष्ठ संख्या–77 के प्रश्न संख्या–1 को बच्चों से करवाएँगे। कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–80 के प्रश्न संख्या–7 को बच्चों से करवाएँगे।
- प्रकाश, पानी, दूध, राजा सूरज आदि के पर्यायवाची शब्दों के फ्लैश कार्ड बनाकर एक बॉक्स में रखेंगे।
- छात्र बारी–बारी से आपने बॉक्स से एक शब्द निकालकर उसके समानार्थी शब्दों को श्यामपट्ट पर लिखेंगे। (शिक्षक सहयोग के रूप में रहेंगे।)

शिक्षण के अंत में (10 मिनट)

- बच्चों से जोड़ी में चर्चा कर व कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–78 प्रश्न संख्या–5 करने के लिए कहेंगे।

आकलन एवं कार्यपुस्तिका पर कार्य– कार्यपुस्तिका के पृष्ठ संख्या–80 के प्रश्न संख्या–6 एवं 8 को करवाएँगे।

निर्देश–

(कितना सीखा–4 (तीन दिवस)

- **पाठ 17 से 21 तक की विषयवस्तु एवं अभ्यास कार्यों पर चर्चा।**

परिशिष्ट

पंचकोष का विकास (Five fold Development)
भारतीय परम्परा का आधार स्तभ

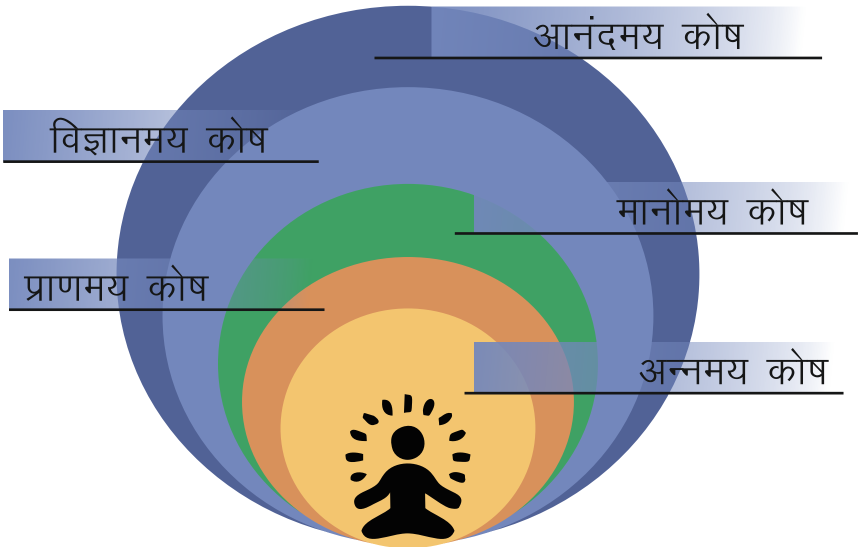

सतत विकास लक्ष्य (SDGs)

1—गरीबी की पूर्णतः समाप्ति
2—भुखमरी की समाप्ति
3— अच्छा स्वास्थ्य और जीवन स्तर
4—गुणवत्तापूर्ण शिक्षा
5— लैंगिक समानता
6— साफ पानी और स्वच्छता
7—सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा
8—अच्छा काम और आर्थिक विकास
9—उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा का विकास
10—असमानता में कमी
11—टिकाऊ शहरी और सामुदायिक विकास
12—जिम्मेदारी के साथ उपभोग और उत्पादन
13—जलवायु परिवर्तन
14—पानी में जीवन
15—भूमि पर जीवन
16—शांति और न्याय के लिए संस्थान
17—लक्ष्य प्राप्ति में सामूहिक साझेदारी

स्कूली शिक्षा

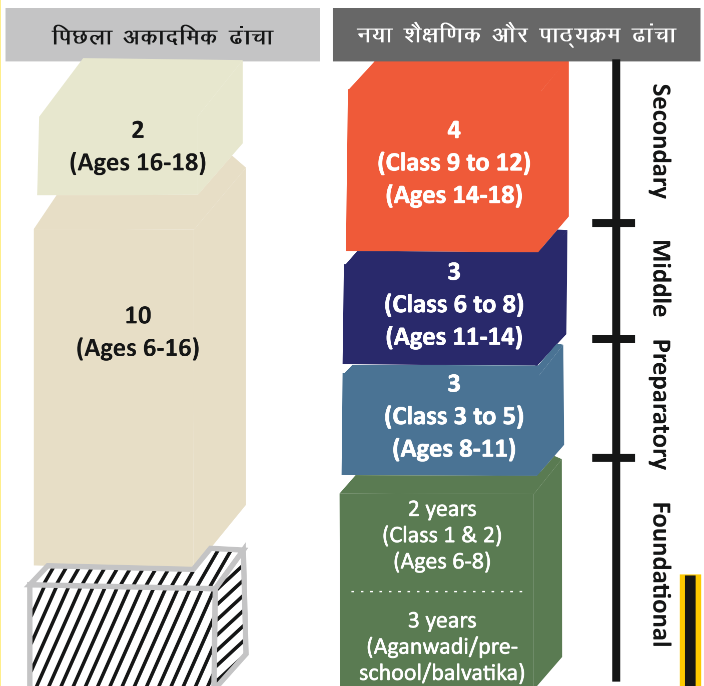

स्रोतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, फाउंडेशनल स्टेज 2022

राष्ट्रगान

जन–गण–मन अधिनायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
पंजाब–सिंध–गुजरात–मराठा
द्राविड़–उत्कल–बंग
विंध्य–हिमाचल–यमुना–गंगा
उच्छल–जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय गाथा
जन–गण–मंगल दायक जय हे
भारत–भाग्य विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे!